



Department of Pharmaceuticals
Ministry of Chemicals and Fertilizers
Government of India



एक कदम स्वच्छता की ओर



HYDERABAD

NIPER-HYDERABAD



2020-21 ANNUAL REPORT वार्षिक रिपोर्ट



राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, (नाईपर) हैदराबाद
औषधविभाग, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार

वार्षिक रिपोर्ट: 2020-21

संरक्षक

डॉ. शशी बाला सिंह

निदेशक, नाईपर-हैदराबाद

संकलन

डॉ. एन. शंकरैय्या

डॉ. रवि कुमार

डॉ. पंकज कुमार सिंह

प्रस्तावना

निदेशक

मुझे वर्ष 2020-2021 के लिए राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर) हैदराबाद की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए खुशी हो रही है। नाईपर हैदराबाद को भारत सरकार द्वारा 'राष्ट्रीय महत्व के संस्थान' के रूप में घोषित किया गया है और यह बढ़ते भारतीय फार्मास्यूटिकल उद्योग



के लिए मानव संसाधन विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह भारत सरकार के रसायन और उर्वरक मंत्रालय के फार्मास्यूटिकल्स विभाग के तत्वावधान में एक स्वायत्त निकाय है। नाईपर हैदराबाद ने तीन विभागों में स्नातकोत्तर डिग्री कार्यक्रमों के साथ 2007 में अपनी यात्रा शुरू की थी। वर्तमान में संस्थान में कुल 8 शैक्षणिक विभाग हैं : एम एस (फ़ार्मा) (औषधीय रसायन विज्ञान, औषधीय विश्लेषण, औषध एवं विष विज्ञान, औषध विद्या, नियामक विष विज्ञान, एवं एम टेक (फ़ार्मा) (प्रक्रिया रसायन) और एम बी ए (फ़ार्मा) जो 310 से अधिक छात्रों की प्रशिक्षित करते है। स्नातकोत्तर अध्ययन को आगे बढ़ाने एवं औषधि विज्ञान की प्रायोगिक सुविधाओं की स्थिति के साथ, नाईपर-हैदराबाद ने औषधीय रसायन विज्ञान, औषधीय विश्लेषण, औषध विद्या और औषध एवं विष विज्ञान में पीएचडी पाठ्यक्रम वर्ष 2011 में शुरू किए। वर्तमान में, लगभग 93 पीएचडी छात्र डॉक्टरेट डिग्री कार्यक्रमों के लिए अपने शोध कार्य का संपादन कर रहे हैं।

नाईपर हैदराबाद द्वारा पिछले कुछ वर्षों में किए गए निरंतर उत्कृष्ट प्रयासों के परिणामस्वरूप राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एन.आई.आर.एफ.) रैंकिंग में 'फार्मेसी' श्रेणी में वर्ष 2019-20 के दौरान 334 फार्मेसी संस्थानों में से 5 वें स्थान (स्कोर: 73.81) पर रहा है। ड्रग डिस्कवरी से लेकर फॉर्म्यूलेशन डेवलपमेंट और प्रीक्लीनिकल स्टडीज तक, कैंसर, गठिया, मधुमेह, न्यूरोडीजेनेरेटिव और संक्रामक रोगों और एंटी-माइक्रोबियल के क्षेत्रों में संस्थान संकाय अनुसंधान के एक व्यापक क्षेत्र में सक्रिय है। 13 वर्षों की अत्यावधि में, संस्थान ने न केवल औषधि विज्ञान में उन्नत अध्ययन और सीखने के लिए खुद को उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में स्थापित किया है, बल्कि अपने अत्याधुनिक एवं विश्लेषणात्मक उपकरणों के साथ नए ड्रग डिस्कवरी और विकास कार्यक्रमों को परिलक्षित करते हुए आगे आने वाली चुनौतियों के लिए भी खुद को तैयार किया है। हमने अपने राष्ट्रीय दायित्व का निर्वहन करते हुए एवं भारत सरकार के कौशल भारत कार्यक्रम को आगे

बढ़ाते हुए, 10 से अधिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और कौशल विकास कार्यक्रमों का आयोजन किया, ताकि औषधि अनुसंधान के लिए उत्कृष्ट मानव संसाधन तैयार किये जा सके।

हमारे छात्रों और शिक्षकों की उपलब्धियां हमें गौरवान्वित करती हैं। हमारे अनुसंधान विद्वानों ने विभिन्न निधीयन संस्थाओं की सहायता एवं अनुदान के साथ विभिन्न सम्मेलनों और संगोष्ठियों में अपने शोध कार्य को प्रस्तुत करने के लिए विदेशी विश्वविद्यालयों का दौरा किया। शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के लिए बेयर की मेधावी छात्रवृत्ति के लिए एम.बी.ए (फ़ार्मा) के तीन छात्रों का चयन किया गया है।

छात्रों को उनके पीएचडी कार्यक्रमों के लिए मार्गदर्शन करने के अलावा, मुझे यह उल्लेख करते हुए खुशी हो रही है कि शिक्षकों डी. एस.टी., आयुष, डी.बी.टी, आई.सी.एम.आर. और डी.आर.डी.ओ. जैसी एजेंसियों से परियोजनाएं प्राप्त करने में सफल रहे। कुछ नये सहभागिता बेलस्टॉक विश्वविद्यालय, फेनो बायोटेक इंक, सीएसआईआर-आईआईटीआर, एनबीआई बायोसाइंस प्राइवेट लिमिटेड और कई अन्य के साथ भी विकसित किए गए हैं।

लगभग 85% छात्रों को नोवार्टिस, एली लिली, जॉनसन एंड जॉनसन, क्रेडो लाइफ साइंसेज, एएमआरआई, साई लाइफसाइंसेस, जेनटेक, ऑरोर लाइफसाइंसेज, अरबिंदो, स्प्रिंगर्स नेचर पब्लिशिंग ग्रुप, स्टेलारिक्स, वीवो बायोटेक, ऐजेंट, बीबीआरसी, फाइजर, डॉ रेड्डीज, बोहरिंगर इंगेलहेम, माइलान, गुब्बा कोल्ड स्टोरेज, मैकलियोड्स, ईएसआई हॉस्पिटल, हेटेरो, इत्यादि जैसी राष्ट्रीय और बहु-राष्ट्रीय फार्मा कंपनियों दोनों में कैपस प्लेसमेंट के माध्यम से रखा जा रहा है।

हमने अपने परिसर को छात्रों, शिक्षक सदस्यों और कर्मचारियों के लिए संपर्क रहित उपस्थिति को उन्नत किया। मैं, हमारे सभी छात्रों, शिक्षक सदस्यों, कर्मचारियों और औषध विभाग, रसायन और उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार को धन्यवाद देते हुए उन सभी लोगों का आभार व्यक्त करना चाहती हूँ जिन लोगों ने नाईपर हैदराबाद की वृद्धि एवं विकास में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से योगदान दिया।

अंत में मैं संपादकीय टीम की विशेष सराहना करती हूँ जिन्होंने इस व्यापक वार्षिक रिपोर्ट को प्रस्तुत किया।

- डॉ. शशी बाला सिंह, FNASc. FIAN, FAMS

निदेशक, नाईपर-हैदराबाद

नाईपर-हैदराबाद के बारे में

नाईपर-हैदराबाद एक स्वायत्त निकाय है, जो औषध विभाग (डीओपी), रसायन और उर्वरक मंत्रालय के तत्वाधान में उच्च शिक्षा, अनुसंधान और औषधि विज्ञान में विकास के लिए उत्कृष्टता केंद्र के रूप में स्थापित किया गया है। संस्थान को भारत सरकार द्वारा संसद के अधिनियम के माध्यम से "राष्ट्रीय महत्व का संस्थान" घोषित किया गया है। भारत सरकार के निर्णय के अनुसार, नाईपर - हैदराबाद ने आई.डी.पी.एल, अनुसंधान केंद्र, बालानगर हैदराबाद के परिसर में सितंबर 2007 में छह नए नाईपर में से एक के रूप में कार्य करना शुरू किया। संस्थान स्नातकोत्तर और पीएचडी पाठ्यक्रमों के संचालन के माध्यम से उत्कृष्टता के साथ मानव संसाधन विकसित करने के मिशन के साथ काम कर रहा है। छात्रों को हर साल सभी नाईपर के लिए एक संयुक्त प्रवेश परीक्षा के माध्यम से चुना जाता है। नाईपर में एम.एस. (फार्म), एम. टेक. और विभिन्न विषयों में एमबीए पाठ्यक्रम अर्थात्, औषधीय रसायन विज्ञान, औषधीय विश्लेषण, औषध एवं विष विज्ञान, औषध विद्या, प्रक्रिया रसायन, नियामक विष विज्ञान और औषधीय प्रबंधन की सुविधा है। नाईपर-हैदराबाद ने शैक्षणिक वर्ष 2021 से चिकित्सा उपकरणों में एम.टेक व प्राकृतिक उत्पादों, फार्माकोइन्फोर्मेटिक्स और नियामक मामलों में एम.एस. (फार्म) शुरू किया है।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दी गई एन.आई.आर.एफ रैंकिंग 2020 में नाईपर-हैदराबाद ने फार्मसी श्रेणी में 5वाँ स्थान प्राप्त किया है। संस्थान में अनुभवी है; विशाल, हवादार और सुसज्जित कमरों और आधुनिक प्रयोगशालाओं के साथ; संगोष्ठी / सम्मेलनों के लिए एक उत्कृष्ट सभागार; और परिसर के भीतर एक बड़ा पुस्तकालय भी है। छात्रों के आवास के लिए सुसज्जित छात्रावास के कमरे उपलब्ध हैं। इसके अलावा, संबंधित विषयों में विशिष्ट विषयों पर प्रख्यात अतिथि शिक्षण द्वारा व्याख्यान छात्रों के लाभ के लिए सुनिश्चित किया जाता है। औषधि विज्ञान में नवीनतम प्रगति के साथ छात्रों और संकाय सदस्यों को परिचित कराने के लिए कई सम्मेलनों / कार्यशालाओं का आयोजन किया गया है। पेशेवर निकायों द्वारा आयोजित सेमिनारों में छात्रों की भागीदारी को उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्र में शोधकर्ताओं के साथ बातचीत के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है।

परिकल्पना

- औषधि विज्ञान और प्रबंधन में उच्च शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में एक अग्रणी वैश्विक संस्थान बनना ।

ध्येय

- औषधि विज्ञान और प्रबंधन में उच्च शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रयास करना ।
- इस क्षेत्र में कुशल मानव संसाधन के प्रमुख स्रोतों में से एक होने के लिए, किफायती कीमतों पर गुणवत्ता वाले उत्पादों को प्राप्त करने में भारतीय और वैश्विक फार्मा उद्योग को मजबूत करना ।

अधिदेश

- व्यावसायिकता को बढ़ाने के लिए रचनात्मकता और प्रेरणा बढ़ाना ।
- शैक्षणिक वातावरण में प्रशिक्षण और प्रदर्शन के माध्यम से शिक्षा, अनुसंधान और विकास, प्रौद्योगिकी और उद्योग के बीच तालमेल लाना ।
- वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए जैव विज्ञान, के साथ औषधि विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी का समन्वय तथा सहयोग का निर्माण करना ।
- छात्रों को शिक्षा, अनुसंधान और विकास और उद्योग के लिए उपयुक्त बनने के लिए तैयार करना ।
- अपने संबंधित क्षेत्रों में शिक्षकों, शोधकर्ताओं और नियामकों पेशेवरों के लिए ई-लर्निंग का विकास और अभ्यास करना ।
- औषधि विज्ञान के क्षेत्र में शिक्षण और अनुसंधान का एक विश्व स्तरीय संस्थान बनाना ।
- नए रास्तों एवं उभरते क्षेत्रों में अनुसंधान गतिविधियों का विस्तार करना ।
- प्रासंगिकता के क्षेत्रों में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग का अन्वेषण करना ।

शासक मंडल

क्र.	नाम और पदनाम	भूमिका
1	श्री कल्लम सतीश रेड्डी, अध्यक्ष, डॉ. रेड्डीज लेबोरेटरीज लिमिटेड	अध्यक्ष
2	निदेशक, नाईपर हैदराबाद	सदस्य (पदेन)
3	संयुक्त सचिव (नाईपर), औषध विभाग, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य (पदेन)
4	सचिव, तकनीकी शिक्षा, तेलंगाना सरकार	सदस्य (पदेन)
5	वित्तीय सलाहकार, औषध विभाग, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य (पदेन)
6	भारत के औषधि महानियंत्रक, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार	सदस्य (पदेन)
7	सदस्य सचिव, एआईसीटीई	सदस्य (पदेन)
8	सीएसआईआर की राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं में से किसी एक के निदेशक	सदस्य (पदेन) - विभाग द्वारा किए गए अनुरोध पर डीजी, सीएसआईआर द्वारा नामित किया जाएगा
9	अध्यक्ष, भारतीय औषधि निर्माता संघ (आईडीएमए)	सदस्य (पदेन)
10	फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) के प्रतिनिधि	सदस्य (पदेन) - अध्यक्ष, पीसीआई द्वारा नामित किया जाएगा
11	अध्यक्ष, भारत के फार्मास्युटिकल उत्पादकों के संगठन (ओपीपीआई)	सदस्य (पदेन)
12	प्रो. गोवर्धन मेहता, स्कूल ऑफ केमिस्ट्री, हैदराबाद विश्वविद्यालय	सदस्य - प्रख्यात फार्मास्युटिकल विशेषज्ञ
13	डॉ. सुरिंदर सिंह, पूर्व निदेशक, एनआईबी, नोएडा	सदस्य - प्रख्यात फार्मास्युटिकल विशेषज्ञ
14	प्रो. श्याम सुंदर, प्राचार्य, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, हैदराबाद	सदस्य - प्रख्यात फार्मास्युटिकल विशेषज्ञ
15	डॉ जी भानुप्रकाश रेड्डी, विभागाध्यक्ष, जैव रसायन, राष्ट्रीय पोषण संस्थान, हैदराबाद	सदस्य- प्रख्यात सार्वजनिक व्यक्ति/सामाजिक कार्यकर्ता
16	डॉ. ओ. श्रीनिवास रेड्डी, अध्यक्ष, जागृति ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन, हैदराबाद	सदस्य- प्रख्यात सार्वजनिक व्यक्ति/सामाजिक कार्यकर्ता
P	प्रोफेसर शिवराज (एसटी), रसायन विज्ञान के प्रोफेसर, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद	सदस्य- प्रख्यात सार्वजनिक व्यक्ति/सामाजिक कार्यकर्ता
18	श्री वेंकट जस्ती, अध्यक्ष और सीईओ, सुवेन लाइफ साइंसेज लिमिटेड, हैदराबाद	सदस्य- फार्मास्युटिकल उद्योगपति
19	डॉ. सत्यनारायण चावा, अध्यक्ष, लौरस लैब लिमिटेड, हैदराबाद	सदस्य- फार्मास्युटिकल उद्योगपति

शिक्षक

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	डॉ. शशी बाला सिंह	निदेशक	नाईपर - हैदराबाद
2.	डॉ. श्रीनिवास नंदूरी	प्राध्यापक	रासायनिक विज्ञान
3.	डॉ. एन शंकरैय्या	सह-प्राध्यापक	रासायनिक विज्ञान
4.	डॉ. जितेन्द्र मदान	सह-प्राध्यापक	औषध विद्या
5.	डॉ. सौरभ श्रीवास्तव	सह-प्राध्यापक	औषध विद्या
6.	डॉ. अमित अस्थाना	सह-प्राध्यापक	औषधीय विश्लेषण
7.	डॉ. गणनाधमू	सहायक-प्राध्यापक	औषधीय विश्लेषण
8.	डॉ. पंकज कुमार सिंह	सहायक-प्राध्यापक	औषध विद्या
9.	डॉ. वाई. वी. माधवी	सहायक-प्राध्यापक	रासायनिक विज्ञान
10.	डॉ. चन्द्रेय्या गोदुगु	सहायक-प्राध्यापक	जैविक विज्ञान विभाग
11.	डॉ. बी लक्ष्मी	सहायक-प्राध्यापक	औषधीय प्रबंधन
12.	डॉ. के. वेंकटराव	सहायक-प्राध्यापक	रासायनिक विज्ञान
13.	डॉ. नीलेश कुमार मेहरा	सहायक-प्राध्यापक	औषध विद्या
14.	डॉ. राजेश सोंटी	सहायक-प्राध्यापक	औषधीय विश्लेषण
15.	डॉ. मनोज पांडुरंग दांडेकर	सहायक-प्राध्यापक	जैविक विज्ञान विभाग
16.	डॉ. वसुंधरा भंडारी	सहायक-प्राध्यापक	फार्माकोइन्फोर्मेटिक्स
17.	डॉ. नीरज कुमार	सहायक-प्राध्यापक	नियामक मामले
18.	डॉ. प्रियंका बजाज	सहायक-प्राध्यापक	रासायनिक विज्ञान
19.	डॉ. अमोल गोपालराव दीकुंदवार	सहायक-प्राध्यापक	औषधीय विश्लेषण
20.	डॉ. नितिन पाल कालिया	सहायक-प्राध्यापक	जैविक विज्ञान विभाग
21.	डॉ. संतोष कुमार गुरु	सहायक-प्राध्यापक	जैविक विज्ञान विभाग
22.	डॉ. धर्मेन्द्र कुमार खत्री	सहायक-प्राध्यापक	जैविक विज्ञान विभाग
23.	डॉ. दीपिका चिलकुरी	सहायक-प्राध्यापक	औषधीय प्रबंधन
24.	डॉ. के. विनय कुमार	डीएसटी-इंस्पायर शिक्षक	रासायनिक विज्ञान

प्रशासनिक और तकनीकी कर्मचारी

क्रमांक	प्रशासनिक कर्मचारी	
1.	प्रो. जे.पी.एन. मिश्रा	कुलसचिव
2.	श्री संजीव लोहानी	वित्त एवं लेखा अधिकारी
3.	श्री मनोज धोटे	छात्रावास वार्डन और सुरक्षा प्रभारी
4.	श्री नरेंद्र बाबू	निदेशक सचिव
5.	श्री नल्ला वेंकट रेड्डी	प्रशासनिक अधिकारी
6.	डॉ. रवि कुमार	जनसंपर्क अधिकारी
7.	श्री बोनम पवन लक्ष्मण तेजा	कुलसचिव के सचिव
8.	श्री जितेंद्र भट्ट	सहायक ग्रेड II
9.	श्री कैला नंदेश्वर रेड्डी	सहायक ग्रेड II
10.	श्री अभिषेक तिवारी	कनिष्ठ तकनीकी सहायक
	तकनीकी कर्मचारी	
1.	श्री मंजूर ई. मुस्तफा	सिस्टम इंजीनियर
2.	डॉ. नंदकुमार डोईजड	वैज्ञानिक/तकनीकी पर्यवेक्षक
3.	श्रीमती श्रिष्टि पालीवाल	वैज्ञानिक/तकनीकी पर्यवेक्षक

विभागवार छात्र संख्या (2020-2021)

शिक्षण	वर्ष 2020-2021
एम.एस. (फार्मा)	
औषधीय रसायन शास्त्र	19
औषधीय विश्लेषण	21
औषध एवं विष विज्ञान	17
औषध विद्या	26
नियामक विष विज्ञान	17
एम बी ए (फार्मा)	
औषधीय प्रबंधन	34
एम टेक (फार्मा)	
औषधीय प्रौद्योगिकी (प्रक्रिया रसायन)	17
चिकित्सा उपकरण	12
छात्रों की कुल संख्या	163
पी एच डी	
औषधीय रसायन शास्त्र	8
औषधि विश्लेषण	3
औषध एवं विष विज्ञान	7
औषध विद्या	12
कुल पी एच डी छात्र	30

वर्ष 2020-21 में पीएचडी करने वाले छात्र

क्र.	पंजीकरण	छात्र का नाम	पीएचडी का शीर्षक
1.	MC-Ph.D./2012/05	यादव उपासना रमेशभाई	Synthesis and biological evaluation of new sulfur-containing heterocyclic derivatives as cytotoxic agents
2.	MC-Ph.D./2013/01	के एन विश्वेश्वर शास्त्री	Development of New Methodologies for the Synthesis of Benzoxazocine Triazoles, Pyrazole Conjugates, Trisubstituted Pyrazoles, Substituted Quinazolines, Polysubstituted Pyrroles and their Biological Evaluation
3.	MC-Ph.D./2013/02	नंबल्ला हरि कृष्ण	Design, Synthesis and Biological Evaluation of β -Carboline-based 2-Aminophenyl Cinnamides as HDAC Inhibitors, Development of Domino Method for Carbazole Scaffolds, Total Synthesis of Mupirocin H and (-)-Aspergillide C
	MC-Ph.D./2013/03	पोसा वेंकट श्रीराम्या	Synthesis of Curcumin Inspired Heterocyclic Analogues as Potent Cytotoxic Agents and Development of New Synthetic Methodologies
5.	MC-Ph.D./2013/04	प्रवीण कुमार एन.	Design, Synthesis and Cytotoxicity Evaluation of Phenanthrene Hybrids and Novel Method for Functionalized Enamino-2-oxindoles
6.	MC-Ph.D./2013/06	श्रीनिवास अंगपल्ली	Synthesis of Sulfonamides/Coumarins/Sulfocoumarins as Carbonic Anhydrase Inhibitors and Development of New Synthetic Methodologies
7.	MC-Ph.D./2014/01	दोथिबोइना कविता	Synthesis of Biaryl Oxindole/Benzimidazole-cinnamide Derivatives as Cytotoxic Agents and Iodine-mediated Novel Synthetic Strategies to Nitrogen-containing Fused Heterocycles
8.	MC-Ph.D./2014/02	जी. श्रीकांतो	Design, Synthesis and Evaluation of New 4(3H)-Quinazolinone Derivatives as Potent Antibacterial/Anticancer agents
9.	MC-Ph.D./2014/03	जडाला चेतना	Synthesis and In-vitro Cytotoxicity Evaluation of Combretastatin-A4 based β -Carboline, Sulfonyl Piperazine, Chalcone Hybrids and Development of Novel Synthetic Methods to Different Heterocyclics
10.	MC-Ph.D./2014/04	जितेंद्र गौर	Design, Synthesis and Biological Evaluation of New Polycyclic Indoles and Pyrroles as Potential Anticancer agents and Development of New Method for C-N Bond Formation
11.	MC-Ph.D./2014/05	महाकाली गीता साई मानिक	Synthesis of Imidazopyridyl[1,5-a] propenones as Potential Cytotoxic Agents: Development of Novel Methodologies to Different Heterocyclics via Molecular Iodine-mediated CH-functionalization
12.	PA-Ph.D./2014/102	डेविड पॉल	Bioanalytical Method Development and Pharmacokinetic Interaction Studies of Selected Drugs using Liquid Chromatography - Mass Spectrometry

13.	PA-Ph.D/2014/103	देबाशीष स्वैन	Impurity Profiling of Selected New Anti-Hepatitis Drugs
14.	PC-Ph.D/2014/202	अमित खुराना	Evaluation of Anti-Inflammatory and Anti-Fibrotic Effects of Rare Earth Nanoparticles for the Treatment of Pancreatitis
15.	PE-Ph.D/2014/302	सोनिया गेरा	Formulation and Evaluation of Nanosuspension for Selected Drugs in the Treatment of Osteoporosis
16.	MC/Ph.D/2015/02	केसरी लक्ष्मी मनसा	Design, synthesis and in vitro cytotoxicity evaluation of heterocyclic tethered aryl sulfonyl piperazine, cinnamido, quinazolinone hybrids and development of novel synthetic methodologies
17.	MC/Ph.D/2015/06	पवित्रा एस ठाकेर	Design, Synthesis of β -carboline based heterocycles as cytotoxic/DNA intercalators a hydroxymethylation protocol by C-H activation
18.	MC-Ph.D/2015/07	टोकला राम्या	Design and Development of Coumarin hybrids as non-classical carbonic anhydrase inhibitors
19.	PA-Ph.D/2015/101	पी. जॉन्सी रानी	Use of high-resolution LC-MS, NMR analysis for characterization of degradation products and metabolites of selected drugs: in vitro cytotoxicity and molecular docking studies for isolated degradation products
20.	PA-Ph.D/2015/102	शांडिल्य महामुनि	Study on the stress degradation behaviour of selected drugs: Identification and characterization of degradation products by LC/QTOF/MS/MS and NMR
21.	PA-Ph.D/2015/103	मोहित मनसुखभाई ठुमरी	Development of stability indicating assay methods for selected drugs by HPLC/UHPLC and characterization of forced degradation products using LC-MS/MS and NMR
22.	PE-Ph.D/2015/301	नागवेंद्र कोमिनेनी	Nanotherapeutics in the Treatment of Breast Cancer
23.	PE-Ph.D/2016/304	शाहीन	Development and Evaluation of liposomal nanocarriers for cancer and skin disorder
24.	PE-Ph.D/2016/305	उपेंद्र बुलबुके	Nanotherapeutics in the Treatment of Breast Cancer and Psoriasis
25.	PE-Ph.D/2015/302	पैला श्रावंधी रेड्डी	Intranasal Delivery of Zotepine: Nano- Formulations to Improve the Brain Uptake
26.	PC-Ph.D/2014/201	अल्लाकोंडा लिंगेश	Adipogenesis modulators from Indian medicinal plants acting through PPAR- γ in the treatment of Obesity
27.	PC-Ph.D/2015/201	अनिल कुमार	Evaluating the Role of ATP Dependent Proteases in Maintaining Mitochondrial Health in Diabetic Neuropathy
28.	PC-Ph.D/2015/202	वेंकटेश पूलदंडा	Exploration of natural product nimbolide and epigenetic regulator BRD4 in lung inflammation and possible correlation to lung tumor metastasis

29.	PE-Ph.D/2016/303	शक राजू	Drug Delivery for Neurodegenerative and Skin Proliferative Diseases
30.	PA-Ph.D/2016/103	तिवारी श्रीस्ती सतीश	Investigation of metabolic fate of selected drugs and metabolic screening of potential lead molecules using LC/MS/MS
31.	PA/Ph.D/2017/102	बोला लावण्या	Herb-Drug interactions: Transport and metabolism of antihyperglycemic agents and HMG-CoA reductase inhibitors in the Presence of herbal slimming agents
32.	PA/Ph.D/2016/102	श्रुति सुरेंद्रन	Evaluation of Pharmacokinetic interaction and Metabolism of Selected drugs Using Liquid Chromatography-Mass Spectrometry
33.	PC/Ph.D/2015/203	थाटिकोंडा सौजन्या	Evaluation of Pharmacological Modulators in Benign and Malignant Hyperproliferative Skin Disease
34.	PC/Ph.D/2017/204	सपना बंसोड़	Pharmacological Exploration of Novel Molecular Mechanisms in Experimental Chronic Pancreatitis: Emphasis on SIRT1, AMPK and DDR Pathway
35.	MC-Ph.D/2016/04	एन. श्रीधर गौड़ी	Development of Non-Carbohydrate Human Galectin-1 Inhibitors as Anticancer Agents
36.	MC-Ph.D/2016/09	सोनल भंडारी	Design, Synthesis of Oxindole Based Heterocyclic Analogues as Potent Cytotoxic Agents and Development of New Synthetic Strategies to Spiro-Oxindole Scaffolds
37.	PC-PhD/2014/203	बी स्वर्ण	Exploring the Antifibrotic Effects of Withaferin A and its Microformulations in Pulmonary and Dermal Fibrosis
38.	PA-Ph.D/2014/101	बालासाहेब भगवानराव चव्हाण	Metabolism and Forced Degradation Studies of Selected Drugs by LC-MS/MS and NMR: Identification, Characterization and In silico Toxicity Prediction of Metabolites and Degradation Products

पीएचडी कर रहे छात्र

क्र.	छात्र का नाम	विभाग	वर्ष
1.	गायकवाड़ निखिल बलिराम	औषधीय रसायन शास्त्र	2015
2.	मलासाला सत्यवेणी	औषधीय रसायन शास्त्र	2015
3.	सना श्रावणी	औषधीय रसायन शास्त्र	2015
4.	सिगलपल्ली दिलीप कुमार	औषधीय रसायन शास्त्र	2015
5.	बैजयंतीमाला स्वैन	औषधीय रसायन शास्त्र	2016
6.	कृतिका लक्ष्मीकेशवी	औषधीय रसायन शास्त्र	2016
7.	मनसा को	औषधीय रसायन शास्त्र	2016
8.	प्रीति सिंह	औषधीय रसायन शास्त्र	2016
9.	रवि कुमार अकुनुरी	औषधीय रसायन शास्त्र	2016
10.	सकला आकाश परसमाली	औषधीय रसायन शास्त्र	2016
11.	संतोष कुमार साहू	औषधीय रसायन शास्त्र	2016
12.	आफताब सेठी	औषधीय रसायन शास्त्र	2017
13.	चिंचिली कृष्णाकार्तिक	औषधीय रसायन शास्त्र	2017
14.	जय प्रकाश सोनी	औषधीय रसायन शास्त्र	2017
15.	केएम दर्शन बोरा	औषधीय रसायन शास्त्र	2017
16.	माखल प्रियंका निरपदा	औषधीय रसायन शास्त्र	2017
17.	नुनेवर सैप्रसाद निरंजन	औषधीय रसायन शास्त्र	2017
18.	स्टेफी एल्जा जॉन	औषधीय रसायन शास्त्र	2017
19.	पी. रामुलु	औषधीय रसायन शास्त्र	2017
20.	ओम्मी ओजस्विता	औषधीय रसायन शास्त्र	2018
21.	पवार गौरव भगवान	औषधीय रसायन शास्त्र	2018
22.	शेख महमद घोष	औषधीय रसायन शास्त्र	2018
23.	बुल्टी बच्ची	औषधीय रसायन शास्त्र	2019
24.	दुर्गेश जी. वी.	औषधीय रसायन शास्त्र	2019
25.	मह्दीपटला सरवणि	औषधीय रसायन शास्त्र	2019
26.	प्रीति राणा	औषधीय रसायन शास्त्र	2019
27.	संजीव कुमार	औषधीय रसायन शास्त्र	2019

28.	वडकट्टू मनासा	औषधीय रसायन शास्त्र	2019
29.	डानाबोइना श्रीकांतो	औषधीय रसायन शास्त्र	2020
30.	दस्तरी सौम्या	औषधीय रसायन शास्त्र	2020
31.	जोशी स्वानंद विनायक (प्रोजेक्ट सीट)	औषधीय रसायन शास्त्र	2020
32.	मुरसलीम अली खान	औषधीय रसायन शास्त्र	2020
33.	प्रदीप	औषधीय रसायन शास्त्र	2020
34.	शनिवरपु राजा साइनाधि	औषधीय रसायन शास्त्र	2020
35.	शेख अरबाज सुजाती	औषधीय रसायन शास्त्र	2020
36.	सिंगमपल्ली अनुराधा	औषधीय रसायन शास्त्र	2020
37.	अमरेज सिंह यादव	औषधीय विश्लेषण	2016
38.	भूपेंद्र सिंह कुशवाही	औषधीय विश्लेषण	2017
39.	शिव नागेश्वररावगजुल	औषधीय विश्लेषण	2018
40.	विवेक धीमान	औषधीय विश्लेषण	2018
41.	दत्तार्म श्रीनिवास रेड्डी	औषधीय विश्लेषण	2019
42.	धुरजाद पूजा सुखदेव	औषधीय विश्लेषण	2019
43.	गंगरेड्डी नविता रेड्डी	औषधीय विश्लेषण	2019
44.	वेलिप लक्ष्मण गणेश	औषधीय विश्लेषण	2019
45.	भाले नागेश अशोकराव	औषधीय विश्लेषण	2020
46.	महाजन रूपाली सुरेश	औषधीय विश्लेषण	2020
47.	विजया मध्यनापु गोल्ला	औषधीय विश्लेषण	2020
48.	कार्तिका नो	औषध विज्ञान और विष विज्ञान	2016
49.	मोहम्मद असलम सैफी	औषध विज्ञान और विष विज्ञान	2016
50.	एस भूमिका	औषध विज्ञान और विष विज्ञान	2016
51.	अररुरी विजय कुमार	औषध विज्ञान और विष विज्ञान	2017
52.	कुमारी प्रीति	औषध विज्ञान और विष विज्ञान	2017
53.	ए प्रतिभा	औषध विज्ञान और विष विज्ञान	2017
54.	इस्लाउद्दीन खान	औषध विज्ञान और विष विज्ञान	2017
55.	पुलिवेदल गौतमी	औषध विज्ञान और विष विज्ञान	2017
56.	अनिका सूद	औषध विज्ञान और विष विज्ञान	2018
57.	फर्नांडीस वालेंसिया विसेंट	औषध विज्ञान और विष विज्ञान	2018

58.	गुंडू चयनिका	औषध विज्ञान और विष विज्ञान	2018
59.	बिस्वजीत पांडा	औषध विज्ञान और विष विज्ञान	2019
60.	देवबत्तुला गीतांजलि	औषध विज्ञान और विष विज्ञान	2019
61.	मोहम्मद रबी बज़ाज़ी	औषध विज्ञान और विष विज्ञान	2019
62.	पलेपु मणि सूर्य कुमार	औषध विज्ञान और विष विज्ञान	2019
63.	जियाउर रहमानी	औषध विज्ञान और विष विज्ञान	2019
64.	अभिनव राज घोष (प्रोजेक्ट सीट)	औषध विज्ञान और विष विज्ञान	2020
65.	अंकिता देवी	औषध विज्ञान और विष विज्ञान	2020
66.	होशियार सिंह	औषध विज्ञान और विष विज्ञान	2020
67.	पी. तुलसी (प्रोजेक्ट सीट)	औषध विज्ञान और विष विज्ञान	2020
68.	सत्ती सत्य श्री लक्ष्मी	औषध विज्ञान और विष विज्ञान	2020
69.	शशिकांत सौ	औषध विज्ञान और विष विज्ञान	2020
70.	सिंगोथु शिव नागेंद्र बाबू	औषध विज्ञान और विष विज्ञान	2020
71.	यादव बलवंत अमरनाथ	औषध विद्या	2015
72.	लॉडगेकर अनुराग मनोहर	औषध विद्या	2016
73.	रंगराज नागार्जुन	औषध विद्या	2016
74.	मोदानी शीला हीरालाल	औषध विद्या	2017
75.	ठाकोर प्रदीपकुमार मानसिंह	औषध विद्या	2017
76.	तोमर देवेन्द्र सिंह सुरेंद्रपाल सिंह	औषध विद्या	2017
77.	हर्ष जैन	औषध विद्या	2018
78.	वास्कुरी जी.एस.सैनागा ज्योति	औषध विद्या	2018
79.	कट्टा चन्तीबाबू	औषध विद्या	2019
80.	नेने श्वेता सुधीर	औषध विद्या	2019
81.	वलमला भवन	औषध विद्या	2019
82.	अनीता सो	औषध विद्या	2020
83.	गोलापल्ली स्पंदना	औषध विद्या	2020
84.	इंद्राणी माजि	औषध विद्या	2020
85.	महाजन सृष्टि सुरेश	औषध विद्या	2020
86.	मौर्य अतुल प्रेमचंद	औषध विद्या	2020
87.	पदकांति संदीप चरी	औषध विद्या	2020

88.	पारस फमता	औषध विद्या	2020
89.	राजना नवीन	औषध विद्या	2020
90.	शाह सौरभ विजय	औषध विद्या	2020
91.	वीरबोम्मा हरिथाश्री	औषध विद्या	2020
92.	कपिलेश्वर स्वैन	औषध विद्या	2020
93.	मदन राज एम.	औषध विद्या	2020

जून 2020 में स्नातक किए गए छात्रों के अनुसंधान परियोजना शीर्षक

एम. एस. (फ़ार्मा) – औषधीय रसायन विज्ञान

पंजीकरण	छात्र का नाम	शीर्षक
MC/2018/01	अभिषेक चोली	Design and Synthesis of Urea Derivative of Indole-3-Sulfonamide Containing Carbonic Anhydrase Inhibitors
MC/2018/02	अंजलि	Design synthesis and anticancer evaluation of cis-stilbene fused phenyl thiazole and coumarin derivatives and their molecular docking studies
MC/2018/03	अरिजीत नंदी	Design, Synthesis, Characterization and Biological Evaluation of Some Novel Series of Thiazolidone-Quinoline Hybrids
MC/2018/04	भुक्का जगदीश	In(III)-catalyzed C3 alkylation of indoles with 2H-chromen-2-ol derivatives
MC/2018/06	सीएच मौनिका	Synthesis and evaluation of anticancer properties of novel Spiro(carbazole-1,3'-indoline)-2',4 diones and 3-alkylidene oxindole hybrids
MC/2018/07	चिंटोजू कीर्ति	Design, Synthesis and Biological Evaluation of Thio-ether linked PABA-Dihydropyrimidine Derivatives as Cytotoxic Agents
MC/2018/08	डानाबोइना श्रीकांतो	Development of Coumarin Hybrids as Carbonic Anhydrase Inhibitors
MC/2018/09	जाधव गोविंदा शिवाजी	Design, Synthesis and Molecular Docking Studies of 2-(imidazo[1,2-a]pyridin-2-yl)-1,3,4-oxadiazole derivatives as Anticancer Agents
MC/2018/10	जगताप शुभम संजय	Design, Synthesis and Biological Evaluation of Novel 1,4-Dihydroquinoline Based Inhibitors Targeting Gal-3 At Allosteric Site.
MC/2018/11	जोशी स्वानंद विनायक	Design, Synthesis and Biological evaluation of 5-Aryl-2-benzamido-3-(indole-3-carbonyl)thiophene Derivatives as Potential Cytotoxic Agents
MC/2018/12	कटेपका सोनी	Design and synthesis of fused umbeliferone-8-quinoline derivatives and biological evaluation of their anti-cancer activities
MC/2018/13	कृष्णा सौम्या चेमिटिकंति	Design, Synthesis and Biological Evaluation of β -Carboline- Quinoline-4-Amides as Anticancer Agents
MC/2018/14	लोवडे पूजा संजीव कुमार	Synthesis of novel spiro-(indoline-3,8 quinoline)2 -5 dinone and study of thier anticancer activities
MC/2018/15	एम साई पूजा रेड्डी	Design and synthesis of N-Aryl 1,3,4 oxadiazolylthiazolamines and biological evaluation of their Anti-Cancer potential
MC/2018/16	मर्द वैभव शंकरराव	Design, Synthesis and Biological Evaluation of Isatin linked Benzenesulfonamide Derivatives as Carbonic Anhydrase Inhibitors
MC/2018/17	मोहम्मद अबरार खान	Synthesis , Molecular Docking and Biological evaluation of Rhodanine linked Benzenesulfonamide derivatives as Carbonic anhydrase Inhibitors
MC/2018/18	मोकाशे रुशिकेश रमेश	Pyrazole Linked Coumarin-Benzimidazole Hybrids as Galectin Mediated Anticancer Agents: Design and Synthesis

MC/2018/19	मुनागलसेट्टी शेरान	Synthesis and Biological Evaluation of novel coumarin–piperazine hybrids as Galectin- 3 mediated anticancer agents
MC/2018/20	पूजा कुमारी	Design, synthesis and biological evaluation of secondary Amine shackled benzimidazole congeners as potent cytotoxic agent
MC/2018/21	प्रीतिश कंसल	Design and Synthesis of Structurally Diverse 1,2,3-Triazolo-spirocyclopropane Oxindoles as Tubulin Polymerization Inhibitors
MC/2018/22	रश्मिता बिस्वास	Synthesis, characterization and biological evaluation of some novel quinoline based shikimate kinase inhibitors
MC/2018/23	रोयाला वेंकट नागमणि	Design, Synthesis and Biological evaluation of Novel N-alkylated 1,2,3 triazole linked saccharin and opensaccharin derivatives as Carbonic anhydrase inhibitors.
MC/2018/24	सनम श्वेता यादव	3D Field-Based QSAR Approach for Design of Novel Triazole Linked Monosaccharide-Benzimidazole Hybrids as Galectin-3 Inhibitors
MC/2018/25	संदीप पात्रा	Design, Synthesis and Biological Evaluation of Novel Thiazolidinone-Pyrroloazepinone conjugates
MC/2018/26	शेख अरबाज सुजाती	Design, Synthesis and Molecular Docking Studies of Novel Pyrimidine-1,3,4-oxadiazole Hybrids as Anti-cancer agents.
MC/2018/27	शिंदे संगीता दत्तात्रेय	Synthesis of Tetrazole-fused Spiro-oxindoles via a Double Click Reaction of Isatin Spiro-epoxides
MC/2018/28	शिवानी गुलाटी	Design, Synthesis, Biological Evaluation of 1,2,4-triazolo/1,3,4-oxadiazolo-stilbene hybrids as anticancer agents.
MC/2018/29	तिवारी प्रेरणा ललन	Design, Synthesis and Biological Evaluation of Non-classical Carbonic Anhydrase Inhibitors
MC/2018/30	वेमुला दिव्या	Design and synthesis of imine linked pyrano pyrazole carbonitriles as shikimate kinase inhibitors

एम. एस. (फ़ार्मा) – औषधि विश्लेषण

पंजीकरण	छात्र का नाम	शीर्षक
PA/2018/101	अनेकल्ला तिरुपति रेड्डी	Development and validation of RP-HPLC method for Lofexidine Hydrochloride Drug substance
PA/2018/102	अतलुरी लक्ष्मी सिंधु	Enantiomeric separation and validation of RP HPLC of Antiglaucoma agent
PA/2018/103	बाले देवी नागा ज्योति	Study on pharmacokinetics and bioavailability of a novel anti-cancer agent, garcinol in SD rats using LC-MS/MS
PA/2018/104	बेजगम संतोष बाबू	Development and validation of RP-HPLC method for related substances of etoricoxib

PA/2018/105	भाले नागेश अशोकराव	LC-MS/MS characterization of force degradation products of Tadalafil:Development of stability indicating HPLC method
PA/2018/106	भिसे ज्ञानेश्वर शेषराव	Discountinued
PA/2018/107	देवरकोंडा वेंकटेश	RP-HPLC method development and validation of rifloxacin and its related substances
PA/2018/108	गाडिपेल्ली अनिलकुमार	Analytical RP-HPLC method development of nitazoxanide its related compounds by QbD approach
PA/2018/109	जड्डू साई रामी रेड्डी	Analytical RP-HPLC method development and validation of bronchodilator active pharmaceutical ingredient and its related substances
PA/2018/110	कर्णम ज्योत्सना	Development and validation of a RP-HPLC method for the determination of fingolimod hydrochloride and its related substances
PA/2018/111	मुदावथ साईकृष्णा	Analytical method development and validation of esomeprazole and its related substances by RP-HPLC
PA/2018/112	पी सरन्या	Development and validation of a stability indicating RP-HPLC method for the determination of estradiol tablets and its related impurities
PA/2018/113	पाटिल कंचन हंसराजी	Comparative degradation profile of drugs using oxidative reagents and characterization of their degradation products by HPLC and LC-MS
PA/2018/114	पिल्ली पुष्पा	Development and validation of a stability indicating RP-HPLC method for the determination of trolamine salicylate drug substance and its related impurities
PA/2018/115	सारा इमाम सिद्दीकी	Development and Validation of a Chiral HPLC Method for Teneligliptin and its Related Impurities

एम एस (फ़ार्मा) – औषध विद्या

पंजीकरण	छात्र का नाम	शीर्षक
PE/2018/301	आकाश नथानी	Do Cococrystals Affect Permeability of Drugs? An Evaluation By In- Situ Experimentation
PE/2018/303	अनीता सो	Design and Development of Nanoformulation of Osimeritinib PLGA Nanoparticles Anchored with Various Macrophage Targeting Ligands in the Management Of Lung Cancer
PE/2018/304	अप्पागोनी दिव्या	Formulation and Evaluation of Piribedil Polymeric Nanoparticles
PE/2018/305	अर्पिता बैरागी	Formulation and Characterization of Inhalable Liposomes for the Treatment of Asthma
PE/2018/307	अय्यर अक्षय	Eutectic Systems as a Carrier Matrix for Drug Delivery
PE/2018/308	जोगा रमेश	Micro-Emulgel for Transdermal Delivery of Leflunomide
PE/2018/310	नाकामोडे दीपा	To Evaluate Impact of Different Pharmaceutical Binders On Sustained Release Matrices of Compritol® 888 ATO
PE/2018/311	प्रतीक्षा के.आर	Optimization of Suspension Formulation of Bcs Class Ii Drug Using Design of Experiments
PE/2018/312	साजिदुल हक	Design and Development of Targeted Liposome Bearing Sunitinib for the Management of Breast Cancer
PE/2018/313	शाह सौरभ	Qco-Delivery of Simvastatin and Curcumin by Incorporation into Polymeric Nanoparticles for Leukaemia
PE/2018/314	तंगीराला सुमा	Formulation, Development and Evaluation of Multi-Matrixed Extended Release Tablets for Ulcerative Colitis”
PE/2018/315	विटोरे ज्योत्सना	Development of Pickering Emulsion for Topical Drug Delivery

एम एस (फ़ार्मा) – औषध एवं विष विज्ञान

पंजीकरण	छात्र का नाम	शीर्षक
PC/2018/201	बाबेल ऋषभ अनिल	Evaluation of Taxifolin in experimental diabetic neuropathy: Focusing on mitochondrial biogenesis and function
PC/2018/202	बुक्या साई नव्या	Evaluation of Neuroprotective potential of Trehalose, a novel m-TOR independent autophagy inducer in Bortezomib Induced Peripheral Neuropathy
PC/2018/203	चंचल साहू	Evaluation of Anti-cancer Activity of Acriflavine by targeting HIF pathway in Melanoma Cancer
PC/2018/204	गड्डे दिव्य	Evaluation of Anticancer activity of Coumarin derivatives by targeting Galectins
PC/2018/205	के प्रसन्ना कुमार	Evaluation of the Anticancer activity of Organic Selenium derivatives by targeting Telomerase
PC/2018/206	लोकेश शरण बी	To Study the Interplay Between Mitophagy and Inflammasome in the Experimental Model of Oxaliplatin Induced Peripheral Neuropathy
PC/2018/207	निव्या शर्मा	Pharmacological Evaluation of Clioquinol in Renal Fibrosis
PC/2018/208	रतिरंजन परिदा	Evaluation of Renoprotective Effects of Citral: A Potent NRF2 Activator & NF- κ B Inhibitor in Experimental Diabetic Nephropathy
PC/2018/209	शुभम सिंह बरतवाल	Evaluation of the Anticancer Activity of Benzimidazole Derivatives by Targeting HSP90
PC/2018/210	तहमीना फारूकी	Elucidating the role of novel PARP inhibitor in diabetic nephropathy
PC/2018/211	तीशयो भट्टाचार्य	Targeting Melanoma Cancer by Selenium Nanoparticles
PC/2018/212	टेकलकर सयाली संतोषी	Evaluating the protective effect of Withaferin A in Dextran Sulphate Sodium induced Ulcerative Colitis
PC/2018/213	वीरेंद्र ममता चौधरी	Neuroprotective effects of Mangiferin on Diabetes Induced Neurodegeneration: Targeting Wnt-beta catenin signalling
PC/2018/214	यागंती बिंदु माधवी	Evaluating Neuroprotective Potential of Daidzein in Experimental Diabetic Neuropathy: Focus on Nrf-2 and HSF-1
PC/2018/215	यानाला सैकिरान	Evaluation of Pharmacological role of Fluvastatin in murine model of Bleomycin induced Pulmonary fibrosis

एम एस (फ़ार्मा) – नियामक विष विज्ञान

पंजीकरण	छात्र का नाम	शीर्षक
RT/2018/601	बरकोटोलु स्वाति	Evaluation of Anticancer Activity of Phenoxazine Derivatives by Targeting Vascular Endothelial Growth Factor (VEGF)
RT/2018/602	गंगादेवी विनोद	Selenium Nanoparticles Produce Beneficial Effect in Psoriasis by Reducing Epidermal Hyperproliferation and Inflammation
RT/2018/603	कालीपल्ली रवींद्र	Evaluation of Anti Cancer Activity of Deuterated Chlorpromazine in Cancer
RT/2018/604	महाजन रवींद्र बापू	Visnagin loaded PLGA Microparticles for the Treatment of Rheumatoid Arthritis: A Sustained Drug Release Approach
RT/2018/605	मुववाला सैप्रिया	Evaluation of Anti-Proliferative and Telomerase Inhibitory Activity of Nimbolide in Acute Leukemia
RT/2018/606	नजरूल इस्लाम	Comparative Toxicological Assessment of Inorganic Nanoparticles
RT/2018/607	पल्लीती किरण रत्न	Evaluating the Effect of Parp Inhibitor ztpt1 on Oxidative - Nitrosative Stress Pathway in CCI of Sciatic Nerve Induced Neuropathic Pain
RT/2018/608	पिप्रिया महिमा	An Overview on Importance of Trial Master File (TMF) and Quality Expectations of TMF
RT/2018/609	रवि जटोठी	Evaluation of Anti Cancer Activity of Hydrazide Derivatives by Targeting Histone Deacetylase
RT/2018/610	रविकिंडी भव्य श्री	Maintenance and Quality Check/ Oversight of Trial Master File (TMF) in an Ongoing Clinical Trial
RT/2018/611	सवेरा	Elucidate the Anticancer Effect of Indole-Imidazothiazazole Derivatives by Targeting Microtubulin
RT/2018/612	शिरगद्वार शुभेदु माधवराव	Neuroprotective Activity of Phloretin in Rotenone Induced Neurodegenerative Animal Model
RT/2018/613	सैयदा अमृतुल आयशा	Delineating the Role of 'ampk-sirt1-nlrp3 axis' Signaling in CCI of Sciatic Nerve Induced Neuropathic Pain
RT/2018/614	तुर्लापति हेमा लता	Evaluation of Anti-Fibrotic Activity of Melatonin and its Microparticles in Cerulein Induced Chronic Pancreatitis
RT/2018/615	वेमुला पद्मजा	Pharmacological Evaluation of Clioquinol in Renal Fibrosis

एम टेक (फार्मा) - औषधीय प्रौद्योगिकी (प्रक्रिया रसायन)

पंजीकरण	छात्र का नाम	शीर्षक
PTPC/2018/501	बहतम काव्या राजी	Design, Synthesis and Biological Evaluation of new Coumarin Derivatives as Antibacterial Agents
PTPC/2018/502	फारुख नाज़नीन सलीम रज़िक	Design, Synthesis and Evaluation of Biological Activity of New Compounds based on the Scaffold Imidazo[2,1-B]Thiazole as Potential Antitubercular Agents and Process Development of Benzotetramisole
PTPC/2018/503	दक्ष गजभिये	Design, Synthesis and Biological Evaluation of Novel Hdacs Inhibitors as Potential Anticancer Agents
PTPC/2018/505	करिगी पावानी	Rhodium Catalyzed C-H Functionalization of N-Phenoxy Acetamides with Alkyne-Tethered Cyclohexadienone& P-Quinone Methides Towards the Synthesis of Benzofuran and Oxazine Derivatives
PTPC/2018/506	एम. तनवीरुन्निसा	Synthesis and Biological Evaluation Of (E)-1-(1h-Indol-3-Yl) Ethanone O-Benzyl Oxime Derivatives As Anti-Bacterial Agents
PTPC/2018/507	पठान अफरोज खान गप्फार खान	Design, Synthesis and Biological Evaluation of New Substituted N-Cyclohexyl-3-Phenyl-4,5-Dihydroisoxazole-5-Carboxamide Derivatives as Potential Antitubercular Agents
PTPC/2018/508	पेड्डी संध्या	Synthesis and Biological Evaluation of 3,4-Dihydro-1h-Benzo[B]Azepine-2,5-Dione- Chalcone Hybrids as Anti-Cancer Agents
PTPC/2018/509	पोलोमोनी अनुषा	Synthesis and Biological Evaluation of Fused Pyrimidine Derivatives as Anti-Microbial Agents
PTPC/2018/510	पोन्नम साहिती	Synthesis and Anti-Microbial Evaluation of 2-(Alkylthio)Thiazolo[4,5-D]Pyrimidin-7(6h)-One Derivatives as Quinazolin-4(3h)-One Mimetics.
PTPC/2018/511	पुलकुंटा श्रीनिवासुलु सिरीशा	Synthesis, Process Optimisation& Development of a Versatile Key Raw Material Amino Acetaldehyde Dimethyl Acetal from Gram Scale-Kilogram Scale-Pilot Plant Scale
PTPC/2018/512	सोमवरापु मौनिका	Design,Synthesis and Evaluation of Indole-2-Carboxamide and 1,3 Diaryl Pyrazole Hybrids as Antitubercular Agents & Exploration of Synthetic Routes to Platelet Aggregation Inhibitor - Indobufen
PTPC/2018/513	तालकोला श्रीलक्ष्मी	Design, Synthesis &In-Silico Studies of Benzofuran Moieties for Anti-Cancer Agents
PTPC/2018/514	थल्ला हरि प्रिया	Palladium Mediated Cross-Coupling of Tosylhydrazones with Arylhalide
PTPC/2018/515	येरोजु श्रवण गौरी	Design, Synthesis and Biological Evaluation of Benzothiazinone-Triazole Hybrids as Potent Antitubercular Agents

एम बी ए (फ़ार्मा) - औषधीय प्रबंधन

पंजीकरण	छात्र का नाम	शीर्षक
PM/2018/401	आशीष अमराव	Smart Wearable Market
PM/2018/402	बांकर मयूरी शरद	Impact of Sales Force Automation on Pharmaceutical Sales
PM/2018/403	मोनिका भालेराव	Digital Diabetes Management Market
PM/2018/405	चांदनी राजा	A Survey on Influence of Consumer Color Preferences and Brand Selection
PM/2018/406	दतला जनक वर्मा	Market survey on Consumption of Energy Drinks in Hyderabad
PM/2018/407	दीपक कुमार चौधरी	Healthcare Management of Geriatric Patients
PM/2018/408	दीपिका पाठक	Beauty versus Medicine: The Nonphysician Practice of Dermatologic Surgery
PM/2018/409	देवांशी सैनी	The Antibiotic Resistance Crisis from an Indian Perspective
PM/2018/410	गजंगी विनीता आनंदम	Strategic Analysis of Advertising, Digital Marketing and Packaging on Consumer Buying Behavior for Nutraceuticals in India through Market Research.
PM/2018/411	गोरगिले अमोल तुकाराम	Mapping and Evaluation of the Usage of NSAIDs and its Combination
PM/2018/413	जैन शुभम गौतमचंद	Study on Reason and Consequences of Self Diagnosis among Millennials
PM/2018/414	कलिकी श्रीलेखा	A Comparative Study between the Pharmaceutical and Medical Devices Industry in India
PM/2018/415	कृतिका अग्रवाल	Impact of Parent Brand Image on Brand Extension of Firm
PM/2018/416	कुचना पवन कुमार	Business Intelligence in Pharmaceutical Industry
PM/2018/417	लावण्या नंबुरु	Health Insurance: Identifying Awareness, Preferences and Buying Patterns in Andhra Pradesh.
PM/2018/418	नारीसेटी श्रावणी	A Study on Pharma Cold Storage Facilities in Hyderabad
PM/2018/419	नेमुरी सौम्या	Effect of Branding on Customer Purchasing Behaviour
PM/2018/420	ओलेरुदिव्या	Advertisement and its Impact on Consumer Buying Behaviour on Healthcare Products
PM/2018/421	पटेल स्वप्निल डी.	Digital Marketing in Pharma Industry: An Overview and Assessment
PM/2018/422	पूजा	Sales of Pharmaceutical Companies with Marketing Activities Impact
PM/2018/423	संपत जीवन कुमार	Consumer Behaviour Towards Soaps Market
PM/2018/424	शिवम जोशी	Study on Mental Health Status of College Students in Hyderabad
PM/2018/425	सूफी अब्दुल करीम	Top Most 3 Prevalent Non-communicable Diseases in Hyderabad
PM/2018/426	गौरव तिवारी	Anti diabetic market in India
PM/2018/427	उषाश्री	A Comparative Study of Pharmaceutical Markets of SAARC Nations
PM/2018/428	वत्सला मिश्रा	Perception Analysis of Medical Rep. towards Effectiveness of E-detailing

PM/2018/429	वीना	Study on Disease Awareness Campaingns and its Impact on People
PM/2018/430	साई हर्षिता यांगम	Big Data in Healthcare

नियोजन

संस्थान विभिन्न उद्योगों को आमंत्रित और नियोजन साक्षात्कार आयोजित करके अंतिम छमाही के छात्रों के प्लेसमेंट की सुविधा प्रदान करता है। छात्रों को प्रभावी ढंग से नियोजन साक्षात्कार में अपनी प्रस्तुतियों को प्रस्तुत करने में सक्षम बनाने के लिए, छात्रों को एचआर विशेषज्ञों द्वारा संचार कौशल मार्गदर्शन प्रदान किया जाता है। नतीजतन, लगभग 85% छात्र शैक्षणिक वर्ष 2020-21 में सफल रहे हैं। कुछ छात्र पीएचडी करने के लिए प्रतिष्ठित संगठनों में भी शामिल हुए। हाल ही में छात्रों को चायनित करने वाले उद्योगों / कंपनियों की सूची निम्नलिखित है। :

1.	Arizton	12.	Granules India
2.	Audree	13.	Johnson & Johnson
3.	Bharat Serums and Vaccines	14.	Iqvia
4.	Xogene	15.	Keva
5.	Evalueserve	16.	Mylan
6.	Certara	17.	Novartis
7.	Dr Reddy's Laboratories Ltd.	18.	PharmaACE
8.	GVK Bio (Aragen)	19.	Suven Life Sciences Ltd.
9.	Eli Lilly	20.	Hetero
10.	Freyr Solutions	21.	Syngene International
11.	Genpact	22.	ZS Associates
23.	WNS	24.	Peters Surgicals
25	Tech Mahindra		

कंप्यूटर केंद्र

कंप्यूटर सेंटर संस्थान एवं छात्रावास की सभी सूचना प्रौद्योगिकी एवं कम्प्यूटेशनल आवश्यकताओं के लिए प्रतिबद्ध है तथा निर्धारित समय में सभी आवश्यकताओं को पूरा करता है।



कंप्यूटर सेंटर द्वारा प्रदान की जाने वाली मुख्य सुविधाएं हैं :

- सर्वर की स्थापना और रख-रखाव
- इंटरनेट का उपयोग
- ई-मेल सुविधाएं
- एफ़टीपी साझा करने की सुविधा
- प्रॉक्सी आधारित प्रमाणीकरण का उपयोग
- संगणना सुविधाएं
- संस्थान के बाहर से पत्रिकाओं और ई-सामग्री तक पहुँचने के लिए वीपीएन सुविधाएं.
- आधिकारिक नाईपर हैदराबाद वेबसाइट का रखरखाव. (www.niperhyd.ac.in / www.niperhyd.edu.in)
- संस्थान और छात्रावासों में वाई-फाई सक्षम वातावरण का प्रबंधन
- छात्रों और अनुसंधान विद्वानों के लिए सुलभ केंद्रीयकृत कंप्यूटर लैब का प्रबंधन.

- 100 एमबीपीएस एनकेएन इंटरनेट लीज्ड लाइन, 10 एमबीपीएस स्टैंड-बाय इंटरनेट लीज्ड लाइन बनाए रखना, लगभग 600 नोड्स से जुड़ा हुआ है।
- संस्थान के संकाय, शैक्षणिक और प्रशासनिक कर्मचारियों को तकनीकी सहायता प्रदान करना.
- स्टाफ सदस्यों द्वारा विशेष अनुसंधान और सामान्य उपयोग के लिए वाणिज्यिक सॉफ्टवेयर का प्रशासनिक रखरखाव

नाईपर हैदराबाद में चार कंप्यूटर लैब यानी CC-1, CC-2, CC-3 और CC-4 का प्रावधान है। प्रत्येक प्रयोगशाला विंडोज के 25 डेस्कटॉप से सुसज्जित है और CC-2 आणविक मॉडलिंग सुविधा के लिए 25 लिनक्स ऑपरेटिंग सिस्टम डेस्कटॉप से सुसज्जित है जो अनुसंधान के लिए समर्पित है। छात्रों और नाईपर के सदस्यों के लिए सीसी लैब की पहुंच में कोई प्रतिबंध नहीं है। कंप्यूटर लैब एक दिन में 10 घंटे (सुबह 8:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक) खुली रहती हैं और छात्र अपने सामान्य और नियमित कंप्यूटिंग कार्यों के लिए प्रयोगशालाओं में जाते हैं। सीसी सेवाओं को पाठ्यक्रम, प्लेसमेंट गतिविधियों और परीक्षा के भाग के रूप में विशेष सॉफ्टवेयर पैकेज के लिए बढ़ाया जाता है।

इसके अलावा, कई यूनिक्स / लिनक्स / वीएमवेयर आधारित सर्वर हैं जो इंस्टीट्यूट आईटी सेवाओं जैसे वेबसर्वर, एफ़टीपी के साथ-साथ शैक्षणिक आवश्यकताओं और शोध के उद्देश्य को पूरा करते हैं। यूपीएस ग्रिड द्वारा प्रदान किए गए पावर बैक अप के साथ सर्वर और संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाती है। स्थानीय क्षेत्र नेटवर्क (एल. ए. एन.) संस्थान के छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों की जरूरतों को पूरा करता है। पूर्ण एल. ए. एन. समाधान में 3 परतें होती हैं जिसमें अतिरिक्त के साथ 10 गीगाबिट कोर, अतिरिक्त के साथ दोहरी होमेड वितरण परत और दोहरी होमेड पीओई (पावर ऑन ईथरनेट) सक्षम परत शामिल है। नेटवर्क समर्थन 24 × 7. उपलब्ध है। बीएसएनएल (10 एमबीपीएस), और एनकेएन (100 एमबीपीएस) द्वारा प्रदान की गई कई आईएसपी (इंटरनेट सेवा प्रदाता) पट्टे वाली लाइनों के माध्यम से पूरे परिसर में उच्च गति और निर्बाध इंटरनेट का उपयोग सभी को प्रदान किया जाता है। कंप्यूटर केंद्र नाईपर हैदराबाद के प्रत्येक सदस्य को सूचना और संचार प्रौद्योगिकी और संगणना संबंधित सुविधाएं उपलब्ध रखने के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार है। नाईपर हैदराबाद के विकसित मानकों को पूरा करने के लिए इन सुविधाओं को लगातार अपग्रेड किया जाता है। नाईपर हैदराबाद परिवार को अत्याधुनिक कंप्यूटिंग सुविधा प्रदान करने के लिए नियमित रूप से नए हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर की खरीद की जाती है।

पूरी तरह से वाई-फाई सक्षम परिसर और हॉस्टल: वर्ष 2016 में, कंप्यूटर सेंटर ने संस्थान परिसर और हॉस्टल में वायरलेस संचार के माध्यम से नाईपर-हैदराबाद कंप्यूटिंग संसाधनों (स्थानीय नेटवर्क और इंटरनेट)

तक पहुंचने की अनुमति देने के लिए 802.11 बी / जी पर डब्ल्यू.एल.ए.एन स्थापित किया है। डब्ल्यू.एल.ए.एन वायरलेस एक्सेस पॉइंट के माध्यम से मोबाइल नेटवर्क एक्सेस को नियोजित करता है। सभी छात्रावास इंटरनेट और इंट्रानेट कनेक्टिविटी के लिए वाई-फाई सक्षम हैं। वाई-फाई समाधान पूरे शैक्षणिक क्षेत्रों और छात्रावासों के लिए सिस्को वायरलेस नियंत्रकों पर आधारित है। कुल 45 सिस्को एक्सेस पॉइंट (डुअल-बैंड 802.11 ए / जी / एन / एसी) लगाए गए हैं।

राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन) परियोजना का उद्देश्य सुरक्षित और विश्वसनीय संयोजकता प्रदान करने में सक्षम एक मजबूत आंतरिक भारतीय नेटवर्क की स्थापना करना है। एन.के.एन का उपयोग करते हुए, दृष्टि संस्थानों को जानकारी और ज्ञान तक पहुंचने में अंतरिक्ष और समय की सीमाओं को पार करने और देश में एक ज्ञान क्रांति में प्रवेश करने की दिशा में खुद के लिए और समाज के लिए संबंधित लाभों को प्राप्त करने में सक्षम होगा। एन.के.एन का मकसद देश के सभी ज्ञान और अनुसंधान संस्थानों को उच्च बैंडविड्थ / कम विलंबता नेटवर्क का उपयोग करके जोड़ना है।

आणविक मॉडलिंग प्रयोगशाला: आणविक मॉडलिंग प्रयोगशाला (एम.एम.एल) सुविधा वाला एक आई.टी आधारित कंप्यूटर सेंटर श्रोडिनजर, एस.वाई.बी.वाई.एल, गौस्सियन 09w, और मैटेरियल स्टूडियो जैसे लाइसेंस प्राप्त सॉफ्टवेयर के साथ परिचालन कर रहा है, जो अनुसंधान और शिक्षाविदों के लिए संकाय, अनुसंधान विद्वानों और छात्रों का समर्थन करता है। आणविक मॉडलिंग अध्ययन के लिए तीन कार्य स्टेशन उपलब्ध हैं उपयोग किए जा रहे हैं।

प्रदर्शन पैनल: नाईपर हैदराबाद सम्मेलनों, कार्यशालाओं और कार्यक्रमों के दौरान गणमान्य व्यक्तियों को बैनर (ई-बैनर के रूप में) और संबंधित जानकारी / संदेश प्रदर्शित करने के लिए डिस्प्ले पैनल सिस्टम से लैस है। ऑडिटोरियम भी स्पीकर पर डेटा की सामग्री की आसान दृश्यता के लिए एक विशेष प्रदर्शन सिस्टम से लैस है। नाईपर हैदराबाद ने सभी नाईपर संस्थानों के लिए एकीकृत पोर्टल बनाने का बीड़ा उठाया है और इसके रख-रखाव का जिम्मा औषध विभाग का है।

कंप्यूटर सेंटर अनुसंधान के लिए अनुसंधान और विकास सॉफ्टवेयर टूल भी रखता है जैसे 2021 से साई-फाइंडर, ई-डेटाबेस सॉफ्टवेयर, केम ऑफिस प्रोफेशनल साइट, क्रिएज़न पब.सीएलसी जीनोमिक्स वर्क बेंच प्रीमियम नेटवर्क, और डी.एन.ए.स्टार लेजर जीन सूट सॉफ्टवेयर और विशेषज्ञ अकादमिक स्टैंड लोन सॉफ्टवेयर का डिजाइन, सी.सी.डी.सी, क्रिस्टलोग्राफी सॉफ्टवेयर और श्रोडिंगर सॉफ्टवेयर।

पुस्तकालय और सूचना केन्द्र

नाईपर-हैदराबाद पुस्तकालय औषधी उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों के लिए सूचना केंद्र के स्रोत के रूप में कार्य करता है। इसमें वर्ष 1907 से 1993 तक पुराने रासायनिक और जैविक सार का एक दुर्लभ संग्रह है। नाईपर-हैदराबाद पुस्तकालय में पाठ्य पुस्तकों की 9038 प्रतियां, 10579 प्रतियों के बाध्य संस्करणों के साथ 430 अनुसंधान पत्रिकाएं और रासायनिक और जैविक सार की 2049 प्रतियां हैं।

इसके अलावा नाईपर-हैदराबाद लाइब्रेरी में 9 प्रिंट जर्नल, 2 पत्रिकाएं और 9 समाचार पत्र की सदस्यता हैं। पुस्तकालय पुस्तकों और जर्नल बोर्रोविंग, साहित्य खोज, फोटोकॉपी, समाचार सेवा आदि जैसी सुविधाएं प्रदान करता है। ऑनलाइन रिएक्सिस डेटाबेस सुविधा और चयनित साइंसडायरेक्ट ऑनलाइन पत्रिकाओं (92 जर्नल) वर्ष 2013 से उपलब्ध हैं। साथमें, एम बी ए (फ़ार्मा) के लिए 2018 से EBSCO ऑनलाइन जर्नल और वीडियो सामग्री (कुल-915) उपलब्ध कराया गया। लाइब्रेरी में 2009 से 2020 तक 847 नाईपर छात्रों की थीसिस के साथ-साथ 2011 से पीएचडी अनुसंधान विद्वानों की थीसिस (52) भी है। इसके अलावा, 2016 के बाद से टर्नितिन जैसे सॉफ्टवेयर उपकरण उपलब्ध हैं। इसी तरह, अनुसंधान के लिए अन्य सॉफ्टवेयर टूल जैसे 2021 से साई- फाइंडर, ई-डेटाबेस सॉफ्टवेयर, केम ऑफिस प्रोफेशनल साइट, क्रिएज़न पब.सीएलसी जीनोमिक्स वर्क बेंच प्रीमियम नेटवर्क, और डी.एन.ए.स्टार लेजर जीन सूट सॉफ्टवेयर और विशेषज्ञ अकादमिक स्टैंडलोन सॉफ्टवेयर का डिजाइन, सी.सी.डी.सी, क्रिस्टलोग्राफी सॉफ्टवेयर और श्रोडिंजर सॉफ्टवेयर। पुस्तकालय में भी उपलब्ध हैं।

क्रमांक	विवरण	प्रतियों की कुल संख्या				2019-20 में जोड़ा गया	2020-2021 में जोड़ा गया
		2015-16 में जोड़ा गया	2016-17 में जोड़ा गया	2017-18 में जोड़ा गया	2018-19 में जोड़ा गया		
1	Text Books	234	318	192	82	37	164
2	Selected Science Direct Online Journals (Pharmacology, Toxicology and Pharmaceutical Sciences)	नवीनीकरण के समान	नवीनीकरण के समान	नवीकृत	नवीकृत	नवीकृत	नवीकृत
3	EBSCO Online Journals	-----	-----	915 ऑनलाइन जर्नल	915 ऑनलाइन जर्नल	915 ऑनलाइन जर्नल	915 ऑनलाइन जर्नल
4	Print Journals (Loose) 2 deducted	नवीनीकरण के समान	नवीनीकरण के समान	-2	नवीनीकरण के समान	9 केवल नवीनीकृत	9 केवल नवीनीकृत
5	Magazines (hard copies)	नवीनीकरण के समान	नवीनीकरण के समान	Renewed	नवीनीकरण के समान	2 केवल नवीनीकृत	2 केवल नवीनीकृत
6	News Papers & Employment News 3 deducted	नवीनीकरण के समान	नवीनीकरण के समान	-3	-1	9 समाचार पत्र	9 समाचार पत्र
7	Reaxys Electronic Database	नवीनीकरण के समान	नवीनीकरण के समान	नवीनीकरण के समान	नवीनीकरण के समान	नवीनीकरण के समान	नवीनीकरण के समान
8	Turnitin (E-thesis - Software)	-----	नवीनीकरण के समान	नवीनीकरण के समान	नवीनीकरण के समान	नवीनीकरण के समान	नवीकृत
9	Phonix Winnolin Software (3 Years i.e., 2018,2019,2020)	-----	-----	उपलब्ध	उपलब्ध	उपलब्ध	उपलब्ध
10	End Note Software (perpetual access) (25 no's User license)	-----	-----	उपलब्ध	उपलब्ध	उपलब्ध	उपलब्ध
11	NIPER- Students- Thesis (Dissertation) from 2009 to 2019	-----	-----	514	161	126	42
12	NIPER- Research Scholars (Ph.D)- Thesis (Dissertation) from 2011 to 2019	-----	-----	-----	35	6	11

13	Renewal of Schrödinger LLC Software	-----	-----	-----	45 टोकन	45 टोकन	45 टोकन
14	Dassault Systems India Pvt. Ltd (Material Studio Software) – Academic Base – I and Academic Crystallization – II	-----	-----	-----	2	उपलब्ध	उपलब्ध
15	DNASTAR (Lasergene Suite V-17 for Win) (Cat No 5986) PAC base	-----	-----	-----	-----	-----	01
16	Qiagen (Clc Genomics Bioinformatics Software) Pac Base	-----	-----	-----	-----	-----	01
17	M/s. Chemical Abstracts Services (Scifinder E-Database)	-----	-----	-----	-----	-----	आईपी आधारित असीमित एक्सेस योजना
18	Chem Office Professional (CHEM DRAW) Site License Annual Subscription	-----	-----	-----	-----	-----	150
20	Design of Expert Software (PAC BASE)	-----	-----	-----	-----	-----	01
21	Crystallography Software (CCDC)	-----	-----	-----	-----	-----	01
Total till – 2021		21425	21943	23559	23883	25032	26383

शिक्षक रूपरेखा



डॉ. श्रीनिवास नंदूरी

प्राध्यापक, रसायन विज्ञान विभाग

E-mail- मेल: nanduri.niperhyd@gov.in

विशेषज्ञता: औषधि की खोज के सभी चरणों को शामिल करते हुए अग्रणी एकीकृत दवा खोज कार्यक्रमों (हिट जनरेशन, हिट टू लीड एंड लीड ऑप्टिमाइज़ेशन) में व्यापक अनुभवी केमिस्ट है। उनका अनुसंधान क्षेत्र, "वैकल्पिक सिंथेटिक मार्गों का विकास औषधीय रूप से महत्वपूर्ण चरणों, मध्यवर्ती और अंतिम यौगिकों के विकास" से संबंधित है और साथ ही साथ उनकी प्रयोगशाला "ग्राम पोस्टिव और ग्राम नेगेटिव के खिलाफ काम करने वाले नए मल्टी ड्रग प्रतिरोधी एंटी-बैक्टीरिया एजेंटों के डिजाइन और संश्लेषण" पर भी काम कर रही है। उनकी प्रयोगशाला में किनाज़ोलिनोन की कई श्रृंखलाओं को संश्लेषित किया गया है, जो दिलचस्प एंटी-बैक्टीरियल गतिविधि के साथ विकसित हुई हैं। श्रृंखला में से एक ने स्टैफिलोकोकस ऑरियस के खिलाफ शक्तिशाली और चयनात्मक एंटी-बैक्टीरियल गतिविधि का प्रदर्शन किया। इसके अलावा, इन यौगिकों ने भी वेरो कोशिकाओं के खिलाफ कम साइटोटॉक्सिक गतिविधि का प्रदर्शन किया, इस प्रकार अच्छे चयन सूचकांक के साथ। यौगिकों को एस. ऑरियस के विभिन्न दवा प्रतिरोधी नैदानिक उपभेदों के खिलाफ शक्तिशाली गतिविधि के लिए भी पाया गया था। कार्रवाई के तंत्र और विवो के अध्ययन पर अध्ययन जारी है।



डॉ. एन शंकरैय्या

सह-प्राध्यापक, रसायन विज्ञान विभाग

ई-मेल: shankar.niperhyd@gov.in

डॉ. एन शंकरैय्या का अनुसंधान समूह लिगेंड-प्रोटीन क्रिस्टलोग्राफिक संरचनाओं, आणविक मॉडलिंग, उपन्यास आणविक वास्तुकला और महत्वपूर्ण जैविक गतिविधि से प्राप्त संरचनात्मक जानकारी के आधार पर नई रासायनिक संस्थाओं के डिजाइन और संश्लेषण पर केंद्रित है। इन नए अणुओं को चयनित मानव कैंसर सेल लाइनों पर इन विट्रो साइटोटोक्सिसिटी क्षमता के लिए खोजा गया है और चयनित जैविक लक्ष्यों के साथ उनकी अंतःक्रिया के लिए भी अध्ययन किया गया है। उनका शोध समूह आणविक मॉडलिंग अध्ययनों के माध्यम से नव संश्लेषित अणुओं और उनके औषधि-प्रोटीन परस्पर क्रिया की जांच करता है। कुछ विशिष्ट हेट्रोसायक्लिक स्कैफ़ोल्ड और उनके जैविक लक्ष्य इस्तिन और 3-अल्केनाइल ऑक्सिंडोल्स, *ine*- कार्बोलीन, हाइड्रोन्टेस, बेंज़िमिडाज़ोल, बेंज़ोथायज़ोल, बेंज़ोक्साज़ोलोन, 1,2,3-ट्रायज़ोल्स / टेट्राज़ोल और पोडोफाइलोटॉक्सिन हैं। उनका शोध समूह एक-पॉट, मल्टी-कंपोनेंट, और विभिन्न हेटरोसेकल्स और उनके प्रमुख बिल्डिंग ब्लॉक्स या इंटरमीडिएट के साथ-साथ प्राकृतिक उत्पादों की तैयारी के लिए सिंथेटिक प्रतिक्रियाओं को सक्षम करने के विकास में भी शामिल है, जिन्हें आगे चलकर जैव-मचान के रूप में उपयोग किया जा सकता है। इसके अलावा, उनका शोध समूह विभिन्न सी-सी, सी-एन, सी-ओ, और सी-एस बांड के निर्माण के लिए नए स्थायी हरियाली पद्धति और सीएच सक्रियण प्रतिक्रियाओं की पड़ताल करता है, जिसमें विभिन्न ऑर्गेनो-मेटलिक उत्प्रेरक को नियोजित किया जाता है, जिसमें उनके ऑनलाइन यांत्रिक ईएसआई-एमएस / एमएस जांच भी शामिल हैं।



डॉ. जितेन्द्र मदान

सह-प्राध्यापक, औषध विद्या विभाग

ई-मेल: jitender@niperhyd.ac.in

अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्रों में सेल्फ असेंबल्ड सुपर मॉलिक्यूलर सिस्टम शामिल हैं जैसे लिपोसोम्स, निओसोम्स, साइक्लोडेक्सट्रिन, नैनो- और सूक्ष्म कण और ठोस-लिपिड नैनोपार्टिकल्स। अनुसन्धान मुख्य रूप से जैव विविधता, स्थिरता, सुरक्षा और रोगी-अनुपालन में सुधार करने के लिए अभिनव खुराक रूपों और दवा वितरण प्रणालियों को विकसित करने के लिए अन्य संभावित लिपिड और पॉलिमर के साथ संयोजन में यू.एस.एफ.डी.ए द्वारा अनुमोदित बायोमेट्रिक के शोषण पर केंद्रित है। जबकि आवेदनों की एक विस्तृत श्रृंखला को लिया जा रहा है, सामयिक दवा वितरण प्रणालियों के अनुकूलन के अलावा जलीय घुलनशीलता और लिपोफिलिक दवाओं की जैव उपलब्धता को बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जाता है।



डॉ. सौरभ श्रीवास्तव

सह-प्राध्यापक, औषध विद्या विभाग

ई-मेल: saurabh@niperhyd.ac.in

डॉ. सौरभ श्रीवास्तव ने "बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस (बिट्स), पिलानी, राजस्थान से फार्मास्युटिकल साइंसेज में मास्टर्स और पीएचडी "पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़" से किया है। डॉ. श्रीवास्तव को कई फार्मास्युटिकल आरएंडडी के साथ काम करने का गहन औद्योगिक और अनुसंधान का अनुभव है, जिसमें आईपीसीए लैब, मुंबई, वॉकहार्ट रिसर्च सेंटर, औरंगाबाद और डॉ. रेड्डीज लैबोरेट्रीज, हैदराबाद विभिन्न एन.डी.ए. और ए.एन.डी.ए. आधारित उत्पादों के विकास और व्यावसायीकरण के लिए विभिन्न विनियमित बाजारों में शामिल हैं। अनुसंधान का उनका क्षेत्र विकास और अनुकूलन के अनुकूल, व्यवहार्य और स्केलेबल "विभेदित सूत्रीकरण" (505 (बी) 2 है, "माइक्रो / नैनोस्ट्रक्चर" के उपयोग के माध्यम से "एमोर्फस सॉलिड डिस्पर्सन") सहित नोबल प्लेटफॉर्म प्रौद्योगिकियों के साथ लक्षित दवा वितरण, "फ्लुइडेड बेड प्रोसेसिंग", "पार्टिकल कोटिंग" (वुस्टर प्रक्रिया), "पेलेट आधारित नियंत्रित दवा वितरण" "संपीडन कोटिंग", मल्टीपल यूनिट पार्टिकुलेट सिस्टम (MUPS), "ऑस्मोटिक ड्रग डिलीवरी" और "लिपिड आधारित ड्रग कैरियर" के लिए "जैवउपलब्धता बढ़ाने", "खाद्य प्रभाव को कम करने", "पुनर्संयोजन / नया संकेत", "एफ.डी.सी के लिए सैनेर्जिस्म", "खुराक / खुराक आवृत्ति में कमी" का उद्देश्य. अनुसंधान का उनका प्रमुख चिकित्सीय क्षेत्र "न्यूरोडीजेनेरेटिव विकार", "त्वचीय रोग" है, "जीआई विकार" और "क्रोनोथेरेप्यूटिक्स". उनके पास 02 "वाणिज्यिक उत्पाद", 08 "अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय पेटेंट" हैं और अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय ख्याति के पत्रिकाओं में कई शोध प्रकाशन हैं।



डॉ. अमित अस्थाना

सह-प्राध्यापक, औषधीय विश्लेषण विभाग

ई-मेल: amit.asthana@niperhyd.ac.in

डॉ. अमित अस्थाना का समूह किफायती और उपकरण-मुक्त नैदानिक निदान के लिए कागज-आधारित और पॉलीमर आधारित माइक्रो-डिवाइस की डिजाइनिंग, निर्माण और विशेषता पर ध्यान केंद्रित करता है। इस तरह के उपकरणों में एंटीबॉडी-आधारित परख, एंटीमर-आधारित परख और परिवेश तापमान न्यूक्लिक एसिड (एनए) प्रवर्धन तकनीक शामिल है जो परिमाणीकरण के लिए ऑप्टिकल और / या इलेक्ट्रोकेमिकल डिटेक्शन सिस्टम के साथ युग्मित है। उनका समूह नाईपर-हैदराबाद के अन्य सहयोगियों के साथ-साथ सीसीएमबी, आईआईटी-हैदराबाद, टीएचएसटीआई-फरीदाबाद और विश्वविद्यालय के सहयोगियों के साथ-साथ ड्रग स्क्रीनिंग और टॉक्सिकोलॉजिकल अध्ययन के लिए "पशु परीक्षण के लिए वैकल्पिक" के रूप में माइक्रोफ्लुइडिक तकनीक और चिकित्सा उपकरणों का उपयोग करने में रुचि रखता है।



डॉ. एस. गणनाधमू

सहायक प्राध्यापक, औषधीय विश्लेषण विभाग

ई-मेल: gana.niperhyd@gov.in

डॉ. गणनाधमू के अनुसंधान के मुख्य क्षेत्र में औषध पदार्थों के क्षरण का अध्ययन किया जाता है। औषध पदार्थों के साथ-साथ अनुद्रव्य में अशुद्धियों की उपस्थिति औषध उत्पादों की सुरक्षा और चिकित्सीय प्रभावकारिता को प्रभावित करती है। शुद्ध कच्चे माल को चुनकर और निर्माण प्रक्रिया के अनुकूलन से प्रक्रिया संबंधी अशुद्धियों को नियंत्रित किया जा सकता है। दवा की गिरावट की अशुद्धियों को उपयुक्त पैकेजिंग और भंडारण स्थितियों का चयन करके नियंत्रित किया जाता है। दवा की गिरावट के मार्ग को जानने के लिए मजबूर गिरावट अध्ययन किया जाएगा जो पैकेजिंग प्रणाली को डिजाइन करने और दवा उत्पादों के लिए भंडारण की स्थिति की सिफारिश करने में सहायक है। द्रव पदार्थ को विभिन्न गिरावट स्थितियों जैसे कि जलीय विश्लेषण, ऑक्सीकरण, ऊष्मा तथा प्रकाश के अधीन किया जाता है। फिर एचपीएलसी और यूपीएलसी द्वारा डेग्रेशन उत्पादों के पृथक्करण के लिए विश्लेषणात्मक तरीके विकसित किए जाएंगे। संभव डेग्रेशन उत्पादों की पहचान एल.सी-क्यू-टी.ओ.एफ-एम.एस / एम.एस और NMR द्वारा की जाएगी। सिलिको टॉक्सिसिटी टूल के साथ-साथ सेल आधारित परीक्षण का उपयोग करके विषाक्तता के लिए प्रमुख डेग्रेशन उत्पादों का परीक्षण किया जाता है।



डॉ. बी.लक्ष्मी

सहायक प्राध्यापक, औषधीय प्रबंधन विभाग

ई-मेल: lakshmi.niperhyd@gov.in

डॉ. बी लक्ष्मी के पास फार्मा उद्योग, अनुसंधान और शिक्षा संस्थानों में काम करने का लगभग 17 वर्ष का अनुभव है। नाईपर, हैदराबाद में, वे परीक्षा नियंत्रक की अतिरिक्त जिम्मेदारी भी संभालती हैं। उन्होंने नाईपर, हैदराबाद द्वारा आयोजित IPR से संबंधित कई कार्यशालाएँ आयोजित करवाई हैं। उन्होंने वाणिज्य संकाय, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद से व्यवसाय प्रबंधन में स्नातक और वाणिज्य विशेषज्ञता के साथ वित्त प्रशासन के साथ व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की है। उन्होंने स्नातक स्तर पर उच्चतम स्कोर करने के लिए एल.एन. गुप्ता स्वर्ण पदक जीता। डॉ. लक्ष्मी डेरिवेटिव्स (डीलर्स), कैपिटल मार्केट्स (डीलर्स), डिपॉजिटरीज, फाइनेंशियल मार्केट्स मॉड्यूल में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज सर्टिफाइड प्रोफेशनल (एन.सी.एफ.एम) है। सेंटर फॉर अर्बन गवर्नेंस, एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया (ए.एस.सी.आई) के अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने सरकारी अधिकारियों के लिए 'WinS नेतृत्व पाठ्यक्रम' के शुभारंभ के लिए यूनिसेफ - भारत, पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय, भारत सरकार (भारत सरकार) के साथ मिलकर काम किया। स्कूल स्वच्छता के लिए जिम्मेदार- सेंटर फॉर जेंडर स्टडीज, एएससीआई के साथ काम करते हुए, वे दो योजनाओं – एस ए बी एल ए और इंदिरा गांधी मातृ सहयोग योजना (आई.जी.एम.एस.वाई) महिला और बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार के मूल्यांकन से जुड़ी थीं। उन्होंने पोलारिस सॉफ्टवेयर लैब्स लिमिटेड, एक बैंकिंग, वित्तीय सेवा और बीमा (बीएफएसआई) क्षेत्र की फर्म में संरचित उत्पाद मॉड्यूल के लिए एक व्यापार विश्लेषक / विषय विशेषज्ञ के रूप में काम किया है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में उनके कई निर्दिष्ट प्रकाशन हैं। अनुसंधान हित के उनके क्षेत्रों में कॉर्पोरेट वित्त, वित्तीय निर्णय लेने, सामाजिक लागत लाभ विश्लेषण और कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी शामिल हैं।



डॉ. वाई. वी. माधवी

सहायक प्राध्यापक, रसायन विज्ञान विभाग

ई-मेल: yvmadhavi.niperhyd@gov.in

विशेषज्ञता: एपीआई और एपीआई मध्यवर्ती के लिए नए, लागत प्रभावी और मजबूत सिंथेटिक मार्गों का विकास, जैविक रूप से सक्रिय प्राकृतिक उत्पादों का कुल संश्लेषण, नई कार्यप्रणाली का विकास, संरचना आधारित औषधि रचना और नए कैंसर विरोधी और संक्रामक एजेंटों के संश्लेषण। उनकी प्रयोगशाला अनुसंधान गतिविधियां "नए एंटी-ट्यूबरकुलर एजेंटों के डिजाइन और संश्लेषण और उनके जैविक मूल्यांकन" के साथ-साथ "नए ईजीएफआर अवरोधकों के डिजाइन और संश्लेषण और जैविक मूल्यांकन" से संबंधित हैं। उनकी प्रयोगशाला औषध बनाने के लिए महत्वपूर्ण पड़ाव, मध्यवर्ती और एपीआई जैसे इब्रुटिनिब, पैनोबिनोस्टैट, डेलामनिड, लैपटिनिब आदि के लिए वैकल्पिक, लागत प्रभावी, सिंथेटिक मार्गों के विकास में लगी हुई है।



डॉ. चंद्रैया गोडुगु
सहायक प्राध्यापक, जैविक विज्ञान विभाग
ई-मेल: chandraiah.niperhyd@gov.in

डॉ. चंद्रैया गोडुगु का अनुसंधान मुख्यतः केन्द्रित है अंग फाइब्रोसिस, विकट फेफड़े, यकृत की चोट, पुरानी विकट अग्राशयशोथ, सोरायसिस और संधिशोथ, कैंसर के साथ-साथ आणविक जीव विज्ञान के पीछे आणविक जीव विज्ञान पर जोर देने के लिए लक्षित दवा वितरण के लिए सूत्रीकरण आधारित दृष्टिकोणों जैसे अभिज्वालय विकारों के आसपास घूमता है। संभावित पौधे व्युत्पन्न यौगिकों के उपयोग से जुड़े विभिन्न चिकित्सीय बाधाओं को हल करने में सुरक्षा और रुचि देखी गई ।

तंतुमयता विभिन्न पुरानी बीमारियों का सामान्य अंतिम परिणाम है जो शुरू में चोट के खिलाफ एक सुरक्षात्मक तंत्र के रूप में शुरू होता है। परिवर्तित घाव भरने की प्रक्रिया में अत्यधिक संश्लेषण और बाह्य मैट्रिक्स प्रोटीन का संचय होता है। इन संबंधित क्षेत्रों में अनुसंधान का मुख्य उद्देश्य विथफेरिन ए, निंबोलाइड और होनोकोल सहित प्राकृतिक यौगिकों की एंटी-फाइब्रोटिक क्षमता की जांच करना है। इसके अलावा, एक डीएसटी-डीएडी द्वारा वित्त पोषित अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से उनका शोध समूह लीवर फाइब्रोसिस के लिए मैट्रिक्स को जोड़ने वाले मैट्रिक्स के खिलाफ एक नवीन नैनोपार्टिकल-आधारित सूत्रीकरण की भूमिका का पता लगा रहा है। उनके शोध समूह ने पिपेरलॉग्यूमिन, निकोलमाइड की संभावित एंटी-सोरायटिक गतिविधि की जांच की और इकोइमोड प्रेरित सोरायटिक मॉडल में इसके आणविक तंत्र की जांच की। विकट फेफड़ों की चोट (एएलआई) दुनिया भर में रुग्णता और मृत्यु दर का एक प्रमुख कारण है। रुमेटीइड गठिया (आरए) एक अभिज्वालय प्रगतिशील बीमारी है जो उचित उपचार की अनुपस्थिति में संयुक्त विनाश और विकलांगता का कारण बन सकती है। उनके शोध समूह ने प्रमुख भड़ अभिज्वालय रोगों एएलआई और आरए में शामिल अभिज्वालय संकेतन झरना के खिलाफ निंबोलीड के शक्तिशाली निरोधात्मक गतिविधि का अनावरण किया, जो कि एंटीऑक्सिडेंट जैसे ग्लूटाथियोन और एनआरएफ -2 द्वारा नियंत्रित किया गया है, जो एलपीएस ट्रिगर टी.एन.एफ - α , पी 38 एम.ए.पी.के और जी.एस.के-3 β प्रोटीन को निरस्त करता है।



डॉ. पंकज कुमार सिंह

सहायक प्राध्यापक, औषध विद्या विभाग

ई-मेल: drpankajk.niperhyd@nic.in

डॉ. पंकज कुमार सिंह का अनुसंधान लक्षित नोवल दवा वितरण प्रणाली जैसे कि मिसेल, नैनोपार्टिकल्स, माइक्रोप्रॉर्टिकल और लिपोसोम सहित फॉर्मूलेशन विकास और लक्षण वर्णन (इन-विट्रो और इन-विवो) पर केंद्रित है। उनकी प्रयोगशाला भी कोशिका संवर्धन तकनीकों में पारंगत है और कई कोशिका संवर्धन आधारित जाँच, प्रतिदीप्ति माइक्रोस्कोपी और फ्लो साइटोमेट्री को निष्पादित करने का पहला अनुभव है। उनकी प्रयोगशाला भी प्रीक्लिनिकल ड्रग डेवलपमेंट प्रोग्राम में लगी हुई थी, और उन्होंने फार्माकोकाइनेटिक, फार्माकोडायनामिक और तीव्र / पुरानी विषाक्तता अध्ययनों के लिए विभिन्न पशु मॉडल (चूहे और हम्सटर) को संभालने में पर्याप्त अभ्यास प्राप्त किया है। वर्तमान में पीएलजीए नैनोपार्टिकल्स के डिजाइन और विकास पर काम कर रहे साइटोटॉक्सिक ड्रग का असर फेफड़े के कैंसर के प्रबंधन में मैक्रोफेज को लक्षितकर लिगेण्ड्स का प्रबंधन। उनका शोध समूह स्तन कैंसर के प्रबंधन के लिए लक्षित लिपोसोम असर साइटोटॉक्सिक दवा के विकास में भी लगा था। उनकी रिसर्च लैब ने इम्युनिटी बूस्टर फॉर्मूलेशन भी विकसित किया।



डॉ. नीलेश कुमार मेहरा

सहायक प्राध्यापक, औषध विद्या विभाग

ई-मेल: neelesh@niprhyd.ac.in

डॉ. नीलेश कुमार मेहरा, फार्मास्युटिकल्स विभाग, नाईपर-हैदराबाद में औषध विद्या के सहायक-प्राध्यापक के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने अपनी पीएचडी प्रो.एन.के. जैन ने डॉ. एच.एस. गौर विश्वविद्यालय, सागर और टेक्सास ए एंड एम हेल्थ साइंस सेंटर, किंग्सविले, टी एक्स, यूएसए से पोस्ट डॉक की डिग्री प्राप्त की है। उन्होंने अपने पोस्ट डॉक के दौरान नैनोइमल्शन के लिए इन विट्रो ड्रग विधि के विकास के लिए यूएस फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (यूएसएफडीए) वित्त पोषित परियोजना पर काम किया है। उन्होंने उत्पाद विकास, सेंटीस फार्मा प्राइवेट लिमिटेड, विकास के लिए गुड़गांव, जटिल नेत्ररोग, साँस लेना, ओटिक फ़ार्मास्युटिकल उत्पादों के विकास, स्केल-अप और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में प्रबंधक के रूप में कार्य किया। उन्होंने रूस और सीआईएस देशों के लिए ब्रिनज़ोलैमाइड ऑप्थेलमिक सस्पेंशन 1% के सफलतापूर्वक व्यावसायीकरण के लिए "टीम पुरस्कार" प्राप्त किया। वह "ड्रग डिलीवरी लेटर्स" जर्नल, बेथम विज्ञान के संपादकीय सदस्य के रूप में हैं। उन्होंने 50 से अधिक सहकर्म-समीक्षित प्रकाशनों को बायोमेटेरियल्स, एल्सेवियर और सीआरसी प्रेस में 07 पुस्तक अध्यायों के योगदान सहित उच्च पुनरीक्षण अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित किया है। उन्होंने पीएचडी और एम. एस. छात्रों को उनके शोध प्रबंध / अनुसंधान परियोजनाओं के लिए मार्गदर्शन किया। उन्हें युवा वैज्ञानिक, टीम पुरस्कार सहित कई उत्कृष्ट पुरस्कार मिले हैं। वह विभिन्न अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं और प्रकाशकों के सहकर्म-समीक्षक हैं। वर्तमान में, वह सीआरसी प्रेस और एल्सेवियर प्राइवेट लिमिटेड के साथ बायोफार्मास्युटिकल और नैनो टेक्नोलॉजी पर कुछ पुस्तकों का संपादन कर रहे हैं। उनके पास माइक्रो- और नैनो-टेक्नोलॉजी सहित जटिल, नवीन नेत्र विज्ञान और इंजेक्शन बायोफार्मास्युटिकल के निर्माण और विकास में 11 साल का शोध और शिक्षण अनुभव है।



डॉ. वेंकट राव काकी

सहायक प्राध्यापक, रसायन विज्ञान विभाग

ई-मेल.: kvenkata.rao@niperhyd.ac.in

डॉ. वेंकट राव काकी की लैब नवीन मधुमेह विरोधी एजेंटों, प्रदाह विरोधी एजेंटों और प्रजनन-शील विरोधी एजेंटों की खोज पर काम कर रही है। शोध कार्यों में संश्लेषण और कम्प्यूटेशनल अध्ययन दोनों शामिल हैं। मधुमेह रोधी एजेंटों को विकसित करने के लिए, शोध दोहरी अग्राशय-फॉस्फोराइलेशन विनियमित किनेज 1 ए (डीवाईआरकेकेए) और ग्लाइकोजन सिन्थेज़ किनासे 3β (जीएसके -3β) के निषेध द्वारा अग्राशय reg कोशिकाओं की पहचान करने वाले एजेंटों की पहचान पर केंद्रित है। विकसित क्यूएसएआर मॉडल और कई बेंजाज़ेपिनोन और प्रतिस्थापित इंडोल आधारित डेरिवेटिव का अध्ययन किया जा रहा है। पर्टोकार्पस मार्सुपियम पर फाइटोकेमिकल, जिसे भारतीय किनो के रूप में भी जाना जाता है, संदर्भ मानकों और मधुमेह विरोधी हर्बल सूत्रीकरण को विकसित करने के लिए जांच अध्ययन चल रहा है। एंटी-प्रोलिफ़ेरेटिव एजेंटों का विकास फ्यूज़ाइड पाइरीमिडीन के संश्लेषण पर केंद्रित है जो साइक्लिन डिपेंडेंट किनसे (सीडीके) अवरोधकों के रूप में होता है। सक्रिय अणुओं में से कुछ यंत्रवत पहलुओं की जांच के लिए स्केल-अप प्रक्रिया में हैं। अनुसंधान के एक भाग के रूप में टीम सक्रिय रूप से बेन्ज़िलिडेन एसीटल्स के 2-एमिनोथीओफेन और रीजियोनेटिव रिंग खोलने के लिए नए सिंथेटिक तरीकों के विकास में सक्रिय रूप से शामिल है। एक शिक्षक के रूप में डॉ. वेंकट राव ई-लर्निंग सामग्री और शिक्षार्थी-केंद्रित शैक्षणिक विधियों को विकसित करने के इच्छुक हैं।



डॉ. मनोज पी. दांडेकर

सहायक प्राध्यापक, जैविक विज्ञान विभाग

ई-मेल: manoj.dandekar@niperhyd.ac.in

गत 15 वर्षों से, डॉ. दांडेकर तंत्रिका विज्ञान क्षेत्र में काम कर रहे हैं। 2009 में चिकित्सा संकाय में अपनी पीएचडी पूरी करने के बाद, उन्होंने दवाओं की खोज उद्योग में (2009-2016) काम किया। फिर अगले 4 वर्षों के लिए, वे अपनी शोध पृष्ठभूमि को मजबूत करने और एक स्वतंत्र शोधकर्ता बनने के लिए टेक्सास स्वास्थ्य विज्ञान केंद्र और ह्यूस्टन मेथोडिस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूस्टन, अमेरिका में पोस्टडॉक्टरल रिसर्च फेलो के रूप में जुड़े रहे। उनकी शोध रुचि एक इन-विवो और इन-विट्रो दृष्टिकोण का उपयोग करके सीएनएस विकारों, नशीली दवाओं की जांच और मस्तिष्क की चोट की न्यूरोपैथोलॉजी की जांच करने पर है। उनका हालिया शोध माइक्रोबायोम-गुट-ब्रेन अक्ष पर केंद्रित है। उन्होंने प्रतिष्ठित पीयर-रिव्यू जर्नल में 23 से अधिक शोध लेख प्रकाशित किए हैं और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में कई पत्र प्रस्तुत किए हैं।



डॉ. राजेश सोंटी

सहायक प्राध्यापक, औषधीय विश्लेषण विभाग

ई-मेल: rajesh.sonti@niperhyd.ac.in

पीएचडी के दौरान, उन्होंने डिजाइन और प्राकृतिक पेप्टाइड्स पर काम किया है जो हाइब्रिड बीटा शीट, संशोधित अल्फा हेलीकॉप्टर और चक्रीय डाइसल्फ़ाइड बंधुआ पेप्टाइड्स हैं। उन्होंने कई पेप्टाइड्स का विरूपण विश्लेषण किया है और समाधान एनएमआर द्वारा पेप्टाइड्स की 23 संरचनाओं को हल किया है। उनके काम के परिणामस्वरूप अच्छे प्रोफाइल पत्रिकाओं में नौ प्रकाशनों में से पांच पहले लेखक पत्र आए। बायोज़ेंट्रम में, स्विट्जरलैंड ने प्रोटीन के साथ काम किया, एबेल्सन टायरोसिन किनसे (अबल) क्रॉनिक मायलॉइड ल्यूकेमिया में शामिल है और एफडीए द्वारा अनुमोदित दवाओं जैसे, ग्लीवेक (नोवार्टिस), त्सिग्रा (नोवार्टिस), स्प्रिसेल (ब्रिस्टल-मायर्स स्क्विब), आइक्युसिंग (एआरआईएडी फार्मास्यूटिकल्स), और इनलिटा (फाइजर) का परीक्षण किया जो एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग करके एटीपी बाध्यकारी साइट पर बांधते हैं। इन अध्ययनों से इकट्ठे अवस्था से कुछ दवाओं के बंधन पर एबीएल असंतुष्ट अवस्था की पहचान तंत्र की ओर जाता है। उन्होंने कई दवा प्रतिरोधी म्यूटेंट ('गेटकीपर', जो पूरी तरह से सक्रिय पी242ई / पी249ई) की गतिविधियों की विशेषता है, उनके अनुरूपण का आकलन किया, 15एन विश्राम अध्ययन द्वारा इंटर-डोमेन डायनामिक्स की जांच की गई। ईपीएफएल में, चूहों के प्लाज्मा में लैक्टेट सांद्रता के निर्धारण पर भी काम किया। एनएमआर द्वारा 13 वीं आइसोटोप संवर्धन के टुकड़े के लेबल का विश्लेषण किया। इसके अलावा, उन्होंने विवो 9 टी एमआरएस चुंबक का उपयोग करके चूहों के कोर्टेक्स, हिप्पोकैम्पस और स्ट्रिएटम क्षेत्रों में चयापचयों की सांद्रता निर्धारित करने पर काम किया।



डॉ. अमोल जी. डिकुंडवार

सहायक प्राध्यापक, औषधीय विश्लेषण विभाग

ई-मेल: amol.dikundwar@niperhyd.ac.in

डॉ. डिकुंडवार का शोध समूह छोटे अणु क्रिस्टलोग्राफी और फार्मास्यूटिकल्स के ठोस-राज्य लक्षण वर्णन में माहिर हैं। क्रिस्टलोग्राफिक अनुसंधान में एकल क्रिस्टल एक्स-रे विवर्तन का उपयोग करके संरचना व्याख्या शामिल है; आवधिक और गैस चरण संगणना; आणविक और सुपरमॉलेक्यूलर गुणों के बारीक विवरण को समझने के लिए प्रायोगिक और सैद्धांतिक चार्ज घनत्व विश्लेषण; भविष्यवाणी, एपीआई की क्रिस्टल संरचना और क्रिस्टल संरचना डेटाबेस से संबंधित अणुओं के विस्तृत विश्लेषण द्वारा भौतिक-रासायनिक गुणों का सहसंबंध; सीएडीडी सिद्धांतों का उपयोग करते हुए लीड अनुकूलन के लिए संरचनात्मक अंतर्दृष्टि। पैटर्न इंडेक्सिंग, प्रोफाइल फिटिंग, उच्च रिज़ॉल्यूशन पाउडर विवर्तन डेटा का उपयोग करके प्रारंभिक संरचना निर्धारण और कुल बिखरने/जोड़ी वितरण फ़ंक्शन (टीएस/पीडीएफ) विश्लेषण के माध्यम से उन्नत अनाकार लक्षण वर्णन समूह के लिए अनुसंधान के कुछ प्रमुख क्षेत्र हैं। सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग पहलुओं से प्रमुख फोकस क्षेत्रों में पॉलीमॉर्फ, लवण, कोक्रिस्टल्स, यूटेक्टिक्स, हाइड्रेट्स, सॉल्वेट्स, आदि के आणविक स्तर की संरचना के साथ एपीआई की फॉर्म स्क्रीनिंग शामिल है; बहुरूपताओं की सापेक्ष स्थिरता का निर्धारण; ठोस-ठोस चरण परिवर्तनों को समझना; पैमाने पर स्थिर या प्रासंगिक रूपों की पीढ़ी के लिए प्रक्रिया अनुकूलन; अवांछित रूपों और कण आकार/आकार को नियंत्रित करने जैसे कण इंजीनियरिंग पहलुओं की घटना के लिए जोखिम शमन।



डॉ. नीरज कुमार

सहायक प्राध्यापक, नियामक मामले विभाग

ई-मेल: neeraj.k16@niperhyd.ac.in

डॉ. नीरज कुमार बौद्धिक संपदा अधिकारों और नियामक मामलों के क्षेत्र में कई वर्षों के उद्योग के अनुभव के लिए नाईपर-हैदराबाद लाए हैं। उनकी प्रमुख व्यावसायिक भूमिकाओं और जिम्मेदारियों में शामिल हैं- प्रतिस्पर्धी पेटेंट भूनिर्माण, एफटीओ राय और उल्लंघन विश्लेषण, गो टू फॉर्मूलेशन रणनीतियों को अंतिम रूप देने के लिए, अमान्य/निरसन आधार, यूएस/ईयू/आरओडब्ल्यू पेटेंट के लिए पेटेंटबिलिटी खोज, पेटेंट प्रारूपण और पेटेंट अभियोजन; आईपी-ऑफिस कार्रवाइयों के लिए ड्राफ्ट जवाब तैयार करना, इनोवेटर और थर्ड-पार्टी आईपी, एएनडीए फाइलिंग रणनीतियों से संबंधित सभी उत्पाद प्रासंगिक अपडेट पर नज़र रखना: पी-आई से पी-आईवी प्रमाणपत्र; खंड VIII नक्काशीदार विवरण और आरओडब्ल्यू बाजार डोजियर फाइलिंग। वह 2020-21 के शैक्षणिक वर्ष से नाईपर-हैदराबाद द्वारा शुरू किए जाने वाले नियामक मामलों के क्षेत्र में नए परास्नातक और पीएचडी पाठ्यक्रम स्थापित करने की दिशा में काम करेंगे।



डॉ नितिन पाल कालिया

सहायक प्राध्यापक, जैविक विज्ञान विभाग

ई-मेल: nitin.kalia@niperhyd.ac.in

डॉ. नितिन पाल कालिया के प्रमुख शोध में नए रासायनिक तत्वों की उनके एंटी-इन्फेक्टिव गुणों के लिए पहचान और लक्षण वर्णन शामिल है। माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस (एमटीबी), नॉन ट्यूबरकुलस माइकोबैक्टीरिया, ग्राम नेगेटिव बैक्टीरिया और ईएसकेएपीई रोगजनकों के खिलाफ दवा की खोज अनुसंधान का प्रमुख केंद्र है। दवा खोज कार्यक्रम में आणविक जीव विज्ञान का उपयोग करके अणुओं की क्रिया के तंत्र को समझने के लिए इन-विट्रो स्क्रीनिंग एसेज़ और सपोर्टिंग एसेज़ का विकास शामिल है। संक्रमण के लिए चूहों के मॉडल का उपयोग करके पहचाने गए अणुओं के इन-विवो मूल्यांकन के बाद दृष्टिकोण और जैव रासायनिक परख।



डॉ. प्रियंका बजाज

सहायक प्राध्यापक, रसायन विज्ञान विभाग

ई-मेल: pbajaj.04@niperhyd.ac.in

हमारे फार्मास्युटिकल और फाइन केमिकल इंडस्ट्री और औद्योगिक उत्पादों को अधिक पर्यावरण के अनुकूल और सभी के लिए किफायती बनाने के लिए डॉ. प्रियंका बजाज के समूह की हरित रसायन में विशेष रुचि है। उनका शोध मुख्य रूप से फार्मास्युटिकल महत्व के चिरल यौगिकों के संश्लेषण पर केंद्रित जटिल सिंथेटिक रसायन शास्त्र चुनौतियों के लिए हरी जैव उत्प्रेरक प्रक्रियाओं और एंजाइमों को विकसित करने पर केंद्रित है। एंजाइमों का उनकी संरचना गतिविधि संबंध के लिए विस्तार से अध्ययन किया जाता है और निर्देशित विकास की तकनीकों का उपयोग करके इंजीनियर किया जाता है। विभिन्न सबस्ट्रेट्स और एंजाइमों के पुस्तकालयों को एलसी/एमएस, जीसी/एमएस और यूवी-विज़ स्पेक्ट्रोफोटोमेट्री का उपयोग करके उच्च थ्रूपुट मोड में जांचा जाता है और अपस्केल और डाउनस्केल प्रक्रियाओं को अनुकूलित किया जाता है। समूह एल्डिहाइड डिहाइड्रोजनेज (ALDHs), मायोग्लोबिन, P450s और अन्य सहित एंजाइमों की विस्तृत श्रृंखला की खोज पर काम कर रहा है।



डॉ. संतोष कुमार गुरु,

सहायक प्राध्यापक, जैविक विज्ञान विभाग

ई-मेल: santoshkumar.guru@niperhyd.ac.in

डॉ. एस के गुरु अनुसंधान समूह मुख्य रूप से कैंसर जीव विज्ञान में बुनियादी और अनुप्रयुक्त दवा की खोज पर ध्यान केंद्रित करता है। उनका समूह मुख्य रूप से कैंसर में ड्रग टॉलरेंट पर्सिस्टर सेल और कीमोथेरेपी प्रेरित ट्यूमर डॉर्मैसी की भूमिका पर ध्यान केंद्रित करता है। हम ऑटोफैगी, एपिजेनेटिक और वाईएपी/टीएजेड तंत्र के माध्यम से इन निष्क्रिय ट्यूमर के अस्तित्व तंत्र की खोज कर रहे हैं। कैंसर की दवाएं आमतौर पर अधिग्रहित दवा प्रतिरोध के कारण अल्पकालिक नैदानिक छूट उत्पन्न करती हैं, जो समय के साथ सहज रूप से प्रतिवर्ती हो सकती हैं। एंटीकैंसर दवाओं की उच्च खुराक के संपर्क में कमजोर प्रोलिफेरेटिव और ड्रग-टॉलरेंट सेल्स / पर्सिस्टर सेल के उप-जनसंख्या के उद्भव को प्रेरित कर सकते हैं, जो स्टेम सेल जैसी कैंसर कोशिकाओं से जुड़े मार्करों को प्रदर्शित करते हैं। ये ड्रग-टॉलरेंट सेल आबादी उभरी, अत्यधिक व्यक्त किए जाने योग्य प्रतिलेखन कारक, एपिजेनेटिक रूप से खामोश जीन, डी-नोवो म्यूटेशन, एपिथेलियल मेसेनकाइमल ट्रांसफॉर्मेशन / ऑटोफैगी हैं। साइक्लिन-आश्रित किनसे 9 (CDK9) RNAPII पॉज़ रिलीज़ के माध्यम से ट्रांसक्रिप्शनल बढ़ाव को बढ़ावा देता है और हेटरोक्रोमैटिक लोकी में जीन साइलेंसिंग को बनाए रखने के लिए आवश्यक है। उनका समूह स्तन ट्यूमर की निष्क्रियता और इसके कैंसर की शुरुआत में कीमोथेरेपी प्रेरित बाह्य कोशिकीय पुटिकाओं (एक्सोसोम) के बुनियादी तंत्र पर भी ध्यान केंद्रित करता है। सबसे बढ़कर डॉ. गुरु अब कैंसर की दवा की खोज के लिए 3डी ऑर्गेनॉइड मॉडल विकसित कर रहे हैं। इस ऑर्गेनॉइड ड्रग स्क्रीनिंग प्लेटफॉर्म का उपयोग कैंसर रोधी दवा के विकास में तेजी लाने के लिए रोगी के उपचार और नैदानिक परीक्षणों का मार्गदर्शन करने के लिए किया जा सकता है।



डॉ वसुंधरा भंडारी,

सहायक प्राध्यापक, फार्माकोइनफॉर्मेटिक्स विभाग

ई-मेल: vasundhra.b@niperhyd. ac.in

डॉ. वसुंधरा भंडारी का समूह फार्माकोजेनोमिक्स, एंटीमाइक्रोबियल ड्रग रेजिस्टेंस (एएमआर) और प्रेसिजन मेडिसिन के क्षेत्र में काम कर रहा है। समूह एएमआर और दवा की खोज के तंत्र को समझने के लिए अत्याधुनिक वैज्ञानिक उपकरणों का उपयोग करता है। उनके समूह ने बहुऔषध प्रतिरोधी जीवाणु रोगजनकों की पहचान की है जो मनुष्यों और जानवरों में विभिन्न संक्रमण पैदा करते हैं। इसके अलावा, वे नई दवा या नैदानिक लक्ष्यों की पहचान करने के लिए जीनोमिक्स, प्रोटीओमिक्स और जीन एडिटिंग का उपयोग करके उनके प्रतिरोध तंत्र को समझने पर भी काम कर रहे हैं। उनका समूह एएमआर की समस्या से निपटने के लिए नए उपचार विकल्पों की पहचान करने के लिए विभिन्न रासायनिक पुस्तकालयों और विभिन्न नए सिंथेटिक यौगिकों की सक्रिय रूप से जांच कर रहा है। अब तक, उनके समूह ने 14 ऐसे यौगिकों की पहचान की है, जिनके आशाजनक परिणाम सामने आए हैं। मोनो या संयोजन उपचारों की तलाश के लिए उनके समूह द्वारा नियोजित रणनीतियों में से एक दवा पुनर्खरीद भी है। फार्माकोजेनोमिक्स का उपयोग करते हुए, हम सटीक दवा के मार्ग को समझने वाले उपचार या दवा के खिलाफ अंतर-व्यक्तिगत परिवर्तनशीलता की पहचान करना चाहते हैं। इसके अलावा, जहां वे मेजबान आनुवंशिकी या जीन की भूमिका को इंगित करना चाहते हैं जो दवा या चिकित्सा के खिलाफ अंतर प्रतिक्रिया में योगदान दे रहे हैं।



डॉ. दीपिका चिलकुरी

सहायक प्राध्यापक, औषधीय प्रबंधन विभाग

ई-मेल: deepika.ch@niperhyd.ac.in

डॉ. दीपिका चिलकुरी का शोध फोकस फार्मास्युटिकल प्रबंधन से संबंधित क्षेत्रों में है, जिसमें फार्मास्युटिकल बिजनेस एनवायरनमेंट, ऑर्गनाइजेशनल बिहेवियर, ऑर्गनाइजेशनल डेवलपमेंट, फार्माकोइकोनॉमिक्स, बिजनेस स्ट्रैटेजी, फार्मास्युटिकल सेल्स एंड मार्केटिंग, एंटरप्रेन्योरशिप, फार्मास्युटिकल ब्रांड और प्रोडक्ट मैनेजमेंट, हेल्थकेयर मैनेजमेंट जैसे सामान्य प्रबंधन क्षेत्र शामिल हैं। और फार्मास्युटिकल क्षेत्र में उभरती प्रौद्योगिकियां। उनकी वर्तमान शोध परियोजनाओं में फार्मास्युटिकल उद्योग में हरित आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, ब्रांड छवि और जेनेरिक बनाम ब्रांडेड ओटीसी दवाओं के विज्ञापन, मनोवैज्ञानिक बाजार विभाजन, चिकित्सा उपकरणों के बाजार में मेक-इन-इंडिया पहल और भारत के राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन पर अध्ययन शामिल हैं। उनके अन्य शोध हितों में प्रबंधन और मनोविज्ञान में मानव और संगठन व्यवहार और अंतःविषय अध्ययन शामिल हैं। वह सहयोगात्मक बहु-विषयक अनुसंधान के लिए अनुसंधान के अवसरों की सक्रिय रूप से तलाश करती है। परास्नातक छात्रों के एक समूह के लिए एक शोध गाइड के रूप में, वह अनुसंधान परियोजनाओं, समीक्षा पत्रों, शोध पद्धति, बाजार सर्वेक्षण और अनुसंधान के अन्य सभी पहलुओं पर उनका मार्गदर्शन और समर्थन करती है।



डॉ. धर्मेन्द्र कुमार खत्री

सहायक प्राध्यापक, जैविक विज्ञान विभाग

ई-मेल.: dharmendra.niperhyd@nic.in

डॉ. धर्मेन्द्र कुमार खत्री की रुचि का प्रमुख अनुसंधान क्षेत्र पार्किंसंस रोग के रोगजनक तंत्र को खत्म करने पर केंद्रित है। विशेष रूप से, एक बहु-विषयक दृष्टिकोण पीडी मस्तिष्क में विशिष्ट न्यूरोनल आबादी के रोगजनक अधः पतन के सेलुलर और आणविक तंत्र की जांच करने के लिए कार्यरत है। पशु और सेलुलर मॉडल का उपयोग करके उनके न्यूरोप्रोटेक्टिव और न्यूरोनल उत्थान गुणों के लिए संयंत्र स्रोतों या सिंथेटिक कोन्जर्स से पृथक उपन्यास अणुओं की ड्रग स्क्रीनिंग।



डॉ. विनयकुमार के.

डीएसटी इंस्पायर फैकल्टी, रसायन विज्ञान विभाग

ई-मेल.: vinay.niperhyd@nic.in

डॉ. विनयकुमार का समूह मुख्य रूप से उत्प्रेरक और ऑर्गेनोमेट्रिक रसायन विज्ञान के क्षेत्र में नई उत्प्रेरक प्रतिक्रियाओं की खोज और विकास की ओर लक्षित है। अंततः ये नई उत्प्रेरक विधियां संरचनात्मक रूप से जटिल अणुओं, प्राकृतिक उत्पादों और जैविक रूप से सक्रिय यौगिकों को हल करने में उपयोगी है। संक्रमण-रोधी सी-एच फंक्लाइजेशन की विरोधी कैंसर और एंटी-वायरल गतिविधि दवाओं के संश्लेषण के विकास के लिए हमारी खोज चल रही है। इसमें शामिल समूह भी कार्बनिक संश्लेषण में कई अन्य क्षेत्रों का पता लगाने के लिए शामिल हैं जैसे: ऑर्गेन बोरेन रसायन विज्ञान के क्षेत्र में नई पद्धति का विकास।

1. Babel RA, Dandekar MP (2021). A Review on Cellular and Molecular Mechanisms Linked to the Development of Diabetes Complications. *Curr Diabetes Rev.* 17(4):457-473
2. Shukla MR, Patra S, Verma M, Sadasivam G, Jana N, Mahangare SJ, Vidhate P, Lagad D, Tarage A, Cheemala M, Kulkarni C, Bhagwat S, Chaudhari VD, Sayyed M, Pachpute V, Phadtare R, Gole G, Phukan S, Sunkara B, Samant C, Shingare M, Naik A, Trivedi S, Mariseti AK, Reddy M, Gholve M, Mahajan N, Sabde S, Patil V, Modi D, Mehta M, Nigade P, Tamane K, Tota S, Goyal H, Volam H, Pawar S, Ahirrao P, Dinchhana L, Mallurwar S, Akarte A, Bokare A, Kanhere R, Reddy N, Koul S, Dandekar M et al., Discovery of a Potent and Selective PI3K δ Inhibitor (S)-2,4-Diamino-6-((1-(7-fluoro-1-(4-fluorophenyl)-4-oxo-3-phenyl-4H-quinolizin-2-yl)ethyl)amino)pyrimidine-5-carbonitrile with Improved Pharmacokinetic Profile and Superior Efficacy in Hematological Cancer Models. *Journal of Medicinal Chemistry* 2020, 63(23), 14700-14723
3. Verma MK, Goel RN, Bokare AM, Dandekar MP, Koul S, Desai S, Tota S, Singh N et al., (2020). LL-00066471, a novel positive allosteric modulator of $\alpha 7$ nicotinic acetylcholine receptor ameliorates cognitive and sensorimotor gating deficits in animal models: Discovery and preclinical characterization. *European Journal of Pharmacology* 891, 173685
4. Nikhil Baliram Gaikwad.; Krishna Nirmale.; Santosh Kumar Sahoo.; Mohammad Naiyaz Ahmad.; Grace Kaul.; Manjulika Shukla.; Srinivas Nanduri.; Arunava Das Gupta.; Sidharth Chopra.; Yaddanapudi Venkata Madhavi. Design, synthesis, in silico, and in vitro evaluation of 3-phenylpyrazole acetamide derivatives as antimycobacterial agents. *Arch Pharm DphG*, 2021, 354, 2000349
5. Malasala, S.; Ahmad, N.; Gour, J.; Shukla, M.; Kaul, G.; Akhira, A.; Gatadi, S.; Madhavi, Y. V.; Chopra, S.; Nanduri, S. Synthesis, Biological Evaluation and Molecular Modelling Insights of 2-Arylquinazoline Benzamide Derivatives as Anti-Tubercular Agents. *Journal of Molecular Structure* 2020, 1218, 128493
6. Malasala, S.; Gour, J.; Ahmad, N.; Gatadi, S.; Shukla, M.; Kaul, G.; Dasgupta, A.; Madhavi, Y. V.; Chopra, S.; Nanduri, S. Copper Mediated One-Pot Synthesis of Quinazolinones and Exploration of Piperazine Linked Quinazoline Derivatives as Anti-Mycobacterial Agents. *RSC Advances* 2020, 10 (71), 43533–43538
7. Rana, P.; Ghouse, M.; Akunuri, R.; Madhavi, Y. V.; Chopra, S.; Nanduri, S. FabI (Enoyl Acyl Carrier Protein Reductase) - A Potential Broad Spectrum Therapeutic Target and Its Inhibitors. *European Journal of Medicinal Chemistry* 2020, 208, 112757
8. Malasala, S.; Ahmad, N.; Akunuri, R.; Shukla, M.; Kaul, G.; Dasgupta, A.; Madhavi, Y. V.; Chopra, S.; Nanduri, S. Synthesis and Evaluation of New Quinazoline-Benzimidazole Hybrids as Potent Anti-Microbial Agents against Multidrug Resistant *Staphylococcus Aureus* and *Mycobacterium Tuberculosis*. *European Journal of Medicinal Chemistry* 2020, 212, 112996–112996
9. Shankaraiah, N.; Sakla, A. P.; Laxmikeshav, K.; Tokala, R. Reliability of Click Chemistry on Drug Discovery: A Personal Account. *Chem. Record* 2020, 20, 253-272
10. Saiprasad N. Nunewar, Naveen Kotla, Jaya Lakshmi Uppu, Apoorva Dixit, Venkatesh Pooladanda, Chandraiah Godugu, Neelima D. Tangellamudi, Synthesis of 1-(Indol-2-yl)-phenoxazine hybrids from quinacetophenone precursors and their biological evaluation as DNA intercalating agent, *J. Mol. Struct.*, 2020, 128311

11. Godugu C, Pasari LP, Khurana A, Anchi P, Saifi MA, Bansod SP, et al. (2020). Crocin, an active constituent of *Crocus sativus* ameliorates cerulein induced pancreatic inflammation and oxidative stress. *Phytotherapy Research* : PTR34(4): 825-835
12. Pradip Thakor, Neelesh Kumar Mehra. Role of Topical Nanoparticles in vaginal drug delivery: an updates. *ISSRF Newsletter*. 2020: 26: ISSN 2395-2806
13. Raju Saka, Harsha Jain, NagavendraKommineni, Naveen Chella, Wahid Khan. Enhanced penetration and improved therapeutic efficacy of bexarotene via topical liposomal gel in imiquimod induced psoriatic plaque model in BALB/c mice. *J. DRUG DELIV. SCI. TEC.* 2020, 58, 101691
14. Pankaj Kumar Singh, BapiGorain, Hira Choudhury, Sachin Kumar Singh, Pankaj Whadwa, Shilpa, Sanjeev Sahu, Monica Gulati, Prashant Keshrwani. Macrophage targeted amphotericin B nanodelivery systems against visceral leishmaniasis. *Mater Sci Eng B*. 2020, 258, 114571
15. Mani, G. S.; Anchi, P.; Sunkari, S.; Donthiboina, K.; Godugu, C.; Shankaraiah, N.; Kamal, A. Synthesis of (Z)-3-(arylamino)-1-(3-phenylimidazo[1,5-a]pyridin-1-yl)prop-2-en-1-ones as potential cytotoxic agents; *Bioorg. Med. Chem. Lett.*, 2020, 30, 127432
16. Laxmikeshav, K.; Sakla, A. P. Rasane, S.; John, S. E.; Shankaraiah, N. Microwave-assisted Regioselective Friedel-Crafts Arylation by BF₃.OEt₂: A Facile Synthetic access to 3-Substituted-3-Propargyl Oxindole Scaffolds; *ChemistrySelect* 2020, 5, 7004–7012
17. Sana, S.; Reddy, V. G.; Bhandari, S.; Reddy, T. S.; Tokala, R.; Sakla, A. P.; Bhargava, S. K.; Shankaraiah, N. Exploration of Carbamide Derived Pyrimidine-Thioindole Conjugates as Potential VEGFR-2 Inhibitors with Anti-Angiogenesis Effect; *Eur. J. Med. Chem.* 2020, 200, 112457
18. Bhandari, S.; Kulkarni, N.; Sakla, A. P.; Shankaraiah, N. Lewis acid-catalyzed dehydrative [3+2] cycloaddition reaction: A facile synthetic approach to spiro-benzoinoline oxindoles; *Tetrahedron Lett.*, 2020, 61, 152007
19. Dilep, K. S.; Raghu, R.; Neelima. D. T. Novel huperzine A based NMDA antagonists: insights from molecular docking, ADME/T and molecular dynamics simulation studies. *RSC Adv.*, 2020, 10, 25446-25455
20. Dilep, K. S.; Venkatesh, P.; Manasa, K.; Sravanthi, D. G.; Jaya Lakshmi, U.; Chandraiah, G.; Nagendra, B. B.; Neelima, D. T. Novel chromenyl-based 2-iminothiazolidin-4-one derivatives as tubulin polymerization inhibitors: Design, synthesis, biological evaluation and molecular modelling studies. *J. Mol. Struct.*, 2020, 128847
21. Nerella, S. G.; Venkatesh, P.; Muni. K. C.; Lakshmi. S. P. S.; Ravi, A.; Pardeep, K.; Chandana, N.; Rose. D. B.; Insaf, A. Q.; Chandraiah, G.; Mallika, A. Novel benzimidazole-triazole hybrids as apoptosis inducing agents in lung cancer: Design, synthesis, 18F-radiolabeling & galectin-1 inhibition studies. *Bioorg. Chem.*, 2020, 102, 104125
22. Manasa, K. L.; Sowjanya, T.; Dilep, K. S.; Arpita, S.; Gaddam, K.; Arunasree, M. K.; Mallika, A.; Chandraiah, G.; Narayana, N.; Bathini, N. B. Design and Synthesis of β -carboline linked aryl sulfonyl piperazine derivatives: DNA topoisomerase II inhibition with DNA binding and apoptosis inducing ability. *Bioorg. Chem.*, 2020, 101, 103983
23. Priti, S.; Baijayantimala, S.; Pavitra, S. T.; Dilep, K. S.; Purnachander, Y. P.; Andrea, A.; Claudiu, T. S.; Mohammed, A. Synthesis and carbonic anhydrase inhibition studies of sulfonamide based indole-1,2,3-triazole chalcone hybrids. *Bioorg. Chem.*, 2020, 99, 103839

24. Pavitra, S. T.; Andrea, A.; Omkar, S. A.; Prerna, L. T.; Mohammed, A.; Claudiu, T. S. Design, synthesis and biological evaluation of coumarin linked 1,2,4-oxadiazoles as selective carbonic anhydrase IX and XII inhibitors. *Bioorg. Chem.*, 2020, 98, 103739
25. Baijayantimala, S.; Andrea, A.; Priti, S.; Claudiu, T. S.; Mohammed, A. New coumarin/sulfocoumarin linked phenylacrylamides as selective transmembrane carbonic anhydrase inhibitors: Synthesis and in-vitro biological evaluation. *Bioorg. Chem.*, 2020, 28, 115586
26. Krishna, K. C.; Andrea, A.; Pavitra, S. T.; Laxman, N. K.; Rashmita, B.; Mohammed, A.; Claudiu, T. S. Design, Synthesis, and Biological Evaluation of 1,2,3-Triazole-Linked Triazino[5,6-B] Indole-Benzene Sulfonamide Conjugates as Potent Carbonic Anhydrase I, II, IX, and XIII Inhibitors. *Metabolites*, 2020, 10, 200
27. Pradip Thakor, Valamla Bhavna, Reena Sharma, Saurabh Srivastava, Shashi Bala Singh, Neelesh Kumar Mehra. Polymer-drug conjugates: recent advances and future perspectives. *Drug Discovery Today* 2020, 25, 1718-1726
28. Harsha Jain, Arpita Bairagi, Saurabh Srivastava, Shashi Bala Singh, Neelesh Kumar Mehra. Recent advances in the development of microparticles for pulmonary administration. *Drug Discovery Today*. 2020, 25, 1865-1872
29. Pratheeksha KR, Kuldeep Bansal, Pradip Thakor, Valamla Bhavan, Jitender madan, Jessica M. Rosenholm, Neelesh Kumar Mehra. Evolution of nanotechnology in delivering drugs to eyes, skin and wounds via topical route. *Pharmaceuticals* 2020, 13, 167
30. Lakshmi B, Kritika Aggarwal (2020), Impact Of Parent Brand On Brand Extension By Firm, *European Journal Of Biomedical And Pharmaceutical Sciences (EJBPS)*, ISSN 2349-8870 Volume: 7 Issue 8
31. Lakshmi B, Sravani N. (2020). Sports medicine market – growth factors and forecasts. *World Journal of Advanced Research and Reviews*, 7(1), 117-128
32. Kalvala AK, Yerra VG, Sherkhane B, Gundu C, Arruri V, Kumar R, et al. Chronic hyperglycemia impairs mitochondrial unfolded protein response and precipitates proteotoxicity in experimental diabetic neuropathy: focus on Lonp1 mediated mitochondrial regulation. *Pharmacological Reports*. 2020, 72, 1627-1644
33. Kalvala AK, Kumar R, Sherkhane B, Gundu C, Arruri VK, Kumar A. Bardoxolone Methyl Ameliorates Hyperglycemia Induced Mitochondrial Dysfunction by Activating the keap1-Nrf2-ARE Pathway in Experimental Diabetic Neuropathy. *Mol. Neurobiol.* 2020:1-16
34. Bheerreddy P, Yerra VG, Kalvala AK, Sherkhane B, Kumar A. SIRT1 Activation by Polydatin Alleviates Oxidative Damage and Elevates Mitochondrial Biogenesis in Experimental Diabetic Neuropathy. *Cellular and Molecular Neurobiology*, 2020doi: 10.1007/s10571-020-00923-1
35. Kiran Jyoti , Garima Malik, Monika Chaudhary, Monika Sharma, Manish Goswami, Om Prakash Katore, Shashi Bala Singh, Jitender Madan. Chitosan and phospholipid assisted topical fusidic acid drug delivery in burn wound: Strategies to conquer pharmaceutical and clinical challenges, opportunities and future panorama. *Int J BiolMacromol.* 2020; 161:325-335
36. Diksha Gupta, Aishwarya Gangwar, Kiran Jyoti, Vaskuri G S Sainaga Jyothi, Rupinder Kaur Sodhi, Neelesh Kumar Mehra, Shashi Bala Singh, Jitender Madan. Self healing hydrogels: A new paradigm immunoadjuvant for delivering peptide vaccine. *Colloids Surf B Biointerfaces.* 2020; 194:111171

37. Simerjeet Kaur Chahal, Rupinder Kaur Sodhi, Jitender Madan. Duloxetine hydrochloride loaded film forming dermal gel enriched with methylcobalamin and geranium oil attenuates paclitaxel-induced peripheral neuropathy in rats. *IBRO Rep.* 2020; 9:85-95
38. Madhu Ganesh, Jayashree R, Synthetic Organic Transformations of Transition Metal Nanoparticles as Propitious Catalysts: A Thumbnail, *Asian Journal of Organic Chemistry*, 2020, 9, 1341-1376
39. Akhila Mettu, VenuTalla, Subhashini James Prameela Naikal. Novel anticancer Hsp90 inhibitor disubstituted pyrazolyl 2-aminopyrimidine compound 7t induces cell cycle arrest and apoptosis via mitochondrial pathway in MCF-7 cells, *Bioorganic & Medicinal Chemistry Letters*, 2020, 30, 127470
40. Chauhan N R, Kumar R, Gupta A, Meena RC, Nanda S, Mishra KP, Singh SB, Heat Stress-induced oxidative damage and perturbation in BDNF/ERK1/2/CREB axis in hippocampus impairs spatial memory. *Behav Brain Res.* 2020, 396, 112895
41. Valamla Bhavana, Pradip Thakor, Shashi Bala Singh, Neelesh Kumar Mehra. COVID-19: Pathophysiology, treatment options, nanotechnology approaches, and research agenda to combating the SARS-CoV2 pandemic. *Life Sciences.* 2020, 261, 118336
42. Suranjana Sen, Tammanna R Sahrawat, Shashi Bala Singh, Bhuvnesh Kumar, Madhusudan Pal. Determination of most important predictor of Vertical Ground Reaction Force (VGRF) and threshold value of fracture among young adults. *Ameen J.Med.Sci.* 2020, 13 (03), 162-171
43. Priya Gaur, Supriya Saini, Koushik Ray, Kushubakova Nadira Asanbekovna, Almaz Akunov, Abdirashit Maripov, Akpay Sarybaev, Shashi Bala Singh, Bhuvnesh Kumar, Praveen Vats. Temporal transcriptome analysis suggest modulation of multiple pathways and gene network involved in cell-cell interaction during early phase of high altitude exposure. *Plos One*, 2020, 1-26
44. Base-mediated 1,3-dipolar cycloaddition of pyridinium bromides with bromoallyl sulfones: a facile access to indolizine scaffolds; Jadala, C.; Reddy, V. G.; Krishna, N. H.; Shankaraiah, N.; Kamal, A. *Org. Biomol. Chem.*, 2020, 18, 8694-8701
45. Syntheses and reactivity of spiro-epoxy/aziridine oxindole cores: developments in the past decade; Sakla, A. P.; Kansal, P.; Shankaraiah, N. *Org. Biomol. Chem.*, 2020, 18, 8572–8596
46. Design and synthesis of thiadiazolo-carboxamide bridged β -carboline-indole hybrids: DNA intercalative topoisomerase II α inhibition with promising antiproliferative activity; Tokala, R.; Sana, S.; Lakshmia, U. J.; Sankarana, P.; Sigalapalli, D. K.; Gadewal, N.; Kode, J.; Shankaraiah, N. *Bioorg. Chem.* 2020, 105, 104357
47. An Insight into Medicinal Attributes of Dithiocarbamates: Bird's Eye View; Shinde, S. D.; Sakla, A. P. Shankaraiah, N. *Bioorg. Chem.* 2020, 105, 104346
48. Synthesis and biological evaluation of substituted N-(2-(1H-benzo[d]imidazol-2-yl)phenyl)cinnamides as tubulin polymerization inhibitors; Donthiboina, K.; Anchi, P.; Gurram, S.; Mani, G. S.; Uppu, J. L.; Godugu, C.; Shankaraiah, N.; Kamal, A. *Bioorg. Chem.* 2020, 103, 104191
49. Kumar M, Madan J, Sodhi RK, Singh SB, Katyal A. Decoding the silent walk of COVID-19: Halting its spread using old bullets. *Biomed Pharmacother.* 2021, 133:110891
50. Jyoti K, Katare OP, Kamboj A, Madan J. Protamine sulphate coated poly (lactide-co-glycolide) nanoparticles of MUC-1 peptide improved cellular uptake and cytokine release in mouse antigen presenting cells. *J Microencapsul.* 2020; 37(8):566-576

51. Sethi S, Choudhary S, Sharma D, Jyothi VGS, Baldi A, Mehra NK, Madan J. Armamentarium of anticancer analogues of curcumin: Portray of structural insight, bioavailability, drug-target interaction and therapeutic efficacy. *J. Molecular Structure*. 2020; 129691
52. Sondhi S, Kaur R, Madan J. Purification and characterization of a novel white highly thermo stable laccase from a novel *Bacillus* sp. MSK-01 having potential to be used as anticancer agent. *Int J BiolMacromol*. 2020; 170:232-238
53. Rao Gajula SN, Reddy GN, Reddy DS, Sonti R. Pharmacokinetic drug-drug interactions: an insight into recent US FDA-approved drugs for prostate cancer. *Bioanalysis*. 2020, 12, 1647
54. DevendrasinghTomar , Pankaj K. Singh , Sajidul Hoque , Sheela Modani , Anitha Sriram , Rahul Kumar , Jitender Madan , Dharmendra Khatri & Kamal Dua, “Amorphous systems for delivery of nutraceuticals: challenges opportunities” in *Critical Reviews in Food Science and Nutrition*. 2020, 1-18
55. Dharmendra Kumar Khatri, Mamta Choudhary, Anika Sood, Shashi Bala Singh. “Anxiety: An ignored aspect of Parkinson’s disease lacking attention” in *Biomedicine & Pharmacotherapy* 131 (2020) 110776
56. Malasala, S.; Gour, J.; Ahmad, M. N.; Gatadi, S.; Shukla, M.; Kaul, G.; Madhavi, Y. V.; Dasgupta, A.; Chopra, S.; Nanduri, S. Copper mediated one-pot synthesis of quinazolinones and exploration of piperazine linked quinazoline derivatives as anti-mycobacterial agents *RSC Advances* 2020,10, 43533-43538
57. Gatadi, S.; Madhavi, Y. V.; Nanduri, S. Nanoparticle drug conjugates treating microbial and viral infections: A mini-review. *Journal of Molecular Structure* 2020, 129750
58. Gurmandeep Kaur, Sachin Kumar Singh Rajesh Kumar Bimlesh Kumar, Yogita Kumari, Monica Gulati, Narendra Kumar Pandey, K. Gowthamarajan, Dipanjoy Ghosh, A. Clarisse, Sheetu Wadhwa, Meenu Mehta, Saurabh Satija, Kamal Dua, Harish Dureja, Saurabh Gupta, Pankaj Kumar Singh, Bhupinder Kapoor, Nitin Chitranshi, Ankit Kumar, OmjiPorwal. Development of modified apple polysaccharide capped silver nanoparticles loaded with mesalamine for effective treatment of ulcerative colitis, *Journal of Drug Delivery Science and Technology*, 2020, 101980
59. HemalathaBukya, KiranmaiNayani, PavankumarGangireddy, Prathama S. Mainkar. Benzoisothiazolone (BIT): A Fast, Efficient and Recyclable Redox Reagent for Solid Phase Peptide Synthesis, *Eur. J. Org. Chem*. 2020, 5358-5362
60. Saurabh Shah, Shweta Nene, NagarjunRangaraj, Rajeev Singh Raghuvanshi, Shashi Bala Singh and Saurabh Srivastava. Bridging the Gap: Academia, Industry and FDA Convergence for Nanomaterials, *Drug Development and Industrial Pharmacy* 2020, 46, 1735-1746
61. PooladandaV, Thatikonda S, Godugu C (2020). The current understanding and potential therapeutic options to combat COVID-19. *Life Sciences* 254: 117765
62. Chilvery S, Bansod S, Saifi MA, Godugu C. Piperlongumine attenuates bile duct ligation-induced liver fibrosis in mice via inhibition of TGF- β 1/Smad and EMT pathways. *International Immunopharmacology* 2020, 88: 106909
63. Bansod S, Doijad N, Godugu C. Berberine attenuates severity of chronic pancreatitis and fibrosis via AMPK-mediated inhibition of TGF- β 1/Smad signaling and M2 polarization. *Toxicology and Applied Pharmacology* 2020, 403: 115162

64. Manasa KL, Thatikonda S, Sigalapalli DK, Sagar A, Kiranmai G, Kalle AM, Alvala M, Godugu C, Narayana N, Babu BN. Design and Synthesis of β -carboline linked aryl sulfonyl piperazine derivatives: DNA topoisomerase II inhibition with DNA binding and apoptosis inducing ability. *Bioorganic Chemistry* 2020, 101: 103983
65. Goud NS, Pooladanda V, Chandra KM, Souky PL, Alvala R, Kumar P, Chandana N, Bharath RS, Qureshi IA, Godugu C, Alvala M. Novel benzimidazole-triazole hybrids as apoptosis inducing agents in lung cancer: Design, synthesis, ^{18}F -radiolabeling & galectin-1 inhibition studies. *Bioorganic Chemistry* 2020 102: 104125
66. Gera S, Pooladanda V, Godugu C, Swamy Challa V, Wankar J, Dodoala S, Sampathi S. Rutin nanosuspension for potential management of osteoporosis: effect of particle size reduction on oral bioavailability, in vitro and in vivo activity. *Pharmaceutical Development and Technology* 2020, 25(8): 971-988
67. Sravani S, Saifi MA, Godugu C. Riociguat ameliorates kidney injury and fibrosis in an animal model. *Biochemical and Biophysical Research Communications* 2020, 530(4): 706-712
68. Bireddy SR, Konkala VS, Godugu C, Dubey PK. A Review on the Synthesis and Biological Studies of 2, 4-Thiazolidinedione Derivatives. *Mini-Reviews in Organic Chemistry* 2020, 17(8): 958-974
69. Santosh Kumar Sahoo, Bandela Rani, Nikhil Baliram Gaikwad, Mohammad Naiyaz Ahmad, Grace Kaul, Manjulika Shukla, Srinivas Nanduri, Arunava Dasgupta, Sidharth Chopra and Venkata Madhavi Yaddanapudi, Synthesis and structure activity relationship of new chalcone linked 5-phenyl-3-isoxazolecarboxylic acid methyl ester potentially active against drug resistant Mycobacterium tuberculosis. *European Journal of Medicinal Chemistry* 2021, 222, 113580
70. Malasala, S.; Polomoni, A.; Ahmad, N.; Shukla, M.; Kaul, G.; Dasgupta, A.; Chopra, S.; Nanduri, S. Structure Based Design, Synthesis and Evaluation of New Thienopyrimidine Derivatives as Anti-Bacterial Agents. *Journal of Molecular Structure* 2021, 1234, 130168
71. Akunuri, R.; Vadakattu, M.; Bujji, S.; Veerareddy, V.; Madhavi, Y. V.; Nanduri, S. Fused-Azepinones: Emerging Scaffolds of Medicinal Importance. *European Journal of Medicinal Chemistry* 2021, 220, 113445
72. Malasala, S.; Polomoni, A.; Chelli, S. M.; Kar, S.; Madhavi, Y. V.; Nanduri, S. A Microwave-Assisted Copper-Mediated Tandem Approach for Fused Quinazoline Derivatives. *Organic & Biomolecular Chemistry* 2021, 19 (8), 1854–1859
73. Gatadi, S.; Madhavi, Y. V.; Nanduri, S. Nanoparticle Drug Conjugates Treating Microbial and Viral Infections: A Review. *Journal of Molecular Structure* 2021, 1228, 129750
74. Cherix A, Sonti R, Lanz B, Lei H. In Vivo Metabolism of [1,6- $^{13}\text{C}_2$]Glucose Reveals Distinct Neuroenergetic Functionality between Mouse Hippocampus and Hypothalamus Metabolites. 2021; 11, 50
75. Priyanka N. Makhal, Arijit Nandi, Venkata Rao Kaki. Insights into the recent synthetic advances of organoselenium compounds. *ChemistrySelect*, 2021, 6, 663-679
76. Nikhil Baliram Gaikwad.; Pathan Afroz.; Mohammad Naiyaz Ahmad.; Grace Kaul.; Manjulika Shukla.; Srinivas Nanduri.; Arunava Dasgupta.; Sidharth Chopra.; Venkata Madhavi Yaddanapudi. Design, synthesis, in vitro and in silico evaluation of new 3-phenyl-4,5-dihydroisoxazole-5-carboxamides active against drug-resistant mycobacterium tuberculosis; *Journal of Molecular Structure*, 2021, 1227, 129545
77. Baijayantimala Swain.; Kamtam Aashrita.; Priti Singh.; Andrea Angeli.; Abhay Kothari.; Dilep K. Sigalepalli.; Venkata M. Yaddanapudi.; Claudia T. Supuran.; Mohammad Arifuddin. Design and Synthesis of

- benzenesulfonamide-linked imido[2,1-b][1,3,4]thiadiazole derivatives as carbonic anhydrase I and II inhibitors. Arch Pharm DphG, 2021 <https://doi.org/10.1002/ardp.202100028>
78. Rahman Z, Dandekar MP. Crosstalk between gut microbiome and immunology in the management of ischemic brain injury. Journal of Neuroimmunology 2021, 353, 577498
79. Rahman Z, Bazaz MR, Pasam T, Kumar M, Dandekar MP (2021). Importance of biological clock epigenetics in the manifestation of polycystic ovary syndrome. Biological Sciences, 2021 (01), 67-81
80. Pooja Reddy M, Priyanka Makhal, Venkata Rao Kaki. Potential herbal drugs and phytochemicals to minimize the risk of COVID-19: A review. J. Pharmcogn. Phytochem. 2021, 10, 670-675
81. The role of sulphonamides and N-sulphonyl ketimines/aldimines as directing groups in the field of C-H activation; Bora, D.; Galla, M. S.; Shankaraiah, N. Chem. An Asian J. 2021, in press
82. β -Carboline Based Molecular Hybrids as Anticancer Agents: A Brief Sketch; Soni, J. P.; Yeole. Y.; Shankaraiah, N. RSC Med. Chem. 2021, 12, 730-750
83. Application of transition metal-catalyzed C-H activation strategies in the synthesis and functionalization of β -carbolines; Riyazahmed, K. S.; Bora, D.; Shankaraiah, N. Asian J. Org. Chem., 2021, 10, 1050–1066
84. Cyclodesulfurization: An Enabling Protocol for Synthesis of Various Heterocycles; Kadagathur, M.; Shaikh, A. S.; Jadhav, G.; Sigalapalli, D. K.; Shankaraiah, N.; Tangellamudi, N.D. ChemistrySelect 2021, 6, 2621-2640
85. Synthesis and in vitro Cytotoxicity Evaluation of Phenanthrene Linked 2, 4-Thiazolidinediones as Potential Anticancer Agents; Yadav, U.; Vanjari, Y.; Laxmikeshav, K.; Tokala, R.; Niggula, P. K.; Kumar, M.; Talla, V.; Kamal, A.; Shankaraiah, N. Anti-cancer Agents in Med. Chem., 2021, 21, 1127–1140
86. The Riveting Chemistry of Poly-Aza-Heterocycles Employing Microwave Technique: A Decade Review; Soni, J. P.; Joshi, S. V.; Chemitikanti, K. S.; Shankaraiah, N. Eur. J. Org. Chem., 2021, 1476-1490
87. Structural Insights of Oxindole based Kinase Inhibitors as Anticancer Agents: Recent Advances; Dhokne, P.; Sakla, A. P.; Shankaraiah, N. Eur. J. Med. Chem. 2021, 216, 113334
88. Cinnamide Derived Pyrimidine-Benzimidazole Hybrids as Tubulin Inhibitors: Synthesis, In silico and Cell Growth Inhibition Studies; Sana, S.; Reddy, V. G.; Reddy, T. S.; Tokala, R.; Bhargava, S. K.; Shankaraiah, N. Bioorg. Chem. 2021, 110, 104765
89. Anticancer potential of spirocompounds in medicinal chemistry: A pentennial expedition; Bora, D.; Kushal, A. Shankaraiah, N. Eur. J. Med. Chem. 2021, 215, 113263
90. Synthesis and medicinal chemistry of azepinoindolones: A look back to leap forward; Kadagathur, M.; Patra, S.; Sigalapalli, D. K.; Shankaraiah, N.; Tangellamudi, N. D. Org. Biomol. Chem., 2021, 19, 738–764
91. Syntheses and applications of spirocyclopropyl oxindoles: A decade review; Sakla, A. P.; Kansal, P.; Shankaraiah, N. Eur. J. Org. Chem., 2021, 757-772
92. Development of β -Carboline-Benzothiazole Congeners via Carboxamide Formation as Cytotoxic Agents: Intercalative Topoisomerase II α Inhibition and Apoptosis Induction; Tokala, R.; Mahajan, S.; Kiranmai, G.; Sigalapalli, D. K.; Sana, S.; StephyElza John, Narayana Nagesh Shankaraiah, N.; Bioorg. Chem., 2021, 106, 104481
93. Nunewar, S.; Kumar, S.; Talakola, S.; Nanduri, S.; Kanchupalli, V. Co(III), Rh(III) & Ir(III)-Catalyzed Direct C–H Alkylation/ Alkenylation/ Arylation with carbene precursors; Chem Asian J. 2021, 16, 443-459

94. Kumar, S.; Nunewar, S.; Oluguttula, S.; Nanduri, S.; Kanchupalli, V. Recent advances in Rh(III)/Ir(III)-catalyzed C-H functionalization/annulation via carbene migratory insertion; *Org. Biomol. Chem.*, 2021, 19, 1438-1458
95. Khatri DK, Kadbhane A, Patel M, Nene S, Atmakuri S, Srivastava S, Singh SB. Gauging the role and impact of drug interactions and repurposing in neurodegenerative disorders. *Current Research in Pharmacology and Drug Discovery*. 2021, 2, 100022
96. Nellaiappan K, Kumari P, Khatri DK, Singh SB. Diabetic Complications: An Update on Pathobiology and Therapeutic Strategies. *Current Diabetes Reviews*. 2021 8.
97. Arruri VK, Gundu C, Khan I, Khatri DK, Singh SB. PARP overactivation in neurological disorders. *Molecular Biology Reports*. 2021, 25:1-9
98. Sheela Modani, Devendra Tomar, Suma Tangirala, Anitha Sriram, Neelesh Mehra, Rahul Kumar, Dharmendra Khatri, Pankaj Kumar Singh. An updated review on exosomes: Biosynthesis to clinical applications. *Journal of Drug Targeting*. 2021, 1-6
99. Arruri VK, Gundu C, Kalvala AK, Sherkhane B, Khatri DK, Singh SB. Carvacrol abates NLRP3 inflammasome activation by augmenting Keap1/Nrf-2/p62 directed autophagy and mitochondrial quality control in neuropathic pain. *Nutritional Neuroscience*. 2021 2, 1-6
100. Sharma N, Modak C, Singh PK, Kumar R, Khatri D, Singh SB. Underscoring the immense potential of chitosan in fighting a wide spectrum of viruses: A plausible molecule against SARS-CoV-2?. *International Journal of Biological Macromolecules* 2021,179, 33-44
101. Vivek Dhiman, Ankit Balhara, Saranjit Singh, Shristy Tiwari, Samanthula Gananadhamu, MVN Kumar Talluri, Characterization of stress degradation products of nintedanib by UPLC, UHPLC-Q-TOF/MS/MS and NMR: Evidence of a degradation product with a structure alert for mutagenicity, *Journal of Pharmaceutical and Biomedical Analysis*, 2021, 199, 114037
102. Singh S, Sharma N, Bansal A, Kanojia N, Sethi S, Madan J, Sodhi RK. Apoptosis modulating nanochemotherapeutics in the treatment of cancer: Recent progress and advances. *Clinical Perspectives and Targeted Therapies in Apoptosis*, 2021, 153-207
103. Sodhi RK, Grewal AK, Madan J, Jhajj TGS, Kumar R. Recent approaches to target apoptosis in neurological disorders. *Clinical Perspectives and Targeted Therapies in Apoptosis*, 2021; 217-283. Elsevier.
104. Chahal SK, Sodhi RK, Madan J, Singh Y. Diabetic neuropathy: Pathophysiology and therapeutic options. In: *Diabetes and Diabetic Complications*. Nova Science Publishers, Inc. 2021; 99-122.
105. Bajwa N, Singh PA, Sainaga Jyothi VGS, Sodhi RK, Baldi A, Sardana S, Chandra R, Madan J. Chronicle of Nanomicelles in Drug Delivery: From Bench to Bedside. *Nanomaterials: Evolution and Advancement (Part 1)*, 2021, 161-210.
106. Hirawat R, Saifi MA, Godugu C. Targeting inflammatory cytokine storm to fight against COVID-19 associated severe complications. *Life Sciences* 2021, 267: 118923.
107. Pooladanda V, Thatikonda S, Sunnapu O, Tiwary S, Vemula PK, Talluri MK, Godugu C. iRGD conjugated nimbolide liposomes protect against endotoxin induced acute respiratory distress syndrome. *Nanomedicine: Nanotechnology, 2021, Biology and Medicine* 33: 102351

108. Bansod S, Chilvery S, Saifi MA, Das TJ, Tag H, Godugu C. Borneol protects against cerulein-induced oxidative stress and inflammation in acute pancreatitis mice model. *Environmental Toxicology* 2021, 36(4): 530-539
109. Rahman Z, Bazaz MR, Devabattula G, Khan MA, Godugu C. Targeting H3K9 methyltransferase G9a and its related molecule GLP as a potential therapeutic strategy for cancer. *Journal of Biochemical and Molecular Toxicology* 2021, 35(3): e22674
110. Anchi P, Swamy V, Godugu C. Nimbolide exerts protective effects in complete Freund's adjuvant induced inflammatory arthritis via abrogation of STAT-3/NF- κ B/Notch-1 signaling. 2021, *Life Sciences* 266: 118911
111. Saifi MA, Poduri R, Godugu C. Nanomedicine: implications of nanotoxicology. *Drug Discovery and Development: From Targets and Molecules to Medicines* 2021, 393-415
112. Gangadevi V, Thatikonda S, Pooladanda V, Devabattula G, Godugu C. Selenium nanoparticles produce a beneficial effect in psoriasis by reducing epidermal hyperproliferation and inflammation. *Journal of Nanobiotechnology* 2021, 19(1): 1-19
113. Pooladanda V, Thatikonda S, Muvvala SP, Devabattula G, Godugu C. BRD4 targeting nanotherapy prevents lipopolysaccharide induced acute respiratory distress syndrome. *International Journal of Pharmaceutics* 2021, 601, 120536
114. Ali SA, Saifi MA, Pulivendala G, Godugu C, Talla V. Ferulic acid ameliorates the progression of pulmonary fibrosis via inhibition of TGF- β /smad signalling. *Food and Chemical Toxicology* 2021, 149, 111980
115. Saifi MA, Annaldas S, Godugu C. A direct thrombin inhibitor, dabigatran etexilate protects from renal fibrosis by inhibiting protease activated receptor-1. *European Journal of Pharmacology* 2021, 893, 173838
116. Sigalapalli DK, Pooladanda V, Kadagathur M, Guggilapu SD, Uppu JL, Godugu C, Bathini NB, Tangellamudi ND. Novel chromenyl-based 2-iminothiazolidin-4-one derivatives as tubulin polymerization inhibitors: Design, synthesis, biological evaluation and molecular modelling studies. *Journal of Molecular Structure* 2021, 1225, 128847
117. Bansod S, Godugu C. Nimbolide ameliorates pancreatic inflammation and apoptosis by modulating NF- κ B/SIRT1 and apoptosis signaling in acute pancreatitis model. *International Immunopharmacology* 2021, 90, 107246
118. Identification and Evaluation of Apoptosis-Inducing Activity of Ipomone from *Ipomoea nil*: A Novel, Unusual Bicyclo- [3.2.1] Octanone Containing Gibberic Acid Diterpenoid Bharat Goel; Esha Chatterjee; Biswajit Dey; Nancy Tripathi; Nivedita Bhardwaj; Arun Khattri; Santosh Kumar Guru; Shreyans K. Jain. *ACS Omega* 2021, 6, 8253–8260
119. Targeting eosinophils in respiratory diseases: Biological axis, emerging therapeutics and treatment modalities. Li-Yen Lee, Geena Suet Yin Hew, Meenu Mehta, Shakti D. Shukla, Saurabh Satija, Navneet Khurana, Krishnan Anand, Harish Dureja, Sachin Kumar Singh, Vijay Mishra, Pankaj Kumar Singh, Monica Gulati, Parteek Prasher, Alaa A.A. Aljabali, Murtaza M. Tambuwala, Lakshmi Thangavelu, Jithendra Panneerselvam, Gaurav Gupta, Flavia C. Zacconi, Madhur Shastri, Niraj Kumar Jha, Dikaia Xenaki, Ronan MacLoughlin, Brian G. Oliver, Dinesh Kumar Chellappan, Kamal Dua. *Life Sci.*, 2021, 267, 118973
120. Saurabh Shah, Nagarjun Rangaraj, Shashi Bala Singh and Saurabh Srivastava, Exploring the Unexplored Avenues of Surface charge in Nano-medicine. *Colloids and Interface Science Communications*, 2021, 42, 100406

121. Aditi Bhat, Harshita Dalvi, Harsha Jain, Nagarjun Rangaraj, Shashi Bala Singh, Saurabh Srivastava; Perspective Insights of Repurposing the Pleiotropic Efficacy of Statins in Neurodegenerative Disorders: An Expository Appraisal; Current Research in Pharmacology and Drug Discovery, 2021, 02, 100012.

सम्मान एवं पुरस्कार

डॉ. प्रियंका बजाज को प्रतिष्ठित इंडियन नेशनल यंग एकेडमी ऑफ साइंस (इन्सा-इन्यास) (२०२१) के फेलो के रूप में चुना गया।

छात्रों की मेधावी फैलोशिप:

एमबीए की छात्रा प्रणाली मस्के, हरिप्रिया नायर और डोना सनी को मिली बायर की मेधावी छात्रवृत्ति

स्वीकृत अनुदान/परियोजनाएं

अन्वेषक का नाम	परियोजना का शीर्षक	निधीयन एजेंसी	वर्ष	स्वीकृत राशि लाख . में
उद्योग प्रायोजित परियोजनाएं				
डॉ वसुंधरा भंडारी	Development of Precision Dieabetes tools using omics approach	स्पेक्ट्रम अनुक्रमण प्रणाली प्र. लिमिटेड	2021	107.95
डॉ. मनोज दांडेकर	To study effect of selective probiotics with glutamine on depression-like phenotype in Sprague-Dawley rats	यूनिक बायोटेक लिमिटेड	2020	1.5
डॉ जितेंद्र मदान	Development of andrographolide-cyclodextrin inclusion complex and evaluation of its oral bioavailability, acute and sub-acute toxicity	अम्बे फ़ायटोएक्सट्रैक्ट्स प्र. लिमिटेड	2020	27.50
डॉ जितेंद्र मदान	Acute oral toxicity, Repeated Dose toxicity and Antitumor study of Bleomycin sulphate nanofomulaton	ओनियोसोम हेल्थकेयर प्र. लिमिटेड	2020	5.02
डॉ. धर्मद्र खत्री	Decarboxylase inhibition potential and Blood Brain Barrier (BBB) status of plant-based molecules	एनबीआई बायोसाइंसेज प्र. लिमिटेड	2020	6.17
डॉ. धर्मद्र खत्री	LifeViroTreat in rodent and non-rodent animal model	लाइफएक्टिवस	2020	4.18
सरकार प्रायोजित परियोजनाएं				
डॉ. शशी बाला सिंह	Effect of type 2 diabetes mellitus on expression of molecular chaperons and protein aggregation in hippocampus of ageing brain	डीएसटी	2021	67.52
डॉ नितिन पाल कालिया	Targeting the cytochrome bd oxidase to the development of rational drug combination for tuberculosis	जैव प्रौद्योगिकी विभाग	2021	113.60

डॉ.वाई.वी.माधवी और डॉ.श्रीनिवास नंदूरी	Development of scalable, safe and cost effective process for the API of Umifenovir (Arbidol) a promising repurposed drug for COVID-19 in India	एनआरडीसी	2021	10
डॉ नीलेश कुमार मेहरा और डॉ चंद्रैया गोडुगु	Formulation, Development, Evaluation and Assessment of Safety and Toxicity of Unani Herbal Toothpaste	सीसीआरयूएम, आयुष मंत्रालय	2020	4.5
डॉ. चंद्रैया गोडुगु	Pre-Clinical evaluation of UNIM-401 & UNI-403 for Psoriasis and UNIM-404 & UNIM-405 for their efficacy against experimentally induced vitiligo in mice	सीसीआरयूएम, आयुष मंत्रालय	2020	58.17
डॉ सौरभ श्रीवास्तव	Development, evaluation and characterization of hydrophobic nanoparticle impregnated fabrics to be assessed as dress material for defence	डीआरएल डीआरडीओ	2020	9.90
डॉ. श्रीनिवास नंदूरी	Design, synthesis and biological evaluation of new GSK3B, inhibitors as promising therapeutic agents for treating Traumatic brain injury and consequent neuronal degenerative diseases	आईसीएमआर	2020	50
डॉ. मनोज दांडेकर	Role of age-and-sex-specific gut microbiota in brain injury for microbiome-based therapeutics	डीएसटी- एस इ आर बी	2020	32.69
डॉ.वाई.वी.माधवी और डॉ. श्रीनिवास नंदूरी	Development of a scalable route for the manufacture of Prussian Blue insoluble of Pharmaceutical grade, an FDA approved incorporation drug.	एलएसआरबी (डीआरडीओ)	2019	49.76

सहयोग/समझौता ज्ञापन/एनडीए

संस्थान ने वर्ष 2020-21 के दौरान निम्नलिखित समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं।

1. ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज सनाथानगर, हैदराबाद के साथ वायरोलॉजी, मॉलिक्यूलर बायोलॉजी, फार्माकोलॉजी एंड टॉक्सिकोलॉजी, न्यूरोसाइंस एंड बायोएनालिटिकल स्टडीज के क्षेत्र में सहयोग कार्य के लिए 29/04/2020 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
2. लाइफएक्टिवस, तेंची-के.एस.एम. और नाईपर हैदराबाद के बीच 06/06/2020 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। साझेदार फार्मास्युटिकल महत्व के क्षेत्रों में उन्नत अनुसंधान करने का अवसर प्रदान करेंगे।
3. बेलस्टॉक विश्वविद्यालय, पोलैंड, यूरोपीय संघ के साथ समझौता ज्ञापन पर 16/06/2020 को हस्ताक्षर किए गए। संस्थान इरास्मस+ कार्यक्रम के संदर्भ में छात्रों और/या कर्मचारियों के आदान-प्रदान के लिए सहयोग करने के लिए सहमत हुए हैं।
4. 12/08/2020 को फीनो बायोटेक, इंक, यूएसए के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। पक्ष विभिन्न चिकित्सीय क्षेत्रों में व्यक्तिगत दवा से संबंधित गोपनीय जानकारी का खुलासा, साझा और आदान-प्रदान करेंगे।
5. एनबीआई बायोसाइंस प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली के साथ समझौता ज्ञापन पर 19/08/2020 को हस्ताक्षर किए गए। यह पारस्परिक अनुसंधान और वैज्ञानिक कर्मियों के आदान-प्रदान और प्रशिक्षण के क्षेत्र में अनुसंधान सहयोग के संबंध में है।
6. बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ भारत के साथ समझौता ज्ञापन पर 20/08/2020 को हस्ताक्षर किए गए। यह आपसी सहयोग प्रदान करने के लिए किया जाता है: - हितों के विशिष्ट क्षेत्रों में सहयोगात्मक अनुसंधान कार्यक्रम, छात्र प्रशिक्षण कार्यक्रम, संकाय विनिमय कार्यक्रम, वाद्य सुविधा साझा करना और संयुक्त परियोजनाओं को प्रस्तुत करना।
7. 07/09/2020 को सर्वोत्तम केयर लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। सहयोग कार्य को बढ़ावा देने के लिए किया गया।
8. 24/09/2020 को सीएसआईआर-आईआईटीआर के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। सहयोग कार्य को बढ़ावा देने के लिए किया गया।

9. मोमेंटस मोलेक्यूल्स प्राइवेट लिमिटेड, बंजारा हिल्स, हैदराबाद के साथ 01/10/2020 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
10. 01/10/2020 को पीएस3 प्रयोगशालाओं एलएलपी, कुकटपल्ली, हैदराबाद के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
11. 03/10/2020 को इनाटुरा साइंटिफिक प्राइवेट लिमिटेड, उप्पल, हैदराबाद के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
12. 19/10/2020 को ऑकोसीकबायो प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
13. जेएसएस एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च, मैसूर, कर्नाटक के साथ 07/12/2020 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

नाईपर-हैदराबाद का 8वां दीक्षांत समारोह

नाईपर-हैदराबाद ने अपना 8वां दीक्षांत समारोह वस्तुतः 24 जुलाई, 2020 को आयोजित किया। यह छात्रों और नाईपर-हैदराबाद परिवार को स्नातक करने के लिए उत्सव और उपलब्धि का समय था। मुख्य अतिथि श्री. के टी रामा राव, माननीय आईटी ई एंड सी, नगर प्रशासन और शहरी विकास, उद्योग और वाणिज्य, मंत्री, तेलंगाना सरकार के साथ के. सतीश रेड्डी, अध्यक्ष; डॉ रेड्डीज लैबोरेट्रीज, चेयरमैन बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, नाईपर-हैदराबाद ने इस अवसर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। डॉ. पी डी वाघेला, अध्यक्ष शीर्ष परिषद, नाईपर, सचिव, फार्मास्यूटिकल्स विभाग (डीओपी), रसायन और उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार व श्री रजनीश टिंगल, संयुक्त सचिव, फार्मास्यूटिकल्स विभाग (डीओपी), रसायन और उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार ने ऑनलाइन दीक्षांत समारोह में भाग लिया। श्री. जयेश रंजन, प्रमुख सचिव, उद्योग और वाणिज्य (आई एंड सी) और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), तेलंगाना सरकार भी इस अवसर पर उपस्थित थे। कई उद्योग प्रतिनिधियों, सभी नाईपर के निदेशकों, नाईपर-हैदराबाद के छात्रों, स्नातक छात्रों के परिवार के सदस्यों और पूर्व छात्रों ने इस कार्यक्रम को ऑनलाइन देखा है। डॉ पी डी वाघेला ने अपने संबोधन में सभी सफल उम्मीदवारों को बधाई दी। उन्होंने एनआईआरएफ रैंकिंग में नाईपर हैदराबाद के लगातार अच्छे प्रदर्शन के लिए डॉ. शशी बाला सिंह और श्री के सतीश रेड्डी को बधाई दी। श्री रजनीश टिंगल, जेएस, डीओपी, ने डीओपी और नाईपर-हैदराबाद की ओर से बात की। उन्होंने 13 साल की अपनी संक्षिप्त यात्रा में संस्थान द्वारा की गई महत्वपूर्ण प्रगति का वर्णन किया।

डॉ. शशी बाला सिंह, निदेशक, नाईपर-हैदराबाद ने ई-दीक्षांत समारोह में उपस्थित लोगों का स्वागत किया। अपनी रिपोर्ट में, डॉ. सिंह ने पिछले 13 वर्षों में संस्थान की यात्रा के बारे में बताया। उन्होंने आगे उल्लेख किया कि कम समय के भीतर, संस्थान ने खुद को फार्मास्यूटिकल साइंसेज में उन्नत अध्ययन और सीखने के लिए उत्कृष्टता केंद्र के रूप में स्थापित किया है। परंपरा के अनुसार, निदेशक ने स्नातक छात्रों को शपथ दिलाई। माननीय मंत्री और मुख्य अतिथि श्री. के. टी. रामाराव ने 2017-19 और 2018-20 बैच के टॉपर्स और अन्य सफल स्नातकों को स्वर्ण पदक और प्रमाण पत्र प्रदान किए।

मुख्य अतिथि माननीय श्री. के टी रामाराव ने अपने दीक्षांत भाषण में कहा कि नाईपर-हैदराबाद के 8वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया जाना वास्तव में एक बड़े

सम्मान की बात है। सबसे पहले, उन्होंने इस प्रतिष्ठित संस्थान से डिग्री प्राप्त करने वाले सभी छात्रों को बधाई दी। उन्होंने छात्रों को अपने जीवन को सफल बनाने के लिए अपनी कड़ी मेहनत, दृढ़ता के साथ जारी रखने का आह्वान किया। उन्होंने हाल ही में एनआईआरएफ रैंकिंग 2020 में नाईपर-हैदराबाद की 5वीं रैंक की उपलब्धि की प्रशंसा की। उन्होंने श्री के सतीश रेड्डी, बीओजी अध्यक्ष, को बधाई दी और एक सफल उद्यमी के रूप में एक चमकदार उदाहरण और छात्रों के लिए एक प्रेरणा के रूप में प्रस्तुत किया।

कुल 270 छात्रों में से एम.एस. फार्म. के (189), एमबीए फार्म. (57) और पिछले दो शैक्षणिक वर्षों (2017-2019 और 2018-2020) के पीएचडी (24) को डिग्री प्रदान की गई। शैक्षणिक वर्ष 2017-2019 से, मोने सयाली प्रवीण, गद्दाम वैष्णवी, हरिनी आर., बरुआ हर्ष दीपक, सीरेड्डी श्रावणी, वीरेड्डी वैष्णवी, सी. मौनिका और शैक्षणिक वर्ष 2018-2020 से; शिंदे संगीता दत्तात्रेय, वीरेंद्र ममता चौधरी, अय्यर अक्षय श्रीधरन, सैयदा अमतुल आयशा, पिल्ली पुष्पा, पोलोमोनी अनुषा और देवांशी सैनी को उनके संबंधित विशेषज्ञताओं में उनके प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

वर्तमान शैक्षणिक वर्ष से, नाईपर-हैदराबाद ने ऑल राउंडर के लिए निदेशक स्वर्ण पदक की शुरुआत की। 2018-2020 बैच के औषधीय रसायन विभाग के श्री प्रीतिश कंसल ने अपने सर्वांगीण प्रदर्शन के लिए निदेशक का स्वर्ण पदक प्राप्त किया



स्थापना दिवस समारोह

नाईपर-हैदराबाद ने अपना 14 वां स्थापना दिवस 10 नवंबर 2020 को उत्सव के रूप में मनाया। श्री वी के सारस्वत, पद्म भूषण, सदस्य, नीति आयोग, चांसलर, जेएनयू और पूर्व डीजी, डीआरडीओ इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। डॉ. रेणु स्वरूप, सचिव, डीबीटी, अध्यक्ष, बी.आई.आर.ए.सी., सम्मानित अतिथि थीं और उन्होंने इस अवसर पर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से संदेश दिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट 2019-20 का विमोचन किया गया। डॉ. शशी बाला सिंह, निदेशक, नाईपर-हैदराबाद ने सभी गणमान्य व्यक्तियों और आमंत्रितों का स्वागत किया। अपने स्वागत भाषण के दौरान, उन्होंने संस्थान की 13 साल की यात्रा और इसकी उपलब्धियों के बारे में बताया।

डॉ. रेणु स्वरूप ने अपने स्वागत भाषण में फार्मा क्षेत्र द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका, अनुसंधान एवं विकास में वर्तमान विकास और इसके अनुवाद पर जोर दिया। उन्होंने स्वास्थ्य

सेवा क्षेत्र में योगदान देने में नाईपर और अन्य शोध संस्थानों के महत्व पर प्रकाश डाला, खासकर कोविड-19 जैसी चुनौतीपूर्ण स्थितियों के दौरान।

स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर, श्री वी. के. सारस्वत, पद्म भूषण ने अपने संबोधन में कहा कि नाईपर-हैदराबाद के 14वें स्थापना दिवस के लिए आमंत्रित किया जाना वास्तव में एक बड़े सौभाग्य और सम्मान की बात है।

उन्होंने व्यक्त किया कि विश्व स्तर पर स्वास्थ्य सेवा उद्योग में उज्ज्वल फार्मास्युटिकल पेशेवरों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने भविष्य के लिए भारत में फाइटोफार्मास्युटिकल अनुसंधान के महत्व पर प्रकाश डाला और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग करके विभिन्न क्षेत्रों में डेटा प्रबंधन पर भी जोर दिया। अंत में, उन्होंने नाईपर-हैदराबाद अनुसंधान सुविधाओं का दौरा किया और प्रयोग करने के लिए छात्रों के प्रशिक्षण के बारे में समझा।



बौद्धिक संपदा अधिकारों पर कार्यशाला

नाईपर-हैदराबाद ने 1 से 6 जून, 2020 के दौरान छह दिवसीय ऑनलाइन आई.पी.आर. कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला 1 जून, 2020 को डॉ. बी. लक्ष्मी, सहायक प्रोफेसर, फार्मास्युटिकल प्रबंधन विभाग और कार्यशाला के संयोजक के संक्षिप्त परिचय के साथ शुरू हुई। डॉ. शशी बाला सिंह, निदेशक, नाईपर-हैदराबाद ने वर्तमान परिदृश्य में आई.पी.आर. की महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख करते हुए उद्घाटन भाषण दिया। प्रो. जावेद इकबाल, संस्थापक और अध्यक्ष, कॉस्मिक डिस्कवरी, हैदराबाद द्वारा "ट्रांसलेटिंग बेसिक रिसर्च टू बेनिफिट सोसाइटी" पर उद्घाटन भाषण में इस बात पर गहराई से ध्यान दिया गया कि कैसे वैज्ञानिकों को न केवल नवाचार पर बल्कि नवाचारों के सामाजिक लाभों पर भी ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

डॉ. गौतम भट्टाचार्य, पार्टनर और हेड, हैदराबाद कार्यालय द्वारा पहला तकनीकी सत्र, बुनियादी बातों और आई.पी.आर. के प्रकार पर के एंड एस पार्टनर्स, आईपी विषय वस्तु, फार्मा क्षेत्र में आईपीआर की भूमिका, भारत में आईपीआर कानून और आईपी लैंडस्केप और आधार की स्थापना आगामी तकनीकी सत्र के लिए। दूसरा तकनीकी सत्र 2 जून को डॉ. सूर्यमणि त्रिपाठी, कानूनी परामर्शदाता, आई.सी.आर.आई.एस.ए.टी. द्वारा दिया गया। प्रतिभागियों द्वारा पेटेंट और पेटेंट साहित्य, निहितार्थ (कानूनी स्थिति, समाप्ति, विस्तार), पेटेंट खोज इंजन, डेटाबेस, तकनीकों और रणनीतियों को पढ़ने पर गहन अंतर्दृष्टि के लिए सत्र की सराहना की गई। तीसरा तकनीकी सत्र 3 जून को श्री सम्राट गांगुली, एसोसिएट, पेटेंट (बायोटेक एंड बायोसाइंसेज), के एंड एस पार्टनर्स द्वारा दिया गया था। दिलचस्प सत्र में पेटेंट विनिर्देश और दावा निर्माण, पेटेंट दाखिल करने की प्रक्रिया, समय सीमा और आई.पी. फाइलिंग में शामिल लागत और आई.पी. आवेदन के बाद के परिदृश्य के ऊपर विचार - विमर्श किया गया।

4 जून को श्री विजय कुमार मक्यम, आई-विन आई.पी. सेवाओं द्वारा COVID-19 पर विशेष ध्यान देने के साथ ट्रेडमार्क कानूनों, डेटाबेस, खोजों, फाइलिंग और अभियोजन पर व्याख्यान दिया गया। सत्र में ट्रेडमार्क पंजीकरण प्रक्रिया पर भी विचार किया गया और प्रतिभागियों को ट्रेडमार्क पंजीकरण का सजीव प्रदर्शन दिया गया। इसके बाद फार्मा सेक्टर में आई.पी. के लिए क्या करें और क्या न करें पर तकनीकी सत्र, फार्मा सेक्टर में आई.पी. व्यष्टि अध्ययन, श्री वी.एस.एस.आर.के. राजू भूपतिराजू, पेटेंट अटॉर्नी और अटॉर्नी-एट-लॉ द्वारा विषय वस्तु की पहचान पर एक तकनीकी सत्र का आयोजन किया गया। सत्र में फार्मा उदाहरणों और विषय वस्तु की पहचान और पेटेंट अनुदान/दावों पर व्यष्टि अध्ययन पर चर्चा की गई। श्री अशोक राम कुमार, संस्थापक, वर्डिक्ट आई.पी. द्वारा आई.पी.आर. मुकदमों और अभियोजन पर छठा तकनीकी सत्र दिया गया। सत्र बहुत ही आकर्षक था और प्रतिभागियों ने इसकी सराहना की। 6 जून को समापन सत्र डॉ. निधि संदल, संयुक्त निदेशक, डी.आर.डी.ओ. द्वारा फार्मा क्षेत्र में आई.पी.आर. के पंजीकरण पर दिया गया। इस सत्र में बताया गया कि आई.पी. एक प्रक्रिया नहीं है बल्कि कंपनी को बढ़ने में मदद करने के लिए एक रणनीति/दूरदर्शी दृष्टिकोण है।



K & S INTELLECTUAL PROPERTY STRATEGY		TYPES OF PATENT APPLICATIONS
•	ORDINARY APPLICATION	
	▪ Provisional Application	
•	Complete Application – Direct or Priority from Provisional	
•	CONVENTION APPLICATION (Foreign) [176 members]	
	12 months from priority date	
•	NATIONAL PHASE APPLICATION under PCT	
	31 months from priority date	

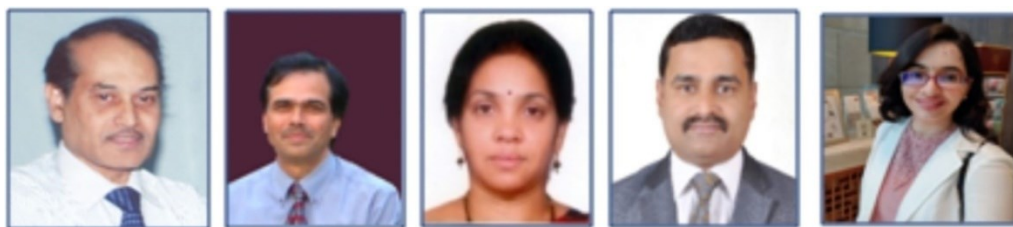
फार्मास्यूटिकल्स के गुणवत्ता नियंत्रण के लिए उन्नत विश्लेषणात्मक तकनीकों पर ऑनलाइन कार्यशाला

औषधीय विश्लेषण विभाग, नाईपर-हैदराबाद द्वारा 3 और 4 जुलाई 2020 के दौरान फार्मास्यूटिकल्स के गुणवत्ता नियंत्रण के लिए उन्नत विश्लेषणात्मक तकनीकों पर दो दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया था। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य एच.पी.एल.सी./यू.एच.पी.एल.सी. में एनालिटिक्स को अलग करने की स्पष्ट समझ होना और एचपीएलसी संचालन और एलसी-एमएस संचालन और इसके अनुप्रयोगों सहित समस्या निवारण में महारत हासिल करना था। इस कार्यशाला में परमाणु स्पिन की खोज के इतिहास और रसायन विज्ञान और चिकित्सा में इसके अनुप्रयोगों को भी शामिल किया। इसके अलावा, व्यष्टि अध्ययन के साथ ^1H , ^{13}C , DEPT, 1D sel-NOE और sel-TOCSY NMR प्रयोगों का प्रदर्शन किया गया।



नियामक पर्यावरण पर कोविड-19 के प्रभाव पर राष्ट्रीय आभासी कार्यशाला

प्रक्रिया रसायन विभाग, नाईपर-हैदराबाद ने 10 और 11 जुलाई 2020 को नियामक पर्यावरण पर कोविड 19 के प्रभाव पर दो दिवसीय राष्ट्रीय आभासी कार्यशाला का आयोजन किया। डॉ. शशी बाला सिंह, निदेशक, नाईपर-हैदराबाद ने प्रतिभागियों को स्वागत भाषण दिया और कार्यशाला के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। इस कार्यशाला में प्रख्यात वक्ताओं जैसे डॉ. ए.के.एस. डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज से भुजंगा राव, डॉ. प्रेमनाथ शेनॉय, अध्यक्ष आई.पी.ए.-कर्नाटक शाखा, सुश्री संगीता, एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट, ग्लोबल रेगुलेटरी अफेयर्स फ्रॉम हेटेरोड्रग्स प्राइवेट लिमिटेड, सुश्री च. लक्ष्मी प्रसन्ना, वरिष्ठ नियामक अधिकारी, फार्मेक्सिल, और डॉ. नवनीता शेनॉय, वरिष्ठ महाप्रबंधक वोकार्ड को व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया और अपने अनुभव और ज्ञान को साझा किया।



Dr. A. K. S. Bhujanga Rao, Dr. Premnath Shenoy, Ms. G. Sangeetha, Dr. Navaneetha Selvan, Ms. Ch. Lakshmi Prasanna,
Dr. Reddy's Laboratories Ltd. President IPA, Karnataka Branch Head Regulatory Affairs Heterodrugs Senior General Manager, Wockhardt Sr. Regulatory Officer, PHARMEXCI

ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला "जैविक अणुओं का वर्णक्रमीय विश्लेषण"

16-17 जुलाई, 2020 के दौरान औषधीय रसायन विज्ञान विभाग, नाईपर-हैदराबाद द्वारा "जैविक अणुओं का वर्णक्रमीय विश्लेषण" शीर्षक पर दो दिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य स्पेक्ट्रा के विश्लेषण में अंतर्दृष्टि प्राप्त करना था। यू.वी., आई.आर., एन.एम.आर. और मास, जो स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों और दैनिक जीवन में स्पेक्ट्रोस्कोपिक तकनीक सिखाने वाले व्याख्याताओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। कार्यशाला में शिक्षा और उद्योग से पूरे भारत के 166 प्रतिनिधियों की भागीदारी देखी गई। शुरुआत में, डॉ. शशी बाला सिंह, निदेशक, नाईपर-हैदराबाद ने कार्यशाला के महत्व के बारे में जानकारी दी। डॉ. आर. श्रीनिवास, एमेरिटस वैज्ञानिक, सी.एस.आई.आर.-आई.आई.सी.टी., हैदराबाद, डॉ. एन. देवेन्द्र बाबू, अनुप्रयोग वैज्ञानिक, ब्रूकर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, डॉ. चंद्रशेखर एन., प्रमुख अनुप्रयोग और ब्रूकर अकादमी के प्रमुख, ब्रूकर इंडिया साइंटिफिक प्राइवेट लिमिटेड, डॉ. एन. शंकरैया, सह-प्राध्यापक, नाईपर-हैदराबाद और डॉ. के. वेंकट राव, सहायक प्राध्यापक, नाईपर-हैदराबाद ने व्याख्यान दिए। उन्होंने प्रतिनिधि व्यष्टि अध्ययन द्वारा एन.एम.आर., मास, आई.आर. और यू.वी. स्पेक्ट्रोस्कोपी और संरचना व्याख्या में उनके संयुक्त दृष्टिकोण के बारे में अवलोकन प्रदान किया। सभी प्रतिभागियों ने अपने प्रतिक्रिया सर्वेक्षण में कार्यशाला की बहुत सराहना की थी।



Dr. Shashi Bala Singh
Chairperson,
NIPER - Hyderabad

Dr. R. Srinivas
Emeritus Scientist
CSIR-IICT, Hyderabad

Dr. N. Devendra Babu
Application Scientist
Bruker India, Pvt., Ltd

Dr. N. Shankaraiah
Associate Professor
NIPER-Hyderabad

Dr. K. Venkata Rao
Assistant Professor
NIPER-Hyderabad

"आर एंड डी नवाचारों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, डेटा एनालिटिक्स और नैनोमेडिसिन के औद्योगिक प्रभाव" पर ऑनलाइन कार्यशाला

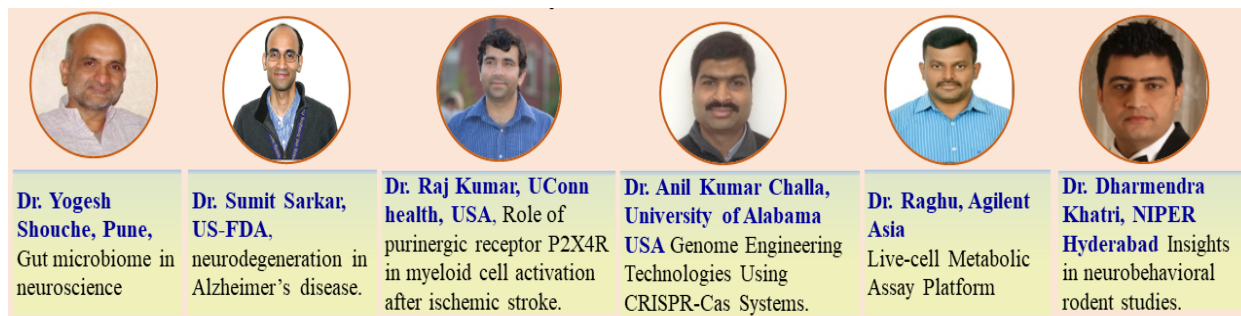
30-31 जुलाई, 2020 के दौरान, औषध-निर्माण विज्ञान विभाग, नाईपर-हैदराबाद ने "आर एंड डी इनोवेशन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, डेटा एनालिटिक्स और नैनोमेडिसिन के औद्योगिक प्रभाव" पर दो दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में भारत के साथ-साथ विदेशों के प्रख्यात वक्ताओं ने भाग लिया। प्रो. एन. के. जैन, प्राध्यापक एमेरिटस, फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग, डॉ. एच. एस. गौर विश्वविद्यालय, सागर, डॉ. एलियाना बी. साउथो, कोयम्बटूर विश्वविद्यालय, पुर्तगाल, डॉ. पास्टरिन जियोजिया, फार्मास्यूटिक्स और बायोफार्मासिटिक्स के प्राध्यापक, सिंगापुर के राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, डॉ. पारिजात जैन, सहायक निदेशक, लोन्ज़ा, वॉक्सविले, मैरीलैंड में बायोमीडिया व्यवसाय प्रबंधन, यू.एस., डॉ. मनीष चौरसिया, प्रधान वैज्ञानिक, भेषज विभाग, सी.डी.आर.आई., लखनऊ और डॉ. सिद्धार्थ मुखर्जी, औषध विज्ञान, फ्रैंकफर्ट, जर्मनी। इस कार्यशाला का उद्देश्य आर. एंड डी. नवाचारों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, डेटा एनालिटिक्स और नैनोमेडिसिन की भूमिका पर जोर देना था। कार्यशाला में ए.आई. और एम.एल. का उपयोग करके फार्मास्युटिकल उत्पाद विकास पर भी ध्यान केंद्रित किया गया।



"न्यूरोसाइंस में प्रीक्लिनिकल एंड मॉलिक्यूलर मेथड्स" पर ऑनलाइन वर्कशॉप

नाईपर-हैदराबाद, फार्माकोलॉजी और टॉक्सिकोलॉजी विभाग, द्वारा "न्यूरोसाइंस में प्रीक्लिनिकल एंड मॉलिक्यूलर मेथड्स" पर एक इंटरैक्टिव दो दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया था। इस कार्यशाला में आमंत्रित वक्ताओं में डॉ. योगेश शौचे, एन.सी.एस., पुणे, डॉ. सुमित सरकार, एन.सी.टी.आर., यू.एस.-एफ.डी.ए., डॉ. राज कुमार, यूकॉन हेल्थ, यू.एस.ए., डॉ. अनिल कुमार चल्ला, अलबामा विश्वविद्यालय, बर्मिंघम, यू.एस.ए. डॉ. रघु, एगिलेंट एशिया और डॉ. धर्मेन्द्र

खत्री, नाईपर-हैदराबाद शामिल थे। कार्यशाला का उद्देश्य तंत्रिका विज्ञान के क्षेत्र में नए रुझानों को साझा करना था। आंत माइक्रोबायोम के सीएनएस अनुसंधान पर नई अंतर्दृष्टि दी गई।



"नियामक विष विज्ञान में अच्छी प्रयोगशाला अभ्यास (जीएलपी)" पर कार्यशाला

नाईपर-हैदराबाद में नियामक विष विज्ञान विभाग ने 27-28 अगस्त 2020 के दौरान नियामक विष विज्ञान में जी.एल.पी पर दो दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यशाला में अकादमिक और उद्योग क्षेत्र के 98 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रख्यात वक्ताओं ने अपने विशेषज्ञ ज्ञान को साझा किया- डॉ. एकता कपूर (एन.जी.सी.एम.ए.-डी.एस.टी.), डॉ. दिनेश कुमार (एन.आई.एन.-आई.सी.एम.आर.), डॉ. उदयन आप्टे (यूके.एम.सी.-यू.एस.ए.), डॉ. सुमन चक्रवर्ती (मल्टीकेस इंक, यू.एस.ए.), डॉ. पुष्कर कुलकर्णी (ड्रिल्स) , हैदराबाद) डॉ. योगेश कुमार मुरकुंडे (सी.ई.एफ.टी, श्रीएचई, चेन्नई) और डॉ. चंद्रैया गोडुगु (नाईपर-हैदराबाद)। उन्होंने जी.एल.पी., गैर-नैदानिक सुरक्षा मूल्यांकन, सुरक्षा फार्माकोलॉजी, विषाक्तता भविष्यवाणी के लिए कम्प्यूटेशनल उपकरण, लक्ष्य अंग विष विज्ञान, हिस्टोपैथोलॉजिकल अध्ययन डिजाइन और विश्लेषण आदि की भूमिका सहित नियामक विष विज्ञान के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर जोर दिया। सभी प्रतिभागियों ने अपने प्रतिक्रिया में इसकी बहुत सराहना की। उनके फीडबैक सर्वेक्षण में कार्यशाला।



“कोविड-19 के समय में उद्यमिता के अवसर और चुनौतियाँ” विषय पर ऑनलाइन कार्यशाला

नाईपर-हैदराबाद 29-30 सितंबर, 2020 के दौरान “उद्यमिता के अवसर और कोविड -19 टाइम्स में चुनौतियाँ” पर नाईपर-हैदराबाद में फार्मास्युटिकल प्रबंधन विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला डॉ. शशी बाला सिंह, निदेशक, नाईपर-हैदराबाद की परिचयात्मक टिप्पणियों के साथ शुरू हुई। कार्यशाला की शुरुआत सुश्री दीप्ति रावुला, वी हब, तेलंगाना सरकार के उद्घाटन भाषण से हुई। कार्यशाला का संचालन डॉ. बी करुणाकर, प्रोफेसर, एन.एम.आई.एम.एस.-हैदराबाद, डॉ. राधा रंगराजन, मुख्य वैज्ञानिक अधिकारी, हेल्थक्यूब, हैदराबाद, डॉ. नंदिता सेठी, सीईओ, द एंटरप्रेन्योर जोन, डॉ. श्रीकांत शर्मा, एसोसिएट फैकल्टी सदस्य, एनआई-एमएसएमई, श्री हनुमंत सिंह, संस्थापक, प्लसप्रोमो ने किया। इस वर्कशॉप में नवाचार और उद्यमिता की अनिवार्यता, उद्यमिता मानसिकता और कोविड के दौरान यात्रा, जर्नी: आइडिया जनरेशन टू बिजनेस इस्टैब्लिशमेंट, एम.एस.एम.ई. व्यवसायों के लिए योजनाएं और फार्मा सेक्टर में अवसर और चुनौतियाँ शामिल थीं। कार्यशाला का समापन सुश्री दीप्ति रावुला, सी.ई.ओ., वी हब, तेलंगाना सरकार और डॉ. शशी बाला सिंह, निदेशक, नाईपर हैदराबाद द्वारा “सर्वश्रेष्ठ आइडिया प्रतियोगिता” विजेताओं की घोषणा के साथ हुआ।



सेल कल्चर तकनीकों पर व्यावहारिक कार्यशाला

नाईपर-हैदराबाद में फार्माकोलॉजी विभाग ने 8-12 फरवरी 2021 के दौरान "सेल कल्चर तकनीकों पर हैंड्स-ऑन कार्यशाला" पर पांच दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यशाला में शिक्षा और उद्योग क्षेत्र से पूरे भारत के 50 छात्रों की भागीदारी देखी गई। कार्यशाला की शुरुआत निदेशक, नाईपर-हैदराबाद, डॉ. शशी बाला सिंह द्वारा स्वागत भाषण और कार्यशाला के लिए मुख्य अतिथि (ऑनलाइन) डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी निदेशक, सी.एस.आई.आर.-आई.आई.आई.एम. के उद्घाटन भाषण के साथ हुई। एमटीटी टेस्ट, डीएनए आइसोलेशन, आरएनए आइसोलेशन, सीडीएनए सिंथेसिस/एगरोज़ जेल वैद्युतकण संचलन, आरटी-पीसीआर, फ्लोसाइटोमेट्री/आईसीसी, प्रोटीन निष्कर्षण और अनुमान, जेल वैद्युतकणसंचलन और कॉमासी स्टेनिंग, जेल ट्रांसफर और ब्लॉटिंग व्यावहारिक सत्र जैसी विभिन्न सेल संस्कृति तकनीकों पर कार्यक्रम के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 5 दिनों के लिए कार्यशाला आयोजित की गई थी। कार्यक्रम 12 फरवरी, 2021 को डॉ. मनोज दांडेकर, सह-संयोजक और जैविक विज्ञान विभाग के प्रमुख द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ संपन्न हुआ, इसके बाद भागीदारी प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। .



नैनोटेक्नोलॉजी आधारित दवा वितरण के लिए उपकरण और तकनीकों पर कार्यशाला

नाईपर-हैदराबाद ने 22 और 23 मार्च, 2021 को "नैनो प्रौद्योगिकी आधारित दवा वितरण के लिए उपकरण और तकनीकों पर व्यावहारिक अनुभव" पर दो दिवसीय कार्यशाला कार्यक्रम विषय का आयोजन किया। कार्यशाला को छात्रों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। कार्यशाला को फार्मास्युटिकल प्रमोशन डेवलपमेंट द्वारा प्रायोजित और फार्मास्यूटिक्स विभाग, नाईपर-हैदराबाद द्वारा आयोजित किया गया था। डॉ. पंकज कुमार सिंह, सहायक प्राध्यापक, नाईपर-हैदराबाद इस आयोजन के संयोजक थे और डॉ. जितेंद्र मदान, डॉ. सौरभ श्रीवास्तव और डॉ. नीलेश कुमार मेहरा इस आयोजन के सह-संयोजक थे। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य नैनो आधारित दवा वितरण, तैयारी के तरीकों

और मूल्यांकन तकनीकों के बारे में सैद्धांतिक और व्यावहारिक समझ का निर्माण करना था। बी. फार्मेसी, एम. फार्मेसी, एम.एस., बी.एससी., एम.एस.सी और पीएचडी दवा विज्ञान और जीवन विज्ञान जैसे विभिन्न पृष्ठभूमि से लगभग 40 छात्र पंजीकृत थे। कुल 16 सत्र थे (प्रत्येक दिन 8 सत्र) और तदनुसार छात्रों को प्रत्येक समूह में 5 सदस्यों के साथ 8 समूहों में विभाजित किया गया था।

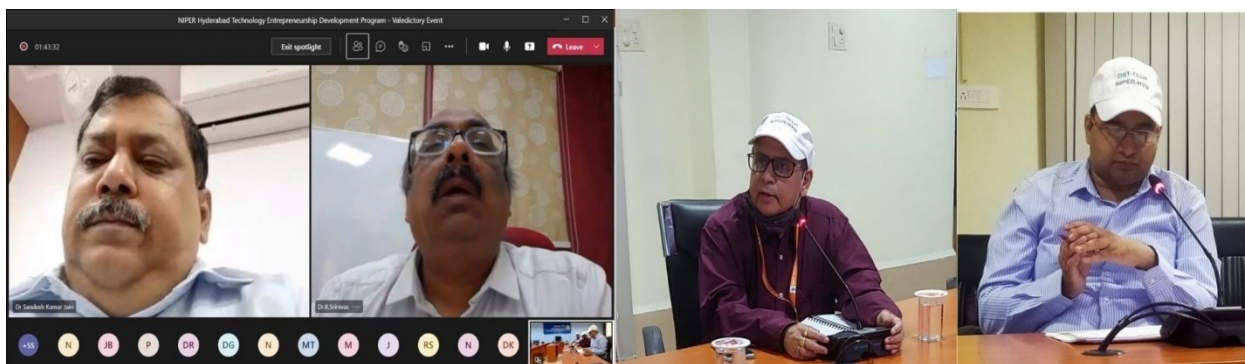
पहले दिन 22 मार्च को कार्यशाला का उद्घाटन डॉ. शशी बाला सिंह, निदेशक, नाईपर-हैदराबाद द्वारा किया गया और डॉ. अजय जे. खोपड़े, उपाध्यक्ष, एन.डी.डी.एस., सन फार्मा, वडोदरा वस्तुतः मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। पहले दिन डीएससी, एसईएम, जीटा एनालाइजर, फ्रांज डिफ्यूजन सेल, एचपीएलसी, लिपिड एक्सट्रूडर, डिऑल्यूशन उपकरण, माइक्रोफ्लुइडिक्स तकनीक और टैबलेट पंचिंग मशीन का प्रदर्शन किया गया था। दूसरे दिन, 23 मार्च को, शेष सत्र आयोजित किए गए जो रियोमीटर, बनावट विश्लेषक, हॉट मेल्ट एक्सट्रूडर, माइक्रोफ्लुइडाइज़र, अल्ट्रासेंट्रीफ्यूज, स्प्रे ड्रायर, हॉट स्टेज माइक्रोस्कोपी और लियोफिलाइज़र के प्रदर्शन पर आधारित थे। मैं सभी सत्रों के पूरा होने के बाद समापन समारोह में प्रतिभागियों के लिए एक छोटी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रदर्शन के आधार पर विजेता और उपविजेता को "बडिंग नैनोटेक्नोलॉजिस्ट" के रूप में सम्मानित किया गया। अन्य प्रतिभागियों को कार्यक्रम में भागीदारी का प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।



प्रौद्योगिकी उद्यमिता विकास कार्यक्रम बौद्धिक संपदा अधिकार और औषधि खोज

नाईपर-हैदराबाद ने 1 फरवरी, 2021 से 19 मार्च, 2021 के बीच "बौद्धिक संपदा अधिकार और ड्रग डिस्कवरी पर प्रौद्योगिकी उद्यमिता विकास कार्यक्रम" विषय पर 45 दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला कार्यक्रम का आयोजन किया। नाईपर-हैदराबाद द्वारा आयोजित टी. इ. डी. पी. कार्यक्रम एक संरचित प्रशिक्षण कार्यक्रम है जो उद्यमियों को प्रेरित करने और विकसित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है जो की विशिष्ट उत्पादों, प्रौद्योगिकियों, प्रक्रियाओं में को नाईपर-हैदराबाद लैब्स और फार्मास्युटिकल उद्योग में विकसित और उपयोग किया जाता है। डी.एस.टी. पर्यवेक्षक (डॉ. के. श्रीनिवास, सी.ई.ओ, ए-आईडीईए (एसोसिएशन फॉर इनोवेशन एंड डेवलपमेंट ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप इन एग्रीकल्चर) ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र के बीच और समापन सत्र में भाग लिया। उन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रम के संचालन में भी मार्गदर्शन किया।

उद्घाटन सत्र 01.02.2021 को शुरू हुआ। डॉ. के. श्रीनिवास, सीईओ, ए-ए-आईडिया (एसोसिएशन फॉर इनोवेशन डेवलपमेंट ऑफ एग्रीकल्चर इन एंटरप्रेन्योरशिप इन एग्रीकल्चरल एकेडमी ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च मैनेजमेंट (आईसीएआर-एनएएआरएम), हैदराबाद, जिसे डीएसटी द्वारा क्षेत्र के नोडल ऑब्जर्वर के रूप में नियुक्त किया गया था और गूगल क्विज और गूगल मीट प्लेटफॉर्म को सहयोगी के रूप में जोड़ा गया है। वह कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। कार्यशाला समन्वयक श्री संजीव लोहानी ने कार्यशाला के अंतिम दिन 6 सप्ताह के प्रौद्योगिकी आधारित उद्यमिता विकास कार्यक्रम के लिए समापन कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर डॉ.एस.के. जैन, प्रधान निदेशक, सिपेट, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के पर्यवेक्षक और सम्मानित अतिथि डॉ. के. श्रीनिवास और डीन, नाईपर हैदराबाद, डॉ. श्रीनिवास नंदूरी इस अवसर पर उपस्थित थे।



एपीआई निर्माण में भारत को आत्मनिर्भर बनाने पर वेबिनार

नाईपर-हैदराबाद ने 26 मई 2020 को "मेकिंग इंडिया सेल्फ रिलायंट इन एपीआई मैन्युफैक्चरिंग" पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का समन्वय डॉ. श्रीनिवास नंदूरी, डीन, नाईपर-हैदराबाद ने किया। इस संगोष्ठी में, डॉ. पी. डी. वाघेला, सचिव, फार्मास्यूटिकल्स विभाग (डीओपी), भारत सरकार, प्रो. वाई के गुप्ता, प्रमुख सलाहकार, टी.एच.एस.टी.आई., डी.बी.टी, श्री उदय भास्कर, महानिदेशक, फार्मेक्सिल, श्री वी.वी. बल्क ड्रग मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष कृष्णा रेड्डी ने वक्ताओं के रूप में भाग लिया। डॉ. शशी बाला सिंह, निदेशक, नाईपर-हैदराबाद ने अपने स्वागत भाषण में ए.पी.आई. क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की आवश्यकता के महत्व को रेखांकित किया और वक्ताओं का परिचय दिया।

मुख्य भाषण डॉ पी. डी. वाघेला, सचिव, फार्मास्यूटिकल्स विभाग (डीओपी), भारत सरकार द्वारा दिया गया था। डॉ. वाघेला ने ए.पी.आई. निर्माण को बनाए रखने के लिए इस क्षेत्र में सुधार और एक निजी-सार्वजनिक मॉडल में काम करने की आवश्यकता पर बल दिया। प्रो. वाई. के. गुप्ता, प्रधान सलाहकार, टी.एच.एस.टी.आई., डी.बी.टी. ने भारतीय फार्मास्यूटिकल उद्योग के महत्व पर विस्तार से बताया है और उल्लेख किया है कि भारत 'विश्व की फार्मेसी' के रूप में उभरा है। श्री उदय भास्कर, महानिदेशक, फार्मेक्सिल ने एपीआई उद्योग के आँकड़ों बारे में विस्तार से बताया। अकेले चीन से लगभग 60-70% आयात हो रहा है, जिसमें से भारत 57 ए.पी.आई के लिए 100% चीन पर निर्भर है। बल्क ड्रग मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री वी.वी. कृष्णा रेड्डी ने "बल्क ड्रग निर्माताओं द्वारा सामना किए जा रहे मुख्य मुद्दों पर बात की। उन्होंने उल्लेख किया कि यू.एस.-एफ.डी.ए. में 4500 डीएमएफ (ड्रग मास्टर फाइल) दायर किए गए थे, जिनमें से 50% भारत से हैं। भारत वर्तमान में 70% टीकों का निर्माण कर रहा है। श्री सुदर्शन जैन, महासचिव, इंडियन फार्मास्यूटिकल एसोसिएशन ने वित्त पोषण के लिए बी.आई.आर.ए.सी./डी.बी.टी./डी.एस.टी के साथ साझेदारी और कंपनियों के लिए उचित रोड मैप की आवश्यकता पर बात की। ए.पी.आई को कम मात्रा की रणनीतियों के साथ शुरू करना चाहिए और अंततः 3000-7500 टन / माह के बुनियादी ढांचे के पैमाने पर होना चाहिए। संगोष्ठी चर्चा के साथ समाप्त हुई और सभी 860 प्रतिभागियों और अध्यक्ष को धन्यवाद के साथ समाप्त हुई।



Dr PD Vaghela, IAS
Secretary, Dept. of
Pharmaceuticals, GoI



Prof YK Gupta
Principal Adviser,
THSTI, DBT



Shri R. Uday Bhaskar
Director General,
Pharmexcil

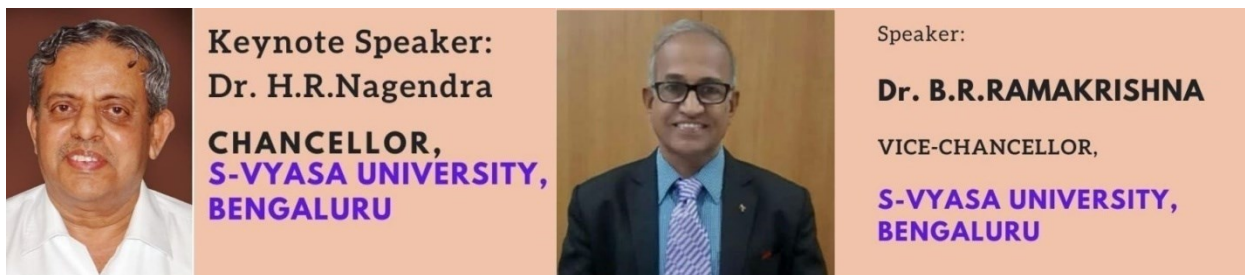


Shri Sudarshan Jain
Secretary General, Indian
Pharmaceutical Alliance

"कोविड-19 के साथ जीने की कला" पर वेबिनार

नाईपर-हैदराबाद ने 21 मई, 2020 को 'विश्व सांस्कृतिक विविधता दिवस' मनाने के लिए डॉ. बी. आर. रामकृष्ण, कुलपति, एस-व्यासा विश्वविद्यालय, बेंगलुरु द्वारा 'आर्ट ऑफ लिविंग विद कोविड -19' पर एक वेबिनार की मेजबानी की। वेबिनार की शुरुआत गुरुजी प्रो. डॉ. नागेंद्र, कुलाधिपति, एस-व्यासा विश्वविद्यालय के प्रस्तावना से हुई। गुरुजी ने तनाव, तनाव, चिंता और भय को दूर करने के लिए विभिन्न अभ्यासों पर बात की। उन्होंने बताया कि किस प्रकार आयुष मंत्रालय को डब्ल्यू.एच.ओ द्वारा चिकित्सा की पूरक वैकल्पिक प्रणाली के रूप में मान्यता दी गई थी और अगर सही तरीके से अभ्यास किया जाए तो योग जनता की प्रतिरोधक क्षमता को कैसे बढ़ा सकता है।

डॉ. बी. आर. रामकृष्ण, कुलपति ने 'कोविड-19' संकट में आयुर्वेद के परिप्रेक्ष्य पर व्याख्यान दिया। उन्होंने 'कोविड-19' को ऐसी बीमारी के रूप में परिभाषित किया जो 'संक्रामिका, औषपासर्गिका और जनपद वंश' है और श्वसन प्रणाली (प्राणवाहा स्त्रोत) को प्रभावित करती है जो सामान्य सर्दी (प्रत्याशय) से सार्स (गंभीर तीव्र श्वसन सिंड्रोम) के लक्षणों को प्रदर्शित करती है। उन्होंने रोग निवारण की आयुर्वेदिक अवधारणा के महत्व, श्वसन रोग प्रतिरोधक क्षमता के संबंध में आयुर्वेद में आहार के महत्व, रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए आयुष मंत्रालय के विशिष्ट उपायों, घरेलू उपचार, रोगाणुओं के प्रवेश मार्गों को जीवाणुरहित रखने के तरीके और अंत में एकीकृत दृष्टिकोण प्रतिरक्षा बढ़ाने के लिए आयुर्वेद और योग मॉड्यूल पर जोर दिया।



"बुनियादी और नैदानिक तंत्रिका विज्ञान: अंतराल को पाटना" पर वेबिनार

4-7 अक्टूबर, 2020 के दौरान, नाईपर-हैदराबाद ने "बेसिक एंड क्लिनिकल न्यूरोसाइंसेज: ब्रिजिंग द गैप्स" पर हैदराबाद विश्वविद्यालय और इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस के सहयोग से एकेडमी ऑफ न्यूरोसाइंस (आई.ए.एन.) अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन का आयोजन किया। डॉ. शशी बाला सिंह, निदेशक, नाईपर-हैदराबाद, इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोसाइंस (आई.ए.एन.) के अध्यक्ष ने आई.ए.एन. की 38वीं ई-वार्षिक बैठक में उद्घाटन भाषण दिया। डॉ. सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि कैसे ट्रांसलेशनल न्यूरोसाइंस नई खोजों को प्रयोगशाला से व्यावसायिक में बदलकर बुनियादी और नैदानिक तंत्रिका विज्ञान के बीच की खाई को पाटने में मदद करता है। सम्मेलन का केंद्र ट्रांसलेशनल अनुसंधान के महत्व को उजागर करना और अगली पीढ़ी के न्यूरोसाइंटिस्ट्स के प्रशिक्षण और सलाह को बढ़ावा देना था।



"स्नातक छात्रों के साथ त्वचा वितरण प्रणाली प्रयोगशाला चलाने के लिए क्या आवश्यक है, इस पर व्यक्तिगत दृष्टिकोण: विज्ञान और बाकी" पर वेबिनार

9 अक्टूबर, 2020 को नाईपर-हैदराबाद द्वारा आयोजित "स्नातक छात्रों के साथ एक त्वचा वितरण प्रणाली प्रयोगशाला चलाने के लिए क्या करता है पर व्यक्तिगत परिप्रेक्ष्य: विज्ञान और बाकी" विषय पर इंडो-यूएस में एक अंतरराष्ट्रीय वेबिनार। प्रोफेसर अजय के. बंगा, फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग, फार्मसी कॉलेज, मर्सर यूनिवर्सिटी, अटलांटा, जी.ए., यू.एस.ए. ने सत्र को संबोधित किया।

उन्होंने त्वचा वितरण प्रणाली, इसे कैसे चलाना है और इसके विज्ञान पर एक व्यावहारिक दृष्टिकोण दिया।



Dr. Neelesh Kumar Mehra
Assistant Professor
NIPER Hyderabad



Prof. Ajay K. Banga,
Department of Pharmaceutical
Sciences at the College of Pharmacy,
Mercer University, Atlanta, GA, USA



Dr. Shashi Bala Singh,
Director,
NIPER Hyderabad

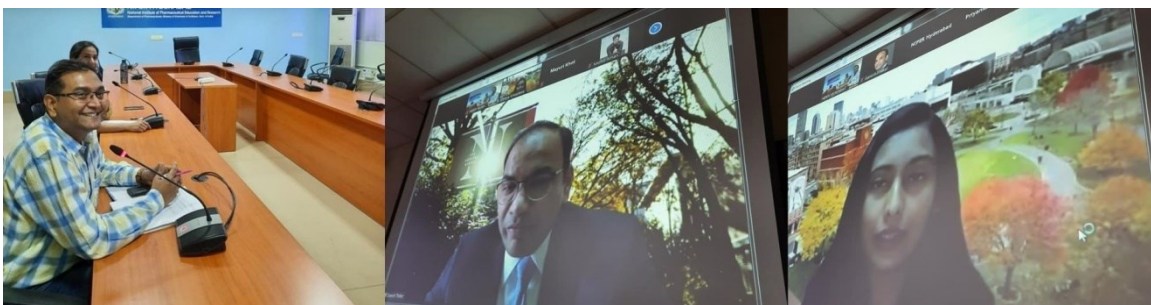
भारत-यूरोपीय संघ वेबिनार

नाईपर-हैदराबाद ने 2 मार्च, 2021 को प्रो. जेसिका रोसेनहोम, अबो अकादमी विश्वविद्यालय, फ़िनलैंड और प्रो. थॉमस रेड्स, कोपेनहेगन विश्वविद्यालय, डेनमार्क के साथ एक इंडो-ईयू वेबिनार का आयोजन किया। प्रो. जेसिका रोसेनहोम, अबो अकादमी विश्वविद्यालय, फ़िनलैंड ने मेसोपोरस सिलिका नैनोपार्टिकल्स फॉर एडवांस्ड ड्रग डिलीवरी एंड थेरानोस्टिक्स के बारे में बात की। इंडो-ईयू वेबिनार में, प्रो. थॉमस रेड्स, कोपेनहेगन विश्वविद्यालय, डेनमार्क ने को-अमोर्फोस दवा प्रणालियों में नए विकास के बारे में बात की।



"चिकित्सीय खोजों के लिए अणु" पर वेबिनार

नाईपर-हैदराबाद ने 4 मार्च, 2021 को डॉ. गणेश ठाकुर, नॉर्थईस्टर्न यूनिवर्सिटी के बौवे कॉलेज ऑफ हेल्थ साइंसेज, यू.एस.ए. द्वारा न्यूरोपैथिक दर्द के इलाज के लिए सुरक्षित फार्माकोथेरेपी के चिकित्सीय खोजों के विकास पर एक वेबिनार का आयोजन किया।



"मानव कल्याण में जैविक रसायन" पर एक प्रेरक वार्ता

नाईपर-हैदराबाद ने 19 जून 2020 को प्रोफेसर विनोद के. सिंह, राहुल और नमिता गौतम चेयर प्राध्यापक, रसायन विज्ञान विभाग, आई.आई. टी. कानपुर द्वारा 'मानव कल्याण में कार्बनिक रसायन' पर एक वेबिनार की मेजबानी की। उनके भाषण की शुरुआत इस टिप्पणी से हुई कि शिक्षा ने किस तरह मानव के कल्याण को आकार दिया। उन्होंने दैनिक जीवन की गतिविधियों में रसायन विज्ञान की भूमिका पर जोर दिया, जिसमें प्याज और लहसुन से जुड़े रसोई रसायन शामिल हैं। उन्होंने बताया कि हमारे दैनिक जीवन में उपयोग किए जाने वाले अधिकांश यौगिक कार्बनिक मूल के होते हैं, और उनमें से 65% छोटे अणु होते हैं और शेष 15% प्रकृति से प्राप्त होते हैं। उन्होंने 1828 ई. में वोहलर्स यूरिया के संश्लेषण और 1809 में बर्जेलियस के "वाइटल फ़ोर्स" के सिद्धांत के साथ शुरुआत की। उन्होंने बताया कि कैसे आर. बी. वुडवर्ड (1917-1979) ने एल्कलॉइड और विटामिन-बी 12 के संश्लेषण में भूमिका निभाई। उन्होंने बताया कि कैसे 'संगीतकार', 'कलाकार' और 'कवि' विचार ईजे कोरी के सामाजिक हित के कई अणुओं के संश्लेषण में परिलक्षित होते हैं। उन्होंने यह कहते हुए निष्कर्ष निकाला कि "जैविक रसायन दैनिक जीवन के लिए बहुत उपयोगी है"। वार्ता में काफी मात्रा में प्रश्नोत्तर बातचीत हुई और अध्यक्ष के धन्यवाद के साथ समाप्त हुई।



कोविड से पहले और बाद की चुनौतियों पर वेबिनार

डॉ. दिनेश कुमार ने 17 जून 2020 को प्री और पोस्ट कोविड चुनौतियों पर एक वेबिनार दिया। उन्होंने चीन में नोवेल कोरोनावायरस की संभावित उत्पत्ति के बारे में बताया और यह कैसे विभिन्न देशों में प्रसार हुआ और यह भी बताया कि यह महामारी वायरस तेलंगाना सहित भारतीय राज्यों को कैसे संक्रमित करता है। उन्होंने कोविड-19 के विभिन्न रोग संबंधी परिणामों के बारे में विस्तार से बात की और गंभीर तीव्र श्वसन संकट सिंड्रोम (एस.ए.आर.एस.) के रूप में फेफड़ों की चोट के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कोविड-19 और इसकी जटिलताओं को नियंत्रित करने के संभावित चिकित्सीय विकल्पों पर चर्चा की।



योग्यतम-अनुकूल या नाशवान की उत्तरजीविता पर वेबिनार

डॉ. जूलियस एंथनी वाज़, ग्लोबल प्रोग्राम हेड, नोवार्टिस हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद ने 9 जून, 2020 को "द सर्वाइवल ऑफ़ द फिटिस्ट - एडाप्ट या पेरिश" नामक एक वेबिनार में बात की। बातचीत के दौरान, उन्होंने विभिन्न परिवर्तनों के बारे में बताया। विश्व स्वास्थ्य देखभाल और चिकित्सा को प्रभावित करने, आधुनिक चिकित्सा पर इसके प्रभाव। उन्होंने उल्लेख किया कि गति और अनुकूलन निरंतर सफलता की कुंजी है और नवीन विज्ञान द्वारा संचालित सूचना प्रौद्योगिकी स्वास्थ्य सेवा के वितरण में क्रांति लाएगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नए दृष्टिकोण हमें इस तेजी से बदलते परिवेश में फलने-फूलने में सक्षम बनाएंगे, भले ही प्रमुख मुद्दे हमें चुनौती देते रहेंगे। उन्होंने परिवर्तनकारी दवा के बारे में बताया जिसका समाज पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा और हमारी निरंतर सफलता की कुंजी होगी। उन्होंने एक बयान के साथ निष्कर्ष निकाला कि "सहयोग करें, ज्ञान को समेकित करें और मूल मूल्यों का निर्माण करें"।



ऑस्टियोआर्थराइटिस के इलाज के लिए औषधीय तरीकों पर चर्चा

डॉ. रितु त्रिवेदी, प्रधान वैज्ञानिक केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान, लखनऊ ने 15 जनवरी, 2021 को नाईपर-हैदराबाद द्वारा आयोजित "ऑस्टियोआर्थराइटिस के इलाज के लिए औषधीय दृष्टिकोण" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।



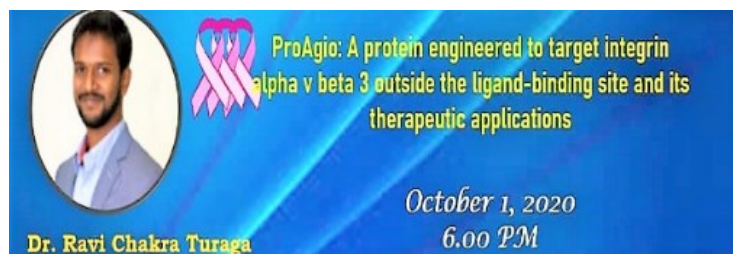
बौद्धिक संपदा प्रबंधन पर सत्र

डॉ. समिता रामदास, निदेशक, बौद्धिक संपदा प्रबंधन, डॉ रेड्डीज ने 8 जनवरी, 2021 को नाईपर-हैदराबाद द्वारा आयोजित "बौद्धिक संपदा प्रबंधन" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।



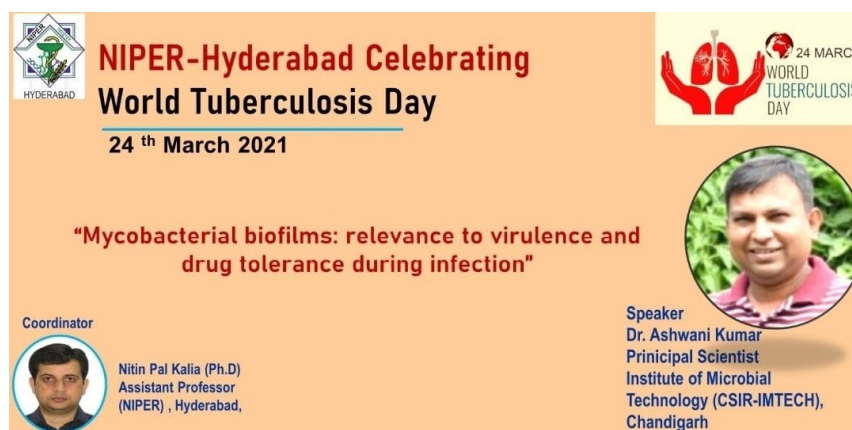
**प्रोजेजियो: ए प्रोटीन इंजीनियर टू टार्गेट इंटीग्रिन अल्फा वी बीटा 3 आउट द लिगैंड-बाइंडिंग
साइट एंड इट्स थेराप्यूटिक एप्लिकेशन पर वेबिनार**

डॉ. रवि चक्र टी ने 1 अक्टूबर, 2020 को नाईपर-हैदराबाद द्वारा आयोजित "प्रोजेजियो: ए प्रोटीन इंजीनियर टू टार्गेट इंटीग्रिन अल्फा वी बीटा 3 आउट द लिगैंड-बाइंडिंग साइट एंड इट्स थेराप्यूटिक एप्लिकेशन" पर एक वेबिनार दिया। वक्ता डॉ. रवि चक्र तुरगा, अनुसंधान वैज्ञानिक, जॉर्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी, यू.एस.ए. ने प्रोजेजियो प्रोटीन, इसके लक्ष्य, तंत्र और इसके चिकित्सीय अनुप्रयोगों पर बहुत ही रोचक अंतर्दृष्टि दी।



विश्व क्षय रोग दिवस पर "माइक्रोबैक्टीरिया बायोफिल्म्स" पर अतिथि व्याख्यान

डॉ. अश्विनी कुमार, प्रधान वैज्ञानिक सीएसआईआर माइक्रोबियल टेक्नोलॉजी संस्थान ने 24 मार्च, 2021 को नाईपर-हैदराबाद द्वारा आयोजित विश्व क्षय रोग दिवस और "माइक्रोबैक्टीरियल बायोफिल्म: संक्रमण के दौरान विषाणु और दवा सहिष्णुता के लिए प्रासंगिकता" विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया।



"आपको सशक्त बनाने" के रूप में बुद्धिशीलता कार्यशाला

प्रो. रितु अनेजा, जॉर्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी ने 17 मार्च, 2021 को नाईपर-हैदराबाद द्वारा आयोजित "एम्पावरिंग यू" शीर्षक वाली बुद्धिशीलता कार्यशाला में नाईपर-हैदराबाद शिक्षकों के साथ बातचीत की।

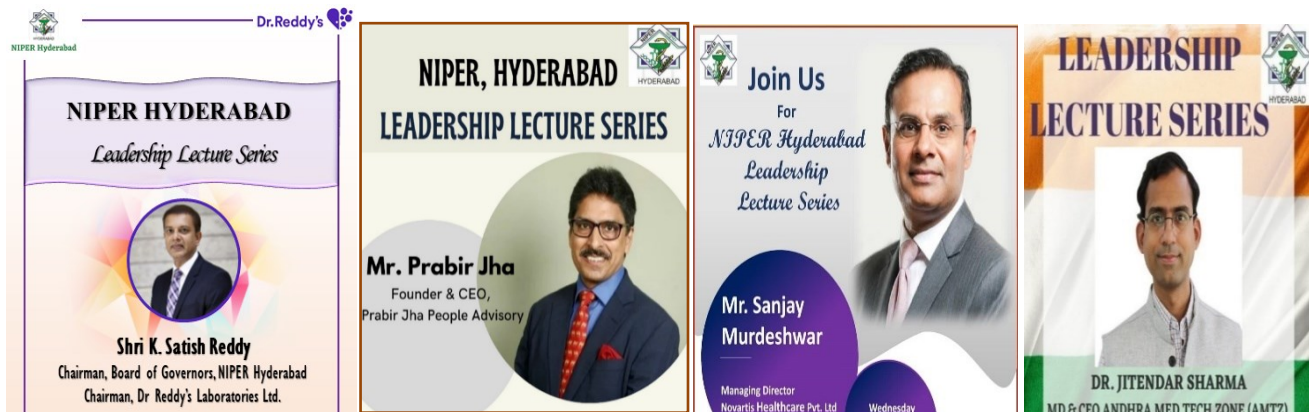


नाईपर-हैदराबाद द्वारा आयोजित नेतृत्व श्रृंखला

नाईपर-हैदराबाद ने नेतृत्व व्याख्यान श्रृंखला शुरू की, जिसका पहला व्याख्यान 18 नवंबर, 2020 को आयोजित किया गया था। श्री संजय मुर्देश्वर, प्रबंध निदेशक, नोवार्टिस हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड को वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।

नेतृत्व व्याख्यान श्रृंखला का दूसरा व्याख्यान 22 दिसंबर, 2020 को आयोजित किया गया था। श्री प्रबीर झा, संस्थापक और सीईओ, प्रबीर झा पीपल एडवाइजरी, को वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।

श्रृंखला में तीसरा व्याख्यान डॉ. जितेंद्र शर्मा, एमडी और सीईओ, आंध्र प्रदेश मेडटेक क्षेत्र द्वारा 28 जनवरी, 2021 को दिया गया। इस श्रृंखला के क्रम में, चौथा व्याख्यान श्री सतीश रेड्डी, अध्यक्ष, शासन बोर्ड, नाईपर-हैदराबाद और अध्यक्ष डॉ रेड्डीज द्वारा दिया गया। उन्होंने 9 मार्च, 2021 को नाईपर-हैदराबाद के छात्रों और शिक्षकों के साथ परस्पर संवादात्मक सत्र और नाईपर-हैदराबाद द्वारा आयोजित बातचीत के दौरान उद्योग अकादमिक संबंधों को मजबूत करने की आवश्यकता पर बात की।



पूर्व छात्र वार्ता

डॉ. राहुल नाहिरे ने 5 मार्च, 2021 को नाईपर-हैदराबाद द्वारा आयोजित "संयुक्त राज्य अमेरिका और विदेश में अध्ययन और नौकरी के अवसर" नामक एक भाषण दिया। डॉ. जागृत वैष्णव ने 20, फरवरी 2021 को नाईपर-हैदराबाद द्वारा आयोजित "फंडामेंटल्स ऑफ मार्केट एक्सेस" नामक शीर्षक पर एक वार्ता दी। डॉ. पंकज के. बागुल ने 18 नवंबर, 2020 को नाईपर-हैदराबाद द्वारा आयोजित "फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री में मेडिकल इंफॉर्मेशन: जर्नी आउटसाइड द डिस्पेंसिंग बॉक्स" शीर्षक से एक वार्ता दी। श्री धर्मे श नीलेश मेहता ने "मास्टर प्लान साक्षात्कार को क्रैक करने के लिए" शीर्षक पर 19 सितंबर 2020 को नाईपर-हैदराबाद द्वारा आयोजित कार्यशाला में एक भाषण दिया। पूर्व छात्रों छात्रों की बातचीत में, जॉर्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी में पीएचडी कर रही सुश्री निव्या शर्मा और श्री आकाश नथानी, पीएचडी उम्मीदवार ने "उच्च शिक्षा के लिए सर्वोत्तम मार्ग का चयन" शीर्षक पर प्रेरक भाषण दिया।

इसके अलावा, हमारे उज्ज्वल एमबीए छात्रों ने बिक्री और विपणन, ब्रांडिंग छवि, फार्मास्युटिकल क्षेत्र में चुनौतियों और अवसरों, नियामक मामलों में करियर की सोच आदि के क्षेत्र में प्रख्यात वक्ताओं को आमंत्रित करके वेबिनार / सेमिनारों की एक श्रृंखला का आयोजन किया।

24 अप्रैल 2020 को अमर उजाला के उप महाप्रबंधक श्री देवन भल्ला द्वारा "सेल्फ ब्रांडिंग"		श्री हितेश खंडेलवाल, सीनियर प्रोडक्ट मैनेजर, जॉनसन एंड जॉनसन द्वारा 26 अप्रैल को "रोडमैप टू सेल्स, मार्केटिंग एंड अदर क्रॉस रूट"	
25 अप्रैल 2020 को सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज लिमिटेड के उत्पाद प्रबंधक श्री भावेश मोर द्वारा "फार्मा मार्केटिंग स्कोप"		2 मई को डॉ रेड्डीज लैबोरेटरीज के ब्रांड मैनेजर श्री रोहित ठाकुर द्वारा "फार्मास्युटिकल सेलिंग की कला और विज्ञान का रहस्योद्घाटन"	

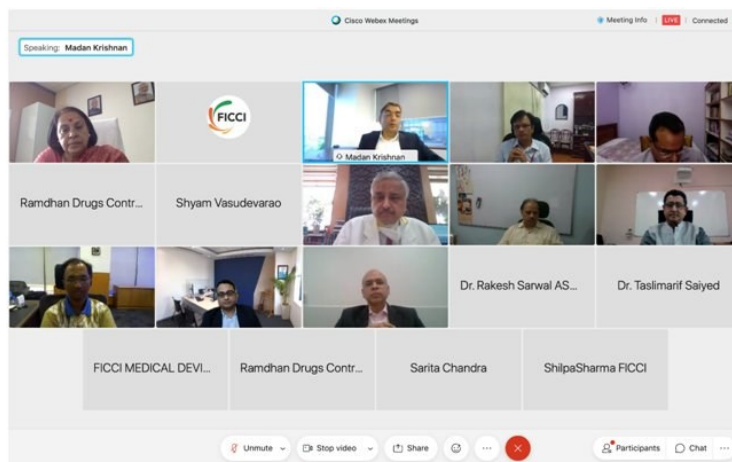
30 अप्रैल 2020 को मर्क ग्रुप के क्षेत्रीय प्रशिक्षण अधिकारी श्री एस बाबू द्वारा "व्यक्तित्व पर आधारित कौशल बेचना"		3 मई 2020 को श्री सोहम वाघ, सेल्स एंड मार्केटिंग प्रोफेशनल द्वारा "छह सूत्र फार्मा मार्केटिंग सुपरहीरो बनने के लिए"	
9 मई 2020 को सुश्री तेजस्वी रायला, व्यवसाय विकास, लौरस सिंथेसिस द्वारा "कॉलेज से कॉर्पोरेट तक की यात्रा"		15 मई 2020 को श्री इंद्रनील सिन्हा, वरिष्ठ उत्पाद प्रबंधक, मेडट्रॉनिक्स द्वारा "एमबीए के बाद कैरियर के अवसर"	
17 मई 2020 को जाइडस कैडिला में ब्रांड मार्केटिंग के प्रमुख श्री दिनेश बोरा द्वारा "कोविड-19 के बाद फार्मास्युटिकल क्षेत्र में चुनौतियां और अवसर"		22 मई 2020 को डॉ. नितिन पाल कालिया, रामलिंगसामी फेलो, आईआईआईएम, जम्मू द्वारा "माइक्रोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस में बायोएनर्गेटिक्स को लक्षित करना: चुनौतियां और अवसर"	
23 मई 2020 को सिप्ला के वरिष्ठ ब्रांड प्रबंधक श्री पराग महाजन द्वारा "एक नए उत्पाद और विपणन परिप्रेक्ष्य की योजना बनाना"		31 मई 2020 को रोश इंडिया में रीजनल वैल्यू लीड श्री चंद्रशेखर गोला द्वारा "बदलते समय में कौशल और गुणों का लाभ कैसे उठाएं - एमबीए छात्रों के लिए एक परिप्रेक्ष्य"	
20 जून 2020 को नोवार्टिस हेल्थकेयर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के वरिष्ठ प्रबंधक श्री हृषिकेश धोंगडे द्वारा "रेगुलेटरी अफेयर्स में थिंकिंग करियर - 'तैयारी' के लिए चरणबद्ध दृष्टिकोण"		24 जून 2020 को डॉ. वसुंधरा भंडारी, डीएसटी इंस्पायर फैकल्टी, एनआईएबी-डीबीटी, हैदराबाद द्वारा "रोगाणुरोधी प्रतिरोध: सबसे नन्हा अभी तक घातक रोगजनक के खिलाफ युद्ध"	

आमंत्रित वार्ता

डॉ. शशी बाला सिंह, निदेशक, नाईपर-हैदराबाद ने 11 मई, 2021 को आई.एस.टी.आई. पोर्टल द्वारा आयोजित "जमीनी स्तर की महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए प्रौद्योगिकी संचार" पर वेबिनार में एक वार्ता दी।



डॉ. शशी बाला सिंह, निदेशक, नाईपर-हैदराबाद ने फिक्की इंडिया के सहयोग से फार्मास्युटिकल विभाग द्वारा आयोजित इंडिया फार्मा 2021 और इंडिया मेडिकल डिवाइस 2021 में वस्तुतः भाग लिया।



डॉ. शशी बाला सिंह, निदेशक, नाईपर-हैदराबाद को 11 फरवरी, 2021 को एओएल रिसर्च द्वारा विज्ञान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक प्रतिष्ठित वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।



वैभव शिखर सम्मेलन 2020: हमारे माननीय प्रधान मंत्री द्वारा एक पहल

वैभव शिखर सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय अनुसंधान के लिए एक चैनल स्थापित करना था और वैश्विक स्तर पर एक स्थायी तरीके से दवा वितरण (नियंत्रित और लक्षित) के क्षेत्र में भारतीय-भारतीय विदेशी में वैज्ञानिक और शैक्षणिक सहयोग को बढ़ावा देना था। इस शिखर फार्मास्युटिकल साइंसेज और बायोटेक्नोलॉजी के तहत, विभिन्न 4 क्षेत्रों की पहचान की

गई है और दवा वितरण और नैनोफॉर्म्यूलेशन 19 अक्टूबर, 2020 को आयोजित वैभव समिट 2020 के तहत क्षैतिज में से एक है।

सत्र की शुरुआत डॉ. शशी बाला सिंह, निदेशक, नाईपर-हैदराबाद ने सभी पैनलिस्टों के गर्मजोशी से स्वागत के साथ की और सत्र के दौरान वर्टिकल-फार्मास्युटिकल्स और बायोटेक्नोलॉजी के रूप में एक संक्षिप्त नोट दिया; क्षैतिज: दवा की खोज, पुनर्प्रयोजन और दवा वितरण; सत्र: नैनोफॉर्म्यूलेशन और दवा वितरण। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में पहले से मौजूद बाधाओं को दूर करने के लिए संभावित समाधान लाने के लिए भारतीय प्रवासी वैज्ञानिकों को भारतीय वैज्ञानिकों के साथ एकीकृत करने के लिए इस शिखर सम्मेलन को आयोजित करने की पहल करने के लिए भारत सरकार के प्रति बहुत आभार व्यक्त किया। इस सत्र में शामिल होने के लिए समय निकालने के लिए वह सभी पैनलिस्टों की तहे दिल से आभारी थीं। उसे इस चर्चा का हिस्सा बनने की अनुमति देने के लिए वह नाईपर-हैदराबाद के लिए भी बहुत आभारी थी। वह सत्र के उद्देश्य को अनुसंधान और विकास के लिए पेश किए जाने वाले परिवर्तनों का सुझाव देने और उपायों का प्रस्ताव करने के लिए प्रेरित करती है, जो एक ऐसी प्रणाली को सक्षम करती है जो भारत में बेहतर दवाओं के पुनरुत्पादन के लिए शिक्षा, अनुसंधान, अंतर्दृष्टि प्रदान करती है। उसने साथी पैनलिस्टों से अनुरोध किया कि कृपया "नैनोफॉर्म्यूलेशन और ड्रग डिलीवरी" से जुड़ी तकनीकी चुनौतियों और तेजी से प्रगति पर विचार-विमर्श करें।



टेक फेस्ट इवेंट

फार्मास्युटिकल प्रबंधन विभाग, नाईपर-हैदराबाद ने नाईपर-हैदराबाद के छात्रों के लिए उनके कौशल, ज्ञान, परिस्थितियों के अनुकूलता और विभिन्न चुनौतियों से निपटने की क्षमता का आकलन करने के लिए "विश्लेषण तर्क निति" नाम से एक तकनीकी उत्सव का आयोजन किया। यह 3-8 फरवरी, 2021 को आयोजित किया गया था।



समारोह

विश्व पर्यावरण दिवस - 2020

सभी शिक्षकों और कर्मचारियों ने 5 जून, 2020 को नाईपर-हैदराबाद परिसर में "विश्व पर्यावरण दिवस 2020" मनाया। निदेशक, डॉ. शशी बाला सिंह ने प्रकृति से सीखने की अधिक आवश्यकता पर जोर दिया। सभी शिक्षक और कर्मचारी सामाजिक दूरी के मानदंडों को बनाए रखते हुए पौधे लगाकर सक्रिय रूप से शामिल हुए।



तेलंगाना हरिथा हरम

संस्थान ने वृक्षवीथि पौधों से लेकर फलों के पौधे तक विभिन्न प्रकार के पौधे लगाकर प्रकृति को पुनर्जीवित और संतुलित करने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की है। इस संबंध में, श्री के. टी. रामा राव, माननीय मंत्री, तेलंगाना राज्य ने 24 जुलाई 2020 को 8वें ई-दीक्षांत समारोह के दौरान तेलंगानाकु हरिथा हराम कार्यक्रम के तहत नाईपर परिसर में एक पेड़ लगाया। नाईपर-हैदराबाद के निदेशक, शिक्षक और कर्मचारियों ने 200 पौधे जैसे अमरूद, नेराडू, नींबू, और वृक्षवीथि के पेड़ जैसे गुलमोरा, आदि का सफलतापूर्वक पौधारोपण किया है।



अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस - 2020

21 जून 2020 को नाईपर-हैदराबाद में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। आह्वान और दीप प्रज्ज्वलन के बाद, निदेशक, डॉ. शशी बाला सिंह ने हमारे दैनिक जीवन में योग के महत्व को समझाया और जोर दिया कि इसका दैनिक अभ्यास प्रतिरक्षा और श्वसन प्रणाली को मजबूत करेगा। उन्होंने योग अभ्यासों में वैज्ञानिक अंतर्दृष्टि दी और डीआरडीओ में अपने समृद्ध अनुभव और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में सैनिकों के लाभ के लिए योग में उनके योगदान को साझा किया। नाईपर-हैदराबाद में नाईपर-परिवार के साथ स्वास्थ्य और योग के लिए योग विषय के साथ, शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों ने विभिन्न गतिविधियों का प्रदर्शन किया।



स्वतंत्रता दिवस समारोह

नाईपर-हैदराबाद ने 15 अगस्त 2020 को 74वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। डॉ. शशी बाला सिंह, निदेशक, ने कैंपस में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस कार्यक्रम में सभी प्राध्यापकों, कर्मचारियों और छात्रों ने भाग लिया। निदेशक, डॉ. सिंह ने दिन के महत्व के बारे में एक संज्ञानात्मक भाषण दिया और बताया कि किस तरह से हम एक व्यक्ति और एक फार्मैसी पेशेवर के रूप में राष्ट्र की प्रगति

में योगदान कर सकते हैं। डॉ. श्रीनिवास नंदूरी, डीन, नाईपर-हैदराबाद और डॉ. एस. गणनाधमु, रजिस्ट्रार ने भी ज्ञान के शब्दों से सभा को प्रबुद्ध किया।



शिक्षक दिवस समारोह

5 सितंबर 2020 को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती मनाने के लिए शिक्षक दिवस मनाया गया। डॉ. शशी बाला सिंह, निदेशक, नाईपर-हैदराबाद, ने शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों के साथ परिसर में इस कार्यक्रम का जश्न मनाया।



राष्ट्रीय संविधान दिवस

नाईपर-हैदराबाद ने भारत के संविधान को अपनाने के उपलक्ष्य में 26 नवंबर 2020 को संविधान दिवस मनाया। डॉ. शशी बाला सिंह, निदेशक, नाईपर-हैदराबाद और सभी शिक्षकों, कर्मचारी और शोध विद्वान परिसर में एकत्रित हुए और संविधान की प्रस्तावना को पढ़ा। संस्थान ने मास्टर्स प्रोग्राम के सभी छात्रों को <https://pledge.mygov.in/constitution-india/portal> पर ऑनलाइन प्रस्तावना पढ़ने और ई-प्रमाण पत्र डाउनलोड करने के लिए कहा। इस अवसर पर निदेशक ने जोर देकर कहा कि संविधान में निहित मूल्यों और सिद्धांतों को बनाए रखने की प्रतिबद्धता महत्वपूर्ण है।



विश्व फार्मासिस्ट दिवस

नाईपर-हैदराबाद ने 25 सितंबर, 2020 को प्रमुख संसाधन व्यक्ति और विशेषज्ञ पैनलिस्ट के साथ विश्व फार्मासिस्ट दिवस मनाया। इस बातचीत का विषय "बिल्डिंग इंडस्ट्री रेडी फार्मा ग्रेजुएट्स" था।



Dr. Srinivas Nanduri,
Professor
NIPER Hyderabad



Dr Nayanabhirama Udupa
Professor,
Manipal University



Ms. G. Sangeetha,
Head Regulatory Affairs
Heterodrugs

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

नाईपर-हैदराबाद ने 27 अक्टूबर 2020 को सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया। डॉ. शशी बाला सिंह, निदेशक, नाईपर-हैदराबाद और सभी शिक्षकों, कर्मचारियों और शोध विद्वानों ने परिसर में इकट्ठे हुए और आर्थिक, राजनीतिक और भ्रष्टाचार के उन्मूलन के लिए ईमानदारी की शपथ ली।



स्वच्छता पखवाड़ा

संस्था में 'स्वच्छता शपथ' लेकर निदेशक और कुलसचिव सहित सभी छात्रों, कर्मचारियों और शिक्षकों ने स्वच्छता पखवाड़ा समारोह के एक भाग के रूप में स्वच्छ भारत मिशन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पूरे दिल से प्रतिबद्ध किया।



हिंदी पखवाड़ा

नाईपर-हैदराबाद ने 14 सितम्बर 2020 को हिंदी दिवस के सुअवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया। समारोह का उद्घाटन मुख्यातिथि डॉ. शशि कांत मिश्रा जी, प्रमुख, हिंदी विभाग, ए. वि. कॉलेज ऑफ़ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मिश्रा जी ने “कोविद 19 में वैज्ञानिक संस्थानों का योगदान और हिंदी के विकास में राष्ट्रीय संस्थानों का योगदान” शीर्षक पर व्याख्यान देकर उपस्थित सभा का ज्ञानवर्धन किया। इस दौरान डॉ. नंदकुमार डोईजड ने हिंदी

की परिभाषा पर कविता प्रस्तुति कर सबका मन मोह लिया। अंत में नाइपर की निदेशक महोदया डॉ. शशी बाला सिंह जी ने हिंदी भाषा की महत्ता को बताते हुए, सभा से इस का ज्यादा से ज्यादा उपयोग दिनचर्या में करने का अनुरोध किया। कार्यक्रम का सूत्रसंचालन अनिका सूद ने किया और आभारवक्त डॉ. पंकज कुमार सिंह ने किया।



बथुकम्मा समारोह

24 अक्टूबर 2020 को पारंपरिक संस्कृति और नारी शक्ति के सम्मान को चिह्नित करने के लिए संस्थान में बथुकम्मा का स्थानीय त्योहार मनाया गया। इस अवसर पर डॉ. शशी बाला सिंह, निदेशक, नाइपर-हैदराबाद ने शिरकत की। कर्मचारियों द्वारा प्रस्तुत लोक नृत्य और बथुकम्मा गीत आकर्षण का मुख्य स्रोत थे। इस अवसर पर कार्यालय के कर्मचारियों, हाउस्कीपिंग और सुरक्षा कर्मियों को उपहारों और मिठाइयों से सम्मानित किया गया। नाइपर हैदराबाद ने दशहरा भी बड़े जोश और उत्साह के साथ मनाया।



दीपावली समारोह

नाइपर-हैदराबाद में 13 नवंबर, 2020 को दिवाली का त्योहार मनाया गया। स्टाफ और छात्रों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ इस कार्यक्रम में भाग लिया। श्री संजीव लोहानी द्वारा एक संज्ञानात्मक प्रस्तुति दी गई जिसमें उन्होंने रामायण के प्रबंधन पहलुओं और उन लोकाचारों और

सिद्धांतों पर जिनका वास्तविक जीवन में पालन किये जाने पर जोर दिया और बताया की कैसे समाज और राष्ट्र के लिए बेहतर इंसान और संपत्ति बन सकते हैं। जलपान के बाद दीप प्रज्ज्वलन का कार्यक्रम हुआ। कार्यालय के कर्मचारियों, हाउसकीपिंग और सुरक्षा कर्मियों को मिठाई और उपहार वितरित किए गए।



नए साल का जश्न

नाईपर-हैदराबाद ने 1 जनवरी 2021 को नए साल का जश्न मनाया। डॉ. शशी बाला सिंह, निदेशक ने शिक्षकों, छात्रों और कर्मचारियों को शुभकामनाएं दीं कि यह नया साल 2021 खुशी, प्यार, शांति, उत्पादकता, सकारात्मकता और खुशी लेकर आए।



गणतंत्र दिवस समारोह

नाईपर-हैदराबाद ने 26 जनवरी, 2021 को 72वां गणतंत्र दिवस मनाया। प्राध्यापक नंदूरी श्रीनिवास, अध्यक्ष ने परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। कार्यक्रम में समस्त प्राध्यापक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे। प्राध्यापक नंदूरी ने दिन के महत्व के बारे में एक संज्ञानात्मक भाषण दिया और बताया की किस तरह से हम एक व्यक्ति के रूप में और एक फार्मसी पेशेवर के रूप में राष्ट्र की प्रगति में योगदान कर सकते हैं। डॉ. एस. गणनाधमु, रजिस्ट्रार आई/सी ने भी ज्ञान के शब्दों से सभा को प्रबुद्ध किया।



राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

नाईपर-हैदराबाद ने 26 फरवरी, 2021 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया और अतिथि व्याख्यान श्री राहुल भार्गव, योग्य पैकेजिंग प्रौद्योगिकीविद् की व्यवस्था की। इस बातचीत का विषय संवेदनशील दवा उत्पादों की पैकेजिंग थी।



अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

नाईपर-हैदराबाद ने 08 मार्च, 2021 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया और सेंटर ऑफ इनोवेटिव एंड एप्लाइड बायोप्रोसेसिंग (सी.आई.ए.बी.) से डॉ. जयता भौमिक द्वारा एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया। फैकल्टी, स्टाफ और छात्रों ने मिलकर लैंगिक पूर्वाग्रह और असमानता को दूर किया और महिला सशक्तिकरण की दिशा में हमारी उपलब्धियों का जश्न मनाया।



नाईपर-हैदराबाद के शिक्षकों, छात्रों और कर्मचारियों ने विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग करके कोविड-19 संकट के दौरान निवारक और सुरक्षा माप पर कई सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए।



मुख्यमंत्री राहत कोष

नाईपर-हैदराबाद के शिक्षकों, छात्रों और कर्मचारियों ने स्वेच्छा से एक दिन का वेतन मुख्यमंत्री राहत कोष में योगदान दिया ताकि हैदराबाद बारिश से हुए नुकसान के पुनर्विकास का समर्थन किया जा सके। श्री. के. टी. रामा राव ने नाईपर-हैदराबाद के नेक प्रयास की सराहना की। इस अवसर पर माननीय अध्यक्ष शासक मंडल के. सतीश रेड्डी भी उपस्थित थे।



कोविड-19 पर जन आंदोलन अभियान: ("मास्क पहनें, शारीरिक दूरी का पालन करें, हाथ की स्वच्छता बनाए रखें")

नाईपर-हैदराबाद पूरे दिल से कोविड उपयुक्त व्यवहार के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए प्रतिबद्ध है। माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा कोविड-19 पर जन आंदोलन अभियान शुरू करने पर, नाईपर-हैदराबाद ने बालानगर, हैदराबाद के नागरिकों तक पहुंचने के लिए "नए सामान्य में कोविड-19 उपयुक्त व्यवहार" के बारे में सक्रिय रूप से अभियान चलाया। नाईपर-हैदराबाद के निदेशक, रजिस्ट्रार, डीन, शिक्षकों, कर्मचारी और छात्रों ने 12 अक्टूबर 2020 को शपथ ली। प्रतिज्ञा के बाद, व्यापक जनता तक पहुंचने और प्रमुख संदेशों को फैलाने के लिए जागरूकता पैदा करने वाले पोस्ट जैसे की "मास्क पहनें, शारीरिक दूरी का पालन करें, हाथ की स्वच्छता बनाए रखें" सोशल मीडिया में अपलोड किए गए थे।



अनाथालय का दौरा

नाईपर-हैदराबाद शिक्षक और कर्मचारियों की एक टीम ने के.पी.एच.बी. कॉलोनी हैदराबाद में अनाथालय (मैथरी चिल्ड्रेन, पुअर एंड नीड होम) का दौरा किया और अनाथालय के बच्चों के लिए सूखे राशन और अन्य वस्तुओं को अपनी सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में दान किया और स्कूली

बच्चों को बैग भी दान किए। साइबराबाद पुलिस द्वारा बालानगर, हैदराबाद में आयोजित रक्तदान शिविर में नाईपर-हैदराबाद के शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों ने भाग लिया।



नाईपर छात्रावास

नाईपर-हैदराबाद के छात्रों को वर्तमान में हैदराबाद के बालनगर में स्थित, नाईपर संस्थान परिसर से लगभग 2 किलोमीटर दूर आई.डी.पी.एल. टाउनशिप स्थित नाईपर छात्रावास में आवास उपलब्ध कराया गया है। छात्रों को छात्रावास से नाईपर संस्थान और फिर वापस छात्रावास तक बस सेवा प्रदान की जाती है। हॉस्टल में वातावरण सुखद, चेतन वर्धक एवं छात्रों के अनुरूप है।



छात्रावास प्रबंधन

छात्रावास का संचालन छात्रावास प्रभारी श्री मनोज धोटे द्वारा किया जाता है। छात्रावास प्रबंधन टीम का गठन मुख्य वार्डन (लड़के) डॉ राजेश सोंटी और मुख्य वार्डन (लड़कियां) डॉ वाई वी माधवी और महिला छात्रावास के लिए एक महिला कार्यवाहक के साथ किया गया है।

छात्रावासों में सुरक्षा और हाउसकीपिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए बाहरी एजेंसियों को अनुबंधित किया गया है। छात्रावास प्रभारी इन सेवाओं की निगरानी करते हैं।

आवास

नाईपर-हैदराबाद छात्र एवं छात्राओं दोनों के लिए अलग-अलग आवास प्रदान करता है। वर्तमान में छात्रावास ब्लॉक में 287 छात्र हैं जिनमें 142 छात्राएं हैं। दोनों छात्रावासों में बड़े, अच्छे हवादार कमरे हैं, प्रत्येक में दो छात्रों को समायोजित करने के लिए चारपाई, अलमारी, कुर्सी, अध्ययन मेज है। प्रत्येक कमरे में एक बगीचे का दृश्य है। प्रत्येक कमरे में गर्म और ठंडे पानी के लिए एक संलग्न बाथरूम है। छात्रावासों में 24 घंटे निरंतर पानी और बिजली की आपूर्ति है। साफ-सफाई, कीट नियंत्रण जैसे हॉस्टल रखरखाव को आउटसोर्स किया जाता है। विद्युत मरम्मत और सुरक्षा सेवाएं चौबीसों घंटे उपलब्ध हैं। सभी कमरों को प्रत्येक रहने वाले छात्र के लिए लैन कनेक्शन से सुसज्जित किया गया है।

सुविधाएं

छात्रावास छात्रों को घर से दूर घर जैसा माहौल प्रदान करता है। यह उन्हें सभी आवश्यक सुविधाएं प्रदान करता है जो उन्हें इस नए माहौल के साथ अच्छी तरह से जुड़ने में मदद करते हैं। प्रत्येक छात्र को एक चारपाई, एक अध्ययन मेज, कुर्सी और एक अलमीरा प्रदान की जाती है। छात्रावास मेस जो छात्रों द्वारा स्वयं प्रबंधित और संचालित की जाती है। छात्रों के विभिन्न स्वादों को ध्यान में रखते हुए, मेस उन्हें स्वस्थ और स्वादिष्ट भोजन प्रदान करती है।



- शैक्षणिक वर्ष के दौरान छात्रावास में कई मनोरंजक, खेल, साहित्यिक और सामाजिक गतिविधियाँ होती हैं।
- टीवी कमरे 54' इंच के फ्लैट टेलीविजन से सुसज्जित हैं और छात्र एवं छात्राओं के छात्रावास दोनों में केबल कनेक्शन प्रदान किए जाते हैं।
- छात्र एवं छात्राओं दोनों के लिए अलग जिम की सुविधा दी गई है।
- टेबल टेनिस रूम जिसमें दो प्ले बोर्ड हैं।



- विभिन्न खेलों के माध्यम से स्वयं को चुस्त दुरुस्त रखने के लिए प्रोत्साहित करने को खेल मैदान करीबी दूरी पर स्थित हैं। खेल का मैदान बहुत बड़े आकार का है और वॉलीबॉल, बैडमिंटन, क्रिकेट के खेल के लिए कोर्ट बनाए गए हैं।
- शुद्ध पानी उपलब्ध कराने के लिए जल शोधक भी उपलब्ध है।

- छात्रावास अच्छी संख्या में विभिन्न प्रजाति के पेड़ पौधों से घिरा हुआ है और एक सुंदर बगीचा है।
- जॉर्ग्स के लिए मॉर्निंग वॉक ट्रैक भी उपलब्ध है ।
- हॉस्टल और नाईपर संस्थान परिसर में छात्रों को लेने और लौटने के लिए बस सेवा प्रदान की जाती है।

चिकित्सा सहायता:

- नाईपर हैदराबाद ने एक प्रतिष्ठित स्थानीय अस्पताल के साथ करार किया है।
- नाईपर हैदराबाद के छात्रों को नियमित और गहन चिकित्सा प्रदान करने के लिए योग्य विजिटिंग डॉक्टर उपलब्ध हैं ।
- संस्थान आपातकाल के मामले में भी वाहन प्रदान करता है ।

छात्र कल्याण गतिविधियाँ

हमारे पास एक कल्याण समिति है जिसका मुखिया संस्थान कल्याण अधिकारी होता है जो आम तौर पर शिक्षक टीम का एक सदस्य होता है। काउंसलिंग और अन्य उपायों के माध्यम से छात्रों की समस्या का निवारण / हल करने के लिए उपस्थित होता है और प्रयास करता है। छात्रों के लिए कल्याण गतिविधियों में खेलकूद प्रतियोगिता, वाद, विदाई पार्टी आदि शामिल हैं। कल्याण समिति छात्र छात्रावास में वाई-फाई सुविधा स्थापित करने, छात्रावास में समग्र आवास सुविधाओं में सुधार और छात्रावास में एक व्यायामशाला स्थापित करने में सफल रही है। छात्र सभा का संचालन इस समिति की नियमित गतिविधियों में से एक रहा है।

शुल्क छूट

संस्थान स्नातकोत्तर स्तर पर समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों से संबंधित छात्रों के लिए आंशिक शिक्षा शुल्क माफी के लिए केंद्रीय योजना प्रदान कर रहा है। प्रवेशित छात्रों (एससी / एसटी को छोड़कर) की कुल संख्या के 20% के लिए शुल्क माफी पर विचार करने के लिए समिति का गठन किया गया है। नाईपर-जे.ई.ई. में छात्र की योग्यता रैंक और उनके द्वारा उत्पादित आय प्रमाण पत्र के अनुसार, शुल्क माफी तय की गई है।

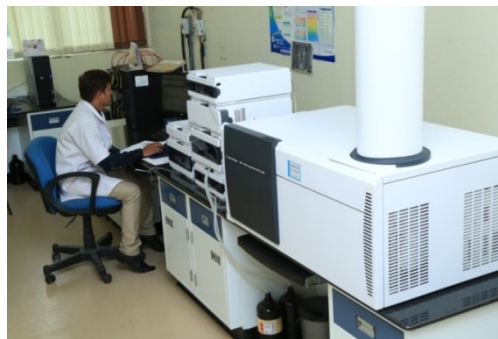
खेल-कूद प्रतियोगिता

कैरम, शतरंज और बैडमिंटन जैसे खेल / खेल कार्यक्रम आयोजित किए गए । छात्रों और शिक्षकों / कर्मचारियों के बीच एक मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच खेला गया।

संस्थान को चुनिन्दा यांत्रिक सुविधाएँ



स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप (SEM)



एलसी / एमएस



**500 मेगाहर्ट्ज एन. एम. आर.
स्पेक्ट्रोमीटर**

- | | |
|---|--|
| ➤ Flow Cytometer | ➤ Fluorescent Microscope |
| ➤ 500 MHz NMR Spectrometer | ➤ Microplate Readers |
| ➤ UV/Vis/NIR Spectrophotometer | ➤ 1260 Quaternary HPLC System |
| ➤ Nano Drop Spectrophotometer | ➤ Large Scale Rotary Evaporator with Vacuum Pump (20 Ltrs) |
| ➤ Scanning Electron Microscope | ➤ Radleys Reactor Ready |
| ➤ Confocal Microscope | ➤ Bioreactor |
| ➤ Blood Cell Counter | ➤ Ultra Microbalance |
| ➤ Histopathology – Embedding Unit & Microtome | ➤ Nitrogen Evaporator |
| ➤ RT – PCR | ➤ Karl Fisher Auto Titrator |
| ➤ Cascade Impactor | ➤ Rotary Evaporator |

- Evoqua Water Purification System
- Parallel Synthesizer
- Micro Ultra Centrifuge
- Extra Cellular Flux Analyzer
- Individually Ventilated Cages
- ECT Unit
- Rota Rod Apparatus
- BIOPAC with ECG and EEG
- Elevated plus maze
- Plethysmo meter
- Any-maze video tracking system
- Automatic Blood Analyzer
- UV-VIS Spectrometers
- High Speed Refrigerated Centrifuge
- Laser dopplers system with OXY measurement
- Tail flick analgesia meter
- Phase contrast microscope
- Spectramax M4 Multi mode Microplate Detection System
- Benchpro 4100 instrument card processing station
- Muse Cell Analyzer
- Veriti 96w Thermal Cycler
- Small Animal Anaesthesia System
- HPLCs (Analytical & Preparative)
- Agilent HPLC
- ACQUITY UPLC H-Class Bio
- LC-MS/MS Q-tof 6540
- Gas Chromatograph: GC-2014
- Automatic Digital Polarimeter
- FT-IR Spectrophotometers
- Parallel synthesizer 12 reaction station
- Dissolution test apparatus
- Stability Chambers
- Spray Dryer/ Fluidized Bed Dryer /Freeze Dryer
- Tablet Punching and Coating Machine
- Dissolution/ Disintegration Test Apparatus
- Brook Field Viscometer
- Differential scanning calorimetry
- Zetasizer Nano ZS
- Millipore Water Purification System
- GCMS (QQQ)
- ICPMS
- CAMAG TLC Visualizer 2
- Stereotaxic
- Vibrating Blade Microtome
- Multistation magnetic stirrer
- Texture Analyzer
- Gansons Coater
- Lipid Extruder
- HPLC Auto Sampler
- FTIR System
- Continuos Flow Reactor



**National Institute of Pharmaceutical Education and
Research (NIPER), Hyderabad**

Department of Pharmaceuticals, Ministry of Chemicals & Fertilizers,
Govt. of India, New Delhi

Annual Report: 2020-21

Patron

Dr. Shashi Bala Singh
Director, NIPER-Hyderabad

Compilation by

Dr. N. Shankaraiah
Dr. Ravi Kumar
Dr. K. Vinaykumar

FOREWORD

The Director

I am delighted to present the National Institute of Pharmaceutical Education and Research (NIPER) Hyderabad's Annual Report for 2020-2021. NIPER Hyderabad has been declared as an 'Institute of National Importance' by the Government of India. It plays a vital role in human resource development for the ever-growing Indian Pharmaceutical Industry. It is an autonomous body set up under the aegis of the Department of Pharmaceuticals, Ministry of Chemicals & Fertilizers, Government of India.



NIPER Hyderabad has started its journey in 2007, with post-graduation in three departments. Currently, the institute has a total of seven academic departments [M.S. (Pharm.) (Medicinal Chemistry, Pharmaceutical Analysis, Pharmacology and Toxicology, Pharmaceutics, Regulatory Toxicology & M.Tech (Process Chemistry) and MBA (Pharm.)] that hosts more than 310 students, pursuing post-graduate studies. With the state of art facilities for piloting Pharmaceutical Sciences, NIPER-Hyderabad started Ph.D. courses in Medicinal Chemistry, Pharmaceutical Analysis, Pharmaceutics, and Pharmacology & Toxicology in 2011. Currently, about 93 Ph.D. students are pursuing their research for doctoral degree programmes.

The continuous efforts made in the last few years by NIPER Hyderabad have resulted in 5th position (Score: 73.81) in the 'Pharmacy' category in National Institutional Ranking Framework (NIRF) ranking during the year 2019-20 out of 334 Pharmacy institutions from all over India. The Institute faculty is active in a broad spectrum of research in cancer, inflammation, arthritis, diabetes, neurodegenerative and infectious diseases, and anti-microbials, starting from Drug Discovery to Formulation Development and Preclinical studies. Within a short span of 13 years, the institute has not only established itself as a centre of excellence for advanced courses and learning in Pharmaceutical Science but is also pursuing its goal towards new Drug Discovery and Development programmes with its state-of-the-art equipment and analytical facilities. As a part of our national duty and skill India moto, we conducted more than ten training programmes, workshops, and skill development programmes to generate excellent human resources for pharmaceutical research.

Several achievements of our students and faculty continue to make us proud. Our research scholars visited international universities to present their research work in conferences and symposia with the grant in aid from different funding agencies. Three students of MBA Pharm have been selected for Bayer's meritorious scholarship for the academic year 2020-21.

Apart from guiding students for their Ph.D. programmes, I am pleased to mention that the faculty successfully obtained projects from agencies like DST, AYUSH, DBT, ICMR, and DRDO. Some collaborations have also been developed with the University of Bialystok, Phaeno Biotech Inc, CSIR-IITR, NBI Bioscience Private Limited, and many more.

About **85%** of the students are being placed through campus placements in both national and multi-national pharma companies like Novartis, Eli Lilly, Johnson & Johnson, Credo Life Sciences, AMRI, SaiLifesciences, Gentech, Aurore Lifesciences, Aurobindo, Springers Nature Publishing group, Stellarix, ViVo Biotech, Aizent, BBRC, Pfizer, Dr. Reddys, Boehringer Ingelheim, Mylan, Gubba Cold Storage, Macleods, ESI Hospital, Hetero, and so on.

We also upgraded our campus towards contactless attendance for students, staff, and faculty. I wish to thank everyone, especially our students, faculty, staff, and Department of Pharmaceuticals, Ministry of Chemical & Fertilizers, Govt. of India, for contributing to the growth of NIPER Hyderabad.

Last but not least, I appreciate the efforts by the editorial team in bringing out this comprehensive annual report.

- Dr. Shashi Bala Singh, FNASc. FIAN, FAMS
Director, NIPER-Hyderabad

ABOUT NIPER HYDERABAD

NIPER Hyderabad is an autonomous body established under the aegis of the Department of Pharmaceuticals (DoP), Ministry of Chemicals & Fertilizers as a Centre of Excellence for higher education, research, and development in pharmaceutical sciences. The institute has been declared as an “Institute of National Importance” by the Government of India through an Act of Parliament. In pursuance of the decision of the Government of India, NIPER Hyderabad started functioning as one of the six new NIPERs in September 2007, in the premises of IDPL, R&D centre, Balanagar, Hyderabad. The Institute has been serving to develop human resources with excellence through conducting Postgraduate and Ph.D. courses. The students are selected through a Joint Entrance Examination for all the NIPERs every year. NIPER Hyderabad offers M.S. (Pharm), M. Tech. and MBA courses in different disciplines, i.e., Medicinal Chemistry, Pharmaceutical Analysis, Pharmacology & Toxicology, Pharmaceutics, Process Chemistry, Regulatory Toxicology, and Pharmaceutical Management. NIPER Hyderabad has also introduced M.Tech in Medical Devices, M.S. (Pharm) in Natural Products, Pharmacoinformatics, and Regulatory Affairs from the academic year 2021 onwards.

In the recent NIRF ranking 2020 given by MHRD, GoI, NIPER-Hyderabad has secured 5th position among Pharmacy Category and 2nd in Graduation outcome subcategory. The Institute has well-experienced faculty, spacious, ventilated, and well-furnished classrooms and modern laboratories, an excellent auditorium for seminars/conferences, and an extensive library within the campus. Furnished hostel rooms are available for the accommodation of students. Lectures by eminent guest faculty on specialized subjects in the concerned disciplines are also arranged for the benefit of students. Several conferences/workshops have been organized to acquaint the students and faculty with the latest advances in pharmaceutical sciences. Participation of students in the seminars organized by professional bodies is also encouraged for enhancing interaction with researchers in the field of their expertise.

VISION

- To become a leading global institute in the field of higher education and research in Pharmaceutical Sciences and Management.

MISSION

- To strive towards excellence in the field of higher education and research in Pharmaceutical Sciences and Management.
- To be one of the principal sources of the professional workforce in this field, for strengthening the Indian and global Pharma Industries in obtaining quality products at affordable prices.

MANDATE

- Enhancing creativity, motivation, and drive for inculcating professionalism
- Bringing synergy between academia, R&D, technology, and industry through training and exposure in such an environment
- Building collaborations in pharmaceutical sciences including, biotechnologies as well as information technologies, thereby, to meet global challenges
- Preparing professionals to become suitable for academia, R&D, and industry
- Developing and practicing learning for the professionals and training for teachers, researchers, and regulators in their respective fields
- Creating a world-class institute of teaching and research in the field of pharmaceutical sciences
- Expand research activities in new avenues and emerging segments
- Explore national and international collaborations in areas of relevance

BOARD OF GOVERNORS

S. No.	Name & Designation	Role
1	Shri Satish Reddy, Chairman, Dr. Reddy's Laboratories Ltd.	Chairman
2	Director, NIPER Hyderabad	Member (Ex Officio)
3	Jt. Secretary (NIPER), DoP, Ministry of Chemicals & Fertilizers, GoI	Member (Ex Officio)
4	Secretary, Technical Education, Govt. of Telangana	Member (Ex Officio)
5	Financial Advisor, DoP, Ministry of Chemicals & Fertilizers	Member (Ex Officio)
6	Drug Controller General of India, Min of Health & Family Welfare	Member (Ex Officio)
7	Member Secretary, AICTE	Member (Ex Officio)
8	Director of any one of the National laboratories of the CSIR	Member (Ex Officio) - To be nominated by DG, CSIR on request made by the Department
9	President, Indian Drugs Manufacturers Association (IDMA)	Member (Ex Officio)
10	A representative of the Pharmacy Council of India (PCI)	Member (Ex Officio) - To be designated by Chairperson, PCI
11	President, Organization of Pharmaceutical Producers of India (OPPI)	Member (Ex Officio)
12	Prof. Goverdhan Mehta, School of Chemistry, Univ. Of Hyd	Member - Eminent Pharmaceutical Expert
13	Dr. Surinder Singh, Former Director, NIB, Noida	Member - Eminent Pharmaceutical Expert
14	Prof. Shyam Sunder, Principal, University College of Technology, Hyd	Member - Eminent Pharmaceutical Expert
15	Dr. G Bhanuprakash Reddy, Head, Deptt. Bio-Chemistry, National Institute of Nutrition Jamai Osmania, Hyderabad	Member- Eminent public person/social worker
16	Dr. O. Srinivas Reddy, Chairman, Jagruti Group of Institution, Hyd	Member- Eminent public person/social worker
P	Prof. Shivraj (ST), Professor of Chemistry, Osmania University, Hyd	Member- Eminent public person/social worker
18	Shri Venkat Jasti, Chairman & CEO, Suven Life Sciences Ltd., Hyd	Member- Pharmaceutical Industrialist
19	Dr. Satyanarayana Chava, Chairman, Lauras Lab Limited, Hyd	Member- Pharmaceutical Industrialist

FACULTY

S. No.	Name	Designation	Department
1.	Dr. Shashi Bala Singh	Director	NIPER - Hyderabad
2.	Dr. Srinivas Nanduri	Professor	Chemical Sciences
3.	Dr. N. Shankaraiah	Associate Professor	Chemical Sciences
4.	Dr. Jitender Madan	Associate Professor	Pharmaceutics
5.	Dr. Saurabh Srivastava	Associate Professor	Pharmaceutics
6.	Dr. Amit Asthana	Associate Professor	Pharmaceutical Analysis
7.	Dr. S. Gananadhamu	Assistant Professor	Pharmaceutical Analysis
8.	Dr. Pankaj Kumar Singh	Assistant Professor	Pharmaceutics
9.	Dr. Y.V. Madhavi	Assistant Professor	Chemical Sciences
10.	Dr. Chandraiah Godugu	Assistant Professor	Biological Sciences
11.	Dr. B.Lakshmi	Assistant Professor	Pharmaceutical Management
12.	Dr. Venkata Rao Kaki	Assistant Professor	Chemical Sciences
13.	Dr. Neelesh Kumar Mehra	Assistant Professor	Pharmaceutics
14.	Dr. Rajesh Sonti	Assistant Professor	Pharmaceutical Analysis
15.	Dr. Manoj Pandurang Dandekar	Assistant Professor	Biological Sciences
16.	Dr. Vasundhra Bhandari	Assistant Professor	Biological Sciences
17.	Dr. Neeraj Kumar	Assistant Professor	Pharmaceutical Management
18.	Dr. Priyanka Bajaj	Assistant Professor	Chemical Sciences
19.	Dr. Amol Gopalrao Dikundwar	Assistant Professor	Pharmaceutical Analysis
20.	Dr. Nitin Pal Kalia	Assistant Professor	Biological Sciences
21.	Dr. Santosh Kumar Guru	Assistant Professor	Biological Sciences
22.	Dr. Dharmendra Kumar Khatri	Assistant Professor	Biological Sciences
23.	Dr. Deepika Chilkuri	Assistant Professor	Pharmaceutical Management
24.	Dr. K. Vinaykumar	DST-Inspire Faculty	Chemical Sciences

ADMINISTRATIVE AND TECHNICAL STAFF

S. No.	Administrative Staff	
1.	Prof. J.P.N. Mishra	Registrar
2.	Mr. Sanjeev Lohani	Finance & Accounts Officer
3.	Mr. Manoj Dhote	Hostel Warden & Security In-charge
4.	Mr. Narendra Babu	Secretary to Director
5.	Mr. Nalla Venkat Reddy	Administrative Officer
6.	Dr. Ravi Kumar	Public Relation Officer
7.	Mr. Bonam Pavana Lakshmana Teja	Secretary to Registrar
8.	Mr. Jitender Bhatt	Assistant Grade-II
9.	Mr. Kaila Nandeeshwar Reddy	Assistant Grade-II
10.	Mr. Abhishek Tiwari	Junior Technical Assistant
	Technical Staff	
1.	Mr. Manzoor E.Mustafa	System Engineer
2.	Dr. Nandakumar Doijad	Scientist/Technical Supervisor
3.	Mrs. Srishti Paliwal	Scientist/Technical Supervisor

DEPARTMENT WISE STUDENT STRENGTH (2020-2021)

Discipline	Year 2020-21
M.S.(Pharm.)	
Medicinal Chemistry	19
Pharmaceutical Analysis	21
Pharmacology & Toxicology	17
Pharmaceutics	26
Regulatory Toxicology	17
M.B.A.(Pharm.)	
Pharmaceutical Management	34
M.Tech.(Pharm.)	
Pharmaceutical Technology (Process Chemistry)	17
M.Tech.(Pharm.)	
Medical Devices	12
Total No. of Master Students	163
Ph.D.	
Medicinal Chemistry	8
Pharmaceutical Analysis	3
Pharmacology & Toxicology	7
Pharmaceutics	12
Total No of Ph.D. Students	30

PH.D. AWARDED TO STUDENTS IN 2020-21

S. No	Reg. No.	Name of the Student	Title
1.	MC-Ph.D./2012/05	Yadav Upasana Rameshbhai	Synthesis and biological evaluation of new sulfur-containing heterocyclic derivatives as cytotoxic agents
2.	MC-Ph.D./2013/01	K. N. Visweswara Sastry	Development of New Methodologies for the Synthesis of Benzoxazocine Triazoles, Pyrazole Conjugates, Trisubstituted Pyrazoles, Substituted Quinazolines, Polysubstituted Pyrroles, and their Biological Evaluation
3.	MC-Ph.D./2013/02	Namballa Hari Krishna	Design, Synthesis and Biological Evaluation of β -Carboline-based 2-Aminophenyl Cinnamides as HDAC Inhibitors, Development of Domino Method for Carbazole Scaffolds, Total Synthesis of Mupirocin H and (-)-Aspergillide C
4.	MC-Ph.D./2013/03	Posa Venkata Sriramy	Synthesis of Curcumin Inspired Heterocyclic Analogues as Potent Cytotoxic Agents and Development of New Synthetic Methodologies
5.	MC-Ph.D./2013/04	Praveen Kumar N.	Design, Synthesis and Cytotoxicity Evaluation of Phenanthrene Hybrids and Novel Method for Functionalized Enamino-2-oxindoles
6.	MC-Ph.D./2013/06	Srinivas Angapelly	Synthesis of Sulfonamides/Coumarins/Sulfocoumarins as Carbonic Anhydrase Inhibitors and Development of New Synthetic Methodologies
7.	MC-Ph.D./2014/01	Donthiboina Kavitha	Synthesis of Biaryl Oxindole/Benzimidazole-cinnamide Derivatives as Cytotoxic Agents and Iodine-mediated Novel Synthetic Strategies to Nitrogen-containing Fused Heterocycles
8.	MC-Ph.D./2014/02	G. Srikanth	Design, Synthesis, and Evaluation of New 4(3H)-Quinazolinone Derivatives as Potent Antibacterial/Anticancer agents
9.	MC-Ph.D./2014/03	Jadala Chetna	Synthesis and In-Vitro Cytotoxicity Evaluation of Combretastatin-A4 based β -Carboline, Sulfonyl Piperazine, Chalcone Hybrids and Development of Novel Synthetic Methods to Different Heterocyclics
10.	MC-Ph.D./2014/04	Jitendra Gour	Design, Synthesis and Biological Evaluation of New Polycyclic Indoles and Pyrroles as Potential Anticancer agents and Development of New Method for C-N Bond Formation
11.	MC-Ph.D./2014/05	Mahankali Geeta Sai Mani	Synthesis of Imidazopyridyl [1,5-a] propenones as Potential Cytotoxic Agents: Development of Novel Methodologies to Different Heterocyclics via Molecular Iodine-mediated CH-functionalization

12.	PA-Ph.D/2014/102	David Paul	Bioanalytical Method Development and Pharmacokinetic Interaction Studies of Selected Drugs using Liquid Chromatography - Mass Spectrometry
13.	PA-Ph.D/2014/103	Debasish Swain	Impurity Profiling of Selected New Anti-Hepatitis Drugs
14.	PC-Ph.D/2014/202	Amit Khurana	Evaluation of Anti-Inflammatory and Anti-Fibrotic Effects of Rare Earth Nanoparticles for the Treatment of Pancreatitis
15.	PE-Ph.D/2014/302	Sonia Gera	Formulation and Evaluation of Nanosuspension for Selected Drugs in the Treatment of Osteoporosis
16.	MC/Ph.D/2015/02	Kesari lakshmi Manasa	Design, synthesis, and in vitro cytotoxicity evaluation of heterocyclic tethered aryl sulfonyl piperazine, cinnamido, quinazolinone hybrids and development of novel synthetic methodologies
17.	MC/Ph.D/2015/06	Pavitra S Thacker	Design, Synthesis of β -carboline based heterocycles as cytotoxic/DNA intercalators a hydroxymethylation protocol by C-H activation
18.	MC-Ph.D/2015/07	Tokala Ramya	Design and Development of Coumarin hybrids as non-classical carbonic anhydrase inhibitors
19.	PA-Ph.D/2015/101	P. Johnsi Rani	Use of high-resolution LC-MS, NMR analysis for characterization of degradation products and metabolites of selected drugs: in vitro cytotoxicity and molecular docking studies for isolated degradation products
20.	PA-Ph.D/2015/102	Shandilya Mahamuni	Study on the stress degradation behaviour of selected drugs: Identification and characterization of degradation products by LC/QTOF/MS/MS and NMR
21.	PA-Ph.D/2015/103	Mohit Mansukhbhai Thummar	Development of stability indicating assay methods for selected drugs by HPLC/UHPLC and characterization of forced degradation products using LC-MS/MS and NMR
22.	PE-Ph.D/2015/301	Nagavendra Kommineni	Nanotherapeutics in the Treatment of Breast Cancer
23.	PE-Ph.D/2016/304	Shaheen	Development and Evaluation of liposomal nanocarriers for cancer and skin disorder
24.	PE-Ph.D/2016/305	Upendra Bulbake	Nanotherapeutics in the Treatment of Breast Cancer and Psoriasis
25.	PE-Ph.D/2015/302	Pailla Sravanthi Reddy	Intranasal Delivery of Zotepine: Nano- Formulations to Improve the Brain Uptake
26.	PC-Ph.D/2014/201	Allakonda Lingesh	Adipogenesis modulators from Indian medicinal plants acting through PPAR- γ in the treatment of Obesity
27.	PC-Ph.D/2015/201	Anil Kumar	Evaluating the Role of ATP Dependent Proteases in Maintaining Mitochondrial Health in Diabetic Neuropathy

28.	PC-Ph.D/2015/202	Venkatesh Pooladanda	Exploration of natural product nimbolied and epigenetic regulator BRD4 in lung inflammation and possible correlation to lung tumor metastasis
29.	PE-Ph.D/2016/303	Saka Raju	Drug Delivery for Neurodegenerative and Skin Proliferative Diseases
30.	PA-Ph.D/2016/103	Tiwari Shristy Satish	Investigation of metabolic fate of selected drugs and metabolic screening of potential lead molecules using LC/MS/MS
31.	PA/Ph.D/2017/102	Bolla Lavanya	Herb-Drug interactions: Transport and metabolism of antihyperglycemic agents and HMG-CoA reductase inhibitors in the presence of herbal slimming agents
32.	PA/Ph.D/2016/102	Shruthi Surendran	Evaluation of Pharmacokinetic interaction and Metabolism of Selected drugs Using Liquid Chromatography-Mass Spectrometry
33.	PC/Ph.D/2015/203	Thatikonda Sowjanya	Evaluation of Pharmacological Modulators in Benign and Malignant Hyperproliferative Skin Disease
34.	PC/Ph.D/2017/204	Sapana Bansod	Pharmacological Exploration of Novel Molecular Mechanisms in Experimental Chronic Pancreatitis: Emphasis on SIRT1, AMPK and DDR Pathwa
35.	MC-Ph.D/2016/04	N. Sridhar Goud	Development of Non-Carbohydrate Human Galectin-1 Inhibitors as Anticancer Agents
36.	MC-Ph.D/2016/09	Sonal Bhandari	Design, Synthesis of Oxindole Based Heterocyclic Analogues as Potent Cytotoxic Agents and Development of New Synthetic Strategies to Spiro-Oxindole Scaffolds
37.	PC-PhD/2014/203	B. Swarna	Exploring the Antifibrotic Effects of Withaferin A and its Microformulations in Pulmonary and Dermal Fibrosis
38.	PA-Ph.D/2014/101	Balasaheb Bhagwanrao Chavan	Metabolism and Forced Degradation Studies of Selected Drugs by LC-MS/MS and NMR: Identification, Characterization and In silico Toxicity Prediction of Metabolites and Degradation Products

STUDENTS PURSUING PH.D. COURSES

S. No.	Name of the Student	Department	Year
1.	Gaikwad Nikhil Baliram	Medicinal Chemistry	2015
2.	Malasala Satyaveni	Medicinal Chemistry	2015
3.	Sana Sravani	Medicinal Chemistry	2015
4.	Sigalapalli Dilep Kumar	Medicinal Chemistry	2015
5.	Baijayantimala Swain	Medicinal Chemistry	2016
6.	Kritika Laxmikeshav	Medicinal Chemistry	2016
7.	Manasa K	Medicinal Chemistry	2016
8.	Priti Singh	Medicinal Chemistry	2016

9.	Ravi Kumar Akunuri	Medicinal Chemistry	2016
10.	Sakla Akash Parasmal	Medicinal Chemistry	2016
11.	Santosh Kumar Sahoo	Medicinal Chemistry	2016
12.	Aaftaab Sethi	Medicinal Chemistry	2017
13.	Chinchili Krishnakartek	Medicinal Chemistry	2017
14.	Jay Prakash Soni	Medicinal Chemistry	2017
15.	KM Darshana Bora	Medicinal Chemistry	2017
16.	Makhal Priyanka Nirapada	Medicinal Chemistry	2017
17.	Nunewar Saiprasad Niranjan	Medicinal Chemistry	2017
18.	Stephy Elza John	Medicinal Chemistry	2017
19.	P. Ramulu	Medicinal Chemistry	2017
20.	Ommi Ojaswitha	Medicinal Chemistry	2018
21.	Pawar Gaurav Bhagwan	Medicinal Chemistry	2018
22.	Shaik Mohammad Ghouse	Medicinal Chemistry	2018
23.	Bulti Bakchi	Medicinal Chemistry	2019
24.	Durgesh G. V.	Medicinal Chemistry	2019
25.	Maddipatla Sarvan	Medicinal Chemistry	2019
26.	Preeti Rana	Medicinal Chemistry	2019
27.	Sanjeev Kumar	Medicinal Chemistry	2019
28.	Vadakattu Manasa	Medicinal Chemistry	2019
29.	Danaboina Srikanth	Medicinal Chemistry	2020
30.	Dastari Sowmya	Medicinal Chemistry	2020
31.	Joshi Swanand Vinayak (Project Seat)	Medicinal Chemistry	2020
32.	Mursalim Ali Khan	Medicinal Chemistry	2020
33.	Pardeep	Medicinal Chemistry	2020
34.	Sanivarapu Raja Sainadh	Medicinal Chemistry	2020
35.	Shaikh Arbaz Sujat	Medicinal Chemistry	2020
36.	Singampalli Anuradha	Medicinal Chemistry	2020
37.	Amrej Singh Yadav	Pharmaceutical Analysis	2016
38.	Bhoopendra Singh Kushwah	Pharmaceutical Analysis	2017
39.	Siva Nageswararao Gajula	Pharmaceutical Analysis	2018
40.	Vivek Dhiman	Pharmaceutical Analysis	2018
41.	Dannarm Srinivas Reddy	Pharmaceutical Analysis	2019
42.	Dhurjad Pooja Sukhdev	Pharmaceutical Analysis	2019
43.	Gangireddy Navitha Reddy	Pharmaceutical Analysis	2019
44.	Velip Laximan Ganes	Pharmaceutical Analysis	2019
45.	Bhale Nagesh Ashokrao	Pharmaceutical Analysis	2020
46.	Mahajan Rupali Suresh	Pharmaceutical Analysis	2020
47.	Vijaya Madhyanapu Golla	Pharmaceutical Analysis	2020
48.	Karthika N	Pharmacology & Toxicology	2016

49.	Mohd Aslam Saifi	Pharmacology & Toxicology	2016
50.	S. Bhoomika	Pharmacology & Toxicology	2016
51.	Arruri Vijay Kumar	Pharmacology & Toxicology	2017
52.	Kumari Preeti	Pharmacology & Toxicology	2017
53.	A. Pratibha	Pharmacology & Toxicology	2017
54.	Islauddin Khan	Pharmacology & Toxicology	2017
55.	Pulivendala Gauthami	Pharmacology & Toxicology	2017
56.	Anika Sood	Pharmacology & Toxicology	2018
57.	Fernandes Valencia Vincent	Pharmacology & Toxicology	2018
58.	Gundu Chayanika	Pharmacology & Toxicology	2018
59.	Biswajit Panda	Pharmacology & Toxicology	2019
60.	Devabattula Geetanjali	Pharmacology & Toxicology	2019
61.	Mohd Rabi Bazaz	Pharmacology & Toxicology	2019
62.	Palepu Mani Surya Kumar	Pharmacology & Toxicology	2019
63.	Ziaur Rahman	Pharmacology & Toxicology	2019
64.	Abhinav Raj Ghosh (Project Seat)	Pharmacology & Toxicology	2020
65.	Ankita Devi	Pharmacology & Toxicology	2020
66.	Hoshiyar Singh	Pharmacology & Toxicology	2020
67.	P. Tulasi (Project Seat)	Pharmacology & Toxicology	2020
68.	Satti Satya Sri Lakshmi	Pharmacology & Toxicology	2020
69.	Shashikanta Sau	Pharmacology & Toxicology	2020
70.	Singothu Siva Nagendra Babu	Pharmacology & Toxicology	2020
71.	Yadav Balvant Amarnath	Pharmaceutics	2015
72.	Lodagekar Anurag Manohar	Pharmaceutics	2016
73.	Rangaraj Nagarjun	Pharmaceutics	2016
74.	Modani Sheela Hiralal	Pharmaceutics	2017
75.	Thakor Pradipkumar Mansinh	Pharmaceutics	2017
76.	Tomar Devendra Singh Surendrapal singh	Pharmaceutics	2017
77.	Harsha Jain	Pharmaceutics	2018
78.	Vaskuri G. S.Sainaga Jyothi	Pharmaceutics	2018
79.	Katta Chantibabu	Pharmaceutics	2019
80.	Nene Shweta Sudhir	Pharmaceutics	2019
81.	Valamla Bhavana	Pharmaceutics	2019
82.	Anitha S	Pharmaceutics	2020
83.	Gollapalli Spandana	Pharmaceutics	2020
84.	Indrani Maji	Pharmaceutics	2020
85.	Mahajan Srushti Suresh	Pharmaceutics	2020
86.	Mourya Atul Premchand	Pharmaceutics	2020
87.	Padakanti Sandeep Chary	Pharmaceutics	2020
88.	Paras Famta	Pharmaceutics	2020

89.	Rajana Naveen	Pharmaceutics	2020
90.	Shah Saurabh Vijay	Pharmaceutics	2020
91.	Veerabomma Harithasree	Pharmaceutics	2020
92.	Kapileswar Swain	Pharmaceutics	2020
93.	Madan Raj M.	Pharmaceutics	2020

RESEARCH PROJECT TITLES OF MASTER STUDENTS GRADUATED IN JUNE 2020

M.S. (PHARM.) - MEDICINAL CHEMISTRY

Reg. No.	Name	Title
MC/2018/01	Abhishek Cholli	Design and Synthesis of Urea Derivative of Indole-3-Sulfonamide Containing Carbonic Anhydrase Inhibitors
MC/2018/02	Anjali	Design synthesis and anticancer evaluation of cis-stilbene fused phenyl thiazole and coumarin derivatives and their molecular docking studies
MC/2018/03	Arijit Nandi	Design, Synthesis, Characterization and Biological Evaluation of Some Novel Series of Thiazolidone-Quinoline Hybrids
MC/2018/04	Bhukya Jagadeesh	In(III)-catalyzed C3 alkylation of indoles with 2H-chromen-2-ol derivatives
MC/2018/06	CH Mounika	Synthesis and evaluation of anticancer properties of novel Spiro(carbazole-1,3'-indoline)-2',4 diones, and 3-alkylidene oxindole hybrids
MC/2018/07	Chintaju Keerthi	Design, Synthesis and Biological Evaluation of Thio-ether linked PABA-Dihydropyrimidine Derivatives as Cytotoxic Agents
MC/2018/08	Danaboina Srikanth	Development of Coumarin Hybrids as Carbonic Anhydrase Inhibitors
MC/2018/09	Jadhav Govinda Shivaji	Design, Synthesis and Molecular Docking Studies of 2-(imidazo[1,2-a]pyridin-2-yl)-1,3,4-oxadiazole derivatives as Anticancer Agents
MC/2018/10	Jagtap Shubham Sanjay	Design, Synthesis and Biological Evaluation of Novel 1,4-Dihydroquinoline Based Inhibitors Targeting Gal-3 At Allosteric Site.
MC/2018/11	Joshi Swanand Vinayak	Design, Synthesis and Biological evaluation of 5-Aryl-2-benzamido-3-(indole-3-carbonyl)thiophene Derivatives as Potential Cytotoxic Agents
MC/2018/12	Katepaka Sony	Design and synthesis of fused umbelliferone-8-quinoline derivatives and biological evaluation of their anti-cancer activities
MC/2018/13	Krishna Sowjanya Chemitikanti	Design, Synthesis and Biological Evaluation of β -Carboline- Quinoline-4-Amides as Anticancer Agents
MC/2018/14	Lovhade Pooja Sanjivkumar	Synthesis of novel spiro-(indoline-3,8 quinoline)2 -5 dinone and study of their anticancer activities
MC/2018/15	M Sai Pooja Reddy	Design and synthesis of N-Aryl 1,3,4 oxadiazolythiazolamines and biological evaluation of their Anti-Cancer potential
MC/2018/16	Marde Vaibhav Shankarrao	Design, Synthesis, and Biological Evaluation of Isatin linked Benzenesulfonamide Derivatives as Carbonic Anhydrase Inhibitors
MC/2018/17	Mohd Abrar Khan	Synthesis, Molecular Docking and Biological evaluation of Rhodanine linked Benzenesulfonamide derivatives as Carbonic anhydrase Inhibitors
MC/2018/18	Mokashe Rushikesh Ramesh	Pyrazole Linked Coumarin-Benzimidazole Hybrids as Galectin Mediated Anticancer Agents: Design and Synthesis
MC/2018/19	Munagalasetty Sharon	Synthesis and Biological Evaluation of novel coumarin-piperazine hybrids as Galectin- 3 mediated anticancer agents
MC/2018/20	Pooja Kumari	Design, synthesis, and biological evaluation of secondary Amine shackled benzimidazole congeners as a potent cytotoxic agent

MC/2018/21	Pritish Kansal	Design and Synthesis of Structurally Diverse 1,2,3-Triazolo-spirocyclopropane Oxindoles as Tubulin Polymerization Inhibitors
MC/2018/22	Rashmita Biswas	Synthesis, characterization, and biological evaluation of some novel quinoline based shikimate kinase inhibitors
MC/2018/23	Royyala Venkata Nagamani	Design, Synthesis, and Biological evaluation of Novel N-alkylated 1,2,3 triazole linked saccharin and opensaccharin derivatives as Carbonic anhydrase inhibitors.
MC/2018/24	Sanam Swetha Yadav	3D Field-Based QSAR Approach for Design of Novel Triazole Linked Monosaccharide-Benzimidazole Hybrids as Galectin-3 Inhibitors
MC/2018/25	Sandip Patra	Design, Synthesis and Biological Evaluation of Novel Thiazolidinone-Pyrroloazepinone conjugates
MC/2018/26	Shaikh Arbaz Sujat	Design, Synthesis, and Molecular Docking Studies of Novel Pyrimidine-1,3,4-oxadiazole Hybrids as Anti-cancer agents.
MC/2018/27	Shinde Sangita Dattatray	Synthesis of Tetrazole-fused Spiro-oxindoles via a Double Click Reaction of Isatin Spiro-epoxides
MC/2018/28	Shivani Gulati	Design, Synthesis, Biological Evaluation of 1,2,4-triazolo/1,3,4-oxadiazolo-stilbene hybrids as anticancer agents.
MC/2018/29	Tiwari Prerna Lalan	Design, Synthesis and Biological Evaluation of Non-classical Carbonic Anhydrase Inhibitors
MC/2018/30	Vemula Divya	Design and synthesis of imine linked pyrano pyrazole carbonitriles as shikimate kinase inhibitors

M.S. (PHARM.) - PHARMACEUTICAL ANALYSIS

Reg. No.	Name	Title
PA/2018/101	Anekalla Thirupathi Reddy	Development and validation of RP-HPLC method for Lofexidine Hydrochloride Drug substance
PA/2018/102	Atluri Lakshmi Sindhu	Enantiomeric separation and validation of RP HPLC of Antiglaucoma agent
PA/2018/103	Bale Devi Naga Jyothi	Study on pharmacokinetics and bioavailability of a novel anti-cancer agent, garcinol in SD rats using LC-MS/MS
PA/2018/104	Bejgum Santosh Babu	Development and validation of RP-HPLC method for related substances of etoricoxib
PA/2018/105	Bhale Nagesh Ashokrao	LC-MS/MS characterization of force degradation products of Tadalafil: Development of stability-indicating HPLC method
PA/2018/106	Bhise Dnyaneshwar Shesherao	Discontinued
PA/2018/107	Devarakonda Venkatesh	RP-HPLC method development and validation of rifloxacin and its related substances
PA/2018/108	Gadipelli Anilkumar	Analytical RP-HPLC method development of nitazoxanide its related compounds by QbD approach
PA/2018/109	Jaddu Sai Rami Reddy	Analytical RP-HPLC method development and validation of bronchodilator active pharmaceutical ingredient and its related substances
PA/2018/110	Karanam Jyothsna	Development and validation of a RP-HPLC method for the determination of fingolimod hydrochloride and its related substances
PA/2018/111	Mudavath Saikrishna	Analytical method development and validation of esomeprazole and its related substances by RP-HPLC
PA/2018/112	P Saranya	Development and validation of a stability indicating RP-HPLC method for the determination of estradiol tablets and its related impurities
PA/2018/113	Patil Kanchan Hansraj	Comparative degradation profile of drugs using oxidative reagents and characterization of their degradation products by HPLC and LC-MS

PA/2018/114	Pilli Pushpa	Development and validation of a stability indicating RP-HPLC method for the determination of trolamine salicylate drug substance and its related impurities
PA/2018/115	Sarah Imam Siddiqui	Development and Validation of a Chiral HPLC Method for Teneligliptin and its Related Impurities impurities of teneligliptin

M.S. (PHARM.) - PHARMACEUTICS

Reg. No.	Name	Title
PE/2018/301	Akash Nathani	Do Cocrystals Affect Permeability of Drugs? An Evaluation By In-Situ Experimentation
PE/2018/303	Anitha S	Design and Development of Nanoformulation of Osimeritinib PLGA Nanoparticles Anchored with Various Macrophage Targeting Ligands in the Management Of Lung Cancer
PE/2018/304	Appagoni Divya	Formulation and Evaluation of Piribedil Polymeric Nanoparticles
PE/2018/305	Arpita Bairagi	Formulation and Characterization of Inhalable Liposomes for the Treatment of Asthma
PE/2018/307	Iyer Akshaya	Eutectic Systems as a Carrier Matrix for Drug Delivery
PE/2018/308	Joga Ramesh	Micro-Emulgel for Transdermal Delivery of Leflunomide
PE/2018/310	Nakmode Deepa	To Evaluate Impact of Different Pharmaceutical Binders On Sustained Release Matrices of Compritol® 888 ATO
PE/2018/311	Prateeksha KR	Optimization of Suspension Formulation of Bcs Class Ii Drug Using Design of Experiments
PE/2018/312	Sajidul Haque	Design and Development of Targeted Liposome Bearing Sunitinib for the Management of Breast Cancer
PE/2018/313	Shah Saurabh	Qco-Delivery of Simvastatin and Curcumin by Incorporation into Polymeric Nanoparticles for Leukaemia
PE/2018/314	Tangirala Suma	Formulation, Development, and Evaluation of Multi-Matrixed Extended Release Tablets for Ulcerative Colitis”
PE/2018/315	Vitorey Jyotsna	Development of Pickering Emulsion for Topical Drug Delivery

M.S. (PHARM.) - PHARMACOLOGY & TOXICOLOGY

Reg. No.	Name	Title
PC/2018/201	Babel Rishabh Anil	Evaluation of Taxifolin in experimental diabetic neuropathy: Focusing on mitochondrial biogenesis and function
PC/2018/202	Bukya Sai Navya	Evaluation of Neuroprotective potential of Trehalose, a novel m-TOR independent autophagy inducer in Bortezomib Induced Peripheral Neuropathy
PC/2018/203	Chanchal Sahu	Evaluation of Anti-cancer Activity of Acriflavine by targeting HIF pathway in Melanoma Cancer
PC/2018/204	Gadde Divya	Evaluation of Anticancer activity of Coumarin derivatives by targeting Galectins
PC/2018/205	K Prasanna Kumar	Evaluation of the Anticancer activity of Organic Selenium derivatives by targeting Telomerase
PC/2018/206	Lokesh Sharan B	To Study the Interplay Between Mitophagy and Inflammasome in the Experimental Model of Oxaliplatin Induced Peripheral Neuropathy
PC/2018/207	Nivya Sharma	Pharmacological Evaluation of Clloquinol in Renal Fibrosis
PC/2018/208	Ratiranjana Parida	Evaluation of Renoprotective Effects of Citral: A Potent NRF2 Activator & NF- κ B Inhibitor in Experimental Diabetic Nephropathy
PC/2018/209	Shubham Singh Bartwal	Evaluation of the Anticancer Activity of Benzimidazole Derivatives by Targeting HSP90
PC/2018/210	Tahmeena Farooqui	Elucidating the role of novel PARP inhibitor in diabetic nephropathy
PC/2018/211	Teeshyo Bhattacharya	Targeting Melanoma Cancer by Selenium Nanoparticles
PC/2018/212	Tekalkar Sayali Santosh	Evaluating the protective effect of Withaferin A in Dextran Sulphate Sodium induced Ulcerative Colitis
PC/2018/213	Virendra Mamta Choudhary	Neuroprotective effects of Mangiferin on Diabetes Induced Neurodegeneration: Targeting Wnt-beta catenin signalling
PC/2018/214	Yaganti Bindhu Madhavi	Evaluating Neuroprotective Potential of Daidzein in Experimental Diabetic Neuropathy: Focus on Nrf-2 and HSF-1
PC/2018/215	Yanala Saikiran	Evaluation of Pharmacological role of Fluvastatin in murine model of Bleomycin induced Pulmonary fibrosis

M.S. (PHARM.) - REGULATORY TOXICOLOGY

Reg. No.	Name	Title
RT/2018/601	Barkotolu Swathi	Evaluation of Anticancer Activity of Phenoxazine Derivatives by Targeting Vascular Endothelial Growth Factor (VEGF)
RT/2018/602	Gangadevi Vinod	Selenium Nanoparticles Produce Beneficial Effect in Psoriasis by Reducing Epidermal Hyperproliferation and Inflammation
RT/2018/603	Kallipalli Ravindra	Evaluation of Anti Cancer Activity of Deuterated Chlorpromazine in Cancer
RT/2018/604	Mahajan Ravindra Babu	Visnagin loaded PLGA Microparticles for the Treatment of Rheumatoid Arthritis: A Sustained Drug Release Approach
RT/2018/605	Muvvala Saipriya	Evaluation of Anti-Proliferative and Telomerase Inhibitory Activity of Nimbolide in Acute Leukemia
RT/2018/606	Nazrul Islam	Comparative Toxicological Assessment of Inorganic Nanoparticles
RT/2018/607	Pallati Kiran Ratna	Evaluating the Effect of Parp Inhibitor ztpt1 on Oxidative - Nitrosative Stress Pathway in CCI of Sciatic Nerve Induced Neuropathic Pain
RT/2018/608	Pipriya Mahima	An Overview on Importance of Trial Master File (TMF) and Quality Expectations of TMF

RT/2018/609	Ravi Jatoth	Evaluation of Anti Cancer Activity of Hydrazide Derivatives by Targeting Histone Deacetylase
RT/2018/610	Ravikindi Bhavya Sree	Maintenance and Quality Check/ Oversight of Trial Master File (TMF) in an Ongoing Clinical Trial
RT/2018/611	Savera	Elucidate the Anticancer Effect of Indole-Imidazothiadiazole Derivatives by Targeting Microtubulin
RT/2018/612	Shirgadwar Shubhendu Madhavrao	Neuroprotective Activity of Phloretin in Rotenone Induced Neurodegenerative Animal Model
RT/2018/613	Syeda Amtul Ayesha	Delineating the Role of 'ampk-sirt1-nlrp3 axis' Signaling in CCI of Sciatic Nerve Induced Neuropathic Pain
RT/2018/614	Turlapati Hema Latha	Evaluation of Anti-Fibrotic Activity of Melatonin and its Microparticles in Cerulein Induced Chronic Pancreatitis
RT/2018/615	Vemula Padmaja	Pharmacological Evaluation of Clotrimazole in Renal Fibrosis

M. TECH (PHARM.) PHARMACEUTICAL TECHNOLOGY - PROCESS CHEMISTRY

Reg. No.	Name	Title
PTPC/2018/501	Bahatam Kavya Raj	Design, Synthesis and Biological Evaluation of new Coumarin Derivatives as Antibacterial Agents
PTPC/2018/502	Farrukh Nazneen Salim Razique	Design, Synthesis and Evaluation of Biological Activity of New Compounds based on the Scaffold Imidazo[2,1-B]Thiazole as Potential Antitubercular Agents and Process Development of Benzotetramisole
PTPC/2018/503	Daxta Gajbhiye	Design, Synthesis and Biological Evaluation of Novel HdaCs Inhibitors as Potential Anticancer Agents
PTPC/2018/505	Kariggi Pavani	Rhodium Catalyzed C-H Functionalization of N-Phenoxy Acetamides with Alkyne-Tethered Cyclohexadienone & P-Quinone Methides Towards the Synthesis of Benzofuran and Oxazine Derivatives
PTPC/2018/506	M.Tanveerunnissa	Synthesis and Biological Evaluation Of (E)-1-(1h-Indol-3-Yl) Ethanone O-Benzyl Oxime Derivatives As Anti-Bacterial Agents
PTPC/2018/507	Pathan Afroz Khan Gaffar Khan	Design, Synthesis and Biological Evaluation of New Substituted N-Cyclohexyl-3-Phenyl-4,5-Dihydroisoxazole-5-Carboxamide Derivatives as Potential Antitubercular Agents
PTPC/2018/508	Peddi Sandhya	Synthesis and Biological Evaluation of 3,4-Dihydro-1h-Benzo[B]Azepine-2,5-Dione- Chalcone Hybrids as Anti-Cancer Agents
PTPC/2018/509	Polomoni Anusha	Synthesis and Biological Evaluation of Fused Pyrimidine Derivatives as Anti-Microbial Agents
PTPC/2018/510	Ponnam Sahithi	Synthesis and Anti-Microbial Evaluation of 2-(Alkylthio)Thiazolo[4,5-D]Pyrimidin-7(6h)-One Derivatives as Quinazolin-4(3h)-One Mimetics.
PTPC/2018/511	Pulakunta Sreenivasulu Sirisha	Synthesis, Process Optimisation & Development of a Versatile Key Raw Material Amino Acetaldehyde Dimethyl Acetal from Gram Scale-Kilogram Scale-Pilot Plant Scale
PTPC/2018/512	Somavarapu Mounika	Design, Synthesis, and Evaluation of Indole-2-Carboxamide and 1,3 Diaryl Pyrazole Hybrids as Antitubercular Agents & Exploration of Synthetic Routes to Platelet Aggregation Inhibitor - Indobufen
PTPC/2018/513	Talakola Srilakshmi	Design, Synthesis & In-Silico Studies of Benzofuran Moieties for Anti-Cancer Agents
PTPC/2018/514	Thalla Hari Priya	Palladium Mediated Cross-Coupling of Tosylhydrazones with Arylhalide
PTPC/2018/515	Yerroju Shravana Gowri	Design, Synthesis and Biological Evaluation of Benzothiazinone-Triazole Hybrids as Potent Antitubercular Agents

M.B.A. (PHARM.) PHARMACEUTICAL MANAGEMENT

Reg. No.	Name	Title
PM/2018/401	Ashish Amrao	Smart Wearable Market
PM/2018/402	Bankar Mayuri Sharad	Impact of Sales Force Automation on Pharmaceutical Sales
PM/2018/403	Monika Bhalerao	Digital Diabetes Management Market
PM/2018/405	Chandni Raja	A Survey on Influence of Consumer Colour Preferences and Brand Selection
PM/2018/406	Datla Janak Verma	Market survey on Consumption of Energy Drinks in Hyderabad
PM/2018/407	Deepak Kumar Chaudhary	Healthcare Management of Geriatric Patients
PM/2018/408	Deepika Pathak	Beauty versus Medicine: The Nonphysician Practice of Dermatologic Surgery
PM/2018/409	Devanshi Saini	The Antibiotic Resistance Crisis from an Indian Perspective
PM/2018/410	Gjangi Vineeta Anandam	Strategic Analysis of Advertising, Digital Marketing and Packaging on Consumer Buying Behavior for Nutraceuticals in India through Market Research.
PM/2018/411	Gorgile Amol Tukaram	Mapping and Evaluation of the Usage of NSAIDs and its Combination
PM/2018/413	Jain Shubham Gautamchand	Study on Reason and Consequences of Self Diagnosis among Millennials
PM/2018/414	Kaliki Srilekha	A Comparative Study between the Pharmaceutical and Medical Devices Industry in India
PM/2018/415	Kritika Aggarwal	Impact of Parent Brand Image on Brand Extension of Firm
PM/2018/416	Kuchana Pavan Kumar	Business Intelligence in Pharmaceutical Industry
PM/2018/417	Lavanya Namburu	Health Insurance: Identifying Awareness, Preferences and Buying Patterns in Andhra Pradesh.
PM/2018/418	Nariseti Sravani	A Study on Pharma Cold Storage Facilities in Hyderabad
PM/2018/419	Nemuri Sowmya	Effect of Branding on Customer Purchasing Behaviour
PM/2018/420	OlleruDivya	Advertisement and its Impact on Consumer Buying Behaviour on Healthcare Products
PM/2018/421	Patel Swapnil D.	Digital Marketing in Pharma Industry: An Overview and Assessment
PM/2018/422	Pooja	Sales of Pharmaceutical Companies with Marketing Activities Impact
PM/2018/423	Sampath Jeevan Kumar	Consumer Behaviour Towards Soaps Market
PM/2018/424	Shivam Joshi	Study on Mental Health Status of College Students in Hyderabad
PM/2018/425	Sufi Abdul Kareem	Top Most 3 Prevalent Non-communicable Diseases in Hyderabad
PM/2018/426	Gaurav Tiwari	Anti diabetic market in India
PM/2018/427	Ushasree	A Comparative Study of Pharmaceutical Markets of SAARC Nations
PM/2018/428	Vatsala Mishra	Perception Analysis of Medical Rep. towards Effectiveness of E-detailing
PM/2018/429	Veena	Study on Disease Awareness Campaigns and its Impact on People
PM/2018/430	Sai Harshita Yangam	Big Data in Healthcare

PLACEMENTS

The institute facilitates the placements of the final semester students by inviting various industries and organizing campus recruitment drives. Students are trained in their communication skills by HR experts for presentations during placement interviews. As a result, about **85%** of the students are placed during the academic year 2020-21. Some of the students also joined reputed organizations to pursue their Ph.D. programmes. Some of the selected industries that recruited the students recently are listed below:

1.	Arizton	14.	Granules India
2.	Audree	15.	Johnson & Johnson
3.	Bharat Serums and Vaccines	16.	Iqvia
4.	Xogene	17.	Keva
5.	Evalueserve	18.	Mylan
6.	Certara	19.	Novartis
7.	Dr. Reddy's Laboratories Ltd.	20.	PharmaACE
8.	GVK Bio (Aragen)	21.	Suven Life Sciences Ltd.
9.	Eli Lilly	22.	Hetero
10.	Freyr Solutions	23.	Syngene International
11.	Genpact	24.	ZS Associates
12.	WNS	25.	Peters Surgicals
13.	Tech Mahindra		

COMPUTER CENTRE

Computer Centre (CC) caters to the IT and computational related needs of the Institute as well as Hostel community at NIPER Hyderabad

The main facilities provided by CC are:

Installation & Maintenance of Servers for:

- Internet access.
- E-mail facilities.
- FTP sharing facility.
- Proxy-based authentication access.
- Computation facilities.
- VPN facilities for accessing journals and E-contents from outside of the institute.
- Maintenance of official NIPER Hyderabad website. (www.niperhyd.ac.in / www.niperhyd.edu.in)
- Management of Wi-Fi enabled environment in the institute & hostels
- Management of the centralized computer lab accessible to students and research scholars.
- Maintaining 100 Mbps NKN internet leased line, 10 Mbps stand-by internet leased line, seamlessly connected about 600 nodes.
- Providing technical assistance to the faculty, academic and administrative staff of the institute.
- Administrative maintenance of commercial software for specialized research and general use by the staff members.



NIPER-Hyderabad has the provision of four computer labs, i.e., CC-1, CC-2, CC-3, and CC-4. Each lab is equipped with 25 desktops of Windows, and CC-2 is fitted with 25 Linux operating system desktops for molecular modelling facility which is dedicated to research. There are no restrictions for accessing CC labs for students and members of NIPER. The computer labs remain open for 10 hours (8:00 AM to 6:00 PM) a day, and the students visit the labs for their general and routine computing tasks. CC services are extended for hands-on sessions on particular software packages as part of the curriculum, for placement-related activities & examinations.

Also, several UNIX/Linux/VMware-based servers also cater to the institute's IT services like Webserver, FTP, academic requirements, and research purposes. Availability of the servers and resources is ensured with power backup provided by the UPS grid.

The local area network (LAN) caters to the needs of the institute's students, faculty, and staff. The complete LAN solution has three layers viz. 10 Gigabit core with redundancy, dual-homed distribution layer with redundancy, and dual-homed PoE (Power on Ethernet) enabled access layer. Network support is available 24 × 7. High-speed and uninterrupted internet access is provided across the campus to everyone through multiple ISP (Internet Service Provider) leased lines provided by BSNL (10 Mbps), and NKN (100 Mbps). The Computer centre is solely responsible

for keeping the Information and Communication Technology & Computation related facilities are available to every member of NIPER Hyderabad. These facilities are constantly upgraded to meet the evolving standards of NIPER Hyderabad. New hardware and software are procured regularly to provide a state-of-the-art computing facility to the NIPER Hyderabad family.

Fully Wi-Fi Enabled Campus & Hostels: In the year 2016, Computer Centre has installed WLAN on 802.11b/g to allow accessing NIPER-Hyderabad computing resources (Local network and Internet) through the Wireless communication in campus and Hostels. WLAN employs mobile network access through the Wireless Access Points. All hostels are Wi-Fi enabled for internet and intranet connectivity. Wi-Fi solution is based on Cisco wireless controllers for the entire academic areas and Hostels. A total of 45 Cisco Access Points (dual-band 802.11a/g/n/ac) has been installed.

National Knowledge Network (NKN) project aims to establish a robust internal Indian network capable of providing secure and reliable connectivity. Using NKN, all vibrant institutions with vision and passion will be able to transcend space and time limitations in accessing information and knowledge and derive the associated benefits for themselves and society towards ushering in a knowledge revolution in the country. NKN is intended to connect all the knowledge and research institutions in the country using a high bandwidth / low latency network.

Molecular Modeling Lab: An IT-based Computer Centre with molecular modelling Lab (MML) facility is operational with licensed software like Schrodinger, SYBYL, Gaussian 09w, and Material Studio to support faculty, research scholars, and students for research and Academics. Three workstations are available and are being used for molecular modelling studies.

Display Panels: NIPER Hyderabad is equipped with display panel systems to display banners (as E-banner) and relevant information/messages to dignitaries during conferences, workshops, and events. The auditorium is also equipped with a unique display system for easy visibility of data content to the speaker on the dais.

NIPER Hyderabad has taken the lead in creating a common portal for all NIPER's. It has been given to DoP for maintenance.

Computer Center also maintains R&D software tools for research like SciFinder E-Database software from 2021, Chem Office Professional Site, QIAGEN PUB.CLC GENOMICS Work Bench Premium Network, DNASTAR Laser gene Suite Software and Design of Expert Academic Stand Lone Software, CCDC Crystallography Software, and Schrödinger software.

LIBRARY AND INFORMATION CENTRE

NIPER-Hyderabad library serves as a source of information centre for the pharmaceutical industry and academic institutions. It has a rare collection of old chemical and biological abstracts from the year 1907 to 1993. NIPER-Hyderabad Library has 9038 textbooks, 430 research journals with bound volumes of 10579 copies, and 2049 chemical and biological abstracts. In addition to this, the NIPER-H library has Nine Print Journals, two magazines, and 9 newspapers. The library provides the facilities, such as books and journal borrowing, literature search, photocopying, news clipping service, etc. The online Reaxys database facility and selected ScienceDirect online journals (92 journals) are available from the year 2013 onwards. Later, from 2018 onwards, for MBA (Pharm.) EBSCO online journals and video contents (Total = 915) were made available. The library also hosts 849 NIPER- student's thesis (Dissertation) from 2009 to 2020 along with Ph.D. research scholar's thesis (52 No's) from 2011 onwards. In addition, software tools like Turnitin are available from 2016 onwards. Similarly, other software tools for research like **SciFinder E-Database software from 2021, Chem Office Professional Site, QIAGEN PUB.CLC GENOMICS Work Bench Premium Network, DNASTAR Laser gene Suite Software and Design of Expert Academic StandLoneSoftware, CCDC Crystallography Software, and Schrödinger software are also available in the library.**

S. No.	Description	Total No. of Copies					
		Added in 2015-2016	Added in 2016-2017	Added in 2017-2018	Added in 2018-19	Added in 2019-2020	Added in 2020-2021
1	Text Books	234	318	192	82	37	164
2	Select Science Direct Online Journals (Pharmacology, Toxicology and Pharmaceutical Sciences)	Same as renewed	Same as renewed	Renewed	Renewed	Renewed	Not renewed
3	EBSCO Online Journals	-----	-----	915 Online journals	915 Online journals	915 Online journals	915 Online Journals
4	Print Journals (Loose) 2 deducted	Same as renewed	Same as renewed	-2	Same as renewed	9 Renewed	9 Renewed
5	Magazines (hard copies)	Same as renewed	Same as renewed	Renewed	Same as renewed	2 Renewed	2 Renewed
6	News Papers & Employment News 3 deducted	Same as renewed	Same as renewed	-3	-1	9 News papers	9 News papers
7	Reaxys Electronic Database	Same as renewed	Same as renewed	Same as renewed	Same as renewed	Same as renewed	Same as renewed

8	Turnitin (E-thesis - Software)	-----	Same as renewed	Same as renewed	Same as renewed	Same as renewed	Renewed
9	PhonixWinnolin Software (3 Years, i.e., 2018,2019,2020)	-----	-----	Available	Available	Available	Not available, Renewal under processed
10	End Note Software (perpetual access) (25 no's User license)	-----	-----	Available	Available	Available	Available
11	NIPER- Students- Thesis (Dissertation) from 2009 to 2019	-----	-----	514	161	126	42
12	NIPER- Research Scholars (Ph.D.)- Thesis (Dissertation) from 2011 to 2019	-----	-----	-----	35	6	11
13	Renewal of Schrödinger LLC Software	-----	-----	-----	45 Tokens	45 Tokens	45 Tokens
14	Dassault Systems India Pvt. Ltd (Material Studio Software) – Academic Base – I and Academic Crystallization – II	-----	-----	-----	2	Available	Not renewed
15	DNASTAR (Lasergene Suite V-17 for Win) (Cat No 5986) PAC base	-----	-----	-----	-----	-----	01
16	Qiagen (Clc Genomics Bioinformatics Software) Pac Base	-----	-----	-----	-----	-----	01
17	M/s. Chemical Abstracts Services (Scifinder E-Database)	-----	-----	-----	-----	-----	IP Based Unlimited Access Plan
18	Chem Office Professional (CHEM DRAW) Site License Annual Subscription	-----	-----	-----	-----	-----	150
20	Design of Expert Software (PAC BASE)	-----	-----	-----	-----	-----	01
21	Crystallography Software (CCDC)	-----	-----	-----	-----	-----	01
Total till - 2021		21425	21943	23559	23883	25032	26383

FACULTY PROFILES



Dr. Srinivas Nanduri

Professor, Department of Chemical Sciences

E-mail: nanduri.niperhyd@gov.in

Experienced Chemist in leading integrated drug discovery programs encompassing all stages of drug discovery viz., Hit generation, Hit to Lead, and Lead optimization. His research area is related to “Development of alternate synthetic routes to pharmaceutically important scaffolds, intermediates, and final compounds” as well as his lab also working on “Design and synthesis of new multi drug-resistant anti-bacterial agents acting against gram-positive and gram-negative bacteria.” His lab synthesized multiple series of quinazolinones that have been developed with interesting anti-bacterial activity. One of the series exhibited potent and selective anti-bacterial activity against *Staphylococcus aureus*. Further, these compounds also exhibited low cytotoxic activity against Vero cells, thus possessing a good selectivity index. The compounds were also found to contain potent activity against various drug-resistant clinical strains of *S. aureus*. Studies on the mechanism of action and in vivo studies are in progress.



Dr. N. Shankaraiah

Associate Professor, Department of Chemical Sciences

E-mail: shankar.niperhyd@gov.in

Dr. N. Shankaraiah's research group focuses on the design and synthesis of new chemical entities based on the structural information obtained from ligand-protein crystallographic structures, molecular modelling, novel molecular architecture, and important biological activity. These new molecules have been explored for their *in vitro* cytotoxicity potential on selected human cancer cell lines and also studied for their interactions with selected biological targets. His research group investigates the newly synthesized molecules and their drug-protein interactions through molecular modelling studies. Some of the focused typical heterocyclic scaffolds and their biological targets are Isatin & 3-alkenyl oxindoles, β -Carboline, hydantoins, Benzimidazole, benzothiazoles, benzoxazolinone, 1,2,3-Triazoles / Tetrazoles and Podophyllotoxin. His research group is also involved in the development of enabling synthetic strategies like one-pot, multi-component, and cascade reactions towards the preparation of different heterocycles and their key building blocks or intermediates and natural products can be further utilized as bioactive scaffolds. In addition, his research group explores new sustainable greener methodologies and C-H activation reactions for the construction of various C-C, C-N, C-O, and C-S bonds by employing different organo-metallic catalysts, including their mechanistic investigations by online ESI-MS/MS.



Dr. Jitender Madan

Associate Professor, Pharmaceutics

E-mail.: jitender@niperhyd.ac.in

Major research areas include self-assembled Supramolecular systems *viz.* liposomes, niosomes, cyclodextrin, nano- & micro-particles, and solid-lipid nanoparticles. The focus is centered on exploiting USFDA approved biomaterials in combination with other potential lipids and polymers to develop innovative dosage forms and drug delivery systems to improve bioavailability, stability, safety (tolerance), and patient compliance. Whilst a wide range of applications are being taken up, particular emphasis is given to augment the aqueous solubility and bioavailability of lipophilic drugs in addition to customization of topical drug delivery systems.



Dr. Saurabh Srivastava

Associate Professor, Pharmaceutics
E-mail: saurabh@niperhyd.ac.in

Dr. Saurabh Srivastava has pursued his Masters in Pharmaceutical Sciences from Birla Institute of Technology and Science (BITS), Pilani, Rajasthan, and Ph.D. from Panjab University, Chandigarh. He has profound industrial and research experience working with several Pharmaceutical R & R&Ds, including IPCA labs, Mumbai, Wockhardt research centre, Aurangabad, and Dr. Reddy's Laboratories, Hyderabad, for the development and commercialization of various NDA and ANDA based products for different regulated markets. His area of research interests is the development and optimization of Industrially viable, feasible, and scalable "Differentiated formulations" (505(b)2, through the utilization of "Micro/Nanostructured" Targeted drug deliveries along with Novel platform technologies, including "Amorphous solid dispersion," "Fluidized bed processing," "Particle coating" (Wurster process), "Pellet based controlled drug deliveries" "Compression coating," Multiple Unit Particulate Systems (MUPS), "Osmotic drug deliveries" and "Lipid-based drug carriers" for the purpose of "Bioavailability enhancement," "Food effect minimization," "Repurposing/New Indication", "Synergism for FDCs," "Dose/Dosing frequency reduction." His major therapeutic area of research is "Neurodegenerative disorders," "Dermal diseases," "GI disorders" and "Chronotherapeutics." He has 02 "Commercial Products," 08 "International and National Patents" and several research publications in Journals of International and National repute with 250+ citations to his credit.



Dr. Amit Asthana

Associate Professor, Pharmaceutical Analysis

E-mail: amit.asthsana@niperhyd.ac.in

Dr. Amit Asthana's group focuses on designing, fabricating, and characterizing paper-based and polymer-based micro-device for affordable and equipment-free clinical diagnosis. Such devices include antibody-based assay, aptamer-based assay, and ambient temperature nucleic acid (NA) amplification technology coupled with optical and/or electrochemical detection systems for quantification. His group is also interested in using microfluidic technology and medical devices as “alternate to animal testing” for drug screening and toxicological studies along with other colleagues of NIPER, Hyderabad, as well as collaborators from CCMB, IIT-Hyderabad, THSTI-Faridabad, and University of Waterloo to name the few. Apart from this, my group is also interested in developing:

- Paper-based devices as Raman immune--sensor.
- Non-conventional methods to fabricate microfluidic devices.
- Biopolymer microfluidic devices for tissue engineering and cell culture.
- 3D printing and 3D cell culture.
- Generation of "site targeted" drug delivery vectors for drug delivery and diagnosis, using microfluidic devices.



Dr. S. Gananadhamu

Assistant Professor, Pharmaceutical Analysis

E-mail: gana.niperhyd@gov.in

Dr. Gananadhamu's main area of research is forced degradation study of drug substances. The presence of impurities in drug substances and excipients affects the safety and therapeutic efficacy of the drug products. The process-related impurities can be controlled by choosing pure raw materials and optimizing the manufacturing process. The drug degradation impurities are controlled by selecting suitable packaging and storage conditions. The forced degradation studies will be performed to know the drug degradation pathway, which helps design the packaging system and recommend drug product storage conditions. The drug substance is subjected to different degradation conditions such as hydrolysis, oxidation, heat, and light. Then analytical methods will be developed for the separation of degradation products by HPLC and UPLC. The possible degradation products will be identified by LC-Q-TOF-MS/MS and NMR. The major degradation products are tested for toxicity by using *in silico* toxicity tools and cell-based assays.



Dr. B. Lakshmi

Assistant Professor, Pharmaceutical Management

E-mail: lakshmi.niperhyd@gov.in

Dr. B. Lakshmi has around 17 years of working experience in industry, research, and academics. At NIPER, Hyderabad, she holds the additional responsibility of Additional Controller of Examinations. She convened several workshops related to IPR organized by NIPER, Hyderabad. She has a Doctorate in Business Management from the Faculty of Management, Osmania University, Hyderabad, with a Bachelor's degree in Commerce and a Master's degree in Business Administration with finance specialization. She won the L. N. Gupta gold medal for scoring the highest at the undergraduate level. She is a National Stock Exchange Certified Professional (NCFM) in Derivatives (Dealers), Capital Markets (Dealers), Depositories, Financial Markets modules. During her tenure at Centre for Urban Governance, Administrative Staff College of India (ASCI), she worked closely with UNICEF - India, Ministry of Drinking Water & Sanitation, Government of India (GoI) for the launch of 'WinS Leadership Course' for government officials responsible for School Sanitation. While working with Centre for Gender Studies, ASCI, she was associated with evaluating two schemes – 'SABLA' and 'Indira Gandhi Matritva Sahyog Yojana (IGMSY)' of the Ministry of Women and Child Development, GoI. She had worked as a Business Analyst/Subject Matter Expert for Structured Products Module while at Polaris Software Labs Limited, a Banking, Financial Services, and Insurance (BFSI) sector firm. She has several publications in refereed national and international journals. Her areas of research interest include corporate finance, financial decision-making, social cost-benefit analysis, and corporate social responsibility.



Dr. Y.V. Madhavi

Assistant Professor, Department of Chemical Sciences

E-mail: yvmadhavi.niperhyd@gov.in

Dr. Y.V. Madhavi expertizes in developing new, cost-effective, and robust synthetic routes for the API's and API intermediates, total synthesis of biologically active natural products, development of new methodologies, structure-based drug designing, and synthesis of new anti-cancer and anti-infective agents. Her lab research activities are related to "Design and synthesis of new anti-tubercular agents and their biological evaluation" as well as "Design and synthesis and biological evaluation of new EGFR inhibitors." Her lab also engaged in developing alternate cost-effective synthetic routes for the pharmaceutically important scaffolds, intermediates, and APIs like Ibrutinib, Panobinostat, Delamanid, Lapatinib, etc.



Dr. Chandriah Godugu

Assistant Professor, Department of Biological Sciences

E-mail: chandraiah.niperhyd@gov.in

Dr. Chandriah Godugu's research focus revolves around organ fibrosis, inflammatory disorders like acute lung, liver injury, chronic, acute pancreatitis, psoriasis and rheumatoid arthritis, cancer as well as formulation based approaches for targeted drug delivery with an emphasis on deciphering the molecular biology behind the observed protection and interested in solving various therapeutic hurdles associated with the use of potential plant-derived compounds. In addition, through a DST-DAAD-funded international collaboration, his research group is exploring the role of a novel nanoparticle-based formulation against a matrix linking enzyme for liver fibrosis. His research group investigated the potential anti-psoriatic activity of piperlongumine, niclosamide, and its molecular mechanism in an imiquimod-induced psoriatic model. Acute lung injury (ALI) remains a major cause of morbidity and mortality across the world. Rheumatoid arthritis (RA) is a progressive inflammatory disease that can lead to joint destruction and disability without appropriate treatment. His research group unveiled the potent inhibitory activity of nimbolide against inflammatory signaling cascade involved in major inflammatory diseases ALI and RA, which is counter-regulated by antioxidants such as glutathione and Nrf-2 abrogating the LPS triggered TNF- α , p38MAPK, and GSK-3 β protein expression.



Dr. Pankaj Kumar Singh

Assistant Professor, Pharmaceutics

E-mail: drpankajk.niperhyd@nic.in

Dr. Pankaj Kumar Singh's research focuses on formulation development and characterization (*in-vitro* and *in-vivo*) of targeted novel drug delivery systems including micelles, nanoparticles, microparticles, and liposomes. His lab is well-versed in cell culture techniques and has firsthand experience in executing several cell culture-based assays, fluorescence microscopy, and flow cytometry. His lab was also engaged in a preclinical drug development program and has acquired the substantial practice in handling various animal models (rat, mice, and hamster) for pharmacokinetic, pharmacodynamic, and acute/chronic toxicity studies. Presently working on design and development of PLGA Nanoparticles bearing cytotoxic drug anchored with macrophage targeting ligands in the management of lung cancer. His Research Group is also engaged in developing targeted liposome-bearing cytotoxic drugs for the management of breast cancer. His research lab also developed an immunity booster formulation.



Dr. Neelesh Kumar Mehra

Assistant Professor, Pharmaceutics

E-mail.: neeleash@niperhyd.ac.in

Dr. Neelesh Kumar Mehra is working as an Assistant Professor of Pharmaceutics, at the Department of Pharmaceutics, National Institute of Pharmaceutical Education & Research (NIPER), Hyderabad, India. He earned his Ph.D. with Prof. N.K. Jain from Dr. H.S. Gour University, Sagar and PostDoc from Texas A& M Health Science Centre, Kingsville, TX, USA. He has worked on a US Food & Drug Administration (USFDA) funded project to develop an in vitro drug method for nanoemulsion during his PostDoc. He served as Manager in Product Development, Sentiss Pharma Pvt Ltd, Gurgaon for development, scale-up, and technology transfer of complex ophthalmic, inhalation, otic pharmaceutical products. He received “**TEAM AWARD**” for successfully commercializing Brinzolamide Ophthalmic Suspension 1% to Russia and CIS countries. He is an Editorial member of “**Drug Delivery Letters**” Journal, Bentham sciences. He has authored more than 50 peer-reviewed publications in high reputed International Journals, including Biomaterials and 07 book chapters contributions in Elsevier and CRC Press. He guided Ph.D. and M.S. students for their dissertations/research projects. He has received numerous outstanding awards, including the Young Scientist, Team Awards for their research output. Currently, he is editing few Books on Biopharmaceutical and Nanotechnology with CRC Press and Elsevier Pvt Ltd. He has 11 years of research and teaching experience in the formulation and development of complex, innovative ophthalmic and injectable biopharmaceutical products, including micro- and nano-technologies for regulated markets.



Dr. Venkata Rao Kaki

Assistant Professor, Department of Chemical Sciences

E-mail.: kvenkata.rao@niperhyd.ac.in

Dr. Venkata Rao Kaki's lab is working to discover novel anti-diabetic agents, anti-inflammatory agents, and anti-proliferative agents. The research works comprise both synthesis and computational studies. To develop Anti-diabetic agents, the research focuses on identifying pancreatic β cells regenerating agents by inhibiting Dual specificity Tyrosine-phosphorylation Regulated Kinase 1A (DYRK1_A) and Glycogen Synthase Kinase-3 β (GSK-3 β). Developed QSAR models and several Benzazepinone and substituted indole-based derivatives are under study. Phytochemical investigation studies on *Pterocarpus marsupium*, also known as Indian kino are underway to develop reference standards and anti-diabetic herbal formulations. The development of anti-proliferative agents is focused on the synthesis of fused pyrimidine derivatives as Cyclin Dependant Kinase (CDK) inhibitors. Some of the active molecules are in the scale-up process to further investigate the mechanistic aspects. As a part of research work, the team is also actively involved in developing new synthetic methodologies for multisubstituted 2-aminothiophenes and regioselective ring opening of benzylidene acetals. As a teacher, Dr. Venkata Rao is keen to develop e-learning content and learner-centered pedagogical methods.



Dr. Manoj P. Dandekar

Assistant Professor, Department of Biological Sciences

E-mail.: manoj.dandekar@niperhyd.ac.in

For the past 15 years, Dr. Dandekar has been working in the neuroscience field. After completing his Ph.D. in the Faculty of Medicine (2009), he worked in the pharmaceutical drug discovery industry (2009-2016). Then for the next 4 years, he was associated with the University of Texas Health Science Center and Houston Methodist Research Institute in Houston, USA, as a Postdoctoral Research Fellow to strengthen his research background and become an independent researcher. His research interest is investigating the neuropathology of CNS disorders, drug screening, and brain injury using *in-vivo* and *in-vitro* approaches. His recent research is focused on microbiome-gut-brain axis. He has published more than 23 research articles in reputed peer-reviewed journals and presented several papers in national and international conferences. He worked on the following NIH, USA sponsored projects: i) Research Associate: The role of the gut microbiome in the neuropathology of traumatic brain injury, (ii) Postdoctoral Fellow: Screening of therapeutic value of xenon in stroke generated neurological deficits and long-term neuropsychiatric sequelae, and (iii) Postdoctoral Research Fellow: To elucidate the neurochemical and behavioral alterations induced by deep brain stimulation of medial forebrain bundle in rats.



Dr. Rajesh Sonti

Assistant Professor, Pharmaceutical Analysis

E-mail.: rajesh.sonti@niperhyd.ac.in

During his Ph.D., he has worked on designed and natural peptides that are hybrid beta-sheets, modified alpha-helices, and cyclic disulfide-bonded peptides. He has done the conformational analysis of several peptides and solved 23 structures of peptides by solution NMR. His work resulted in five first-author papers out of nine publications in good profile journals. In Biozentrum, Switzerland, he worked with the protein, Abelson tyrosine kinase (Abl) involved in Chronic Myeloid Leukemia. He tested the interaction of FDA-approved drugs, e.g., Gleevec (Novartis), Tasigna (Novartis), Sprycel (Bristol-Myers Squibb), Iclusig (ARIAD Pharmaceuticals), and Inlyta (Pfizer) that bind at the ATP binding site in a solution using NMR spectroscopy. These studies lead to the identification mechanism of Abl disassembled state upon binding of certain drugs from the assembled state. He characterised activities of several drug-resistant mutants ('gatekeeper,' completely activated P242E/P249E), assessed their conformations, probed inter-domain dynamics by ^{15}N relaxation studies. At EPFL, worked on the determination of lactate concentrations in the mice plasma and also analysed the fragmental labelling, ^{13}C isotope enrichment by NMR. Furthermore, he worked on determining the concentrations of metabolites in mice cortex, hippocampus, and striatum regions using *in vivo* 9T MRS magnet.



Dr. Amol G. Dikundwar

Assistant Professor, Pharmaceutical Analysis

E-mail: amol.dikundwar@niperhyd.ac.in

Dr. Dikundwar's research group specializes in small molecule crystallography and solid-state characterization of pharmaceuticals. Crystallographic research includes structure elucidation using single-crystal X-ray diffraction; periodic and gas-phase computations; experimental and theoretical charge density analysis to understand fine details of molecular and supramolecular properties; prediction, correlation of physicochemical properties by detailed analysis of crystal structure of API and related molecules from the crystal structure database; structural insights for lead optimization using CADD principles. Pattern indexing, profile fitting, *ab initio* structure determination using high-resolution powder diffraction data, and advanced amorphous characterization through total scattering/pair distribution function (TS/PDF) analysis are some of the thrust areas of research for the group. Major focus areas from Materials Science and Engineering aspects include form screening of APIs with molecular-level structure elucidation of polymorphs, salts, cocrystals, eutectics, hydrates, solvates, etc.; determination of relative stabilities of polymorphs; understanding solid-solid phase transformations; process optimization for generation of stable or relevant forms on the scale; risk mitigation for the occurrence of undesired forms and particle engineering aspects such as controlling particle shape/size.



Dr. Neeraj Kumar

Assistant Professor, Regulatory Affairs

E-mail: neeraj.k16@niperhyd.ac.in

Dr. Neeraj Kumar brings to NIPER Hyderabad several years of industry experience in the field of Intellectual Property Rights and Regulatory Affairs. His major professional roles and responsibilities include- Competitive patent landscaping, FTO opinions, and Infringement analysis to finalize the go-to formulation strategies, Invalidation/Revocation grounds, Patentability searches for US/EU/ROW patents, Patent drafting and patent prosecution; preparing draft replies to IP-office actions, Keeping track on all product relevant updates related to innovator & third-party IP, ANDA filing strategies: P-I to P-IV certificates; Section VIII carve-out statement & ROW market dossier filings. He will be working towards establishing the new Masters' and Ph.D. Courses in the field of Regulatory Affairs, to be initiated by NIPER Hyderabad from the academic year of 2020-21.



Dr. Nitin Pal Kalia

Assistant Professor, Department of Biological Sciences

Email: nitin.kalia@niperhyd.ac.in

Dr. Nitin Pal Kalia's major research involves the identification and characterization of new chemical entities for their anti-infective properties. Drug Discovery against *Mycobacterium tuberculosis*(Mtb), Non-Tuberculous mycobacteria, Gram-Negative bacteria, and ESKAPE pathogens is a prime focus of research. The drug discovery program involves the development of in-vitro screening assays and supporting assays to decipher the mechanism of action of molecules using molecular biology approaches and biochemical assays followed by in-vivo evaluation of identified molecules using mice model for infection.



Dr. Priyanka Bajaj

Assistant Professor, Department of Chemical Sciences

E-mail: pbajaj.04@niperhyd.ac.in

Dr. Priyanka Bajaj's group has a particular interest in green chemistry to make our pharmaceutical and fine chemical industry and industrial products more environmentally friendly and affordable for everyone. Her research mainly focuses on developing green biocatalytic processes and enzymes for complex synthetic chemistry challenges mainly focusing on the synthesis of chiral compounds of pharmaceutical importance. The enzymes are studied in detail for their structure-activity relationship and engineered using the techniques of directed evolution. The libraries of various substrates and enzymes are further screened in high throughput mode using LC/MS, GC/MS, and UV-Vis spectrophotometry, and upscale and downscale processes are optimized. The group is exploring a wide range of enzymes, including Aldehyde dehydrogenases (ALDHs), Myoglobin, P450s, and others.



Dr. Santosh Kumar Guru, PhD

Assistant Professor, Department of Biological Sciences

Email: santoshkumar.guru@niperhyd.ac.in

Dr. SK Guru's research group mainly focuses on basic and applied drug discovery in cancer biology. His group mainly focus on the role of drug-tolerant persister cell and chemotherapy-induced tumor dormancy in cancer. They are exploring the survival mechanism of these dormant tumors through autophagy, epigenetic, and YAP/TAZ mechanism. Cancer drugs typically produce short-lived clinical remissions due to acquired drug resistance, which can be spontaneously reversible over time. Exposure to high doses of anticancer drugs can induce the emergence of a subpopulation of weakly proliferative and drug-tolerant cells/persister cells, which display markers associated with stem cell-like cancer cells. These drug-tolerant cell populations emerged, are highly expressed undruggable transcription factors, epigenetically silenced genes, de-novo mutations, epithelial-mesenchymal transformation/autophagy. Cyclin-dependent kinase 9 (CDK9) promotes transcriptional elongation through RNAPII pause release and is essential for maintaining gene silencing at heterochromatic loci. His group also focuses on the basic mechanism of chemotherapy-induced extracellular vesicles (exosomes) in breast tumor dormancy and cancer initiation. Above all, Dr. Guru is now developing a 3D organoid model for cancer drug discovery. This organoid drug screening platform can be used to guide patient treatment and clinical trials to accelerate anti-cancer drug development.



Dr. Vasundhra Bhandari,
Assistant Professor, Pharmacoinformatics
E-mail: vasundhra.b@niperhyd. ac.in

Dr. Vasundhra Bhandari's group is working in the field of Pharmacogenomics, Antimicrobial drug resistance (AMR), and Precision Medicine. The group utilizes cutting-edge scientific tools for deciphering the mechanism of AMR and drug discovery. Her group has identified multidrug-resistant bacterial pathogens causing various infections in humans and animals. Further, they are also working on understanding their resistance mechanism using genomics, proteomics, and gene editing to identify new drug or diagnostic targets. Her group is also actively screening various chemical libraries and various new synthetic compounds to identify new treatment options to tackle the problem of AMR. So far, their group has identified 14 such compounds, which have shown promising results. Drug repurposing is also one of the strategies employed by her group to look for mono or combination therapies. They want to identify the inter-individual variability against a treatment or drug, deciphering a path to precision medicine using pharmacogenomics. Furthermore, they are looking to pinpoint the role of host genetics or genes which are contributing to differential response against the drug or therapy.



Dr. Deepika Chilkuri

Assistant Professor, Pharmaceutical Management

Email: deepika.ch@niperhyd.ac.in

Dr. Deepika Chilkuri's research focus is in areas related to Pharmaceutical Management, including general management areas such as pharmaceutical business environment, organizational behavior, organizational development, pharmacoeconomics, business strategy, pharmaceutical sales and marketing, entrepreneurship, pharmaceutical brand and product management, healthcare management, and emerging technologies in the pharmaceutical sector. Her current research projects include studies on green supply chain management in the pharmaceutical industry, brand image and advertising of generic vs. branded OTC drugs, psychographic market segmentation, Make-In-India initiative in the medical devices market, and National Digital Health Mission of India. Her other research interests include human and organizational behavior and interdisciplinary studies in management and psychology. She proactively seeks research opportunities for collaborative multi-disciplinary research. As a research guide for a group of masters' students, she guides and supports them on research projects, review papers, research methodology, market surveys, and all other aspects of research.



Dr. Dharmendra Kumar Khatri

Assistant Professor, Department of Biological Sciences

E-mail.: dharmendra.niperhyd@nic.in

The primary research area of interest is focused on elucidating the pathogenic mechanism of Parkinson's disease. Specifically, a multidisciplinary approach is being employed to investigate the cellular and molecular mechanism underlying pathogenic degeneration of a specific neuronal population in the PD brain, drug screening of novel molecules isolated from plant sources or synthetic congeners for their neuroprotective and neuronal regeneration properties by using animal and cellular models.



Dr. Vinaykumar K.

DST Inspire Faculty, Department of Chemical Sciences

E-mail: vinay.niperhyd@nic.in

Dr. Vinaykumar's group primarily aims to discover and develop new catalytic reactions in the field of catalysis and organometallic chemistry. Ultimately, these new catalytic methods are the utility to solve the structurally complex molecules, natural products, and biologically active compounds in our ongoing quest to develop transition metal catalysed C-H functionalization's reactions towards the synthesis of anti-cancer and anti-viral activity drugs. Including this, the group is also involved to explore various other fields in organic synthesis such as the development of novel methodologies in the field of organo borane chemistry, design, and synthesis of NHC's and their applications, design, and synthesis of novel chiral catalysts, and ligands.

PUBLICATIONS OF FACULTY MEMBERS 2020-21

1. Babel RA, Dandekar MP (2021). A Review on Cellular and Molecular Mechanisms Linked to the Development of Diabetes Complications. *Curr Diabetes Rev.* 17(4):457-473
2. Shukla MR, Patra S, Verma M, Sadasivam G, Jana N, Mahangare SJ, Vidhate P, Lagad D, Tarage A, Cheemala M, Kulkarni C, Bhagwat S, Chaudhari VD, Sayyed M, Pachpute V, Phadtare R, Gole G, Phukan S, Sunkara B, Samant C, Shingare M, Naik A, Trivedi S, Marisetti AK, Reddy M, Gholve M, Mahajan N, Sabde S, Patil V, Modi D, Mehta M, Nigade P, Tamane K, Tota S, Goyal H, Volam H, Pawar S, Ahirrao P, Dinchhana L, Mallurwar S, Akarte A, Bokare A, Kanhere R, Reddy N, Koul S, Dandekar M et al., Discovery of a Potent and Selective PI3K δ Inhibitor (S)-2,4-Diamino-6-((1-(7-fluoro-1-(4-fluorophenyl)-4-oxo-3-phenyl-4H-quinolizin-2-yl)ethyl)amino)pyrimidine-5-carbonitrile with Improved Pharmacokinetic Profile and Superior Efficacy in Hematological Cancer Models. *Journal of Medicinal Chemistry* 2020, 63(23), 14700-14723
3. Verma MK, Goel RN, Bokare AM, Dandekar MP, Koul S, Desai S, Tota S, Singh N et al., (2020). LL-00066471, a novel positive allosteric modulator of $\alpha 7$ nicotinic acetylcholine receptor ameliorates cognitive and sensorimotor gating deficits in animal models: Discovery and preclinical characterization. *European Journal of Pharmacology* 891, 173685
4. Nikhil Baliram Gaikwad.; Krishna Nirmale.; Santosh Kumar Sahoo.; Mohammad Naiyaz Ahmad.; Grace Kaul.; Manjulika Shukla.; Srinivas Nanduri.; Arunava Das Gupta.; Sidharth Chopra.; Yaddanapudi Venkata Madhavi. Design, synthesis, in silico, and in vitro evaluation of 3-phenylpyrazole acetamide derivatives as antimycobacterial agents. *Arch Pharm DphG*, 2021, 354, 2000349
5. Malasala, S.; Ahmad, N.; Gour, J.; Shukla, M.; Kaul, G.; Akhir, A.; Gatadi, S.; Madhavi, Y. V.; Chopra, S.; Nanduri, S. Synthesis, Biological Evaluation and Molecular Modelling Insights of 2-Arylquinazoline Benzamide Derivatives as Anti-Tubercular Agents. *Journal of Molecular Structure* 2020, 1218, 128493
6. Malasala, S.; Gour, J.; Ahmad, N.; Gatadi, S.; Shukla, M.; Kaul, G.; Dasgupta, A.; Madhavi, Y. V.; Chopra, S.; Nanduri, S. Copper Mediated One-Pot Synthesis of Quinazolinones and Exploration of Piperazine Linked Quinazoline Derivatives as Anti-Mycobacterial Agents. *RSC Advances* 2020, 10 (71), 43533–43538
7. Rana, P.; Ghouse, M.; Akunuri, R.; Madhavi, Y. V.; Chopra, S.; Nanduri, S. FabI (Enoyl Acyl Carrier Protein Reductase) - A Potential Broad Spectrum Therapeutic Target and Its Inhibitors. *European Journal of Medicinal Chemistry* 2020, 208, 112757
8. Malasala, S.; Ahmad, N.; Akunuri, R.; Shukla, M.; Kaul, G.; Dasgupta, A.; Madhavi, Y. V.; Chopra, S.; Nanduri, S. Synthesis and Evaluation of New Quinazoline-Benzimidazole Hybrids as Potent Anti-Microbial Agents against Multidrug-Resistant *Staphylococcus Aureus* and *Mycobacterium Tuberculosis*. *European Journal of Medicinal Chemistry* 2020, 212, 112996–112996
9. Shankaraiah, N.; Sakla, A. P.; Laxmikeshav, K.; Tokala, R. Reliability of Click Chemistry on Drug Discovery: A Personal Account. *Chem. Record* 2020, 20, 253-272
10. Saiprasad N. Nunewar, Naveen Kotla, Jaya Lakshmi Uppu, Apoorva Dixit, Venkatesh Pooladanda, Chandraiah Godugu, Neelima D. Tangellamudi, Synthesis of 1-(Indol-2-yl)-phenoxazine hybrids from quinacetophenone precursors and their biological evaluation as DNA intercalating agent, *J. Mol. Struct.*, 2020, 128311
11. Godugu C, Pasari LP, Khurana A, Anchi P, Saifi MA, Bansod SP, et al. (2020). Crocin, an active constituent of *Crocus sativus* ameliorates cerulein-induced pancreatic inflammation and oxidative stress. *Phytotherapy Research: PTR*34(4): 825-835
12. Pradip Thakor, Neelesh Kumar Mehra. Role of Topical Nanoparticles in vaginal drug delivery: an update. *ISSRF Newsletter*. 2020: 26: ISSN 2395-2806
13. Raju Saka, Harsha Jain, NagavendraKommineni, Naveen Chella, Wahid Khan. Enhanced penetration and improved therapeutic efficacy of bexarotene via topical liposomal gel in imiquimod induced psoriatic plaque model in BALB/c mice. *J. DRUG DELIV. SCI. TEC.* 2020, 58, 101691

14. Pankaj Kumar Singh, BapiGorain, Hira Choudhury, Sachin Kumar Singh, Pankaj Whadwa, Shilpa, Sanjeev Sahu, Monica Gulati, Prashant Keshrwani. Macrophage targeted amphotericin B nano delivery systems against visceral leishmaniasis. *Mater Sci Eng B*. 2020, 258, 114571
15. Mani, G. S.; Anchi, P.; Sunkari, S.; Donthiboina, K.; Godugu, C.; Shankaraiah, N.; Kamal, A. Synthesis of (Z)-3-(arylamino)-1-(3-phenylimidazo[1,5-a]pyridin-1-yl)prop-2-en-1-ones as potential cytotoxic agents; *Bioorg. Med. Chem. Lett.*, 2020, 30, 127432
16. Laxmikeshav, K.; Sakla, A. P. Rasane, S.; John, S. E.; Shankaraiah, N. Microwave-assisted Regioselective Friedel-Crafts Arylation by BF₃.OEt₂: A Facile Synthetic access to 3-Substituted-3-Propargyl Oxindole Scaffolds; *ChemistrySelect* 2020, 5, 7004–7012
17. Sana, S.; Reddy, V. G.; Bhandari, S.; Reddy, T. S.; Tokala, R.; Sakla, A. P.; Bhargava, S. K.; Shankaraiah, N. Exploration of Carbamide Derived Pyrimidine-Thioindole Conjugates as Potential VEGFR-2 Inhibitors with Anti-Angiogenesis Effect; *Eur. J. Med. Chem.* 2020, 200, 112457
18. Bhandari, S.; Kulkarni, N.; Sakla, A. P.; Shankaraiah, N. Lewis acid-catalyzed dehydrative [3+2] cycloaddition reaction: A facile synthetic approach to spiro-benzoindoline oxindoles; *Tetrahedron Lett.*, 2020, 61, 152007
19. Dilep, K. S.; Raghu, R.; Neelima. D. T. Novel huperzine A based NMDA antagonists: insights from molecular docking, ADME/T, and molecular dynamics simulation studies. *RSC Adv.*, 2020, 10, 25446-25455
20. Dilep, K. S.; Venkatesh, P.; Manasa, K.; Sravanthi, D. G.; Jaya Lakshmi, U.; Chandraiah, G.; Nagendra, B. B.; Neelima, D. T. Novel chromenyl-based 2-iminothiazolidin-4-one derivatives as tubulin polymerization inhibitors: Design, synthesis, biological evaluation, and molecular modelling studies. *J. Mol. Struct.*, 2020, 128847
21. Nerella, S. G.; Venkatesh, P.; Muni. K. C.; Lakshmi. S. P. S.; Ravi, A.; Pardeep, K.; Chandana, N.; Rose. D. B.; Insaf, A. Q.; Chandraiah, G.; Mallika, A. Novel benzimidazole-triazole hybrids as apoptosis inducing agents in lung cancer: Design, synthesis, 18F-radiolabeling & galectin-1 inhibition studies. *Bioorg. Chem.*, 2020, 102, 104125
22. Manasa, K. L.; Sowjanya, T.; Dilep, K. S.; Arpita, S.; Gaddam, K.; Arunasree, M. K.; Mallika, A.; Chandraiah, G.; Narayana, N.; Bathini, N. B. Design, and Synthesis of β -carboline linked aryl sulfonyl piperazine derivatives: DNA topoisomerase II inhibition with DNA binding and apoptosis inducing ability. *Bioorg. Chem.*, 2020, 101, 103983
23. Priti, S.; Bajjayantimala, S.; Pavitra, S. T.; Dilep, K. S.; Purnachander, Y. P.; Andrea, A.; Claudiu, T. S.; Mohammed, A. Synthesis and carbonic anhydrase inhibition studies of sulfonamide based indole-1,2,3-triazole chalcone hybrids. *Bioorg. Chem.*, 2020, 99, 103839
24. Pavitra, S. T.; Andrea, A.; Omkar, S. A.; Prerna, L. T.; Mohammed, A.; Claudiu, T. S. Design, synthesis and biological evaluation of coumarin linked 1,2,4-oxadiazoles as selective carbonic anhydrase IX and XII inhibitors. *Bioorg. Chem.*, 2020, 98, 103739
25. Bajjayantimala, S.; Andrea, A.; Priti, S.; Claudiu, T. S.; Mohammed, A. New coumarin/sulfocoumarin linked phenylacrylamides as selective transmembrane carbonic anhydrase inhibitors: Synthesis and in-vitro biological evaluation. *Bioorg. Chem.*, 2020, 28, 115586
26. Krishna, K. C.; Andrea, A.; Pavitra, S. T.; Laxman, N. K.; Rashmita, B.; Mohammed, A.; Claudiu, T. S. Design, Synthesis, and Biological Evaluation of 1,2,3-Triazole-Linked Triazino[5,6-B] Indole-Benzene SulfonamideConjugates as Potent Carbonic Anhydrase I, II, IX, and XIII Inhibitors. *Metabolites*, 2020, 10, 200
27. Pradip Thakor, Valamla Bhavna, Reena Sharma, Saurabh Srivastava, Shashi Bala Singh, Neelesh Kumar Mehra. Polymer-drug conjugates: recent advances and future perspectives. *Drug Discovery Today* 2020, 25, 1718-1726

28. Harsha Jain, Arpita Bairagi, Saurabh Srivastava, Shashi Bala Singh, Neelesh Kumar Mehra. Recent advances in the development of microparticles for pulmonary administration. *Drug Discovery Today*. 2020, 25, 1865-1872
29. Pratheeksha KR, Kuldeep Bansal, Pradip Thakor, Valamla Bhavan, Jitender Madan, Jessica M. Rosenholm, Neelesh Kumar Mehra. Evolution of nanotechnology in delivering drugs to eyes, skin, and wounds via topical route. *Pharmaceuticals* 2020, 13, 167
30. Lakshmi B, Kritika Aggarwal (2020), Impact Of Parent Brand On Brand Extension By Firm, *European Journal Of Biomedical And Pharmaceutical Sciences (EJBPS)*, ISSN 2349-8870 Volume: 7 Issue 8
31. Lakshmi B, Sravani N. (2020). Sports medicine market – growth factors and forecasts. *World Journal of Advanced Research and Reviews*, 7(1), 117-128
32. Kalvala AK, Yerra VG, Sherkhane B, Gundu C, Arruri V, Kumar R, et al. Chronic hyperglycemia impairs mitochondrial unfolded protein response and precipitates proteotoxicity in experimental diabetic neuropathy: focus on Lonp1 mediated mitochondrial regulation. *Pharmacological Reports*. 2020, 72, 1627-1644
33. Kalvala AK, Kumar R, Sherkhane B, Gundu C, Arruri VK, Kumar A. Bardoxolone Methyl Ameliorates Hyperglycemia Induced Mitochondrial Dysfunction by Activating the keap1-Nrf2-ARE Pathway in Experimental Diabetic Neuropathy. *Mol. Neurobiol*. 2020:1-16
34. Bheerreddy P, Yerra VG, Kalvala AK, Sherkhane B, Kumar A. SIRT1 Activation by Polydatin Alleviates Oxidative Damage and Elevates Mitochondrial Biogenesis in Experimental Diabetic Neuropathy. *Cellular and Molecular Neurobiology*, 2020doi: 10.1007/s10571-020-00923-1
35. Kiran Jyoti , Garima Malik, Monika Chaudhary, Monika Sharma, Manish Goswami, Om Prakash Katare, Shashi Bala Singh, Jitender Madan. Chitosan and phospholipid assisted topical fusidic acid drug delivery in burn wound: Strategies to conquer pharmaceutical and clinical challenges, opportunities, and future panorama. *Int J BiolMacromol*. 2020; 161:325-335
36. Diksha Gupta, Aishwarya Gangwar, Kiran Jyoti, Vaskuri G S Sainaga Jyothi, Rupinder Kaur Sodhi, Neelesh Kumar Mehra, Shashi Bala Singh, Jitender Madan. Self-healing hydrogels: A new paradigm immunoadjuvant for delivering peptide vaccine. *Colloids Surf B Biointerfaces*. 2020; 194:111171
37. Simerjeet Kaur Chahal, Rupinder Kaur Sodhi, Jitender Madan. Duloxetine hydrochloride-loaded film-forming dermal gel enriched with methylcobalamin and geranium oil attenuates paclitaxel-induced peripheral neuropathy in rats. *IBRO Rep*. 2020; 9:85-95
38. Madhu Ganesh, Jayashree R, Synthetic Organic Transformations of Transition Metal Nanoparticles as Propitious Catalysts: A Thumbnail, *Asian Journal of Organic Chemistry*, 2020, 9, 1341-1376
39. AkhilaMettu, VenuTalla, Subhashini James PrameelaNaikal. Novel anticancer Hsp90 inhibitor disubstituted pyrazolyl 2-aminopyrimidine compound 7t induces cell cycle arrest and apoptosis via mitochondrial pathway in MCF-7 cells, *Bioorganic & Medicinal Chemistry Letters*, 2020, 30, 127470
40. Chauhan N R, Kumar R, Gupta A, Meena RC, Nanda S, Mishra KP, Singh SB, Heat Stress-induced oxidative damage and perturbation in BDNF/ERK1/2/CREB axis in hippocampus impairs spatial memory. *Behav Brain Res*. 2020, 396, 112895
41. Valamla Bhavana, Pradip Thakor, Shashi Bala Singh, Neelesh Kumar Mehra. COVID-19: Pathophysiology, treatment options, nanotechnology approaches, and research agenda to combating the SARS-CoV2 pandemic. *Life Sciences*. 2020, 261, 118336
42. Suranjana Sen, Tammanna R Sahrawat, Shashi Bala Singh, Bhuvnesh Kumar, Madhusudan Pal. Determination of most important predictor of Vertical Ground Reaction Force (VGRF) and the threshold value of fracture among young adults. *Ameen J.Med.Sci*. 2020, 13 (03),162-171
43. Priya Gaur, Supriya Saini, Koushik Ray, Kushubakova Nadira Asanbekovna, Almaz Akunov, Abdirashit Maripov, Akpay Sarybaev, Shashi Bala Singh, Bhuvnesh Kumar, Praveen Vats. Temporal transcriptome analysis suggest modulation of multiple pathways and gene network involved in cell-cell interaction during the early phase of high altitude exposure. *Plos One*, 2020, 1-26

44. Base-mediated 1,3-dipolar cycloaddition of pyridinium bromides with bromoallyl sulfones: a facile access to indolizine scaffolds; Jadala, C.; Reddy, V. G.; Krishna, N. H.; Shankaraiah, N.; Kamal, A. *Org. Biomol. Chem.*, 2020, 18, 8694-8701
45. Syntheses and reactivity of spiro-epoxy/aziridine oxindole cores: developments in the past decade; Sakla, A. P.; Kansal, P.; Shankaraiah, N. *Org. Biomol. Chem.*, 2020, 18, 8572–8596
46. Design and synthesis of thiadiazolo-carboxamide bridged β -carboline-indole hybrids: DNA intercalative topo-II α inhibition with promising antiproliferative activity; Tokala, R.; Sana, S.; Lakshmia, U. J.; Sankarana, P.; Sigalapalli, D. K.; Gadewal, N.; Kode, J.; Shankaraiah, N. *Bioorg. Chem.* 2020, 105, 104357
47. An Insight into Medicinal Attributes of Dithiocarbamates: Bird's Eye View; Shinde, S. D.; Sakla, A. P. Shankaraiah, N. *Bioorg. Chem.* 2020, 105, 104346
48. Synthesis and biological evaluation of substituted N-(2-(1H-benzo[d]imidazol-2-yl)phenyl)cinnamides as tubulin polymerization inhibitors; Donthiboina, K.; Anchi, P.; Gurram, S.; Mani, G. S.; Uppu, J. L.; Godugu, C.; Shankaraiah, N.; Kamal, A. *Bioorg. Chem.* 2020, 103, 104191
49. Kumar M, Madan J, Sodhi RK, Singh SB, Katyal A. Decoding the silent walk of COVID-19: Halting its spread using old bullets. *Biomed Pharmacother.* 2021, 133:110891
50. Jyoti K, Katare OP, Kamboj A, Madan J. Protamine sulphate coated poly (lactide-co-glycolide) nanoparticles of MUC-1 peptide improved cellular uptake and cytokine release in mouse antigen-presenting cells. *J Microencapsul.* 2020; 37(8):566-576
51. Sethi S, Choudhary S, Sharma D, Jyothi VGS, Baldi A, Mehra NK, Madan J. Armamentarium of anticancer analogues of curcumin: Portray of structural insight, bioavailability, drug-target interaction, and therapeutic efficacy. *J. Molecular Structure.* 2020; 129691
52. Sondhi S, Kaur R, Madan J. Purification and characterization of a novel white highly thermo stable laccase from a novel *Bacillus* sp. MSK-01 having the potential to be used as anticancer agent. *Int J BiolMacromol.* 2020; 170:232-238
53. Rao Gajula SN, Reddy GN, Reddy DS, Sonti R. Pharmacokinetic drug-drug interactions: an insight into recent US FDA-approved drugs for prostate cancer. *Bioanalysis.* 2020, 12, 1647
54. Devendrasingh Tomar, Pankaj K. Singh, Sajidul Hoque, Sheela Modani, Anitha Sriram, Rahul Kumar, Jitender Madan, Dharmendra Khatri & Kamal Dua, "Amorphous systems for delivery of nutraceuticals: challenges opportunities" in *Critical Reviews in Food Science and Nutrition.* 2020, 1-18
55. Dharmendra Kumar Khatri, Mamta Choudhary, Anika Sood, Shashi Bala Singh. "Anxiety: An ignored aspect of Parkinson's disease lacking attention" in *Biomedicine & Pharmacotherapy* 131 (2020) 110776
56. Malasala, S.; Gour, J.; Ahmad, M. N.; Gatadi, S.; Shukla, M.; Kaul, G.; Madhavi, Y. V.; Dasgupta, A.; Chopra, S.; Nanduri, S. Copper mediated one-pot synthesis of quinazolinones and exploration of piperazine linked quinazoline derivatives as anti-mycobacterial agents *RSC Advances* 2020,10, 43533-43538
57. Gatadi, S.; Madhavi, Y. V.; Nanduri, S. Nanoparticle drug conjugates treating microbial and viral infections: A mini-review. *Journal of Molecular Structure* 2020, 129750
58. Gurmandeep Kaur, Sachin Kumar Singh Rajesh Kumar Bimlesh Kumar, Yogita Kumari, Monica Gulati, Narendra Kumar Pandey, K. Gowthamarajan, Dipanjoy Ghosh, A. Clarisse, Sheetu Wadhwa, Meenu Mehta, Saurabh Satija, Kamal Dua, Harish Dureja, Saurabh Gupta, Pankaj Kumar Singh, Bhupinder Kapoor, Nitin Chitranshi, Ankit Kumar, OmjiPorwal. Development of modified apple polysaccharide capped silver nanoparticles loaded with mesalamine for effective treatment of ulcerative colitis, *Journal of Drug Delivery Science and Technology*, 2020, 101980
59. HemalathaBukya, KiranmaiNayani, PavankumarGangireddy, Prathama S. Mainkar. Benzoisothiazolone (BIT): A Fast, Efficient and Recyclable Redox Reagent for Solid Phase Peptide Synthesis, *Eur. J. Org. Chem.* 2020, 5358-5362
60. Saurabh Shah, Shweta Nene, NagarjunRangaraj, Rajeev Singh Raghuvanshi, Shashi Bala Singh, and Saurabh Srivastava. Bridging the Gap: Academia, Industry and FDA Convergence for Nanomaterials, Drug Development and Industrial Pharmacy 2020, 46, 1735-1746

61. Pooladanda V, Thatikonda S, Godugu C (2020). The current understanding and potential therapeutic options to combat COVID-19. *Life Sciences* 254: 117765
62. Chilvery S, Bansod S, Saifi MA, Godugu C. Piperlongumine attenuates bile duct ligation-induced liver fibrosis in mice via inhibition of TGF- β 1/Smad and EMT pathways. *International Immunopharmacology* 2020, 88: 106909
63. Bansod S, Doijad N, Godugu C. Berberine attenuates the severity of chronic pancreatitis and fibrosis via AMPK-mediated inhibition of TGF- β 1/Smad signaling and M2 polarization. *Toxicology and Applied Pharmacology* 2020, 403: 115162
64. Manasa KL, Thatikonda S, Sigalapalli DK, Sagar A, Kiranmai G, Kalle AM, Alvala M, Godugu C, Narayana N, Babu BN. Design and Synthesis of β -carboline linked aryl sulfonyl piperazine derivatives: DNA topoisomerase II inhibition with DNA binding and apoptosis-inducing ability. *Bioorganic Chemistry* 2020, 101: 103983
65. Goud NS, Pooladanda V, Chandra KM, Souky PL, Alvala R, Kumar P, Chandana N, Bharath RS, Qureshi IA, Godugu C, Alvala M. Novel benzimidazole-triazole hybrids as apoptosis inducing agents in lung cancer: Design, synthesis, ¹⁸F-radiolabeling & galectin-1 inhibition studies. *Bioorganic Chemistry* 2020 102: 104125
66. Gera S, Pooladanda V, Godugu C, Swamy Challa V, Wankar J, Dodoala S, Sampathi S. Rutin nanosuspension for potential management of osteoporosis: effect of particle size reduction on oral bioavailability, in vitro and in vivo activity. *Pharmaceutical Development and Technology* 2020, 25(8): 971-988
67. Sravani S, Saifi MA, Godugu C. Riociguat ameliorates kidney injury and fibrosis in an animal model. *Biochemical and Biophysical Research Communications* 2020, 530(4): 706-712
68. Bireddy SR, Konkala VS, Godugu C, Dubey PK. A Review on the Synthesis and Biological Studies of 2, 4-Thiazolidinedione Derivatives. *Mini-Reviews in Organic Chemistry* 2020, 17(8): 958-974
69. Santosh Kumar Sahoo, Bandela Rani, Nikhil Baliram Gaikwad, Mohammad Naiyaz Ahmad, Grace Kaul, Manjulika Shukla, Srinivas Nanduri, Arunava Dasgupta, Sidharth Chopra and Venkata Madhavi Yaddanapudi, Synthesis and structure activity relationship of new chalcone linked 5-phenyl-3-isoxazolecarboxylic acid methyl ester potentially active against drug resistant Mycobacterium tuberculosis. *European Journal of Medicinal Chemistry* 2021, 222, 113580
70. Malasala, S.; Polomoni, A.; Ahmad, N.; Shukla, M.; Kaul, G.; Dasgupta, A.; Chopra, S.; Nanduri, S. Structure Based Design, Synthesis and Evaluation of New Thienopyrimidine Derivatives as Anti-Bacterial Agents. *Journal of Molecular Structure* 2021, 1234, 130168
71. Akunuri, R.; Vadakattu, M.; Bujji, S.; Veerareddy, V.; Madhavi, Y. V.; Nanduri, S. Fused-Azepinones: Emerging Scaffolds of Medicinal Importance. *European Journal of Medicinal Chemistry* 2021, 220, 113445
72. Malasala, S.; Polomoni, A.; Chelli, S. M.; Kar, S.; Madhavi, Y. V.; Nanduri, S. A Microwave-Assisted Copper-Mediated Tandem Approach for Fused Quinazoline Derivatives. *Organic & Biomolecular Chemistry* 2021, 19 (8), 1854–1859
73. Gatadi, S.; Madhavi, Y. V.; Nanduri, S. Nanoparticle Drug Conjugates Treating Microbial and Viral Infections: A Review. *Journal of Molecular Structure* 2021, 1228, 129750
74. Cherix A, Sonti R, Lanz B, Lei H. In Vivo Metabolism of [1,6-¹³C₂] Glucose Reveals Distinct Neuroenergetic Functionality between Mouse Hippocampus and Hypothalamus Metabolites. 2021; 11, 50
75. Priyanka N. Makhal, Arijit Nandi, Venkata Rao Kaki. Insights into the recent synthetic advances of organoselenium compounds. *ChemistrySelect*, 2021, 6, 663-679
76. Nikhil Baliram Gaikwad.; Pathan Afroz.; Mohammad Naiyaz Ahmad.; Grace Kaul.; Manjulika Shukla.; Srinivas Nanduri.; Arunava Dasgupta.; Sidharth Chopra.; Venkata Madhavi Yaddanapudi. Design, synthesis, in vitro and in silico evaluation of new 3-phenyl-4,5-dihydroisoxazole-5-carboxamides active against drug-resistant mycobacterium tuberculosis; *Journal of Molecular Structure*, 2021, 1227, 129545
77. Baijayantimala Swain.; Kamtam Aashrita.; Priti Singh.; Andrea Angeli.; Abhay Kothari.; Dilep K. Sigalepalli.; Venkata M. Yaddanapudi.; Claudia T. Supuran.; Mohammad Arifuddin. Design and Synthesis

- of benzenesulfonamide-linked imido[2,1-b][1,3,4]thiadiazole derivatives as carbonic anhydrase I and II inhibitors. *Arch Pharm DphG*, 2021 <https://doi.org/10.1002/ardp.202100028>
78. Rahman Z, Dandekar MP. Crosstalk between gut microbiome and immunology in the management of ischemic brain injury. *Journal of Neuroimmunology* 2021, 353, 577498
 79. Rahman Z, Bazaz MR, Pasam T, Kumar M, Dandekar MP (2021). Importance of biological clock epigenetics in the manifestation of polycystic ovary syndrome. *Biological Sciences*, 2021 (01), 67-81
 80. Pooja Reddy M, Priyanka Makhal, Venkata Rao Kaki. Potential herbal drugs and phytochemicals to minimize the risk of COVID-19: A review. *J. Pharmcogn. Phytochem.* 2021, 10, 670-675
 81. The role of sulphonamides and N-sulphonyl ketimines/aldimines as directing groups in the field of C-H activation; Bora, D.; Galla, M. S.; Shankaraiah, N. *Chem. An Asian J.* 2021, in press
 82. β -Carboline Based Molecular Hybrids as Anticancer Agents: A Brief Sketch; Soni, J. P.; Yeole. Y.; Shankaraiah. *N. RSC Med. Chem.* 2021, 12, 730-750
 83. Application of transition metal-catalyzed C-H activation strategies in the synthesis and functionalization of β -carbolines; Riyazahmed, K. S.; Bora, D.; Shankaraiah, N. *Asian J. Org. Chem.*, 2021, 10, 1050–1066
 84. Cyclodesulfurization: An Enabling Protocol for Synthesis of Various Heterocycles; Kadagathur, M.; Shaikh, A. S.; Jadhav, G.; Sigalapalli, D. K.; Shankaraiah, N.; Tangellamudi, N.D. *ChemistrySelect* 2021, 6, 2621-2640
 85. Synthesis and in vitro Cytotoxicity Evaluation of Phenanthrene Linked 2, 4-Thiazolidinediones as Potential Anticancer Agents; Yadav, U.; Vanjari, Y.; Laxmikeshav, K.; Tokala, R.; Niggula, P. K.; Kumar, M.; Talla, V.; Kamal, A.; Shankaraiah, N. *Anti-cancer Agents in Med. Chem.*, 2021, 21, 1127–1140
 86. The Riveting Chemistry of Poly-Aza-Heterocycles Employing Microwave Technique: A Decade Review; Soni, J. P.; Joshi, S. V.; Chemitikanti, K. S.; Shankaraiah, N. *Eur. J. Org. Chem.*, 2021, 1476-1490
 87. Structural Insights of Oxindole based Kinase Inhibitors as Anticancer Agents: Recent Advances; Dhokne, P.; Sakla, A. P.; Shankaraiah. *N. Eur. J. Med. Chem.* 2021, 216, 113334
 88. Cinnamide Derived Pyrimidine-Benzimidazole Hybrids as Tubulin Inhibitors: Synthesis, In silico and Cell Growth Inhibition Studies; Sana, S.; Reddy, V. G.; Reddy, T. S.; Tokala, R.; Bhargava, S. K.; Shankaraiah, N. *Bioorg. Chem.* 2021, 110, 104765
 89. Anticancer potential of spirocompounds in medicinal chemistry: A pentennial expedition; Bora, D.; Kushal, A. Shankaraiah, N. *Eur. J. Med. Chem.* 2021, 215, 113263
 90. Synthesis and medicinal chemistry of azepinoindolones: A look back to leap forward; Kadagathur, M.; Patra, S.; Sigalapalli, D. K.; Shankaraiah, N.; Tangellamudi, N. *D. Org. Biomol. Chem.*, 2021, 19, 738–764
 91. Syntheses and applications of spirocyclopropyl oxindoles: A decade review; Sakla, A. P.; Kansal, P.; Shankaraiah, N. *Eur. J. Org. Chem.*, 2021, 757-772
 92. Development of β -Carboline-Benzothiazole Congeners via Carboxamide Formation as Cytotoxic Agents: Intercalative Topoisomerase II α Inhibition and Apoptosis Induction; Tokala, R.; Mahajan, S.; Kiranmai, G.; Sigalapalli, D. K.; Sana, S.; StephyElza John, Narayana Nagesh Shankaraiah, N.; *Bioorg. Chem.*, 2021, 106, 104481
 93. Nunewar, S.; Kumar, S.; Talakola, S.; Nanduri, S.; Kanchupalli, V. Co(III), Rh(III) & Ir(III)-Catalyzed Direct C–H Alkylation/ Alkenylation/ Arylation with carbene precursors; *Chem Asian J.* 2021, 16, 443-459
 94. Kumar, S.; Nunewar, S.; Oluguttula, S.; Nanduri, S.; Kanchupalli, V. Recent advances in Rh(III)/Ir(III)-catalyzed C-H functionalization/annulation via carbene migratory insertion; *Org. Biomol. Chem.*, 2021, 19, 1438-1458
 95. Khatri DK, Kadbhane A, Patel M, Nene S, Atmakuri S, Srivastava S, Singh SB. Gauging the role and impact of drug interactions and repurposing in neurodegenerative disorders. *Current Research in Pharmacology and Drug Discovery.* 2021, 2, 100022
 96. Nellaiappan K, Kumari P, Khatri DK, Singh SB. Diabetic Complications: An Update on Pathobiology and Therapeutic Strategies. *Current Diabetes Reviews.* 2021 8.

97. Arruri VK, Gundu C, Khan I, Khatri DK, Singh SB. PARP overactivation in neurological disorders. *Molecular Biology Reports*. 2021, 25:1-9
98. Sheela Modani, Devendra Tomar, Suma Tangirala, Anitha Sriram, Neelesh Mehra, Rahul Kumar, Dharmendra Khatri, Pankaj Kumar Singh. An updated review on exosomes: Biosynthesis to clinical applications. *Journal of Drug Targeting*. 2021, 1-6
99. Arruri VK, Gundu C, Kalvala AK, Sherkhane B, Khatri DK, Singh SB. Carvacrol abates NLRP3 inflammasome activation by augmenting Keap1/Nrf-2/p62 directed autophagy and mitochondrial quality control in neuropathic pain. *Nutritional Neuroscience*. 2021 2, 1-6
100. Sharma N, Modak C, Singh PK, Kumar R, Khatri D, Singh SB. Underscoring the immense potential of chitosan in fighting a broad spectrum of viruses: A plausible molecule against SARS-CoV-2?. *International Journal of Biological Macromolecules* 2021,179, 33-44
101. Vivek Dhiman, Ankit Balhara, Saranjit Singh, Shristy Tiwari, SamanthulaGananadhamu, MVN Kumar Talluri, Characterization of stress degradation products of nintedanib by UPLC, UHPLC-Q-TOF/MS/MS and NMR: Evidence of a degradation product with a structure alert for mutagenicity, *Journal of Pharmaceutical and Biomedical Analysis*, 2021, 199, 114037
102. Singh S, Sharma N, Bansal A, Kanojia N, Sethi S, Madan J, Sodhi RK. Apoptosis modulating nanochemotherapeutics in the treatment of cancer: Recent progress and advances. *Clinical Perspectives and Targeted Therapies in Apoptosis*, 2021, 153-207
103. Sodhi RK, Grewal AK, Madan J, Jhaji TGS, Kumar R. Recent approaches to target apoptosis in neurological disorders. *Clinical Perspectives and Targeted Therapies in Apoptosis*, 2021; 217-283. Elsevier.
104. Chahal SK, Sodhi RK, Madan J, Singh Y. Diabetic neuropathy: Pathophysiology and therapeutic options. In: *Diabetes and Diabetic Complications*. Nova Science Publishers, Inc. 2021; 99-122.
105. Bajwa N, Singh PA, Sainaga Jyothi VGS, Sodhi RK, Baldi A, Sardana S, Chandra R, Madan J. Chronicle of Nanomicelles in Drug Delivery: From Bench to Bedside. *Nanomaterials: Evolution and Advancement (Part 1)*, 2021, 161-210.
106. Hirawat R, Saifi MA, Godugu C. Targeting inflammatory cytokine storm to fight against COVID-19 associated severe complications. *Life Sciences* 2021, 267: 118923.
107. Pooladanda V, Thatikonda S, Sunnapu O, Tiwary S, Vemula PK, Talluri MK, Godugu C. iRGD conjugated nimbolide liposomes protect against endotoxin induced acute respiratory distress syndrome. *Nanomedicine: Nanotechnology*, 2021, *Biology and Medicine* 33: 102351
108. Bansod S, Chilvery S, Saifi MA, Das TJ, Tag H, Godugu C. Borneol protects against cerulein-induced oxidative stress and inflammation in acute pancreatitis mice model. *Environmental Toxicology* 2021, 36(4): 530-539
109. Rahman Z, Bazaz MR, Devabattula G, Khan MA, Godugu C. Targeting H3K9 methyltransferase G9a and its related molecule GLP as a potential therapeutic strategy for cancer. *Journal of Biochemical and Molecular Toxicology* 2021, 35(3): e22674
110. Anchi P, Swamy V, Godugu C. Nimbolide exerts protective effects in complete Freund's adjuvant induced inflammatory arthritis via abrogation of STAT-3/NF- κ B/Notch-1 signaling. 2021, *Life Sciences* 266: 118911
111. Saifi MA, Poduri R, Godugu C. Nanomedicine: implications of nanotoxicology. *Drug Discovery and Development: From Targets and Molecules to Medicines* 2021, 393-415
112. Gangadevi V, Thatikonda S, Pooladanda V, Devabattula G, Godugu C. Selenium nanoparticles produce a beneficial effect in psoriasis by reducing epidermal hyperproliferation and inflammation. *Journal of Nanobiotechnology* 2021, 19(1): 1-19
113. Pooladanda V, Thatikonda S, Muvvala SP, Devabattula G, Godugu C. BRD4 targeting nanotherapy prevents lipopolysaccharide induced acute respiratory distress syndrome. *International Journal of Pharmaceutics* 2021, 601, 120536
114. Ali SA, Saifi MA, Pulivendala G, Godugu C, Talla V. Ferulic acid ameliorates the progression of pulmonary fibrosis via inhibition of TGF- β /smad signalling. *Food and Chemical Toxicology* 2021, 149, 111980

115. Saifi MA, Annaldas S, Godugu C. A direct thrombin inhibitor, dabigatran etexilate protects from renal fibrosis by inhibiting protease activated receptor-1. *European Journal of Pharmacology* 2021, 893, 173838
116. Sigalapalli DK, Pooladanda V, Kadagathur M, Guggilapu SD, Uppu JL, Godugu C, Bathini NB, Tangellamudi ND. Novel chromenyl-based 2-iminothiazolidin-4-one derivatives as tubulin polymerization inhibitors: Design, synthesis, biological evaluation, and molecular modelling studies. *Journal of Molecular Structure* 2021, 1225, 128847
117. Bansod S, Godugu C. Nimbolide ameliorates pancreatic inflammation and apoptosis by modulating NF- κ B/SIRT1 and apoptosis signaling in acute pancreatitis model. *International Immunopharmacology* 2021, 90, 107246
118. Identification and Evaluation of Apoptosis-Inducing Activity of Ipomone from *Ipomoea nil*: A Novel, Unusual Bicyclo- [3.2.1] Octanone Containing Gibberic Acid Diterpenoid Bharat Goel; Essha Chatterjee; Biswajit Dey; Nancy Tripathi; Nivedita Bhardwaj; Arun Khattri; Santosh Kumar Guru; Shreyans K. Jain. *ACS Omega* 2021, 6, 8253–8260
119. Targeting eosinophils in respiratory diseases: Biological axis, emerging therapeutics and treatment modalities. Li-Yen Lee, Geena Suet Yin Hew, Meenu Mehta, Shakti D. Shukla, Saurabh Satija, Navneet Khurana, Krishnan Anand, Harish Dureja, Sachin Kumar Singh, Vijay Mishra, Pankaj Kumar Singh, Monica Gulati, Parteek Prasher, Alaa A.A. Aljabali, Murtaza M. Tambuwala, Lakshmi Thangavelu, Jithendra Panneerselvam, Gaurav Gupta, Flavia C. Zacconi, Madhur Shastri, Niraj Kumar Jha, Dikaia Xenaki, Ronan MacLoughlin, Brian G. Oliver, Dinesh Kumar Chellappan, Kamal Dua. *Life Sci.*, 2021, 267, 118973
120. Saurabh Shah, Nagarjun Rangaraj, Shashi Bala Singh and Saurabh Srivastava, Exploring the Unexplored Avenues of Surface charge in Nano-medicine. *Colloids and Interface Science Communications*, 2021, 42, 100406
121. Aditi Bhat, Harshita Dalvi, Harsha Jain, Nagarjun Rangaraj, Shashi Bala Singh, Saurabh Srivastava; Perspective Insights of Repurposing the Pleiotropic Efficacy of Statins in Neurodegenerative Disorders: An Expository Appraisal; *Current Research in Pharmacology and Drug Discovery*, 2021, 02, 100012.

HONOURS AND AWARDS

Dr. Priyanka Bajaj was selected as a fellow of the prestigious Indian National Young Academy of Science (INSA-INYAS) (2021).

Meritorious Fellowships of students:

The MBA student's Pranali Maske, Haripriya Nair, and Donna Sunny received **Bayer's Meritorious Scholarship**

GRANTS/ PROJECTS SANCTIONED

Name of Investigator	Title of the Project	Funding Agency	Year	Amount Sanctioned in Lakhs
Industry-Sponsored Projects				
Dr. Vasundhra Bhandari	Development of Precision Diabetes tools using omics approach	Spectrum Sequencing System Pvt. Ltd.	2021	107.95
Dr. Manoj Dandekar	To study the effect of selective probiotics with glutamine on depression-like phenotype in Sprague-Dawley rats	Unique Biotech Ltd.	2020	1.5
Dr. Jitendra Madan	Development of andrographolide-cyclodextrin inclusion complex and evaluation of its oral bioavailability, acute, and sub-acute toxicity	Ambe Phytoextracts Pvt. Ltd.	2020	27.50
Dr. Jitendra Madan	Acute oral toxicity, Repeated Dose toxicity, and Antitumor study of Bleomycin sulphate nanofomulaton	Oniosome Healthcare Pvt. Ltd.	2020	5.02
Dr. Dharmendara Khatri	Decarboxylase inhibition potential and Blood-Brain Barrier (BBB) status of plant-based molecules	NBI Biosciences Pvt. Ltd.	2020	6.17
Dr. Dharmendra Khatri	LifeViroTreat in rodent and non-rodent animal model	Lifeactivus	2020	4.18
Government Sponsored Projects				
Dr. Shashi Bala Singh	Effect of type 2 diabetes mellitus on expression of molecular chaperons and protein aggregation in hippocampus of ageing brain	DST	2021	67.52
Dr. Nitin Pal Kalia	Targeting the cytochrome bd oxidase to the development of rational drug combination for tuberculosis	Department of Biotechnology	2021	113.60
Dr.Y.V.Madhavi Dr.Srinivas Nanduri	Development of scalable, safe, and cost-effective process for the API of Umifenovir (Arbidol), a promising repurposed drug for COVID-19 in India	NRDC	2021	10
Dr. Neelesh Kumar Mehra & Dr. Chandraiah Godugu	Formulation, Development, Evaluation, and Assessment of Safety and Toxicity of Unani Herbal Toothpaste	CCRUM, M/o AYUSH	2020	4.5

Dr. Chandraiah Godugu	Pre-Clinical evaluation of UNIM-401 & UNI-403 for Psoriasis and UNIM-404 & UNIM-405 for their efficacy against experimentally induced vitiligo in mice	CCRUM, M/o AYUSH	2020	58.17
Dr. Saurabh Srivastava	Development, evaluation, and characterization of hydrophobic nanoparticle impregnated fabrics to be assessed as dress material for the defence	DRL DRDO	2020	9.90
Dr. Srinivas Nanduri	Design, synthesis, and biological evaluation of new GSK3B inhibitors as promising therapeutic agents for treating Traumatic brain injury and consequent neuronal degenerative diseases	ICMR	2020	50
Dr. Manoj Dandekar	Role of age-and-sex-specific gut microbiota in brain injury for microbiome-based therapeutics	DST-SERB	2020	32.69
Dr.Y.V.Madhavi Dr.Srinivas Nanduri	Development of a scalable route for the manufacture of Prussian Blue insoluble Pharmaceutical grade, an FDA approved decorporation drug.	LSRB(DRDO)	2019	49.76

COLLABORATIONS/MoUs/NDA

The Institute has signed the following MoUs during the year 2020-21.

1. MOU with ESIC Medical College Sanathanagar, Hyderabad signed on 29/04/2020 for Collaboration work in Virology, Molecular biology, Pharmacology, and Toxicology, Neuroscience & Bioanalytical Studies.
2. MoU between Lifeactivus, Tenchi KSM, and NIPER Hyderabad were signed on 06/06/2020. The partners will provide an opportunity for carrying out advanced research in areas of pharmaceutical importance.
3. MoU with University of Bialystok, Poland, EU signed on 16/06/2020. The Institutes have agreed to cooperate in exchanging students and/or staff in the context of Erasmus+ Programme.
4. MoU with Phaeno Biotech, Inc, USA, signed on 12/08/2020. The Parties will disclose, share and exchange confidential Information concerning personalised medicine in different therapeutic areas.
5. MoU With NBI Bioscience Private Limited, New Delhi, signed on 19/08/2020. This is concerning research collaboration in the area of mutual research and exchange and training of scientific personnel.
6. MoU with Babasaheb Bhimrao Ambedkar University, Lucknow, India, signed on 20/08/2020. This is done to provide mutual cooperation through- Collaborative research programs in specific fields of interest, Student Training Programs, Faculty Exchange Programs, Sharing of Instrumental Facility, and Submission Joint projects.
7. MoU with Sarvothamcare Limited signed on 07/09/2020. Done to promote collaboration work.
8. MoU with CSIR-IITR signed on 24/09/2020. Done to promote collaboration work.
9. MoU with Momentous Molecules Private Ltd., Banjara Hills, Hyderabad, signed on 01/10/2020.
10. MoU with PS3 Laboratories LLP, Kukatpally, Hyderabad, signed on 01/10/2020.
11. MoU with Innatura Scientific Pvt. Ltd., Uppal, Hyderabad signed on 03/10/2020.
12. MoU with OncoseekBio Pvt. Ltd., Hyderabad, signed on 19/10/2020.
13. MoU with JSS Academy of Higher Education and Research, Mysuru, Karnataka, signed on 07/12/2020.

EVENTS AT NIPER HYDERABAD

8th E-CONVOCATION OF NIPER HYDERABAD

NIPER-Hyderabad conducted its 8th convocation virtually on July 24th, 2020. It was a time of celebration and achievement for graduating the students and the NIPER-Hyderabad fraternity. The chief guest, **Shri. K. T. Rama Rao**, Hon'ble Minister for IT E&C, Municipal Administration & Urban Development, Industries & Commerce, Telangana, and **Shri. K. Satish Reddy**, Chairman; Dr. Reddy's Laboratories, Chairman Board of Governors, NIPER-Hyderabad graced the occasion. **Dr. P. D. Vaghela**, Chairman Apex Council, NIPERs, Secretary, Department of Pharmaceuticals (DoP), Ministry of Chemicals & Fertilizers, Govt. of India and **Shri Rajneesh Tingal**, Joint Secretary, Department of Pharmaceuticals (DoP), Ministry of Chemicals & Fertilizers, Govt. of India attended the convocation online. **Shri. Jayesh Ranjan**, Principal Secretary, Industries & Commerce (I&C) and Information Technology (IT), Govt. of Telangana, also graced the occasion. Several industry representatives, **Directors of all NIPERs**, the students of NIPER-Hyd, family members of graduating students, and alumni have witnessed this event online. **Dr. P. D. Vaghela**, in his address, congratulated all the successful candidates for graduating from one of the finest Institutes in India. He commended Dr. Shashi Bala Singh and Shri K. Satish Reddy for the consistent performance of NIPER Hyderabad in the NIRF ranking. **Shri Rajneesh Tingal**, JS, DoP, spoke on behalf of DoP and NIPER-Hyd. He described the significant progress made by the institute in its brief journey of 13 years and made a mark among the Pharmaceutical Institutes.

Dr. Shashi Bala Singh, Director, NIPER-Hyderabad, welcomed the august gathering to the e-convocation. In her report, Dr. Singh walked through the institute's journey over the last 13 years of its existence. She further mentioned that the institute has established itself as the center of excellence for advanced studies and learning in Pharmaceutical Sciences within a short time. As is the custom, the Director administered the oath to the graduating students. **Shri. K. T. Rama Rao, Hon'ble Minister, and Chief Guest**, presented gold medals and certificates to the toppers and other successful graduates of 2017-19 & 2018-20 batches.

The Chief Guest, **Hon'ble Shri. K. T. Rama Rao**, in his convocation address, said that it is indeed a great privilege and honour to have been invited to address the 8th convocation of NIPER-Hyderabad. At the outset, he congratulated all the students receiving their degrees from this prestigious institution with flying colours. He addressed the students to continue with their hard work, steadfastness to make their life successful. He praised NIPER-Hyderabad's achievement of 5th rank in the recent NIRF ranking 2020. He also congratulated **Shri. K. Satish Reddy**, BoG chairman as a shining example of a successful entrepreneur and an inspiration for the students.

A total of 270 students of M.S. Pharm. (189), MBA Pharm. (57), and Ph.D. (24) of the last two academic years (2017-2019 and 2018-2020) were awarded degrees. From the academic year, 2017-2019; Mone Sayali Pravin, Gaddam Vyshnavi, Harini R, Barua Harsh Deepak, Seerreddy Sravani, Veerareddy Vaishnavi, C Monica and from the academic year 2018-2020; Shinde Sangita Dattatray, Virendra Mamta Choudhary, Iyer Akshaya Sreedharan, Syeda Amtul Ayesha, Pilli Pushpa, Polomoni Anusha, and Devanshi Saini were awarded gold medals for their performance in their respective specializations.

From the current academic year onwards, NIPER-Hyderabad introduced **Director's Gold Medal for all Rounder**. **Mr. Pritish Kansal**, Department of Medicinal Chemistry of 2018-2020 batch, received the Director's Gold Medal for his all-round performance



FOUNDATION DAY CELEBRATIONS

NIPER-Hyderabad celebrated its 14th foundation Day on 10th Nov 2020 in a festive manner. **Shri V. K. Saraswat**, Padma Bhushan, Member, NITI Aayog, Chancellor, JNU & Former DG, DRDO graced the occasion as the Chief guest. **Dr. Renu Swarup**, Secretary, DBT, Chairperson, BIRAC, was the guest of honor and delivered the message *via* an online platform. On this occasion, Institute's Annual Report 2019-20 was released by the Chief Guest. **Dr. Shashi Bala Singh**, Director, NIPER-Hyd, welcomed all the dignitaries and invitees. During her welcome address, she walked through the 13 years' journey of the institute and its achievements.

Her welcome address emphasized the vital role played by the Pharma sector, current growth in R&D, and its translation. She significantly highlighted the importance of NIPERs and other research institutes in the healthcare sector during challenging situations such as COVID-19.

On the occasion of Foundation Day Celebrations, **Shri V. K. Saraswat**, Padma Bhushan, said that it is indeed a great privilege and honour to be invited for the 14th Foundation Day NIPER-Hyderabad.

He expressed that bright pharmaceutical professionals will have a pivotal role in the healthcare industry globally. He highlighted the importance of phytopharmaceutical research in India and stressed using artificial intelligence data

management in various sectors. Towards the end, he visited NIPER-Hyderabad research facilities and opined about the training of students for carrying out experiments.



WORKSHOP ON INTELLECTUAL PROPERTY RIGHTS

NIPER-Hyderabad organized a six-day online IPR workshop from 1st – 6th June 2020. The workshop started on 1st June 2020 with a brief introduction by **Dr. B. Lakshmi**, Assistant Professor, Department of Pharmaceutical Management and Convener of the seminar. **Dr. Shashi Bala Singh**, Director, NIPER-Hyd, mentioned the crucial role of IPR in the current scenario. The inaugural address by **Prof. Javed Iqbal**, Founder and Chairman, Cosmic Discoveries, Hyderabad on “Translating Basic Research to Benefit Society” dwelled deeply on how scientists should focus not only on innovation but also on the societal benefits of the innovations.

The first technical session by **Dr. Goutam Bhattacharya**, Partner & Head, Hyderabad office, K & S Partners on Fundamentals and Types of IPR, IP Subject Matter, Role of IPR in Pharma Sector, IPR laws in India and IP Landscape and set up the basis for the upcoming technical sessions. The second technical session on 2nd June was delivered by **Dr. Suryamani Tripathi**, Legal Counsel, ICRISAT. The participants appreciated the session for the in-depth insights on the reading of patent and patented literature, implications (Legal Status, Expiries, Extensions), Patent Search Engines, Databases, Techniques & Strategies. The third technical session on 3rd June was delivered by **Mr. Samrat Ganguly**, Associate, Patents (Biotech & Biosciences), K&S Partners. The engrossing session dealt with drafting patent specification and claim construction, patent filing procedures, timelines, and costs involved in IP filings and post-IP application scenarios.

On 4th June, a lecture was delivered on trademark laws, databases, searches, filing, and prosecution, focusing on COVID-19 by **Mr. Vijay Kumar Makyam**, I-Win IP services. The session also dealt with the trademark registration process, and the participants were given a live demo of the trademark registration. This was followed by a technical session on Do's and Don'ts for IP in the Pharma sector, IP Case studies in the Pharma sector, Subject Matter Identification by **Mr. VSSRK Raju Bhupathiraju**, Patent Attorney and Attorney-at-Law. The session dealt with Pharma examples and case studies on Subject Matter Identification and Patent Grants/Claims. The sixth technical session was delivered on IPR Litigations & Prosecutions by **Mr. Ashok Ram Kumar**, Founder, Wordict IP. The session was very much engaging and appreciated by the participants. The valedictory session on 6th June was delivered on **Capitalizing IPRs in Pharma Sector** by **Dr. Nidhi Sandal**, Joint Director, DRDO. The session was insightful and conveyed that IP is not a process but a strategy/visionary approach to help the company grow.



ONLINE WORKSHOP ON ADVANCED ANALYTICAL TECHNIQUES FOR QUALITY CONTROL OF PHARMACEUTICALS

A two-day online workshop on **Advanced Analytical Techniques for Quality Control of Pharmaceuticals** was organised by the Department of Pharmaceutical Analysis, NIPER-Hyderabad on 3rd and 4th July 2020. This workshop's main objective was to clearly understand the separation of analytes in HPLC/UHPLC to master HPLC operation and troubleshooting, including LC-MS operation and its applications. It also covered the history of nuclear spin discovery and its applications in chemistry and medicine. In addition, ¹H, ¹³C, DEPT, 1D sel-NOE, and sel-TOCSY NMR experiments were demonstrated with case studies.



NATIONAL VIRTUAL WORKSHOP ON IMPACT OF COVID-19 ON REGULATORY ENVIRONMENT

Department of Process Chemistry, NIPER-Hyderabad, organized a two-day national virtual workshop on the **Impact of COVID 19 on Regulatory Environment** on July 10th and 11th 2020. **Dr. Shashi Bala Singh**, Director, NIPER-Hyderabad, gave the welcome address to the participants and detailed the workshop's significance. In this workshop, eminent speakers like **Dr. A.K.S. Bhujanga Rao** from Dr. Reddy's Laboratories, **Dr. Premnath Shenoy**, President IPA-Karnataka Branch, **Ms. Sangeetha**, Associate Vice President, Global Regulatory Affairs from Heterodrugs Pvt Limited, **Ms. Ch. Lakshmi Prasanna**, Senior Regulatory Officer, Pharmexcil, and **Dr. Navaneetha Selvan**, Senior General Manager Wockhardt, were invited to deliver lectures and shared their experience and knowledge.



ONLINE NATIONAL WORKSHOP “SPECTRAL ANALYSIS OF ORGANIC MOLECULES”

A two-day online national workshop was organised by the Department of Medicinal Chemistry, NIPER-Hyderabad, entitled “**Spectral Analysis of Organic Molecules,**” during July 16-17, 2020. The main aim of this workshop was to gain insights into the analysis of spectra from UV, IR, NMR, and Mass, which is extremely important for undergraduate and postgraduate students and lecturers teaching spectroscopic techniques in day-to-day life. The workshop witnessed the participation of 166 delegates across India from Academia and Industry. At the outset, **Dr. Shashi Bala Singh**, Director, NIPER-Hyderabad, briefed the workshop's significance. **Dr. R. Srinivas**, Emeritus Scientist, CSIR-IICT, Hyderabad, **Dr. N. Devendra Babu**, Applications Scientist, Bruker India Pvt., Ltd, **Dr. Chandrashekhara N**, Lead Applications & Head of Bruker Academy, Bruker India Scientific Pvt. Ltd., **Dr. N. Shankaraiah**, Associate Professor, NIPER-Hyderabad and **Dr. K. Venkat Rao**, Assistant Professor, NIPER-Hyderabad delivered the lectures. They provided an overview of NMR, Mass, IR, and UV spectroscopies and their combined approach in structure elucidation by representative case studies. All the participants had highly appreciated the workshop in their feedback survey.



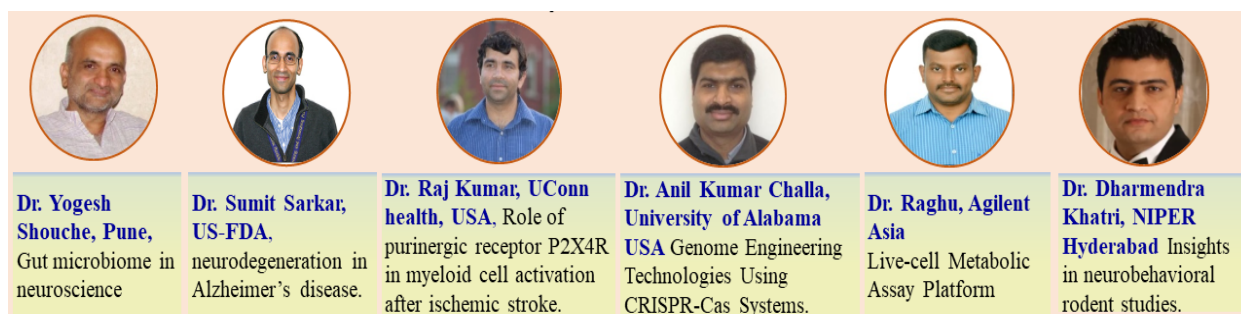
ONLINE WORKSHOP ON “INDUSTRIAL IMPLICATION OF ARTIFICIAL INTELLIGENCE, MACHINE LEARNING, DATA ANALYTICS AND NANOMEDICINE IN R&D INNOVATIONS”

During July 30-31, 2020, the Department of Pharmaceutics, NIPER-Hyd, organized a two-day online workshop on “**Industrial Implication of Artificial intelligence, Machine learning, Data Analytics and Nanomedicine in R&D Innovations.**” The workshop was graced by eminent speakers from India as well as abroad. **Prof. N. K. Jain**, Professor Emeritus, Department of Pharmaceutical Sciences, Dr. H.S. Gour University, Sagar, **Dr. Eliana B Souto**, University of Coimbra, Portugal, **Dr. Pastorin Giorgia**, Professor of Pharmaceutics and Biopharmaceutics, National University of Singapore, **Dr. Parijat Jain**, Associate Director, Biomedica Business Management at Lonza, Walkersville, Maryland, US, **Dr. Manish Chaurasia**, Principal Scientist, Pharmaceutics Division, CDRI, Lucknow, and **Dr. Sidharth Mukherjee**, Pharmacology, Frankfurt, Germany. This workshop aimed at emphasising the role of Artificial Intelligence, Machine learning, Data Analytics, and Nanomedicine in R&D innovations. The workshop also focussed on pharmaceutical product development using AI and ML.



ONLINE WORKSHOP ON “PRECLINICAL AND MOLECULAR METHODS IN NEUROSCIENCE”

An interactive two-day online workshop was organised by the Department of Pharmacology & Toxicology, NIPER-Hyd, on “**Preclinical and Molecular Methods in Neuroscience.**” The speakers invited in this workshop were **Dr. Yogesh Shouche**, NCS, Pune, **Dr. Sumit Sarkar**, NCTR, US-FDA, **Dr. Raj Kumar**, UConn Health, USA, **Dr. Anil Kumar Challa**, the University of Alabama at Birmingham, USA, **Dr. Raghu**, Agilent Asia, and **Dr. Dharmendra Khatri**, NIPER-Hyderabad. The workshop was aimed at sharing new trends in the area of neuroscience. New insights were given on CNS research of gut microbiome.



WORKSHOP ON “GOOD LABORATORY PRACTICE (GLP) IN REGULATORY TOXICOLOGY”

Department of Regulatory Toxicology at NIPER-Hyderabad successfully organized a two-day online workshop on **Good Laboratory Practice (GLP) in Regulatory Toxicology** during 27-28 August 2020. The workshop witnessed the participation of 98 delegates across India from the Academia and Industry sector. The eminent speakers shared their expert knowledge- **Dr. Ekta Kapoor** (NGCMA-DST), **Dr. Dinesh Kumar** (NIN-ICMR), **Dr. Udayan Apte** (UKMC-USA), **Dr. Suman Chakravarthi** (MultiCase Inc, USA), **Dr. Pushkar Kulkarni** (DRILS, Hyderabad), **Dr. Yogesh Kumar Murkunde** (CEFT, SRIHE, Chennai) and **Dr. Chandraiah Godugu** (NIPER-Hyd). They emphasized various vital aspects of Regulatory Toxicology, including the Role of Good Laboratory Practice (GLP), Non-clinical safety evaluation, Safety Pharmacology, Computational tools for Toxicity prediction, Target Organ Toxicology, Histopathological study designs, and analyses, etc. All the participants highly appreciated this workshop in their feedback surveys.



ONLINE WORKSHOP ON “ENTREPRENEURSHIP OPPORTUNITIES AND CHALLENGES IN COVID-19 TIMES”

The two-day workshop organized by the Department of Pharmaceutical Management at NIPER-Hyderabad on “**Entrepreneurship Opportunities and Challenges in COVID-19 Times**” during 29-30 September 2020 started with the introductory remarks by **Dr. Shashi Bala Singh**, Director, NIPER-Hyderabad. The workshop started with an inaugural address by **Ms. Deepthi Ravula**, WE HUB, Govt. of Telangana. The workshop was proceeded by **Dr. B Karunakar**, Professor, NMIMS-Hyderabad, **Dr. Radha Rangrajan**, Chief Scientific Officer, Healthcubed, Hyderabad, **Dr. Nandita Sethi**, CEO, The Entrepreneur zone, **Dr. Shreekanth Sharma**, Associate Faculty Member, NI-MSME, **Mr. Hanumant Singh**, Founder, Pluspromo, Pune, as speakers. The topics discussed in this workshop

were Essentials of Innovation and Entrepreneurship, Entrepreneurship Mindset and Journey during COVID, Journey: Idea generation to Business Establishment, Schemes to MSME Businesses and Opportunities and Challenges in Pharma sector. The workshop concluded with the announcement of the "Best Idea Contest" winners by **Ms. Deepthi Ravula**, CEO, We Hub, Govt. of Telangana, and Dr. Shashi Bala Singh, Director, NIPER Hyderabad. Winners and their Idea Titles **“Eco-friendly Biodegradable Antiviral Solutions for Protection against COVID”** by **Dr. Sonal Sanjay Dhabekar**, Principal Investigator, Post-Doctoral Research Scholar, Women Scientist Scheme WOS-B, DST, Nagpur, Maharashtra; **“PREM SHARE”** idea title by **Mr. Kandi Suryachandra**, NIPER-Hyderabad, and **“Moving Library”** idea title by **Ms. Pragati Chandak**, NIPER-Hyderabad.



HANDS-ON WORKSHOP ON CELL CULTURE TECHNIQUES

Department of Pharmacology at NIPER-Hyderabad successfully organized a five-day workshop on “Hands-on Workshop on Cell Culture Techniques” from 8th- 12th February 2021. The workshop witnessed the participation of 50 students across India from the Academia and Industry sector. The workshop was started with the welcome address by the Director, NIPER Hyderabad, **Dr. Shashi Bala Singh**, and inaugural speech by Chief Guest (Online) for the workshop **Dr. D. Srinivasa Reddy** Director, CSIR-IIIM. The workshop was conducted for 5 days as per the schedule on various cell culture techniques like MTT Test, DNA isolation, RNA isolation, cDNA Synthesis/ Agarose gel electrophoresis, RT-PCR, Flowcytometry/ICC, Protein extraction & Estimation, Gel electrophoresis & Commassie Staining, Gel Transfer and Blotting practical sessions as per the programme scheduled. The programme concluded on 12th February 2021 with the vote of thanks by **Dr. Manoj Dandekar**, Co-convenor and HOD of the Department of Biological Sciences, followed by distribution of participation certificates.



HANDS ON WORKSHOP ON INSTRUMENT & TECHNIQUES FOR NANOTECHNOLOGY BASED DRUG DELIVERY

NIPER Hyderabad organized a two-day workshop program on **“Hands-on Experience on Instrument & Techniques for Nanotechnology-Based Drug Delivery”** on March 22 & 23, 2021. The workshop got an overwhelming response from students. The workshop was sponsored by **Pharmaceutical Promotion Development Scheme (PPDS)** and organized by the Dept. of Pharmaceutics (DOPE), NIPER Hyderabad. **Dr. Pankaj Kumar Singh**, Assistant Professor, DOPE, NIPER Hyderabad, was the convener, and **Dr. Jitender Madan**, **Dr. Saurabh Srivastava** & **Dr. Neelesh**

Kumar Mehra was the co-conveners for this event. The main objective of this workshop was to build a theoretical and practical understanding of nano-based drug delivery, methods of preparation, and evaluation techniques. Around 40 students were registered from different backgrounds like B. Pharmacy, M. Pharmacy, M.S., B.Sc., M.Sc., and Ph.D. pharmaceutical sciences and life sciences. There were 16 sessions (8 sessions each day), and accordingly, the students were divided into 8 groups with 5 members in each group.

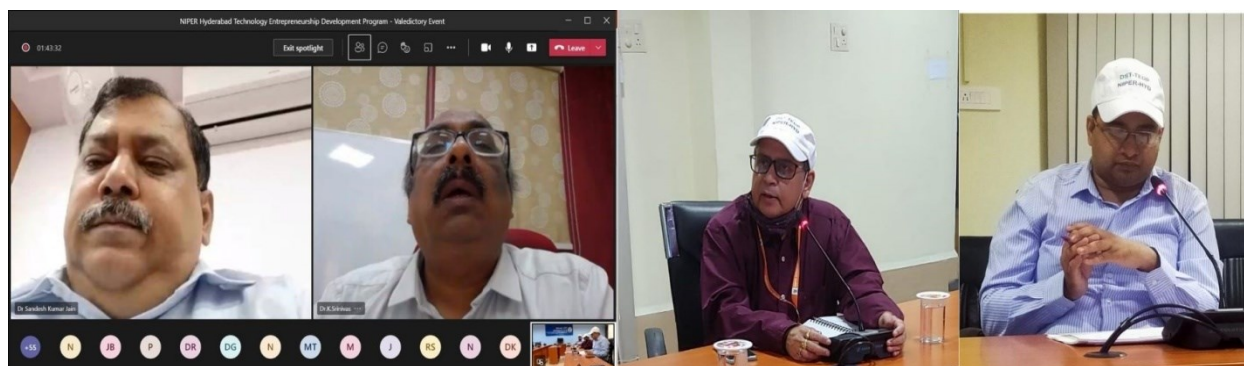
On the first day, 22nd March, the inauguration of the workshop was done by **Dr. Shashi Bala Singh**, Director, NIPER-Hyderabad, and **Dr. Ajay J Khopade**, Vice President, NDDS, Sun Pharma, Vadodara was virtually present as the chief guest for this event. Demonstration of DSC, SEM, Zeta analyzer, Franz diffusion cell, HPLC, lipid extruder, dissolution apparatus, microfluidics technology, and tablet punching machine was conducted. On the second day, i.e., 23rd March, the remaining sessions were completed. The applications of rheometer, texture analyser, hot-melt extruder, microfluidizer, ultracentrifuge, spray dryer, hot stage microscopy, and lyophilizer were demonstrated. After completion of all the sessions in the closing ceremony, one small quiz contest was conducted for the participants. Based on the performance, the winner and runner-ups were awarded as “**Budding Nanotechnologists.**” Other participants were felicitated with a certificate of participation in the event.



TECHNOLOGY ENTREPRENEURSHIP DEVELOPMENT PROGRAMME ON INTELLECTUAL PROPERTY RIGHTS & DRUG DISCOVERY

NIPER Hyderabad organized 45 days online workshop on “**Technology Entrepreneurship Development Programme on Intellectual Property Rights & Drug Discovery**” between February 1, 2021, to March 19, 2021. TEDP program conducted by NIPER Hyderabad is a structured training programme designed to motivate and develop entrepreneurs in specific Products, technologies, processes developed & used in NIPER Hyderabad Labs and the Pharmaceutical industry. DST observer (Dr. K Srinivas, CEO, a-IDEA (Association for Innovation and Development of Entrepreneurship in Agriculture), attended the inaugural, in between, and concluding session of this training program. He also guided in conducting the training program.

The inauguration session started on 01.02.2021. Dr. K Srinivas, CEO, a- a-IDEA (Association for Innovation Development of Entrepreneurship in Agriculture under National Academy of Agricultural Research Management (ICAR-NAARM), Hyderabad, appointed by DST as Nodal Observer of the region, added as a collaborator in Google Quiz and Google Meet platform. He was the Chief Guest of the event. The workshop coordinator **Mr. Sanjeev Lohani** organized a valedictory programme for a 6-weeks Technology-Based Entrepreneurship Development Program on the last day of the work shop. On this occasion **Dr.S.K Jain**, Principal Director, CIPET. Department of Science and Technology observer & Guest of Honour **Dr. K.Srinivas** and Dean, NIPER Hyderabad, Dr.Srinivas Nanduri were present.



WEBINAR ON MAKING INDIA SELF RELIANT IN API MANUFACTURE

NIPER-Hyderabad organized a one-day symposium on “Making India Self Reliant in API Manufacture” on 26th May 2020. This event was coordinated by **Dr. Srinivas Nanduri**, Dean, NIPER-Hyderabad. In this symposium, **Dr. P. D. Vaghela**, Secretary, Department of Pharmaceuticals (DoP), GOI, **Prof. Y K Gupta**, Principal Advisor, THSTI, DBT, **Shri Uday Bhaskar**, Director General, Pharmexcil, **Shri V.V. Krishna Reddy**, President, Bulk Drug Manufacturing Association have participated as the speakers. **In her welcome remarks, Dr. Shashi Bala Singh, Director, NIPER-Hyderabad, outlined the importance of the need for self-reliance in the API sector and introduced the speakers.**

The keynote address was delivered by Dr. P. D. Vaghela, Secretary, Department of Pharmaceuticals (DoP), GOI. Dr. Vaghela emphasized the need to revamp the sector and to work in a private-public model to sustain the API manufacturing. Prof. Y K Gupta, Principal Advisor, THSTI, DBT, has elaborated on the significance of the Indian Pharmaceutical Industry and mentioned that India has emerged as the ‘Pharmacy of the World.’ Shri Uday Bhaskar, Director General, Pharmexcil, detailed the statistics of the API industry. Nearly 60-70% of imports are coming from China alone, of which India is 100% dependent on 57 APIs. Shri V. V. Krishna Reddy, President, Bulk Drug Manufacturing Association, spoke on the “core issues being faced by bulk drug manufacturers. He mentioned that 4500 DMF (Drug master file) were filed in US-FDA, of which 50% of them are from India. India is currently manufacturing 70% of vaccines. **Mr. Sudarshan Jain**, Secretary-General, Indian Pharmaceutical Alliance, spoke on partnerships with BIRAC/DBT/DST for funding and the need for the companies to have good road maps. The APIs must start with low-volume strategies and eventually scale up to a tune of 3000-7500 tonnes/month infrastructures. The symposium ended with a discussion and concluded with thanks to all 860 participants and the Chair.



Dr PD Vaghela, IAS
Secretary, Dept. of
Pharmaceuticals, GoI



Prof YK Gupta
Principal Adviser,
THSTI, DBT



Shri R. Uday Bhaskar
Director General,
Pharmexcil



Shri Sudarshan Jain
Secretary General, Indian
Pharmaceutical Alliance

WEBINAR ON “ART OF LIVING WITH COVID-19”

NIPER-Hyderabad hosted a webinar on ‘Art of Living with COVID-19’ by **Dr. B. R. Ramakrishna**, Vice-Chancellor, S-vyasa University, Bengaluru, to celebrate ‘World Day for Cultural Diversity’ on May 21, 2020. The webinar began with a pre-ambule from Guruji **Prof. Dr. Nagendra**, Chancellor, S-Vyasa University. Guruji spoke on various practices to overcome stress, strain, anxiety, and fear. He delineated how the AYUSH ministry was recognized by WHO as a complementary alternative medicine system and how yoga can increase the immunity of the public if practiced correctly.

Dr. B. R. Ramakrishna, the Vice-Chancellor, delivered a talk on the perspective of Ayurveda in the ‘COVID-19’ crisis. He defined COVID-19 as a disease that is ‘Saankraamika, Auypasargika and Janapadodvamsa’ and affects the respiratory system (Praanavaha strotas) exhibiting the symptoms of the common cold (Pratishyaaya) to SARS (Severe acute respiratory syndrome). He emphasized the importance of the ayurvedic concept of disease prophylaxis, the importance of diet in Ayurveda concerning respiratory immunity, the AYUSH ministry’s specific measures for boosting the immunity, home remedies, ways to keep the entry routes of microbes sterile, and finally, the integrated approach of Ayurveda and yoga module for immune boosting.



WEBINAR ON “BASIC AND CLINICAL NEUROSCIENCES: BRIDGING THE GAPS”

During October 4-7, 2020, NIPER-Hyderabad organized IAN international e-conference in collaboration with the University of Hyderabad and Institution of Eminence on “Basic and Clinical Neurosciences: Bridging the Gaps.” **Dr. Shashi Bala Singh**, Director, NIPER-Hyderabad, President of the Indian Academy of Neuroscience (IAN), gave an inaugural speech at the 38th e-Annual Meeting of IAN. Dr. Singh emphasized how translational neuroscience helps bridge the gap between basic and clinical neuroscience by transforming new discoveries from bench to bedside. The conference's focus was to highlight the importance of translational research and promote the training and mentoring of the next generation of neuroscientists.



WEBINAR ON “PERSONAL PERSPECTIVES ON WHAT DOES IT TAKE TO RUN A SKIN DELIVERY SYSTEMS LABORATORY WITH GRADUATE STUDENTS: THE SCIENCE AND THE REST”

An international webinar at INDO-US on the Topic “Personal Perspectives on What Does It Take to Run a Skin Delivery Systems Laboratory with Graduate Students: The Science and the Rest,” on October 9, 2020, organized by NIPER-Hyderabad. **Prof. Ajay K. Banga**, Department of Pharmaceutical Sciences, the College of Pharmacy, Mercer University, Atlanta, GA, USA, addressed the session. He gave an insightful perspective on skin delivery systems, how to run them, and their science.



Dr. Neelesh Kumar Mehra
Assistant Professor
NIPER Hyderabad



Prof. Ajay K. Banga,
Department of Pharmaceutical
Sciences at the College of Pharmacy,
Mercer University. Atlanta, GA, USA



Dr. Shashi Bala Singh,
Director,
NIPER Hyderabad

INDO-EU WEBINAR

NIPER Hyderabad organized an INDO-EU webinar with **Prof. Jessica Rosenholm**, University of Abo Akademi, Finland, and **Prof. Thomas Rades**, University of Copenhagen, Denmark, on March 02, 2021. Prof. Jessica Rosenholm, University of Abo Akademi, Finland talked about the mesoporous silica nanoparticles for advanced drug delivery & theranostics. In the INDO-EU webinar, Prof. Thomas Rades, University of Copenhagen, Denmark, spoke about new developments in co-amorphous drug systems.



WEBINAR ON “MOLECULES TO THERAPEUTIC DISCOVERIES”

NIPER Hyderabad organized a webinar on Molecules to Therapeutic Discoveries Development of Non-addictive & Safer Pharmacotherapy for Treating Neuropathic Pain by **Dr. Ganesh Thakur**, Northeastern University's Bouvé College of Health Sciences, the USA, on March 4, 2021.



AN INSPIRING TALK ON “ORGANIC CHEMISTRY IN HUMAN WELL-BEING”

NIPER-Hyderabad hosted a webinar on ‘**Organic Chemistry in Human Well-being**’ on 19th June 2020 by **Prof. Vinod K. Singh**, Rahul, and Namita Gautam, Chair Professor, Department of Chemistry, IIT Kanpur. His talk began with remarks on how the education shaped well-being of human things. He emphasized the role of chemistry in day-to-day life activities, including the kitchen chemistry involving onion and garlic. He said most compounds we use in daily life are of organic origin, and 65% of them are small molecules, and the remaining 15% are derived from nature. He started with the 1828 AD synthesis of Wohlers urea and Berzelius’s theory of “Vital force” in 1809. He explained how R.B. Woodward (1917-1979) played a role in synthesizing alkaloids and vitamin-B12. He illustrated how ‘composer,’ ‘artist,’ and ‘poet’ views are reflected in the E. J. Corey’s synthesis of several molecules of societal interest. He concluded by saying, “Organic Chemistry is beneficial to day-to-day life.” The talk had a sizable amount of Q/A interactions and ended with thanks to the chair.



WEBINAR ON PRE & POST COVID CHALLENGES

Dr. Dinesh Kumar delivered a webinar on pre & post COVID challenges on 17th June 2020. He explained the probable origin of the novel coronavirus in China and how it travelled to different countries, and how this pandemic virus infected Indian states, including Telangana. He talked in detail about other pathological consequences of COVID-19 and emphasized the importance of lung injury in the form of severe acute respiratory distress syndrome (SARS). He discussed the possible therapeutic options to control COVID-19 and its complications



WEBINAR ON SURVIVAL OF THE FITTEST-ADAPT OR PERISH

Dr. Julius Anthony Vaz, Global Program Head, Novartis Healthcare Pvt Ltd., Hyderabad, spoke in a webinar entitled “**The Survival of the Fittest – Adapt or Perish**” on 9th June 2020. During the talk, he described various changes affecting the World Healthcare and Medicine and their Impact on modern medicine. He mentioned that speed and adaptation are the keys to continued success, and Information Technology driven by innovative science will revolutionize healthcare delivery. He emphasized that the novel approaches will enable us to thrive in this rapidly changing environment even though major issues continue to challenge us. He explained transformative medicine, which will significantly impact society and is key to our continued success. He concluded with a statement, “collaborate, consolidate knowledge and build core values.”



TALK ON PHARMACEUTICAL APPROACHES FOR TREATING OSTEOARTHRITIS

Dr. Ritu Trivedi, Principal Scientist Central Drug Research Institute, Lucknow, delivered an invited Lecture on “**Pharmaceutical approaches for treating Osteoarthritis**” organized by NIPER Hyderabad on Jan 15, 2021.

Talk on Pharmaceutical Approaches for Treating Osteoarthritis

JANUARY 15, 2021 - 4 PM



Dr. Ritu Trivedi
Principal Scientist, Department of Endocrinology,
Central Drug Research Institute, Lucknow

SESSION ON INTELLECTUAL PROPERTY MANAGEMENT

Dr. Samitha Ramdas, Director, Intellectual property management at Dr. Reddys, delivered an invited Lecture on **“Intellectual Property Management”** organized by NIPER Hyderabad on Jan 8, 2021.



SESSION ON

Intellectual Property Management


By




Samitha Ramdas
Intellectual Property Management Lead
Dr. Reddy's

WEBINAR ON PROAGIO: A PROTEIN ENGINEERED TO TARGET INTEGRIN ALPHA V BETA 3 OUTSIDE THE LIGAND-BINDING SITE AND ITS THERAPEUTIC APPLICATIONS

Dr. Ravi Chakra T delivered a webinar on **“ProAgio: A protein engineered to target integrin alpha v beta 3 outside the ligand-binding site and its therapeutic applications”** organized by NIPER-Hyderabad on October 1, 2020. Dr. Ravi Chakra Turaga, Research Scientist, Georgia State University, USA, gave very interesting insights on ProAgio protein, its target, mechanism, and therapeutic applications.



Dr. Ravi Chakra Turaga

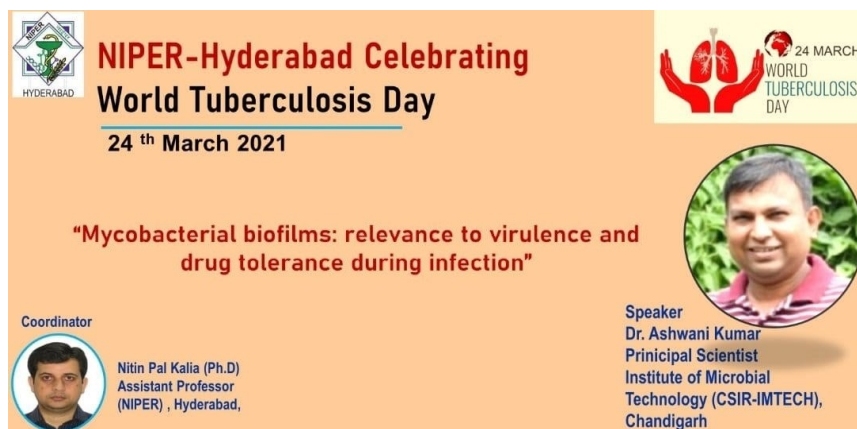


**ProAgio: A protein engineered to target integrin
alpha v beta 3 outside the ligand-binding site and its
therapeutic applications**

*October 1, 2020
6.00 PM*

GUEST LECTURE ON WORLD TUBERCULOSIS DAY ON “MYCOBACTERIAL BIOFILMS”

Dr. Ashwani Kumar, Principal Scientist CSIR Institute of Microbial Technology, delivered Guest Lecture on world Tuberculosis Day on **“Mycobacterial biofilms: relevance to virulence and drug tolerance during infection,”** organized by NIPER Hyderabad on March 24, 2021.



BRAINSTORMING WORKSHOP ENTITLED ~“EMPOWERING YOU.”

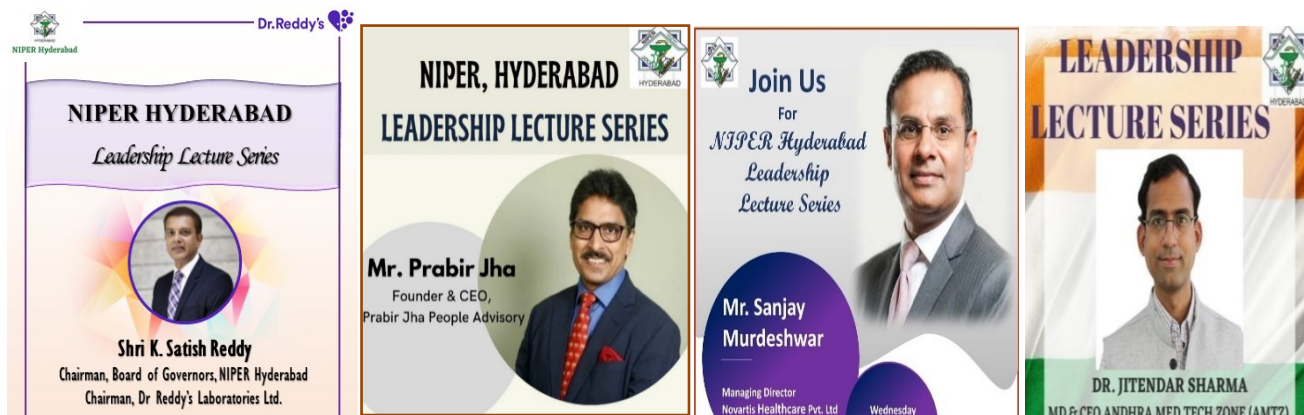
Prof. Ritu Aneja, Georgia State University, interacted with NIPER-Hyderabad faculty in a brainstorming workshop entitled “**Empowering You**” organized by NIPER-Hyderabad on March 17, 2021.



LEADERSHIP SERIES ORGANIZED BY NIPER-HYDERABAD

LEADERSHIP SERIES

NIPER-Hyderabad started the Leadership Lecture Series, of which the first lecture was organized on November 18, 2020. **Mr. Sanjay Murdeshwar**, Managing Director, Novartis Healthcare Pvt. Ltd was invited as the speaker. The second lecture of the Leadership lecture series was arranged for December 22, 2020. **Mr. Prabhir Jha**, Founder & CEO, Prabhir Jha People Advisory, was invited as the speaker. The third lecture was delivered by **Dr. Jitendra Sharma**, MD & CEO, Andhra Pradesh Medtech Zone, on Jan 28, 2021. The fourth lecture was delivered by **Shri Satish Reddy**, Chairman, Board of Governors, NIPERHyderabad & Chairman Dr. Reddys. He spoke on the need to strengthen Industry-Academia relations during the Interactive session with the students and NIPER-Hyderabad and the interaction organized by NIPER-Hyderabad on March 9, 2021.



ALUMNI TALKS

Dr. Rahul Nahire delivered a talk entitled “Study and job opportunities in the USA and Abroad,” organized by NIPER-Hyderabad on March 5, 2021. **Dr. Jagrut Vaishnav** delivered an address entitled “**Fundamentals of Market access**” organized by NIPER-Hyderabad on Feb 20, 2021. **Dr. Pankaj K. Bagul** also gave a talk entitled “**Medical Information in Pharmaceutical Industry: Journey Outside the Dispensing Box,**” organized by NIPER-Hyderabad on Nov. 18, 2020. **Mr. Dharmesh Nilesh Mehta** delivered a talk entitled “**Master plan to crack interview**” organized by NIPER-Hyderabad on 19th September 2020. In continuous alumni talks, two of the alumni students, **Ms. Nivya Sharma**, pursuing her Ph.D. at Georgia State University, and **Mr. Akash Nathani**, a Ph.D. aspirant, delivered an inspiring speech on “**Handpicking the Best Route to Higher Education.**”

In addition, our bright MBA students organized a series of webinars/ seminars by inviting eminent speakers in sales & marketing, branding image, challenges & opportunities in the pharmaceutical sector, thinking about a career in regulatory affairs, etc.

<p>“Self Branding” by Mr. Devan Bhalla, Deputy General Manager, Amar Ujala on April 24th, 2020</p> 	<p>“Roadmap to Sales, Marketing and other Cross Route” by Mr. Hitesh Khandelwal, Sr. Product Manager, Johnson & Johnson on 26th April</p> 
<p>“Pharma Marketing Scopes” by Mr. Bhavesh Mor, Product Manager, Sun Pharmaceutical Industries Limited on April 25th, 2020</p> 	<p>“Demystifying The Art & Science of Pharmaceutical Selling” by Mr. Rohit Thakur, Brand Manager, Dr. Reddy's Laboratories on 2nd May</p> 
<p>“Selling Skills based on Personality” by Mr. S Babu, Regional training officer at Merck group, on April 30th, 2020</p> 	<p>“Six Sutras to become a Pharma Marketing Superhero” by Mr. Soham Wagh, Sales & Marketing Professional, on May 3rd, 2020</p> 
<p>“Journey from College to Corporate” by Ms. Tejaswi Rayella, Business Development, Laurus Synthesis on May 9th, 2020</p> 	<p>“Career Opportunities after MBA” by Mr. Indraneel Sinha, Senior Product Manager, Medtronics, on 15th May 2020</p> 
<p>“Challenges and Opportunities in Pharmaceutical Sector Post COVID-19” by Mr Dinesh Bora, Head of Brand Marketing at Zydus Cadila, on 17th May 2020</p> 	<p>“Targeting Bioenergetics in Mycobacterium Tuberculosis: Challenges and Opportunities” by Dr. Nitin Pal Kalia, Ramalingasami Fellow, IILM, Jammu 22nd May 2020</p> 

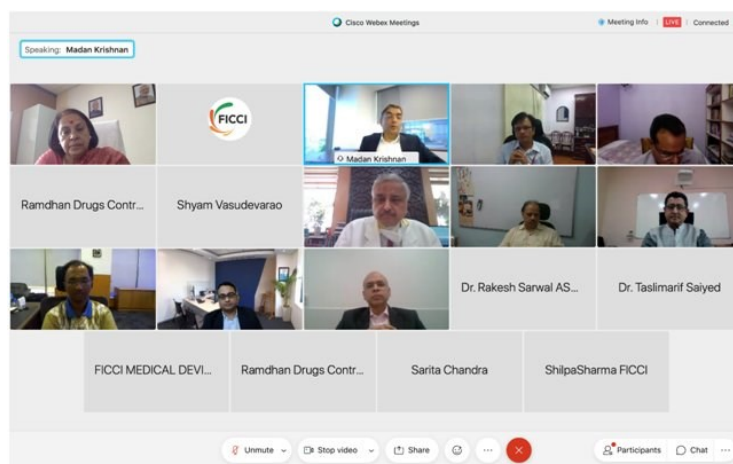
<p>"Planning a New Product & Marketing Perspective" by Mr. Parag Mahajan, Senior Brand Manager at Cipla, on 23rd May 2020</p> 	<p>"How to Leverage Skills and Traits in Changing Times - A Perspective to MBA Students" by Mr. Chandrasekhar Golla, Regional Value Lead in Roche India, on 31st May 2020</p> 
<p>"Thinking Career in Regulatory Affairs - Stepwise Approach for "Preparation" by Mr. Hrishikesh Dhongade, Senior Manager, Novartis Healthcare India Pvt Ltd on June 20th, 2020</p> 	<p>"Antimicrobial Resistance: The War Against the Tiniest Yet Deadly Pathogen" by Dr. Vasundhra Bhandari, DST INSPIRE Faculty, NIAB-DBT, Hyderabad on June 24th, 2020</p> 

INVITED TALKS

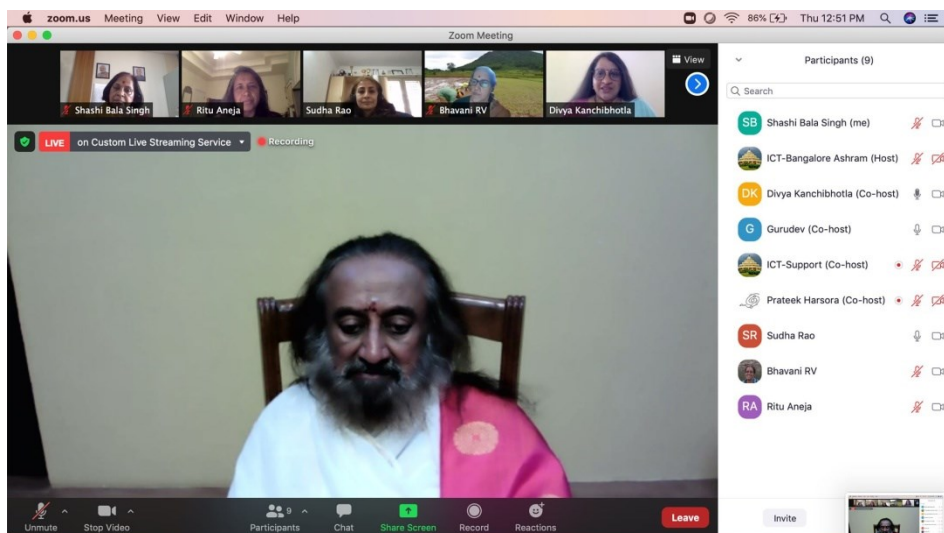
Dr. Shashi Bala Singh, Director, NIPER Hyderabad, delivered a talk at Webinar on **"Technology Communication for Socio-Economic Development of Grassroot level women"** organized by ISTI Portal on May 11, 2021.



Dr. Shashi Bala Singh, Director, NIPER Hyderabad, virtually participated in the India Pharma 2021 & India Medical Device 2021 organized by the Department of Pharmaceuticals in association with FICCI India.



Dr. Shashi Bala Singh, Director, NIPER Hyderabad, was invited as an eminent speaker on the International Day of Women in Science by AOL Research on February 11, 2021.



VAIBHAV SUMMIT 2020: AN INITIATIVE BY OUR HONOURABLE PRIME MINISTER

The main objective of this “VAIBHAV” summit was to establish a channel for international and national research, and foster collaborations within the Indian-Indian oversee scientific and academic in the domain of drug delivery (controlled & targeted) in a sustainable manner at a global level. Under this vertical Pharmaceutical Sciences and Biotechnology, 4 horizontals have been identified, and drug delivery & nanoformulations are one of the horizontals under VAIBHAV Summit 2020 held on October 19, 2020.

The session began with **Dr. Shashi Bala Singh**, Director, NIPER-Hyderabad, warmly welcomes all the panelists and gave a brief note on the course of the session as vertical-pharmaceuticals and biotechnology; horizontal: drug discovery, repurposing, and drug delivery; session: nanoformulations and drug delivery. She expressed her immense gratitude towards the Indian government for organizing this summit, integrating Indian diaspora scientists with the Indian scientists to bring prospective solutions to ameliorate the pre-existing hurdles in various fields. She was profoundly grateful to all the panelists for digging out the time to join this session. She was also obliged to NIPER-Hyd for allowing her to be a part of this discussion. She inculcates the purpose of the session to suggest changes that should be introduced to research and development and propose measures, enabling a system that provides education, research, and insights to better drug repurposing in India. She requested the fellow panelists to kindly deliberate on technical challenges and rapid advancement associated with “Nanoformulations and Drug Delivery.”



TECH FEST EVENT

Department of Pharmaceutical Management, NIPER Hyderabad conducted a technical fest named **Vishleshan Tark Niti** for NIPER Hyderabad students to assess their skills, knowledge, adaptability to situations, and ability to tackle different challenges. It was held on 3-8 February, 2021.



All faculty and staff celebrated “**World Environment Day 2020**” at the NIPER-Hyderabad campus on 5th June 2020. Director **Dr. Shashi Bala Singh** emphasized a greater need to learn from nature. All faculty and staff, while maintaining social distancing norms, were actively involved by planting the saplings.



TELANGANAKU HARITHA HARAM

The institute has taken a vital initiation to revitalize and balance nature by planting different plants, from avenue plants to fruit saplings. In this connection, **Shri K. T. Rama Rao**, Hon’ble Minister, Telangana State, planted a tree in the NIPER premises under the **Telanganaku Haritha Haram** program during the 8th e-convocation on 24th July 2020.

NIPER-Hyderabad Director, faculty, and staff have successfully planted 200 saplings such as guava, neradu, lemon, and avenue trees such as gulmora, etc.



INTERNATIONAL DAY OF YOGA - 2020

International Day of Yoga-2020 was celebrated at NIPER-Hyderabad on 21st June 2020. After the invocation and lamp lighting, Director **Dr. Shashi Bala Singh** explained the importance of Yoga in our daily life and emphasized that its daily practice shall strengthen the immunity and respiratory systems. She gave scientific insights into yogic practices and shared her rich experiences in DRDO and her contributions to yoga for the benefit of soldiers in high-altitude areas. At NIPER-Hyderabad, with the theme **Yoga for Health and Yoga with NIPER-Family**, the faculty, staff, and students performed various activities



INDEPENDENCE DAY CELEBRATIONS

NIPER-Hyderabad celebrated the **74th Independence Day** on 15th Aug. 2020. **Dr. Shashi Bala Singh**, the Director, unfurled the National flag for the event attended by all the faculty, staff, and students. Director Dr. Singh delivered an inspiring speech about the importance of the day and contributing to the nation's progress as individual and pharmacy professionals. **Dr. Srinivas Nanduri**, Dean, NIPER-Hyderabad, and **Dr. S Ganandhamu**, Registrar i/c, also enlightened the assembly with the words of wisdom.



TEACHERS' DAY CELEBRATIONS

Teachers' Day was celebrated to commemorate the birth anniversary of Dr. Sarvepalli Radhakrishnan on 5th Sep. 2020. **Dr. Shashi Bala Singh**, Director, NIPER-Hyderabad, and the faculty, staff, and students celebrated the event.



NATIONAL CONSTITUTION DAY

NIPER-Hyderabad celebrated constitution day on 26th November 2020 to commemorate the adoption of the constitution of India. **Dr. Shashi Bala Singh**, Director, NIPER-Hyderabad, and all the faculty, staff, and research scholars assembled at the campus and read the preamble to the constitution. The institute asked all the students of Masters' programmes to read the preamble online at <https://pledge.mygov.in/constitution-india/portal> and download the e-certificates. On this occasion, the Director emphasized that commitment to uphold the values and principles enshrined in the constitution is essential.



WORLD PHARMACISTS' DAY

NIPER-Hyderabad celebrated **World Pharmacists day** on 25th September 2020 with a leading resource person and Expert panelist. The theme of this interaction was “**Building Industry Ready Pharma Graduates.**”



Dr. Srinivas Nanduri,
Professor
NIPER Hyderabad



Dr Nayanabhirama Udupa
Professor,
Manipal University



Ms. G. Sangeetha,
Head Regulatory Affairs
Heterodrugs

VIGILANCE AWARENESS WEEK

NIPER-Hyderabad observed vigilance awareness week on 27th October 2020. **Dr. Shashi Bala Singh**, Director, NIPER-Hyderabad, and all the faculty members, staff, and research scholars assembled to take an oath of integrity to eradicate corruption for the country's economic, political, and social progress.



SWACHHATA PAKHWADA

By taking the ‘**Swachhta Pledge**’ in the institution, all the students, staff, and faculty, including the Director and Registrar, wholeheartedly committed themselves to the cause of achieving the goal of the **Swachh Bharat Mission** as a part of the Swachhata Pakhwada celebrations.



HINDI PAKHWADA

नाइपर हैदराबाद ने 14 सितम्बर 2020 को **हिंदी दिवस** के सुअवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया। समारोह का उद्घाटन मुख्यातिथि **डॉ शशि कांत मिश्रा जी**, प्रमुख, हिंदी विभाग, ए वि कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स ने दीप प्रज्वलित कर किया। मिश्रा जी ने “कोविद 19 में वैज्ञानिक संस्थानों का योगदान और हिंदी के विकास में राष्ट्रीय संस्थानों का योगदान” शीर्षक पर व्याख्यान देकर उपस्थित सभा का ज्ञानवर्धन किया। इस दौरान **डॉ नंदकुमार डोईजडजी** ने हिंदी की परिभाषा पर कविता प्रस्तुति कर सबका मन मोह लिया। अंत में नाइपर की निदेशक महोदया **डॉ शशि बाला सिंह जी** ने हिंदी भाषा की महत्ता को बताते हुए, सभा से इस का ज्यादा से ज्यादा उपयोग दिनचर्या में करने का अनुरोध किया। कयाकर्म का सूत्रसंचालन आयनिका सूदकिया और आभारवक्त **डॉ पंकज कुमार** ने किया।



BATHUKAMMA CELEBRATIONS

The local festival of Bathukamma was celebrated in the Institute to respect the traditional culture and revere the feminine power on 24th Oct. 2020. The occasion was graced by **Dr. Shashi Bala Singh**, Director, NIPER-Hyderabad. The folk dance and Bathukamma songs performed by the staff were the primary sources of attraction. On occasion, the office staff, housekeeping, and security personnel were felicitated by gifts and sweets. NIPER-Hyd also celebrated Dussehra with great fervor and gusto.



The festival of Diwali was celebrated at the Institute on 13th Nov 2020. The staff and students participated in the event with full zeal and enthusiasm. A cognitive presentation was delivered by **Shri. Sanjeev Lohani** on Management Aspects of Ramayana and the ethos and principles that can be followed in real life to become better human beings and assets to society and the nation. There was a candle-lighting ceremony followed by refreshment. Sweets and Gifts were distributed to office staff, housekeeping, and security personnel.



NEW YEAR CELEBRATIONS

NIPER-Hyderabad celebrated the New year celebration on 1st Jan. 2021. **Dr. Shashi Bala Singh**, the Director, wished the faculty, students & staff that this New Year 2021 will bring joy, love, peace, productivity, positivity, and happiness.



REPUBLIC DAY CELEBRATIONS

NIPER-Hyderabad celebrated the 72nd Republic Day on 26 January 2021. **Prof. Nanduri Srinivas**, the Dean, unfurled the National flag for the event attended by all the faculty, staff, and students. Prof. Nanduri delivered a thoughtful speech about the importance of the day and how we can contribute to the Nation's progress as individuals and pharmacy professionals. **Dr. S Ganandhamu**, Registrar i/c, also enlightened the assembly by the words of wisdom.



NATIONAL SCIENCE DAY

NIPER-Hyderabad celebrated National Science day on 26th Feb 2021 and arranged a guest lecture with **Mr. Rahul Bhargava**, Qualified Packaging Technologist. The theme of this interaction was the ‘**Packaging of sensitive drug products.**’



INTERNATIONAL WOMEN’S DAY

NIPER-Hyderabad celebrated international women's day on March 08, 2021, and organized a special lecture by **Dr. Jayeeta Bhaumik** from the Center of Innovative and Applied Bioprocessing (CIAB). The faculty, staff, and students got together to call out gender bias & inequality and celebrate our achievements towards women empowerment.



SOCIAL ACTIVITIES

COVID AWARENESS PROGRAMMES

NIPER-Hyderabad faculty, students, and staff organized several social awareness programmes on preventive and safety measurements that need to be taken during the COVID-19 crisis using various social media platforms.



CHIEF MINISTER'S RELIEF FUND

NIPER-Hyderabad Faculty, Staff & Students voluntarily contributed **one day salary to Chief Minister's Relief Fund** to support the redevelopment of damages caused by Hyderabad Rains. Shri. K.T. Rama Rao appreciated the noble effort by NIPER-Hyderabad. Hon'ble Chairman Board of Governors K. Satish Reddy was also present on occasion.



JAN ANDOLAN CAMPAIGN ON COVID 19: (“WEAR MASK, FOLLOW PHYSICAL DISTANCING, MAINTAIN HAND HYGIENE”)

NIPER-Hyderabad wholeheartedly committed to the cause of creating awareness on COVID appropriate behaviour. Upon launching of Jan Andolan Campaign on COVID-19 by the Hon’ble Prime Minister Shri Narendra Modi, NIPER-Hyderabad actively campaigned about the “COVID-19 appropriate behavior in the new normal” to reach the citizens of Balanagar, Hyderabad. The Director, Registrar, Dean, Faculty, Staff, and Students of NIPER-Hyderabad took the pledge on 12th October 2020. After the pledge, awareness-creating posts were uploaded on social media to reach the wider public and spread the key messages “**Wear Mask, Follow Physical Distancing, Maintain Hand Hygiene.**”



ORPHANAGE VISIT

A team of NIPER-Hyderabad faculty and staff visited the Orphanage (Mythri Children, Poor & Needy Home) at KPHB Colony Hyderabad and donated dry ration and other commodities for kids of the orphanage as its Social Responsibility and also donated bags to the school children at **DESIRE Society**. NIPER-Hyderabad faculty, staff & students participated in a **blood donation camp** organized by Cyberabad Police at Balanagar, Hyderabad.



NIPER HOSTEL

Location

The students of NIPER-Hyderabad have been currently provided accommodation at NIPER hostel located at IDPL Township, around 2 km away from NIPER campus situated in Balanagar, Hyderabad. Students are provided bus service from the hostel to college and again back to the hostel. Student's hostels have pleasant surroundings and are intellectually stimulating. The layout of the hostel, in general, is appealing.



HOSTEL MANAGEMENT

The hostel is administered by a hostel in charge, Mr. Manoj Dhote. The Hostel Management team comprises Chief Warden (Boys) Dr. Rajesh Sonti and Chief Warden (Girls) Dr. Y. V. Madhavi, and one lady caretaker for Ladies Hostel.

External agencies have been contracted to provide security and housekeeping services at the hostels. The hostel in charge monitors these services.

Accommodation

NIPER Hyderabad provides separate accommodation for both boys and girls. Currently, the hostel block houses 287 students, of which 142 are girl students. Both hostels have large, well-ventilated rooms, each well furnished with a cot, wardrobe, chair, study table to accommodate two students each. Each room has a garden view. Each room also has an attached bathroom with facilities for hot and cold water. The hostels have 24-hour constant water and power supply. Hostel maintenance like cleaning, sweeping, pest control is outsourced. Electrical repairs and security services are available round the clock. All the rooms have been equipped with a LAN connection for each occupant.

Facilities

The hostel provides students with an atmosphere much like a home away from home. It provides them with all the necessary facilities which help them to acclimatize well with this new ambiance. Each occupant is equipped

with a cot, a study table, a chair, and an almirah. It has its mess which is managed and run by students. Keeping in view the different tastes of the students, the mess caters them to healthy and tasty food.



- Several recreational, sports, literary and social activities take place in the hostel during the academic year.
- TV rooms are equipped with 54' inch flat television and cable connections in both girls' and boys' hostels.
- A separate gym facility is provided for both girls and boys.
- Table tennis room with two playing boards.



- Sports grounds are situated at a close distance to encourage students to stay fit by regularly engaging in playing different games. The playground is a considerable size, and courts for Volleyball, Badminton, Cricket are constructed.
- A water purifier for providing pure water is also available
- The hostel is surrounded by a good number of trees and houses a beautiful garden.
- Morning walk track for joggers is also available
- Bus service is provided for pick up & return of students to and fro hostel and NIPER-H campus.

Medical support:

- NIPER Hyderabad has tied up with a reputed local hospital in proximity to the hostel campus. A qualified visiting doctor is available to provide regular and intensive medical care to NIPER-H students
- The proximity of other hospitals within 1 km from the campus
- Institute also provides vehicles in case of emergency

STUDENT WELFARE ACTIVITIES

We have a Welfare Committee headed by a welfare officer, usually a Faculty team member who attends and strives to resolve any grievances through counseling and other measures. Welfare activities for students include sports meets, debates, farewell parties, etc. The Welfare Committee has successfully installed a Wi-Fi facility at the student hostel, improved overall accommodation facilities, and established a gym at the hostel. Conducting Student meets has been one of the regular activities of this Committee.

Fee waiver

The institute provides Central Scheme for Partial tuition fee waiver for students belonging to economically weaker sections of society at the Master's Level. The committee has been constituted to consider fee waiver for 20% of the total number of admitted students (excluding belonging to SC/ST). As per the student's merit rank in NIPER-JEE and income certificate produced by them, the fee waiver is decided.

Sports events

Games/sports events such as Caroms, Chess, and Badminton were conducted. A friendly Cricket match was played between the Students and Faculty/Staff.

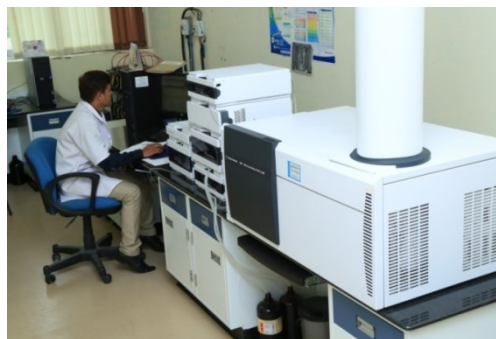
New Year celebrations/teachers day celebrations

The New Year was celebrated at the institute. The gathering was then addressed by the Director, Registrar, and the Dean. Similarly, Teacher's Day also was celebrated with great enthusiasm and zeal by the students, which included the felicitation of teachers.

SELECT INSTRUMENTATION FACILITIES AT THE INSTITUTE



Scanning Electron Microscope (SEM)



LC/MS



500 MHz NMR Spectrometer

- | | |
|---|--|
| ➤ Flow Cytometer | ➤ Large Scale Rotary Evaporator with Vacuum Pump (20 Ltrs) |
| ➤ 500 MHz NMR Spectrometer | ➤ Radleys Reactor Ready |
| ➤ UV/Vis/NIR Spectrophotometer | ➤ Bioreactor |
| ➤ Nano Drop Spectrophotometer | ➤ Ultra Microbalance |
| ➤ Scanning Electron Microscope | ➤ Nitrogen Evaporator |
| ➤ Confocal Microscope | ➤ Karl Fisher Auto Titrator |
| ➤ Blood Cell Counter | ➤ Rotary Evaporator |
| ➤ Histopathology – Embedding Unit & Microtome | ➤ Evoqua Water Purification System |
| ➤ RT – PCR | ➤ Parallel Synthesizer |
| ➤ Cascade Impactor | ➤ Micro Ultra Centrifuge |
| ➤ Fluorescent Microscope | ➤ Extra Cellular Flux Analyzer |
| ➤ Microplate Readers | ➤ Individually Ventilated Cages |
| ➤ 1260 Quaternary HPLC System | ➤ ECT Unit |
| | ➤ Rota Rod Apparatus |

- BIOPAC with ECG and EEG
- Elevated plus maze
- Plethysmo meter
- Any-maze video tracking system
- Automatic Blood Analyzer
- UV-VIS Spectrometers
- High-Speed Refrigerated Centrifuge
- Laser dopplers system with OXY measurement
- Tail flick analgesia meter
- Phase contrast microscope
- Spectramax M4 Multi mode Microplate Detection System
- Benchpro 4100 instrument card processing station
- Muse Cell Analyzer
- Veriti 96w Thermal Cycler
- Small Animal Anaesthesia System
- HPLCs (Analytical & Preparative)
- Agilent HPLC
- ACQUITY UPLC H-Class Bio
- LC-MS/MS Q-tof 6540
- Gas Chromatograph: GC-2014
- Automatic Digital Polarimeter
- FT-IR Spectrophotometers
- Parallel synthesizer 12 reaction station
- Dissolution test apparatus
- Stability Chambers
- Spray Dryer/ Fluidized Bed Dryer /Freeze Dryer
- Tablet Punching and Coating Machine
- Dissolution/ Disintegration Test Apparatus
- Brook Field Viscometer
- Differential scanning calorimetry
- Zetasizer Nano ZS
- Millipore Water Purification System
- GCMS (QQQ)
- ICPMS
- CAMAG TLC Visualizer 2
- Stereotaxic
- Vibrating Blade Microtome
- Multistation magnetic stirrer
- Texture Analyzer
- Gansons Coater
- Lipid Extruder
- HPLC Auto Sampler
- FTIR System
- Continuos Flow Reactor



facebook.com/niperhyd/



[@NIPERHyd](https://twitter.com/NIPERHyd)



[@niperhyd](https://www.instagram.com/niperhyd)

**National Institute of Pharmaceutical Education and Research (NIPER), Hyderabad
(Department of Pharmaceuticals, Ministry of Chemicals & Fertilizers, Govt. of India)**

Balanagar, Hyderabad, Telangana -500037

Ph: +91-40-23073740, +91-40-2373741, Fax: +91-40-23073751

Email: director@niperhyd.ac.in // niperhyd@gov.in

Website: www.niperhyd.ac.in